

भार्गव वंशावली संकलन



महर्षि भृगु



ब्रह्मा



महर्षि च्यवन



भगवान् परशुराम

भार्गव वंशावलियों के आधार एवं प्रणम्य पूर्वज



महर्षि च्यवन मन्दिर, ढोसी धाम पर आगे वाले हिस्से की दो गुमटी नई बनने तथा रंग रोगन के पश्चात का एक दृश्य

भार्गव वंशावली संकलन

संयोजक एवं संपादक

बाल कृष्ण भार्गव

193-डी, डी.डी.ए. फ्लैट (एम.आई.जी.)

राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

संकलन में विशेष सहयोग

डा. मनहर गोपाल (मीरजापुर)

श्री मथुरा प्रसाद (अलवर)

श्रीमती संतोष (दिल्ली)

मुद्रण / प्रकाशन में सहयोग

श्री विजय नारायण (दिल्ली)

श्री निहाल (दिल्ली)

श्री राकेश, श्री मुकेश (रैक्मो प्रेस, दिल्ली)

पुस्तिका प्रकाशन सौजन्य से

श्रीमती पुष्पा-श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव

एम-128, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-110048

प्रकाश नारायण

प्रधान

मनमोहन कुमार

प्रधान सचिव

ओम प्रकाश 'ओमी'

कोषाध्यक्ष



प्रकाशक : अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

ए-55, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076

प्रथम संस्करण : दिसम्बर 2008

मूल्य 100/- रुपये मात्र

विषय सूची

प्रस्तावना	4
संदेश : श्री प्रकाश नारायण, प्रधान-अखिल भारतीय भार्गव सभा	5
संदेश : श्री मनमोहन कुमार, प्रधान सचिव-अखिल भारतीय भार्गव सभा	5
भूमिका	6
भार्गवों के गोत्र एवं कुलदेवियाँ	7
अर्चट कुलदेवी का मन्दिर	8
शक्ति पीठ माँ भगवती शाकम्भरी	9
वधूसर अथवा दूसर भार्गव	10
मुख्यपृष्ठ की व्याख्या	11-12
भृगु वंशावली	13-18

खड - 1 गोत्र काश्यपि (कश्यप, कच्छप, काशी, काशिव आदि)

कुलदेवी	स्त्रोत	पृष्ठ संख्या
अर्चट	डा. मनहर गोपाल	मीरजापुर 1-26
अर्चट	श्री श्रीकृष्ण	अजमेर 27
अर्चट	श्री ओम प्रकाश	अलवर 28-29
अर्चट	श्री मथुरा प्रसाद	अलवर 30
अर्चट	श्री रघुबीर शरण	अलवर 31
अर्चट	श्री नगेन्द्र प्रकाश	नई दिल्ली 32-35
अर्चट	श्री प्रभात मुकुल	जयपुर 36
अर्चट	श्री ओम प्रकाश	अजमेर 37
जाखन	स्मारिका) 116वाँ वार्षिक अधिवेशन 2005	38-41
शकरा	स्मारिका) हरिद्वार	42
जीवन	श्री महेश	इलाहाबाद 43
सनमत	श्रीमती राजकुमारी, श्री राजेश दिल्ली	44
सनमत	श्री बी.एन. भार्गव	अजमेर 45
सनमत	श्री गोकुल प्रसाद	इन्दौर 46
सोहन शुक्ला	श्री दुर्गासिंह	बीकानेर 47
सनोते	श्री ओम प्रकाश 'ओमी'	दिल्ली 48
अनचट सोहन	श्री शिव कुमार	गाजियाबाद 49

खड - 2 गोत्र कोचहस्ति (कुत्स, कुछलश, कुचलश, कोछलस, कुचस आदि)

कुलदेवी	स्त्रोत	पृष्ठ संख्या
नागन	श्री प्रेम नारायण	अलीगढ़ 1-2
नागन	डा. नरेश	दिल्ली 3-4
नागन	श्री विजेन्द्र कुमार	जयपुर 5-6

खड - 3 गोत्र विद (बंदलश, बिंदलस, बदलश, वैद्य, बनकस, बद आदि)

कुलदेवी	स्त्रोत	पृष्ठ संख्या
आँचल	श्री सुरेन्द्र कुमार	इलाहाबाद 1-2
आँचल	श्री दिनेश चन्द	अजमेर 3
आँचल	श्री अशोक कुमार	दिल्ली 4-5
आँचल	श्री संदीप	लखनऊ 6
नागन फूसन	श्री लक्ष्मीकान्त	गाजियाबाद 7
नागन फूसन	श्री बालकृष्ण	दिल्ली 8
नागन फूसन	श्री राज	जयपुर 9
नागन फूसन	श्री राकेश	उज्जैन 10
नीमा	श्री गोकुल प्रसाद	इन्दौर 11
नीमा	श्री विष्णु कुमार	दिल्ली 12
ब्राह्मणी	डा. मनहर गोपाल	मीरजापुर 13
ब्राह्मणी	श्रीमती नीरा-जवाहर	आष्टी 14-18

खड - 4 गोत्र गांगेय (गागलश, गार्घ, गांगवश, गार्गश आदि)

कुलदेवी	स्त्रोत	पृष्ठ संख्या
अम्बा	श्री मनमोहन कुमार	गुडगाँव 1
अम्बा	श्री सत्येन्द्र नाथ	लखनऊ 2-4
अम्बा	श्री जगदीश चन्द्र	नई दिल्ली 5
अम्बा	श्री सत्य नारायण	नई दिल्ली 6
अम्बा	श्री प्रेम शंकर	जयपुर 7
अम्बा	श्री सुरेन्द्र नाथ	दिल्ली 8
रौसा-ईटा	मेजर शिवनाथ	अजमेर 9
रौसा-ईटा	श्री अवधेश कुमार	हरिद्वार 10
रौसा-ईटा	प्रो. दयानन्द	जयपुर 11
रौसा-ईटा	श्री रामेश्वर प्रसाद	भोपाल 12
ईटा	श्री मधुर	नई दिल्ली 13
ईटा	श्री कामेश्वर नाथ	धौलपुर 14

खड - 5 गोत्र गालव (गोलश, गोलव, गोचलस, गालवस आदि)

कुलदेवी	स्त्रोत	पृष्ठ संख्या
शकरा	डा. जसवन्त सिंह	नई दिल्ली 1
शकरा	श्री मोहन लाल	कानपुर 2
शकरा	श्री गोकुल प्रसाद	इन्दौर 3-6
शकरा	श्री ओंकार नाथ	मुलताई 7
शकरा	श्री नरेश्वर सहाय	रिवाड़ी 8-9
शकरा	श्री देवेन्द्र कुमर	नई दिल्ली 8-9
शकरा	डा. कृष्ण मोहन	अलवर 10-12
शकरा	डा. मनहर गोपाल	मीरजापुर 13
शकरा	श्री सत्य प्रकाश	धौलपुर 14
शकरा	श्री प्रकाश नारायण	लखनऊ 15
शकरा	श्री योगेश	दिल्ली 16-18
नागन	श्री कैलाश	रिवाड़ी 19
नागन	श्री अंकुर	अलवर 20

खड - 6 गोत्र वत्स (बछलस, बचलस, वात्स, बच्छस, बंगलश आदि)

कुलदेवी	स्त्रोत	पृष्ठ संख्या
तामां	श्री रामकृष्ण	आगरा 1-4
नागन	श्री चरणदास	आगरा 5
नागन	श्रीमती हेम	नई दिल्ली 6
नागन	श्री बी.आर. भार्गव	भरतपुर 7
नागन	श्री सुखदेव चरण	रिवाड़ी 8
नागन फूसन	श्री शयाम लाल	सहारनपुर 9
नागन फूसन	श्री मदन लाल	देहरादून 9
नागन फूसन	श्रीमती सुनन्दा-दिनेश	वाराणसी 10
नागन फूसन	श्री राजेन्द्र नाथ	जयपुर 11-12
नीमा	श्रीमती निधि-अजय	अलीगढ़ 13
नीमा	श्री प्रकाश चन्द्र	बैंगलोर 14
नीमा	श्री गोकुल प्रसाद	इन्दौर 15-17
नायन	कैटन केदारनाथ	अजमेर 18

प्रस्तावना

नमः पूर्वेभ्यः पथिकृदृभ्यः



श्री बालकृष्ण जी भार्गव द्वारा सम्पादित 125 से अधिक भार्गव परिवारों के वंशवृक्ष हमारे सामने हैं। निरचय ही इन वंशवृक्षों में अंगित व्यक्तियों को अपने पूर्वजों के नाम पढ़कर हर्षमिश्रित गर्व का अनुभव होगा। जिन जाति-बन्धुओं ने अपने वंशवृक्ष नहीं दिये हैं, उन्हें भी खोज-खोज कर अपने वंशवृक्ष सुरक्षित करवाने की प्रेरणा मिलेगी।

यह बिल्कुल सम्भव है कि हममें से किन्हीं के पास कोई दीर्घ वंशवृक्ष उपलब्ध न हो। वे जितना उपलब्ध है उतने से ही प्रारम्भ करें। एक दिन वही दीर्घ हो जायेगा। प्रारम्भ ही नहीं करेंगे, तो दीर्घ कैसे होगा?

वंशवृक्षों का महत्त्व केवल भावनात्मक ही नहीं है, वैज्ञानिक भी है। सन्तान शब्द का अर्थ है -- निरन्तरता। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हो सकता जिसके माता-पिता न हों। हमारे माता-पिता के भी माता-पिता अवश्य थे। इस कड़ी को कल्पना से अतीत में ले जायें तो इसका प्रारम्भ मिलेगा ही नहीं। यह कड़ी अनादि है। इस वंशावली में मेरे परिवार का भी वंशवृक्ष छपा है। कैसे रहे होंगे मेरे वे पूर्वज जब न बिजली थी, न रेल, न छापाखाना, न नल।

एक सुझाव और है। अब समाज पितॄमूलक न रहकर मातृपितॄमूलक होता जा रहा है। स्कूल केवल पिता का ही नहीं, माता का भी नाम पूछते हैं। पिछली पीढ़ियों में जितनी दूर तक माता का नाम याद पड़े, अगली बार उसे भी दिया जाये और पुत्रों के साथ पुत्रियों का नाम भी दर्ज करें। माता के नाम से सन्तान को याद करने की परम्परा इस देश में बहुत पुरानी है।

श्रीकृष्ण गीता में अर्जुन को उसकी माता कृत्ती के नाम पर “कौन्तेय” कहकर सम्बोधित करते हैं। यदि यह सुझाव माना जाता है तो वंशवृक्ष बनाने का ढंग बदलना होगा। किन्तु कम्यूटर के युग में यह कहना कठिन नहीं है। इससे यदि वंशवृक्ष बड़ा हो जायेगा तो यह तो शुभ ही है। इससे वे दम्पत्ति एक मिथ्या पीड़ा से भी बच जायेंगे, जिनके केवल कन्या-सन्तान हैं और वे गलती से मान बैठे हैं कि उनका तो वंश ही समाप्त हो गया। पुत्र जितना प्रेम माता-पिता से करते हैं, पुत्रियाँ कुछ उससे अधिक ही प्रेम करती हैं।

- प्रोफेसर दयानन्द भार्गव, अध्यक्ष, वेद विज्ञान पीठ, राजस्थान संस्कृत विश्व विद्यालय, जयपुर (संस्कृत-शास्त्र-वैद्युत्य के लिये राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित)



Prakash Narayan Bhargava
President
Akhil Bhartiya Bhargava Sabha (Regd.)

भगवान परशुराम जी की जय हो

संदेश

श्री बालकृष्ण भार्गव
संयोजक, वंशावली उपसमिति
अखिल भारतीय भार्गव सभा

महोदय,

भार्गव सभा के 119वें वार्षिक अधिवेशन के शुभ-अवसर पर आप भार्गव बन्धुओं से प्राप्त वंशावलियों को संकलित कर एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित कर रहे हैं। यह समाज को आपने जो अमूल्य धरोहर उपलब्ध कराई है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये कम ही है।

इस पुस्तिका से समाज के लोगों को अपने पूर्वजों एवं अपने जाति बन्धुओं के बारे में एक ही स्थान पर पूरी जानकारी उपलब्ध हो सकेगी एवं समाज के विभिन्न शहरों, प्रदेशों एवं देशों में रह रहे लोगों के बारे में भी समस्त जानकारी उपलब्ध होगी, जो भविष्य में हमारे एवं समाज के लिये एक धरोहर साबित होगी।

अत्यन्त अल्प समय में ऐसी अविस्मरणीय पुस्तिका के प्रकाशन जैसा कठिन एवं सराहनीय कार्य आप जैसा लगनशील कार्यकर्ता ही कर सकता है।

इस पुस्तिका के प्रकाशन के लिए आपको मेरी एवं समस्त भार्गव परिवारों की ओर से शुभकामनाएं व बधाई!

दिनांक 8-11-2008

आपका
प्रकाश नारायण भार्गव

Residence :
2/10, Vivek Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010
Tel.: 0522-2395416 • Mob.: 09415110636
Email : prakash_packagers@yahoo.co.in



मनमोहन कुमार भार्गव
प्रधान सचिव,
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजिं)

संदेश

श्री बालकृष्ण भार्गव
संयोजक, वंशावली उपसमिति
193-डी, डी.डी.ए. फ्लैट्स (एम.आई.जी.)
राजौरी गार्डन



नई दिल्ली-110027

प्रिय भाई बाल कृष्ण जी,

वंशावली अपने पूर्वजों की स्मृति को सदैव ताजा रखने एवं आपस में सम्बन्ध जानने की एक अद्भुत प्रणाली है।

सभा के 119वें वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर भार्गवों की वंशावली पर प्रकाशित होने वाली पुस्तिका पर बधाई एवं शुभकामनाएं।

हमारे समाज की वंशावली पर यह प्रथम पुस्तक है जो भविष्य के लिए धरोहर का रूप लेगी, ऐसी मेरी धारणा है।

सफलता की शुभ-कामनाओं सहित,

आपका
मनमोहन कुमार भार्गव

Residence :
D-4/7, DLF Qutab Enclave Phase-1, Gurgaon-122001
Tel.: (0124) 4051826, 4051827 • Mob.: 9810022036
Email : mk_bhargava@kumarprinters.com

भूमिका



श्री बाल कृष्ण भार्गव

सम्पन्न बैठक में वंशावली उपसमिति का गठन किया गया और निर्णय कर उस उपसमिति का मुझे संयोजक बनाकर आदेश दिया कि समस्त परिवारों से अनुरोध कर वंशावली एकत्रित कर एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित की जाय।

परिवारों की वंशावली देखने से पता चल जाता है कि यह कितनी बड़ी है और इसकी मूल व अन्य जड़ें कहाँ तक फैली हुई हैं। वंशावली आने वाली पीढ़ी के लिये जानकारी, जागरूकता, कोतुहल तथा पूर्वजों की स्मृति को अमरता प्रदान करती है।

वंशावली का झुकाव व रूचि अन्य देशों में भी देखने को मिलती है। गत वर्ष समाचार पत्र के माध्यम से पता चला था कि नीदरलैण्ड के पेटा स्पिट होस्ट जिनकी ऑन लाइन फैमिली ट्री के सदस्यों की संख्या 16860 है, जिसकी जड़ें छटी सदी के पश्चिम यूरोप के विषय सेंट अरनल्प से जुड़ी हुई हैं। फैमिली ट्री बनाने वाली वैबसाइट 'जेनी डाट कॉम' पर सबसे बड़ी फैमिली ट्री स्पिटहोस्ट की ही है। वंशवृक्ष की लोकप्रियता का पता तो इसी बात से लगता है कि जनवरी 2007 में लॉन्च की गई वैबसाइट पर मात्र दो माह में पाँच लाख लोगों के वंशवृक्षों में 60 लाख से अधिक नाम जुड़ गए।

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि भार्गव पत्रिका, भार्गव समाचार दर्शका में अनुरोध करने तथा भार्गव सभा, महिला सभाओं को व्यक्तिगत पत्रों के माध्यम से आग्रह करने पर 125 से अधिक वंशवृक्ष प्राप्त हुए हैं। प्राप्त वंशावलियों की संख्या से इस बात का पता तो चल ही जाता है कि भार्गव समाज में वंशावली पर रूचि, रुझान तथा जानकारी तो अवश्य है किन्तु समाज के परिवारों की संख्या को देखते हुए प्रतिशत काफी कम लगता है।

अनेकों बार अनुरोध किया गया था कि वंशावली हिन्दी में टाईप, कम्प्यूटराइज्ड या साफ अक्षरों में भेजें किन्तु बड़े दुःख के साथ बताना पड़ रहा है कि अनेक

बन्धुओं ने वंशावली अंग्रेज़ी में/अस्पष्ट हस्तलिखित या छाया प्रति भेजी है। ऐसी परिस्थिति में समस्त वंशावलियों को टाईप सैट कराकर भेजने वाले बन्धुओं के पास संशोधन हेतु भेजी थीं। कुछ बन्धुओं ने संशोधन कर वापिस कर दी और कुछ का उत्तर ही नहीं आया। अतः पुस्तिका में गलतियाँ होने की सम्भावना हो सकती है, जिसके लिये मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

वंशावलियों का संपादन करते समय पता चला कि हमारे अनेकों बन्धुओं के पास जन्म एवं मृत्यु तिथि, चित्र तथा उपलब्धि आदि की जानकारी नहीं है। चूँकि हमारे समाज की वंशावलियों पर यह प्रथम पुस्तिका है। अतः भविष्य में इसमें सुधार आयेगा और परिवारों के सदस्य तिथि, चित्र तथा उपलब्धि आदि को वंशावली में सम्मिलित करने का प्रयास करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।

प्राप्त समस्त वंशावलियों को 6 गोत्रों के अनुसार 1, 2, 3, 4, 5 तथा 6 खंडों में विभक्त कर छापा गया है। अपने परिवार की वंशावली देखने के लिये अपने गोत्र वाले खंड में जाकर कुलदेवी वाला पृष्ठ देखें एवं अपने पूर्वजों की स्मृति को ताजा करें। प्रत्येक वंशावली के पीछे का पृष्ठ सादा (Blank) रखा गया है ताकि वंशावली को अपडेट कर सदस्यों के चित्रों से संजोया जा सके।

यह पुस्तिका आज आपके हाथों में है, जिसका श्रेय सभा के प्रधान, श्री प्रकाश नारायण तथा प्रधान सचिव, श्री मनमोहन कुमार, सभा एवं वंशावली उपसमिति के समस्त पदाधिकारी तथा सदस्य और वंशावली भेजने वाले समस्त परिवारों को जाता है जिन्होंने मुझ पर विश्वास कर यह कार्य मुझे सोंपा ही नहीं वल्कि समय समय पर पूर्ण मार्गदर्शन व सहयोग दिया। मैं उन सब का आभार व्यक्त कर धन्यवाद देता हूँ। मैं अपनी धर्मपत्नी संतोष जी का भी आभारी हूँ जिन्होंने सम्पादन में सहयोग दिया।

साथ ही इस महत्वपूर्ण कार्य में विशेष रूप से मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए सभा के पूर्व प्रधान, श्री विजय नारायण जी तथा भार्गव पत्रिका के सह-सम्पादक, श्री निहाल का भी विशेष रूप से आभारी हूँ।

मैंने तो मात्र आप सबके आदेश एवं निर्णय का पालन दिया, कह नहीं सकता इसमें मैं कहाँ तक आपकी भावना एवं आशा पर खरा उत्तरा, इसमें यदि कहीं कोई त्रुटि है या किसी की भावना को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में ठेस पहुँची हो तो उसके लिये मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

अन्त में मैं स्वयं एवं भार्गव सभा की ओर से श्रीमती पुष्पा-श्री नगेन्द्र प्रकाश जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सौजन्य से इस पुस्तिका का प्रकाशन हुआ है।

दिसम्बर 2008

नई दिल्ली

बाल कृष्ण भार्गव

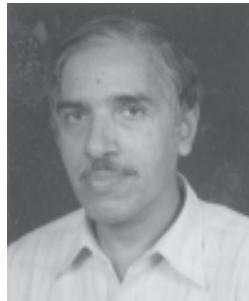
संयोजक एवं संपादक

भार्गवों के गोत्र एवं कुलदेवियाँ

भृगु से उत्पन्न होने के कारण उनकी सन्तानें भार्गव कहलाई। जब उनकी संख्या बढ़ी तो वे लोग अन्य स्थानों पर जाकर बस गये। हमारे ये पूर्वज महान ज्ञानी तथा ऋषि थे। इनकी सन्तानों ने अपने श्रेष्ठ पूर्वजों के नाम पर गोत्रों का नामकरण किया। वर्तमान में भार्गवों के कुल छह गोत्र हैं। हमारा वंश - भार्गव, उपवंश - च्यवन, वेद - शुक्ल यजुर्वेद, उपवेद - धनुर्वेद, कुलदेवता - वरुण, शाखा - माध्यन्दिनी, शिखा - मुण्डित, पाद - दाहिना, पूर्वजों का निकास स्थान - ढोसी, श्रौत एवं धर्मसूत्र - कात्यायन तथा गृह्ण सूत्र - पारस्कर है। गोत्र प्रवर्तक ऋषि थे। प्रत्येक गोत्र में जब सदस्यों की संख्या बढ़ी तो लोग अलग-अलग कुलदेवियों को पूजने लगे। एक ही कुलदेवी का कई गोत्रों में पाया जाना आश्चर्य का विषय है। इस प्रकार के आदान-प्रदान का कारण स्त्री थी। उसने अपने मातृपक्ष की कुलदेवी को अपना लिया। अकबर के शासनकाल में जब बैरम खाँ ने ढूसरों को मारने का हुक्म दिया तो ढूसरों ने विभिन्न परिवारों में जाकर शरण ली तथा उन्हीं का अल्ल धारण कर लिया। ऐसे - चौकड़ायत, बजाज, रायजादा, मुंशी, धोबी, किशनगढ़ वास वाले, दही वाले, शेख जी, बिलौनिया, कानौड़िया, मुंशी दीवान कोठी वाले आदि। आगे गोत्र का शुद्ध नाम, कोष्ठक में गोत्र का प्रचलित नाम तथा कुलदेवियाँ तथा कुल का पुराना नाम दिया जा रहा है।

1. गोत्र: काश्यपि (कश्यप, कच्छप, काशी, काशिव आदि)

कुलदेवी: 1. अम्बा, 2. अर्चट/अरचट, 3. आँचल, 4. कोढ़ा, 5. चावण्ड/चामुण्डा, 6. जाखन (यक्षिणी), 7. जीवन, 8. नागन, 9. नागन फूसन, 10. भैंसाचढ़ी, 11. शक्रा, 12. सनमत, 13. सोंडल/सोहन शुक्ला, 14. सोना



डा. मनहर गोपाल भार्गव

2. गोत्र: कोचहस्ति (कुत्स, कुछलश, कुचलश, कोछलस, कुचस आदि)
कुलदेवी: 15. कुलाहल, 16. नागन, 17. नागन फूसन, 18. भैंसाचढ़ी

3. गोत्र: विद (बंदलश, बिंदलस, बदलश, वैद्य, बनकस, बद आदि)
कुलदेवी: 19. आँचल, 20. ऊखल, 21. ककरा, 22. कूकस, 23. नागन/नागेश्वरी, 24. नागन फूसन, 25. नीमा, 26. बबूली/बम्बूली, 27. ब्राह्मणी/बामनी, 28. मंगोठी, 29. माहुल, 30. शीतला, 31. सुरजन

4. गोत्र: गांगेय (गागलश, गार्घ्य, गांगवश, गार्गश आदि)
कुलदेवी: 32. अपरा, 33. अम्बा, 34. अरचट/अर्चट, 35. ईटा, 36. चामुण्डा/चावण्ड, 37. नायन, 38. रौसा, 39. रौसा ईटा

5. गोत्र: गालव (गोलश, गोलव, गोचलस, गालवस आदि)
कुलदेवी: 40. शक्रा/शाकम्भरी, 41. नागन, 42. रौसा, 43. रौसा ईटा

6. गोत्र: वत्स (बछलस, बचलस, वात्स, बच्छस, बंगलश आदि)
कुलदेवी: 44. आँचल, 45. ईटा, 46. ऊखल, 47. ककरा, 48. कनकस/कनकस, 49. चाकमुंडेरी/ जाखमुंडेरी, 50. चावण्ड/चामुण्डा, 51. तामा/तांबा, 52. नागन, 53. नागन फूसन, 54. नागन स्याह, 55. नायन, 56. नीमा, 57. बामन/ब्राह्मणी/बावनी

इस प्रकार भार्गवों के 57 कुल हैं। यदि इनके अतिरिक्त गोत्र तथा कुल देवी बची हों तो कृपया मुझे अथवा श्री बाल कृष्ण भार्गव, 193-डी, डी. डी.ए. फ्लैट्स, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027, दूरभाष: 011-25972177, मोबाइल: 09891910968 के पास भेजने का कष्ट करें।

- डा. मनहर गोपाल भार्गव

गुरु नानक इण्टर कॉलेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर (उ.प्र.)

अर्चट कुलदेवी का मन्दिर



श्री मथुरा प्रसाद

मुगल काल के पूर्वार्ध में काश्यपि गोत्र के कुछ भार्गव परिवार तत्कालीन राजपूताना के अरावली की पहाड़ियों में बसे बम्बोरा और किशनगढ़ गाँवों में आकर बस गये। इसी वंश के श्री कृपालदास जी ने किशनगढ़ के पास एक नई बस्ती, बास कृपाल नगर नाम की बसा ली जो वर्तमान में किशनगढ़-बास कहलाती है। ये सभी परिवार 'किशनगढ़-बास' वाले कहलाने लगे। गोत्र के साथ कुलदेवियों के प्रचलन से इन परिवारों की 'अर्चट' कुलदेवी हो गई और शायद इन्होंने बम्बोरे के पास एक छोटी पहाड़ी पर अपनी कुलदेवी का मन्दिर बना लिया। पीढ़ी दर पीढ़ी शिक्षा प्राप्त कर इस वंश के लोग मुगल सल्तनत की राजकीय सेवा में कार्य करने लगे तथा देश के अन्य प्रान्तों में जाकर बसने लगे तथा विविध उद्योग धन्धे अपना लिये। इन परिवारों की गाँव की बड़ी-बड़ी पक्की हवेलियाँ वर्तमान में खण्डहर होकर अतीत का गौरव बता रही हैं। काल चक्र व भूगोलिक बदलाव से पहाड़ी पर बना देवी का मन्दिर भी मूर्ति सहित ध्वस्त हो गया और पहाड़ में विलीन हो गया। गाँव वाले उस पहाड़ी पर शौच आदि के लिये जाने लगे और चारों ओर गन्दगी रहने लगी।

विशम्बर दयाल, अध्यापक, ग्राम बम्बोरा, किशनगढ़-बास, अलवर ने बताया कि सन् 1988 में श्री काशीराम जी जालन्धर निवासी अपने पुत्र की बीमारी से बहुत परेशान थे। डॉक्टरों ने जवाब दे दिया था। वो अपनी पुत्रवधू जो बम्बोरा गाँव की थी के साथ बम्बोरा आये थे। काशीराम जी को देवी ने स्वप्न में कहा कि वो गाँव की पहाड़ी पर दबी पड़ी है और वहाँ मलमूत्र की गन्दगी से अत्यन्त दुखी है। अगर वो वहाँ सफाई कराकर पुनः मन्दिर बना दें तो उसका पुत्र ठीक हो जायेगा। परिवार वालों ने सफाई कराकर पहाड़ी पर एक छोटा सा मन्दिर बना कर देवी की मूर्ति स्थापित कर दी व पूजा पाठ करने लगे। काशीराम जी का पुत्र ठीक हो गया। वो श्रद्धापूर्वक तथा हर वर्ष माता के दर्शन करने आते थे। सन् 2000 में उनका देहान्त हो गया।

गाँव के श्रद्धालुओं ने सामूहिक आर्थिक सहयोग व श्रमदान से मन्दिर का

काफी विकास कर लिया है और पहाड़ी पर जाने की पक्की सड़क बना दी है। हर वर्ष सितम्बर-अक्टूबर माह में यहाँ मेला लगता है, जिसमें आसपास के काफी गाँव वाले भाग लेते हैं। मन्दिर में पुजारी नियमित रूप से दैनिक पूजा करता है।

इसी गोत्र व कुलदेवी के वंश में, मैं पुत्र स्व. सोहनलाल भार्गव, निवासी अलवर तथा श्री राजेश्वरनाथ पुत्र स्व. श्री दीनानाथ, आगरा निवासी (जो आजकल अलवर में रह रहे हैं), कार से बम्बोरा तथा बास

कृपाल नगर गये थे तभी गाँव वालों ने उक्त देवी मन्दिर के बारे में हमें उक्त सभी बातें बताई। हमें इसके अलावा इस क्षेत्र में अन्य कोई प्राचीन मन्दिर नहीं मिला। हमें यह भी बताया कि देवी की कृपा से यहाँ और भी 2-3 चमत्कारी* बातें हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहाड़ी पर पहले जो प्राचीन मन्दिर था, हो सकता है हमारे पूर्वजों ने अपनी कुलदेवी की पूजा अर्चना करने हेतु बनवाया हो। अन्ततोगत्वा हमें अपनी कुलदेवी की पूजा इत्यादि करने हेतु एक उचित स्थान हमारे उद्गमस्थल पर ही मिल गया। गाँव वालों ने इस मन्दिर को 'अर्चट देवी का मन्दिर' नामकरण कर दिया है।

आइये, हम सभी कश्यपि गोत्र तथा अर्चट कुलदेवी पूजक परिवार इस मन्दिर में आकर देवी के दर्शन व पूजा करें तथा इस मन्दिर के विकास की योजना बनायें। मन्दिर तक पहुँचने के लिये अलवर-दिल्ली वाया भिवाड़ी मार्ग पर अलवर शहर से करीब 32 किलोमीटर दूर बम्बोरा गाँव की घाटी में सड़क के किनारे एक हनुमान मन्दिर है। इसके बाँई ओर सड़क करीब 3 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर बने कुलदेवी के मन्दिर तक जाती है, जिसका लाल गुम्बद दूर से दिखाई देता है। अलवर से किशनगढ़ व तिजारा जाने वाली बसों, टैक्सी या अपनी कार से वहाँ जा सकते हैं। इस सम्बन्ध में अपने विचार और प्रतिक्रिया निम्न हस्ताक्षरकर्ता को भेज सकते हैं।

- श्री मथुरा प्रसाद भार्गव, मकान नं. 13/256 महताबसिंह का नौहरा, अलवर,
मो. 9414445571, फोन 0144-2337041



डा. राजकमल, गुडगाँव
के सौजन्य से

शक्तिपीठ माँ भगवती शाकम्भरी

गोलश गोत्रीय भार्गवों की कुलदेवी शक्रा (शंकरा) आदि शक्ति माँ भगवती शाकम्भरी का ऐतिहासिक भव्य मन्दिर, राजस्थान के सीकर जिले में, सीकर से 60 कि.मी. दूर उदयपुरवाटी ग्राम से लगभग 16 कि.मी. दूर पहाड़ों के बीच स्थित है। यह स्थान आरोग्यदायिनी जड़ी बूटियाँ, फलदार वृक्षों और वर्षा काल में झरनों से मनोरम हो जाता है।



प्रवेश द्वार

तभी उनके अस्त्र शस्त्र गल गए। अपने आपको पापमुक्त हुआ मानकर युधिष्ठिर ने देवी शंकरा का मन्दिर बनवाया।

मन्दिर परिसर में उपलब्ध शिलालेखों के अनुसार शंकरा देवी के मन्दिर का मण्डप धूसर वंशीय यशोवर्धन, धरकट वंशीय (गर्ग) भट्टीयक तथा शिव ने सामूहिक रूप से द्वितीय आषाढ़ सुदी 2 सम्वत् 749 में निर्माण कराया।

मन्दिर में भगवती शाकम्भरी (शंकरा/सकराय) व काली की मूर्तियाँ हैं। शाकम्भरी देवी की मूर्ति तो 2000 वर्ष से भी पुरानी है। मूर्तियों के केवल श्रीमुख ही दिखाई देते हैं, शेष अंग वस्त्रों से ढके हुए हैं।

मन्दिर नाथ सम्प्रदाय के अधिकार में है। मन्दिर का सभा-मण्डप 26 स्तम्भों पर आधारित है और जमीन से 3 फुट ऊँचाई वाले चबूतरे पर बना है। मन्दिर के वृत्ताकार गर्भगृह में चाँदी के बड़े

नक्काशीदार सिंहासन पर देवी विराजमान है। मन्दिर में सैंकड़ों वर्षों से अखण्ड ज्योति का दीपक निरन्तर जलता रहता है। गणेश, धैरव, सरस्वती की मूर्तियाँ भी स्थापित हैं। निकट ही गुप्त कालीन एकमुखी शिवलिंग का जटाशंकर मन्दिर तथा मदनमोहन जी का मन्दिर भी है। शाकम्भरी का जयन्ती दिवस पौष शुक्ला पूर्णिमा है। चैत्र व आश्विन नवरात्रों में इस शक्तिपीठ में मेला लगता है।

माँ शाकम्भरी दूसर भार्गव, अग्रवाल, खण्डेलवाल, गौड़ ब्राह्मण एवं चौहान राजाओं की कुलदेवी है। चौहान राजाओं की आराध्य देवी शाकम्भरी अब जन जन द्वारा पूजी जाती है।

उदयपुरवाटी पहुँचने के लिए जयपुर, सीकर, झुन्झुनू रेलवे स्टेशनों से सीधी बस सेवा है।

बी-142, सेठी कॉलोनी, जयपुर

स्व. विष्णु नारायण भार्गव



मन्दिर में स्थापित मूर्तियाँ



बधूसर अथवा दूसर भार्गव

प्रारम्भिक काल में आर्य लोग सिन्धु से सरस्वती तक के प्रदेश में रहते थे, जिसे सात नदियों का प्रदेश/सप्त सिन्धु कहते थे। वैदिक युग के बाद भी कई शताब्दियों तक ब्राह्मण अनेक जातियों में विभक्त नहीं हुए थे। मध्य युग के आते आते ब्राह्मण कश्मीर से कन्याकुमारी तक बस गए तब एक प्रदेश के ब्राह्मणों का दूसरे प्रदेश के ब्राह्मणों से सम्पर्क करना कठिन हो गया। फलस्वरूप उत्तर भारत की जातियों में पाँच जातियों:- 1. सरस्वती नदी के पश्चिम में स्थित पंजाब और कश्मीर प्रदेशों के ब्राह्मण सारस्वत 2. कुरु अथवा गुरु प्रदेश अर्थात् आधुनिक हरियाणा के ब्राह्मण निवासी गौड़ 3. कान्यकुञ्ज यानि कन्नौज के आस पास रहने वाले ब्राह्मण कान्यकुञ्ज 4. मिथिला अर्थात् बिहार के ब्राह्मण मैथिल और 5. उत्कल अर्थात् उड़ीसा में रहने वाले ब्राह्मण उत्कल कहलाए। कुरु अथवा गुरु प्रेश आर्य सभ्यता का केन्द्र माना जाता था, अतः उसके नाम पर ये सभी ब्राह्मण सामान्य रूप से पंच गौड़ कहलाये।

इसी प्रकार विन्ध्य के दक्षिण में रहने वाले ब्राह्मणों की पाँच जातियाँ:- (1) गुजरात में रहने वाले ब्राह्मण गुर्जर; (2) महाराष्ट्र में रहने वाले महाराष्ट्र; (3) आन्ध्र प्रदेश में रहने वाले तैलंग; (4) कर्नाटक में रहने वाले कर्णाट और; (5) तमिल नाडु तथा कर्ल में रहने वाले द्रविड़ कहलाए। तमिल अथवा द्रविड़ प्रदेश द्रविड़ सभ्यता का केन्द्र रहा फलस्वरूप उसके नाम पर विन्ध्य के दक्षिण के सभी प्रदेशों के ब्राह्मण सामान्य रूप से पंच ब्राह्मण कहलाए। कलान्तर में ये दसों ब्राह्मण जातियाँ अनेकों शाखाओं और प्रशाखाओं में विभक्त हो गईं। गौड़ ब्राह्मण में गोत्र के अतिरिक्त, स्थान के आधार पर शासन नामक एक और भेद उत्पन्न हो गया। भार्गव गोत्री गौड़ ब्राह्मणों का एक समूह कूंडिया कहलाया और दूसरा धूसर ढसिया अथवा ढोसीवाल कहलाने लगा। आदि गौड़ ब्राह्मणोंपति में उल्लिखित धूसर, ढसिया या ढोसीवाल ही आधुनिक दूसर भार्गव हैं। ये लोग किसी समय में एक पृथक जाति के रूप में संगठित हो गये। दूसर भार्गवों का एक पृथक समुदाय के रूप में सर्व प्रथम उल्लेख सोलहवीं शताब्दी में मुगल सप्राट अकबर के समय में मिलता है।

हरियाणा के नारनौल ग्राम के पास स्थित ढोसी नामक ग्राम के पास भार्गवों के आदि पूर्वज महर्षि च्यवन का आश्रम था। इसी ढोसी के निवासी भार्गव दूसर कहलाए। दूसरों की उत्पत्ति का एक पुष्ट प्रमाण लेखक रामरूप द्वारा रचित 'गुरु भक्ति प्रकाश' नामक ग्रन्थ से मिलता है जिसमें चरन दास जी के विषय में कहा गया है:-

दूसर जाति चिमन से भयउ, अब दिल्ली में वासा लयउ।

किन्तु जो भृगुवंशी ब्राह्मण प्राचीन काल में ढोसी नामक स्थान /बधूसर नदी के आस पास रहे दूसर कहलाए और जो अपने मूल स्थान को छोड़ कर चले गए वह बधूसर या दूसर नहीं कहलाएं। महर्षि च्यवन के आश्रम के भौगोलिक क्षेत्र के सम्बन्ध में दूसर भार्गवों में प्रचलित परम्परा की पुष्टि महाभारत से भी होती है। महाभारत के अनुसार महर्षि च्यवन का आश्रम कुरुक्षेत्र के समीप बहने वाली बधूसरा नदी के समीप ही था। यही बधूसरा नदी हरियाणा में बहने वाली आधुनिक दुहान है। बधूसर शब्द का व लुप्त हो कर धूसर बन गया कालान्तर में धूसर शब्द के 'ध' के स्थान पर 'ढ' आ जाने से 'दूसर' शब्द बन गया। वास्तव में वैसे देखा जाय तो ढोसी ग्राम का नाम भी बधूसरा का ही अपभ्रंश शब्द है।

दूसर भार्गवों के गौत्रों से भी इस बात की पुष्टि होती है कि वे सब तोग भृगुवंशी हैं और आदि पुरुष महर्षि भृगु की संतान होने के कारण भार्गव कहलाते हैं। दूसर भार्गवों में छः गोत्र हैं। इनमें से तीन यानि वृछलश अथवा वत्स, कुछलश अथवा कुत्स और गोलश अथवा गालव गोत्र भृगुवंश के वत्स पक्ष के अन्तर्गत आते हैं और इनके प्रवर भृगु, च्यवन, अप्रवान, उर्वा और जमदग्नि हैं। बिंदलश अथवा विद गोत्र विद पक्ष के अन्तर्गत आते हैं, इसके प्रवर भृगु, च्यवन, अप्रवान उर्वा और विद है। गागलश अथवा गार्य और काशिप अथवा काश्यप गोत्र यास्क पक्ष के अन्तर्गत आते हैं। इनके प्रवर भृगु, वीतहब्य और साबेतस हैं। गोत्र प्रवर के नियमों के अनुसार वत्स, कुत्स, गालव और विद गोत्र वाले केवल गार्य और काश्यपि गोत्र वालों से विवाह कर सकते हैं परन्तु न तो वत्स, कुत्स, गालव और विद गोत्र वाले एक दूसरे से विवाह कर सकते हैं, न गार्य और काश्यपि गोत्र वाले एक दूसरे से विवाह कर सकते हैं।

दूसर भार्गव एक प्रथक जाति के रूप में उभर कर निकले तो, किन्तु अल्पसंख्यक होने के कारण गोत्र प्रवर के नियमों का पालन करना कठिन सा हो गया विवाह होने में कठिनाई होने लगी तब गोत्र को अनेक कुलों में विभाजित कर दिया और प्रत्येक कुल की एक कुल देवी बना दी गई :- जैसे विद गोत्र में चौकडायत कुल की आंचल कुलदेवी और बजाज कुल की नीमा कुलदेवी और रायजादा कुल की ब्राह्मणी कुल देवी है। एक ही कुल में विवाह करना वर्जित कर दिया। काश्यप गोत्र में मुन्शी कुल की जीवन और दहीवालों की चांवड और किशनगढ़ बासवालों की अरचट कुलदेवी है।

दूसर भार्गवों में समान गोत्र में विवाह हो सकता है, किन्तु समान कुल में नहीं। हम सबको इस नियम का दृढ़ता से पालन करना चाहिये क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह अति आवश्यक है। हमें कुल देवियों के मनगढन नामों को त्याग कर सही नामों को ही अपनाना चाहिये।

(संदर्भ भार्गव जाति का इतिहास)

— श्रीमती संतोष-बाल कृष्ण भार्गव, 193-डी, डी.डी.ए. फ्लैट्स (एम आई जी), राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027 (09891910968, 25972177)

मुख्यपृष्ठ की व्याख्या : विशिष्ट पूर्वजों का संक्षिप्त परिचय

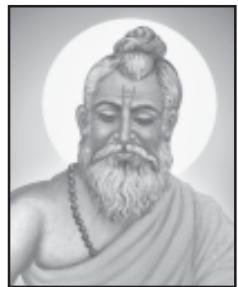
ब्रह्मा जी

हिन्दू पुराणों के अनुसार सृष्टि को केवल तीन देवता संचालित करते हैं, उनमें से एक ब्रह्मा जी जो सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के अनेक कार्यों के संचालक हैं और जिनकी उत्पत्ति विष्णु भगवान की नाभि से हुई है। ब्रह्मा जी सृष्टि के सृजनकर्ता हैं और विश्व में उनका एकमात्र मन्दिर पुष्कर (अजमेर) में है, जिसे 'पुष्कर' तीर्थ कहा जाता है।



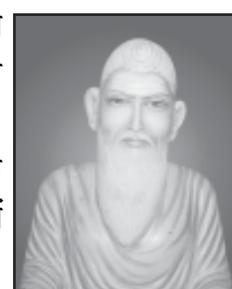
महर्षि भृगु

भार्गव जाति की उत्पत्ति महर्षि भृगु से मानी जाती है। सृष्टि के आरम्भ में मात्र 'महाचेतना' थी, उसने सृष्टि की उत्पत्ति का संकल्प किया। धर्म शास्त्रों के अनुसार उसने सर्वप्रथम त्रिदेवों की सृष्टि की। ब्रह्मा को उत्पत्ति, विष्णु को पालन व महेश को संहार का दायित्व सौंपा गया। ब्रह्मा ने अपनी संकल्प शक्ति से अनेक मानस पुत्रों को जन्म दिया। इनमें भृगु, ऋभु, अत्रि, मरीचि, अंगिरा, पुलह, क्रतु अधिक प्रसिद्ध हैं।



महर्षि च्यवन

महर्षि भृगु के दो पत्नियाँ थीं। ख्याति से उन्हें दो पुत्र धाता एवं विधाता तथा एक पुत्री श्री लक्ष्मी हुई। दूसरी पत्नी दिव्या से उन्हें दो पुत्र कवि एवं च्यवन हुए। भारतीय समाज और साहित्य में च्यवन एक लोकप्रिय नाम है। यौवन और स्वास्थ्य को बनाये रखने में 'च्यवन-प्राश' उन्हीं के नाम को लेकर जग-प्रसिद्ध है।



देवताओं के चिकित्सक अश्विनी कुमारों ने उन्हें इस कार्य में योग दिया। च्यवन ईश्वर भक्त, साधना-समर्पित, गौ-प्रेमी, प्राणी मात्र से प्रेम करने वाले और न्याय प्रिय थे। आपने ढोसी पर्वत पर तपस्या की। अतः उनके वंशज दूसर/भार्गव कहलाए।

• • •

भगवान परशुराम

रामायण-काल से महाभारत काल तक भारतीय इतिहास में परशुराम छाए रहे। ब्राह्मण संस्कृति के रक्षार्थ और क्षत्रिय निरंकुशता को नियंत्रित करने में उन्होंने अद्भुत सफलता प्रदर्शित की। राम-सीता विवाह के समय शिव धनुष भंग होने के पश्चात् राम-परशुराम संवाद बाल्मीकि रामायण में विख्यात है। शिव की अनन्य भक्ति से उन्हें 'परशु' नामक अमोघ अस्त्र प्राप्त हुआ। इसी से इनका नाम परशुराम पड़ गया। पितृ-भक्ति और आज्ञा-पालन ने उन्हें 'अपराजेय' और चिरंजीवी की स्थिति में पहुँचाया। तत्कालीन शक्तिशाली एवं अहंभावी सहस्रार्जुन का उन्होंने वध किया और बाद में पिता के वध के प्रतिशोध हेतु उन्होंने उसके दस हजार पुत्रों को मौत के घाट उतार दिया। धनुर्विद्या में प्रवीण परशुराम के शिष्यों में भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य व कर्ण के नाम उल्लेखनीय हैं। उन्होंने अनेक तीर्थ यात्राएँ की और महेन्द्राचल को अपना स्थायी निवास बनाया। अन्याय व अत्याचार के विरुद्ध सतत संघर्ष के सन्दर्भ में वे समस्त ब्राह्मण समुदाय के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। गीता के अनुसार जब-जब धरा पर धर्म की हानि होती है और अत्याचार बढ़ जाते हैं, प्रभु अवतार लेते हैं। इसी संदर्भ में, श्रीमद्भागवत महापुराण के निम्नलिखित श्लोक के अनुसार परशुराम को ईश्वर के चौबीस अवतारों की शृंखला में सोलहवाँ अवतार माना जाता है।

अवतारे षोडशमे पश्यन् ब्रह्मद्वुहो नृपान।
त्रिः सप्त कृत्वः कुपितो निःक्षत्राम करोन्महीम॥



सग्राट हेमचन्द्र विक्रमादित्य

महर्षि भृगु ने 'भृगु संहिता दी' मुनि च्यवन ने अश्वनी कुमारों की सहायता से चुनी हुई जड़ी-बूटियों के सम्मिश्रण से स्वास्थ्य और यौवन हेतु 'च्यवन-प्राश' दिया। शुक्राचार्य स्वयं तो ईश्वर भक्त थे ही, दैत्य-गुरु रहते हुए उन्होंने ईश्वर-विरोधी हिरण्यकशिपु के पुत्र प्रह्लाद, पौत्र विरोचन एवं प्रपौत्र बलि को ईश्वर-भक्ति की प्रेरणा दी। तेजस्वी परशुराम ने ब्राह्मणों की अस्मिता पर प्रहार का दो टूक उत्तर देते हुए पृथ्वी को 'क्षत्रिय-शून्य' कर दिया और जब सोलहवीं शताब्दी में, मध्य युग में सल्तनत युग के पतन और मुगल युग के प्रारम्भ के पूर्व उत्तरी भारत में अराजकता की स्थिति थी भृगु वंश ने एक नये सितारे को जन्म दिया, जिसका नाम था हेमचन्द्र विक्रमादित्य। जिसकी बीरता की कहानी लोक गीतों में गाई जाती है।



संत चरणदास



मध्य युग में, सल्तनत व मुगल युग में, इस्लामी राज्य रहे। बारहवीं शताब्दी में मुहम्मद गौरी के आक्रमणों में पृथ्वीराज चौहान पराजित हो गया। अनेक मुस्लिम शासकों ने बलपूर्वक भारत में इस्लाम का प्रचार किया। समूचे एशिया में भारत प्राकृतिक समृद्धि के कारण लोगों का सदा से आकर्षण का केन्द्र रहा।

इसलिए प्राचीन काल से यहाँ अनेक प्रजातियाँ यथा यूनानी, कुषाण, हूण, शक, सीरियन, मंगोल आदि, आती रहीं। अपने अविकसित धर्म एवं संस्कृति के कारण वे प्रजातियाँ भारतीय धर्म व संस्कृति में आत्मसात हो गई। किन्तु इस्लामी शासकों ने जो केवल अपने धर्म के अनुयायियों को ही आस्तिक मानते थे और मात्र 'अल्लाह' को ईश्वर, ने अन्य धर्मावलम्बियों को नास्तिक मान बलात् इस्लाम में परिवर्तित किया। राजनीतिक निर्बलता, किसी एक

केन्द्रीय शक्ति का अभाव व निर्बल छोटी-छोटी रिसायतें धर्म व संस्कृति की रक्षा में असमर्थ सिद्ध हुईं। ऐसे में भक्तिवादी सन्तों ने हिन्दू धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया। तुलसीदास, सूरदास, नामदेव, रैदास, दादू, नरसी महता, चैतन्य महाप्रभु, मीरा, सहजो बाई - इसी श्रृंखला के संत थे। जिन्होंने हिन्दू धर्म की अलख जगाए रखी। संत चरणदास भी इसी भक्तिवादी आन्दोलन की एक कड़ी थे। उन्होंने अपने तपस्वी जीवन, ईश्वर के सतत स्मरण, भक्ति, गुरु-प्रेम, जन-हित और अमूल्य उपदेशों द्वारा तत्कालीन समाज का मार्गदर्शन किया। वे भृगु वंश रूपी मणि-माला के एक अनमोल मुक्ता हैं। वे योगी थे। आपके द्वारा बताई भविष्यवाणी सत्य साबित हुई। आपने अपने साहित्य से जनता में ज्ञान बढ़ाया एवं स्वरोदय ज्ञान को समझाया।

• • •

सहजोबाई

अठारहवीं शताब्दी में तत्कालीन समाज की परम्पराओं के अनुरूप 11 वर्ष की आयु में सहजोबाई के विवाहोत्सव पर आशीर्वाद देने हेतु दिल्ली के परीक्षितपुरा नामक स्थान पर संत चरणदास को भी आमंत्रित किया गया, तब त्रिकालदर्शी संत चरणदास ने सजी-संवरी दुल्हन सहजो बाई को देखते ही कहा -



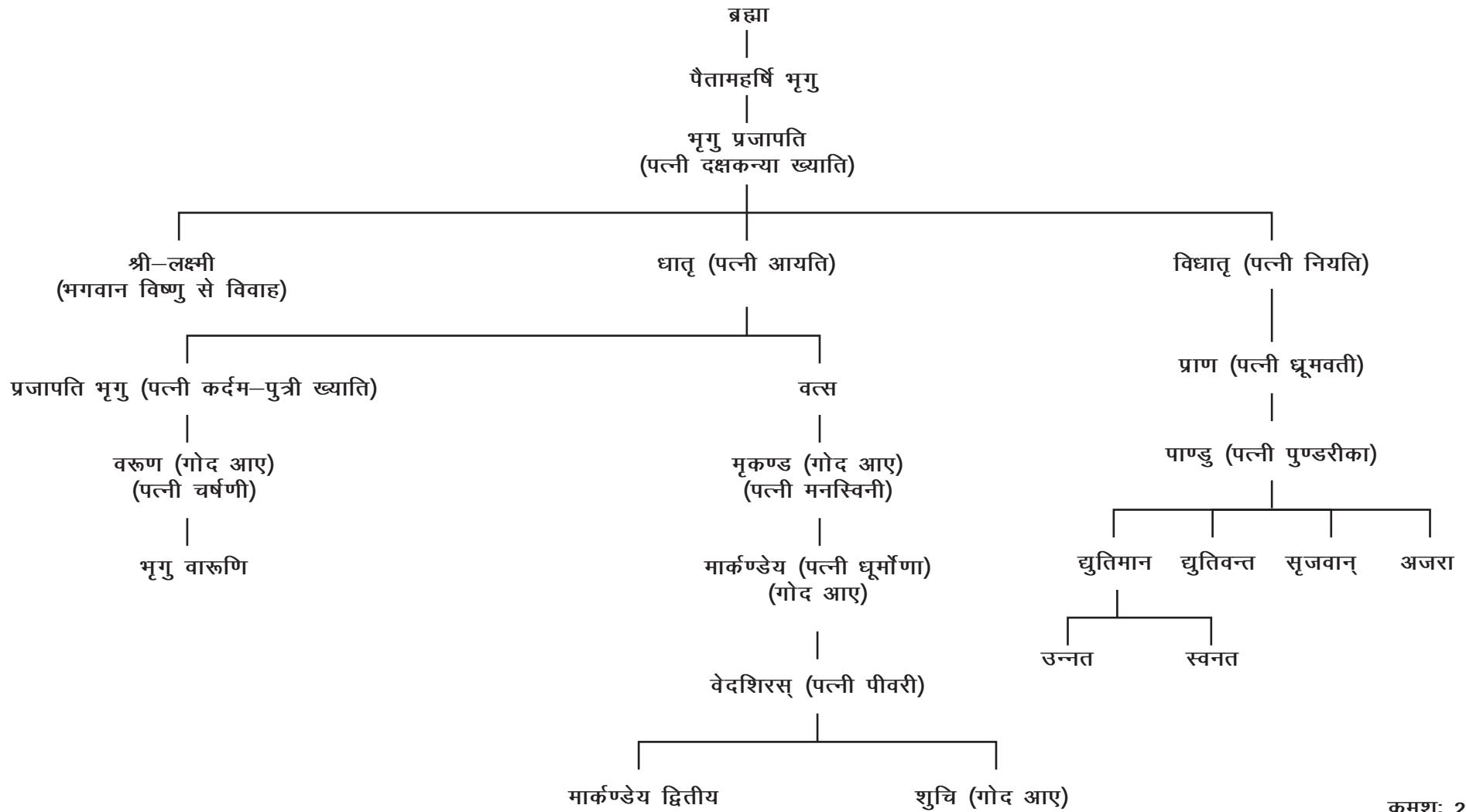
सहजो तनिक सुहाग पर, कहा गुदाए शीस।
मरना है रहना नहीं, जाना बिस्वे बीस॥

ये वचन सुन, सहजो बाई के पूर्व जन्म के धर्म-अध्यात्म के संस्कार जाग उठे। उसने अपना श्रृंगार उतार परिवारजनों से कहा कि वह विवाह नहीं करेगी। संत की भविष्यवाणी और भगवत् इच्छा को कौन टाल सकता है? आतिशबाजी के कारण आती बारात में नौशे का घोड़ा बिदक गया, पेड़ से टकराया और वर की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इस दुःखद घटना और चरणदास जी के वचनों के पश्चात् सहजोबाई, उनके माता-पिता और चारों भाई उनके शिष्य हो गए।

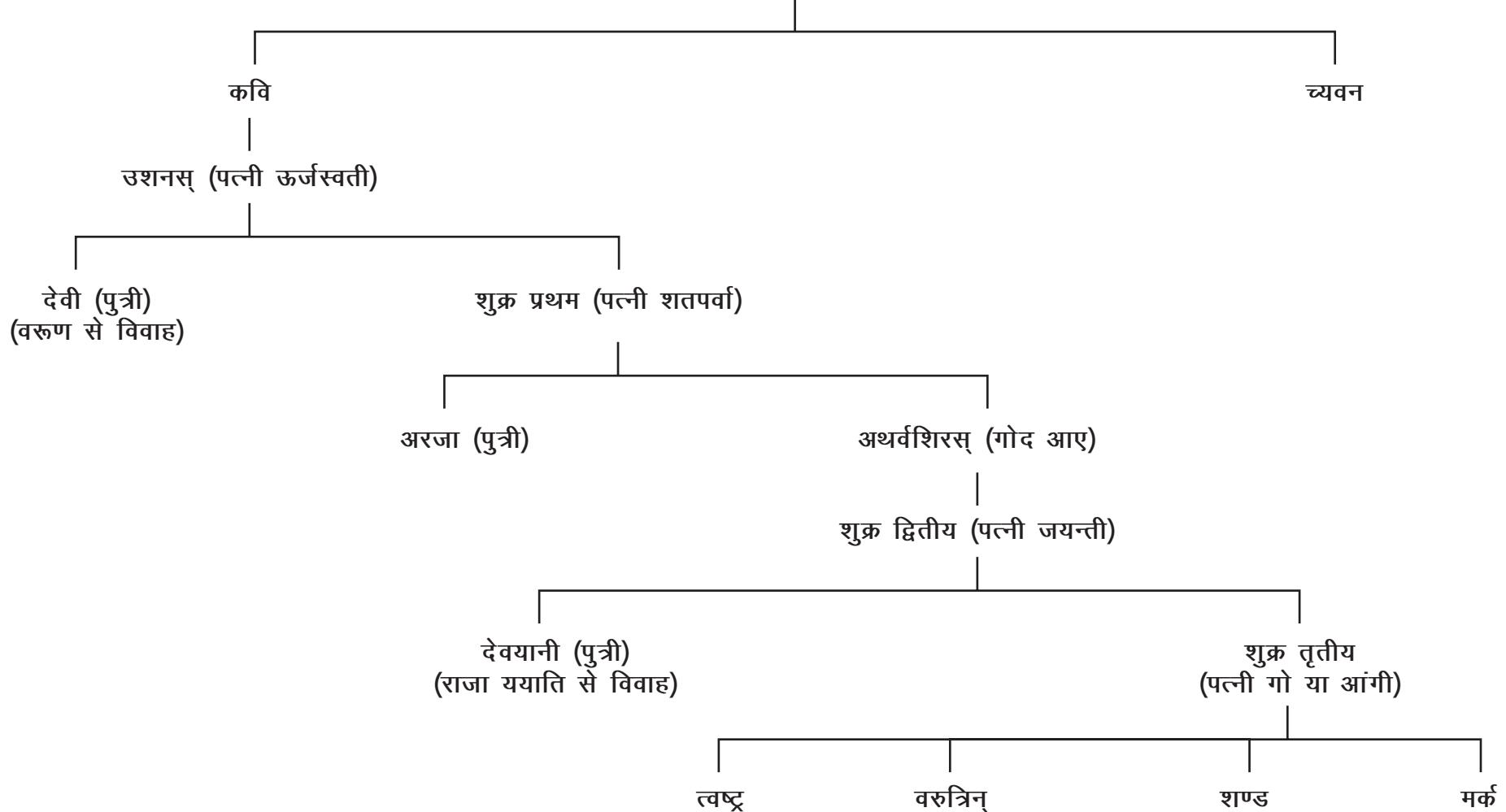
• • •

भृगु वंशावली

भृगु वंशावली में सर्वप्रथम नाम भृगु का आता है। वायु पुराण (9, 68-69) के अनुसार ये ब्रह्मा के मानस पुत्र थे। यह सर्वमान्य सथ्य है कि सृष्टि का विस्तार ब्रह्मा से हुआ, अतएव इन्हें ब्रह्मा का पुत्र मानना असंगत न होगा। महाभारत (अनुशासन पर्व 18, 106) के अनुसार इनका नाम पैतामहर्षि भृगु है। इनके पुत्र भृगु प्रजापति (महा. सभापर्व 11-14 तथा वायु पुराण 65-73) हुये। इन्होने दक्ष कन्या ख्याति (ब्रह्माण्ड 2-11, 1-10, 13-62) से विवाह किया। आगे की पीढ़ियों को खड़ी रेखाओं द्वारा दर्शाया गया है।

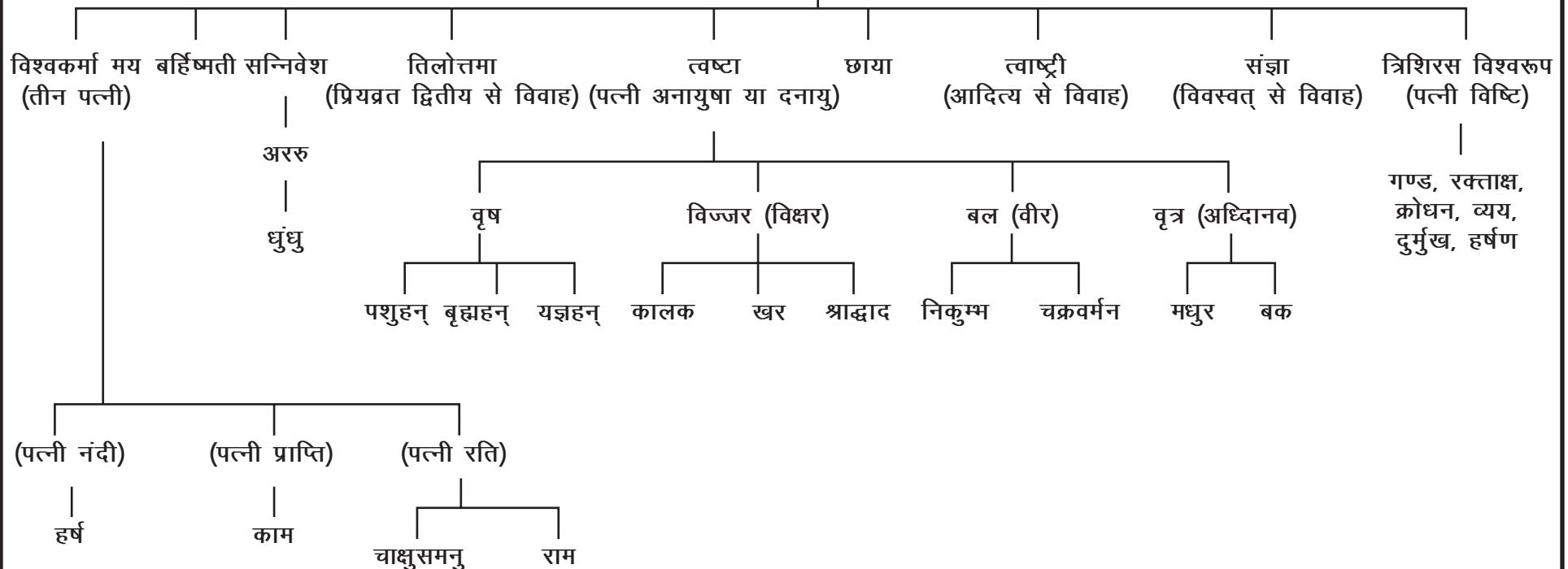


भृगु वारुणि = Viraj Sang
(पत्नी दिव्या पुलोमा)

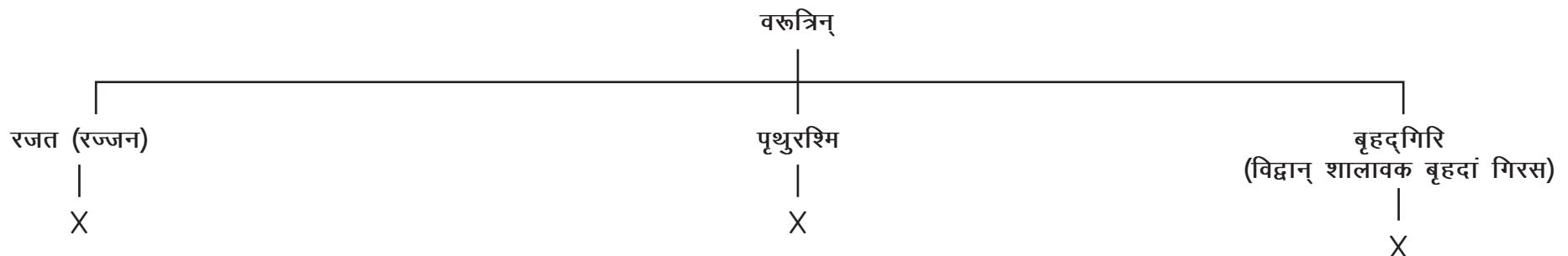


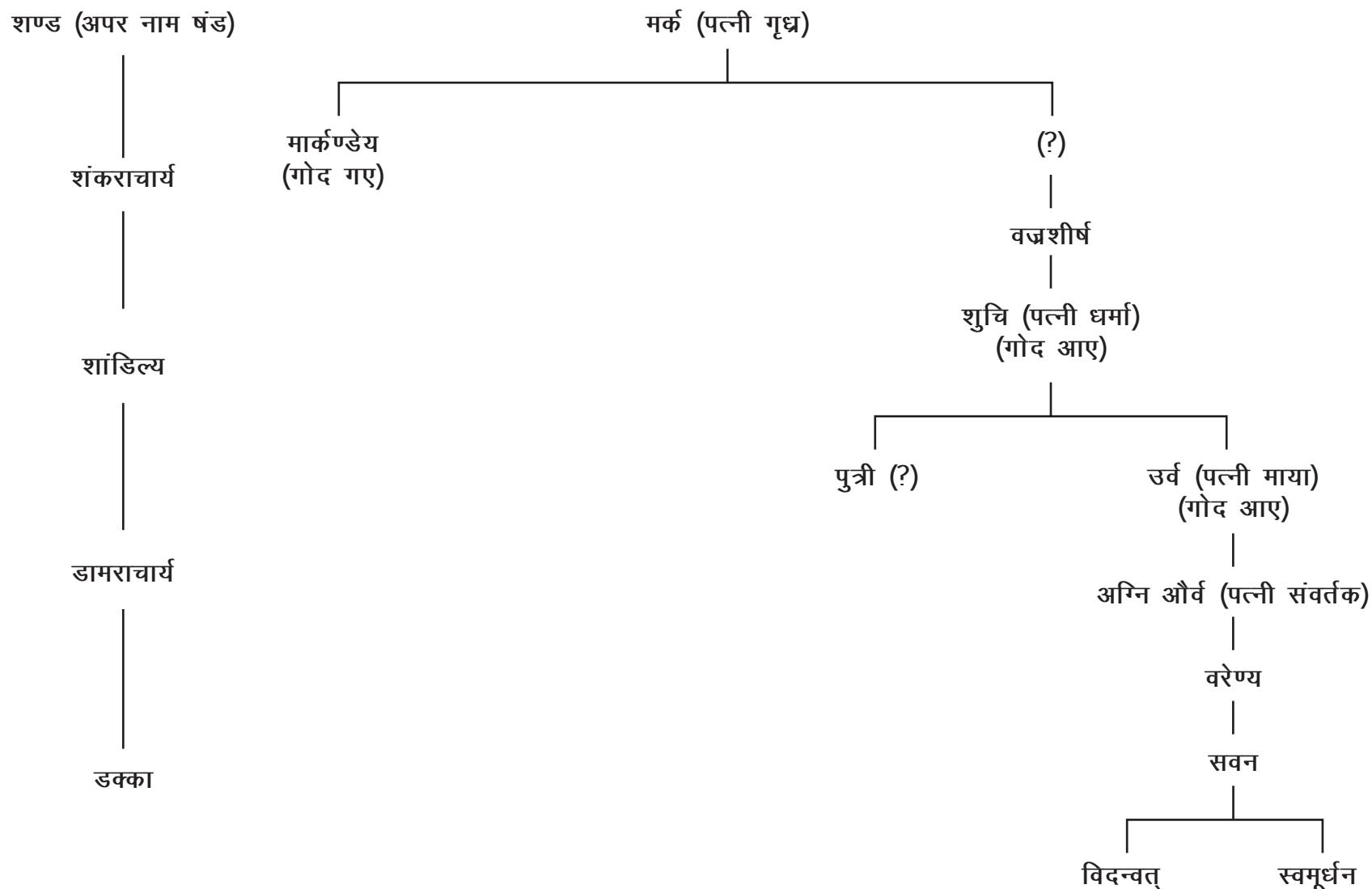
क्रमशः 3

त्वष्ट्र
(पत्नी वैरोचिनी यशोधरा)

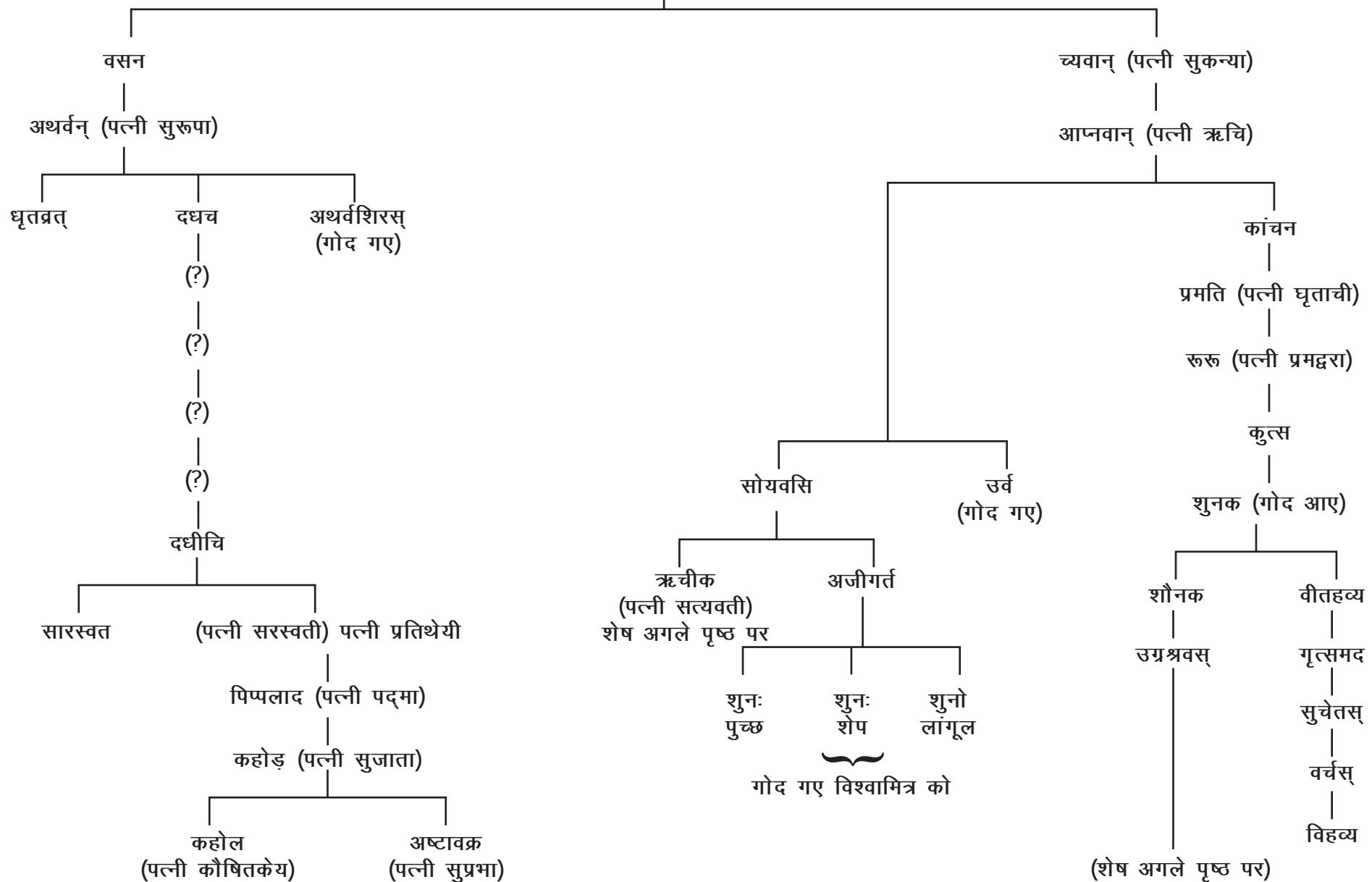


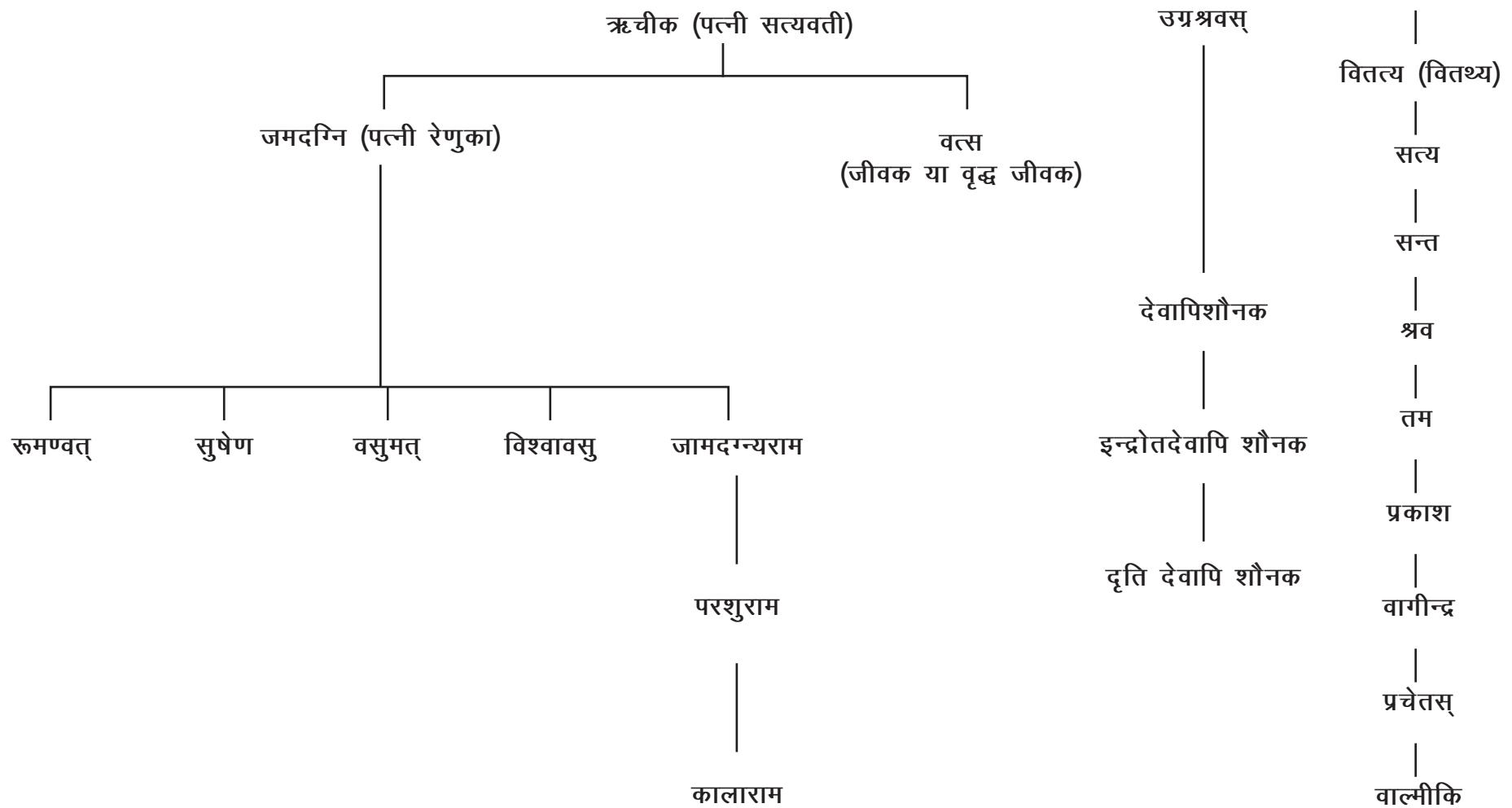
वरुत्रिन् के परिवार में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि उसके समस्त पुत्र देवासुर संग्राम में मारे गए।





च्यवन (पत्नी आरुषि)



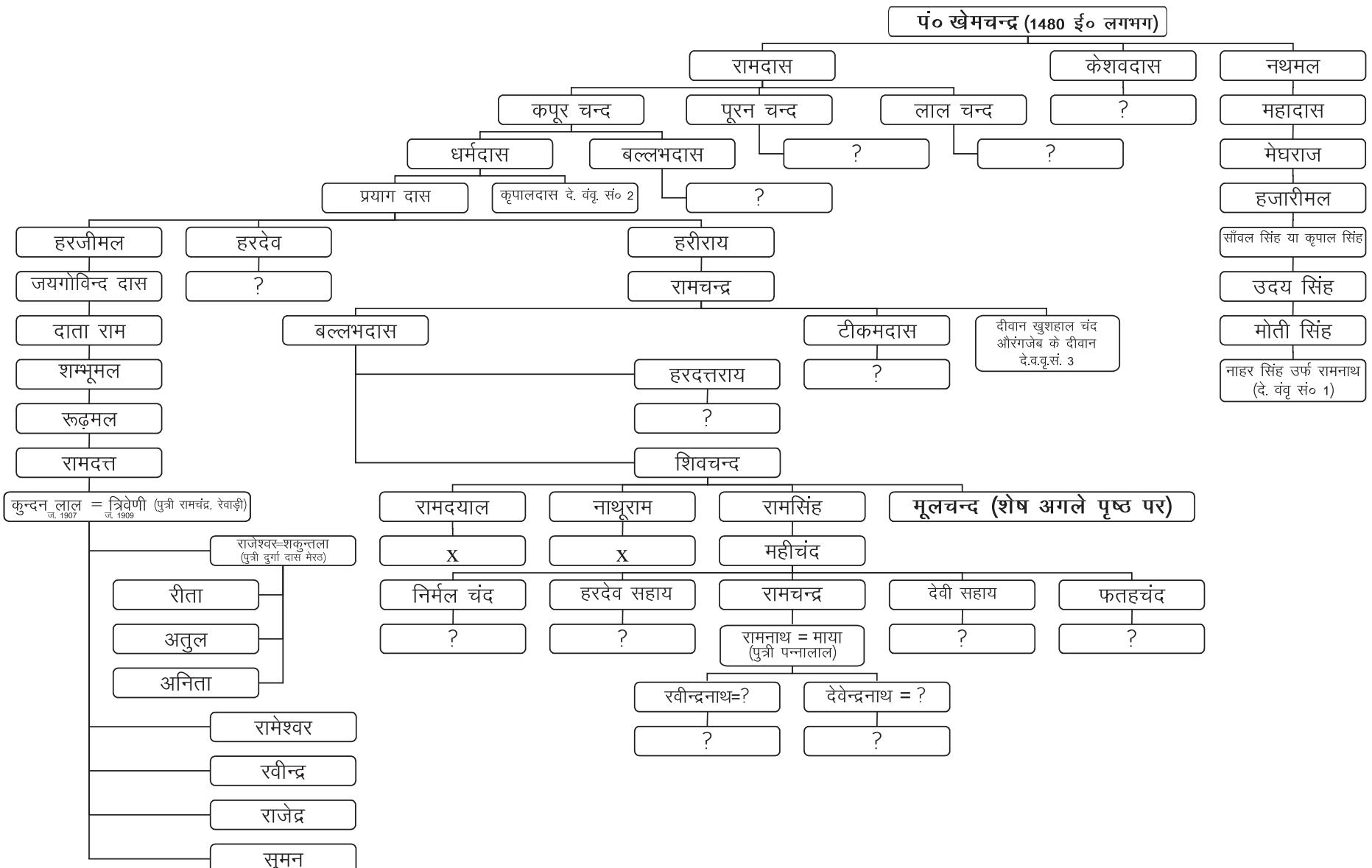


स्रोत : भार्गव सभा रिवाड़ी, शताब्दि समारोह स्मारिका 17—9—1989

ખાડુ 1

- ગોત્ર : કાશ્યપિ (કશ્યપ, કચ્છપ, કાશી, કાશિવ આદિ)
કૃલદેવી : 1. અમ્બા, 2. અર્ચટ/અરચટ, 3. ઔંચલ, 4. કોડા,
5. ચાવણડ/ચામુણડા, 6. જાખન (યક્ષણી),
7. જીવન, 8. નાગન, 9. નાગન ફૂસન, 10. ભૈંસાચઢી,
11. શક્રા, 12. સનમત, 13. સોંડલ/સોહન શુંકલા,
14. સોના

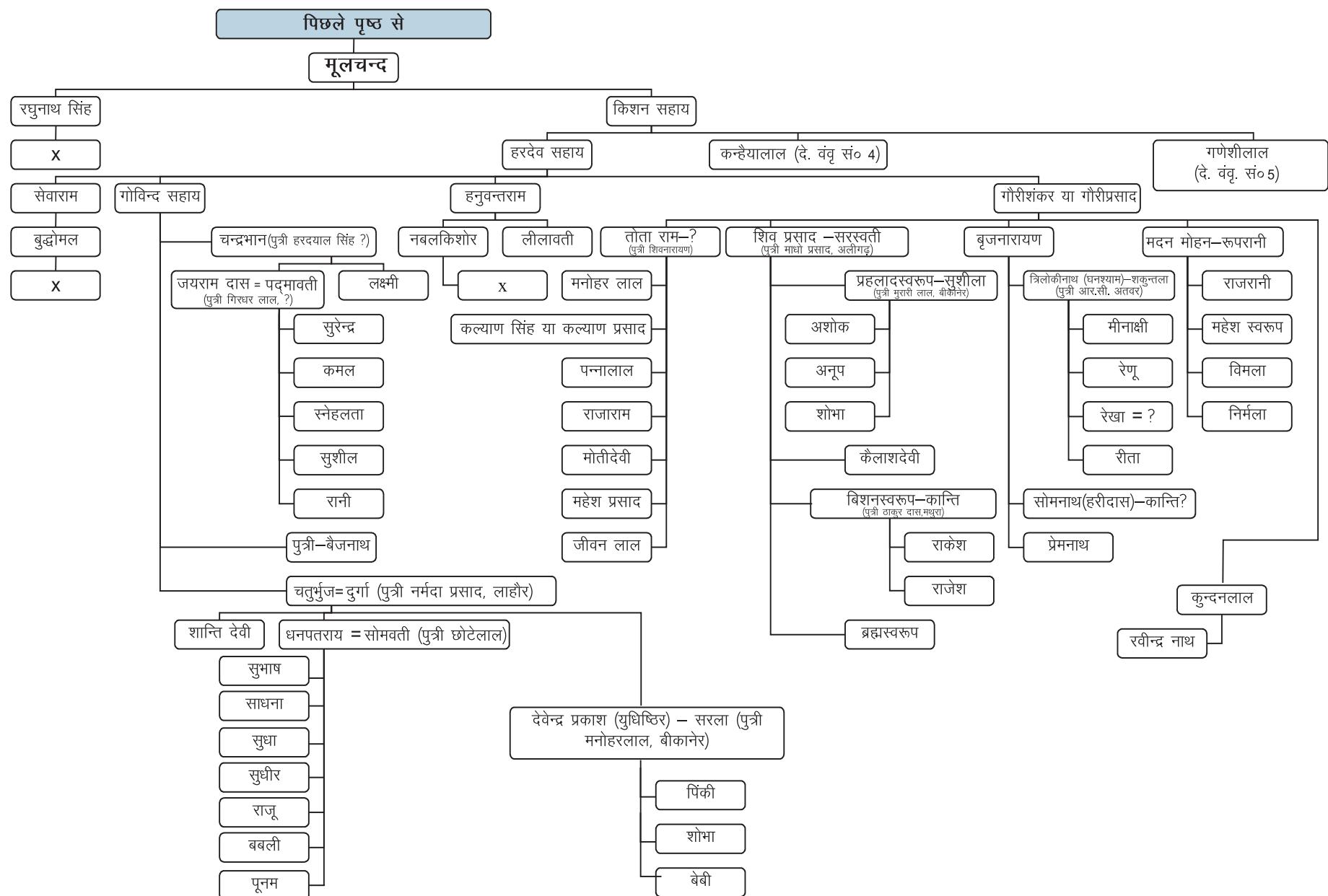
गोत्र : काश्यपि, कुलदेवी : अर्चना (अर्चट) पूर्वजों का निवास-स्थान : ग्राम बम्बोरा (अलवर) अल्ल : किशनगढ़ बासवाले
 (?) अज्ञात, (x) निःसंतान, # अविवाहित, ज. जन्म-तिथि, नि. निधन तिथि, दे. देखिए, वंवृ. सं० – वंश वृक्ष संख्या



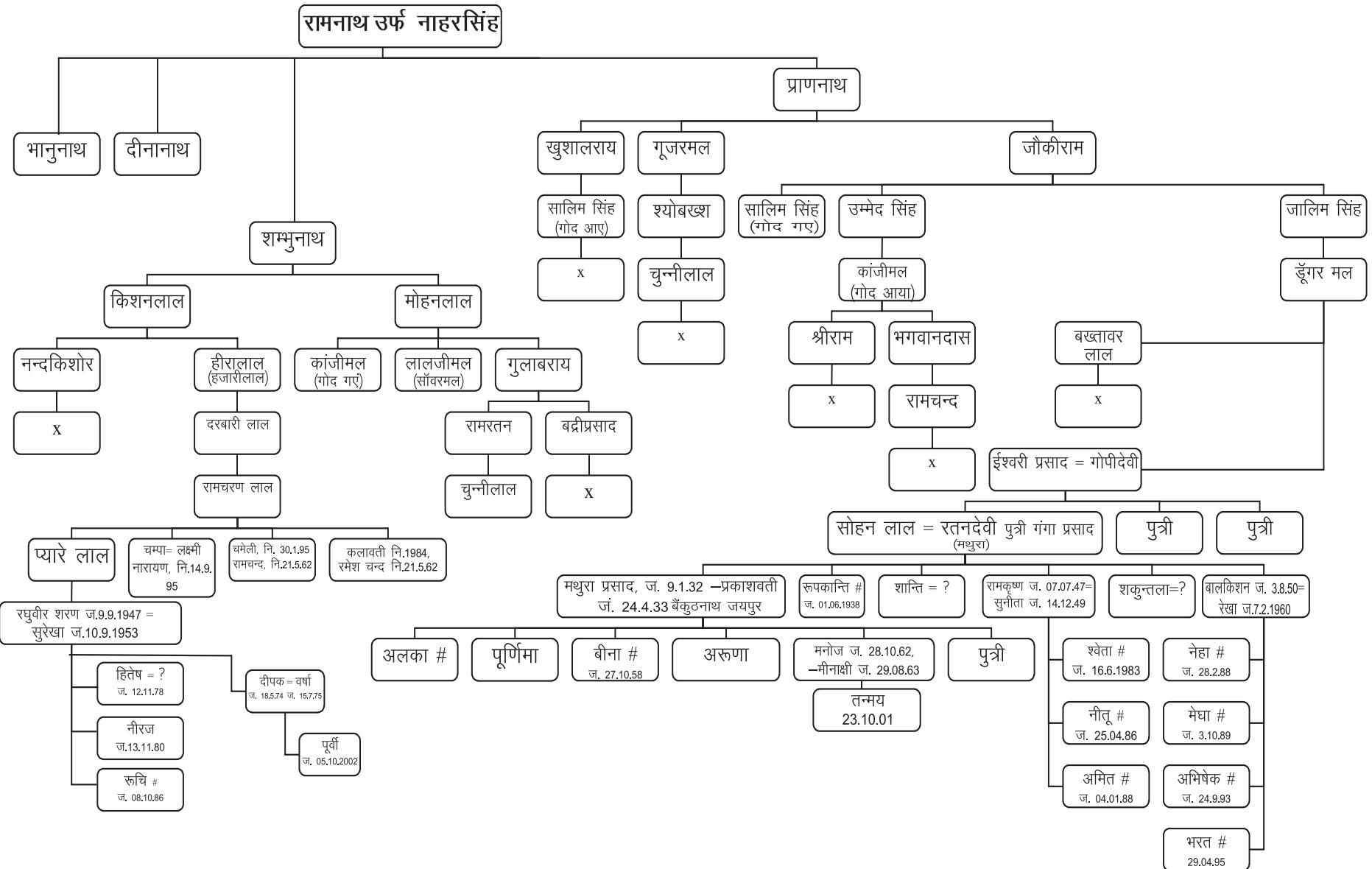
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाष: 05442-222436 क्रमशः 2

गोत्रः काश्यपि

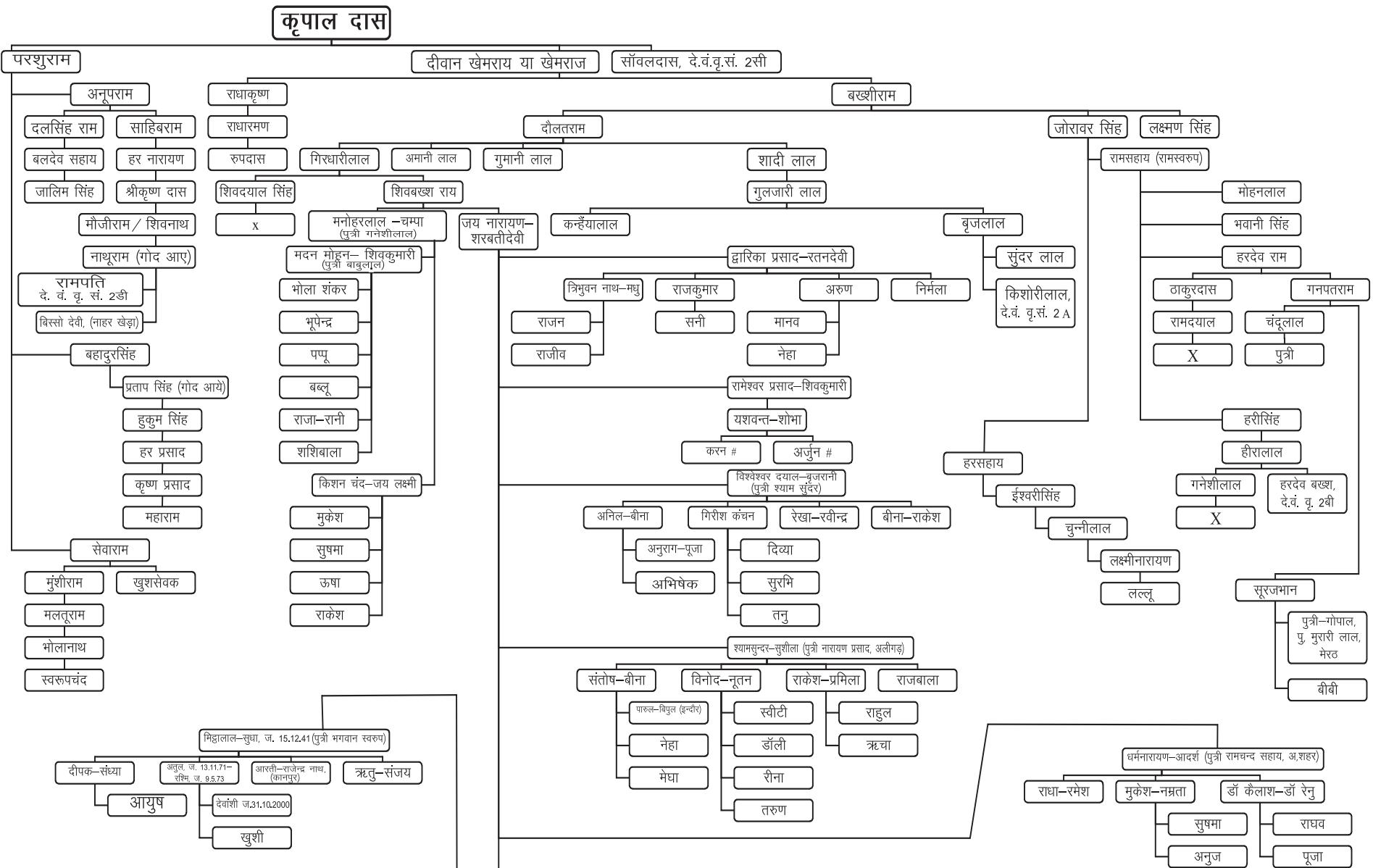
कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)



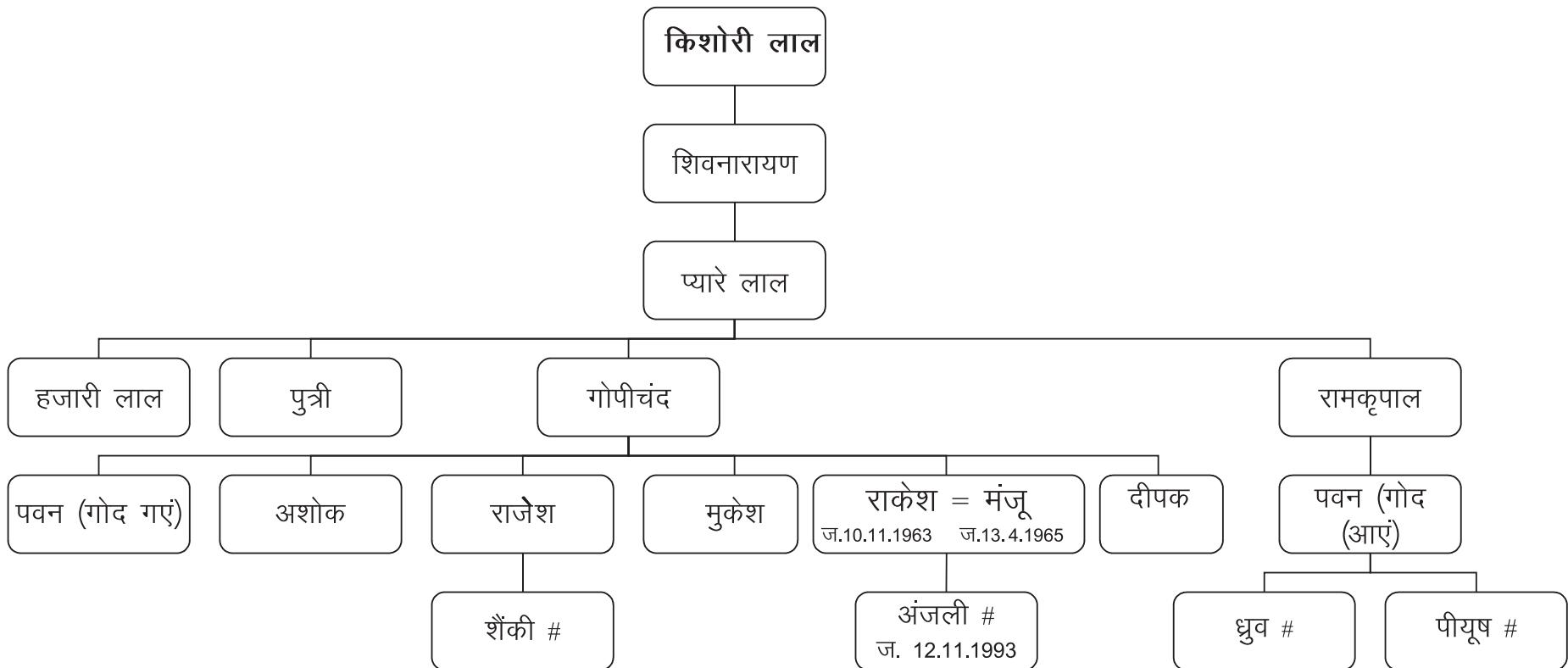
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमशः 3

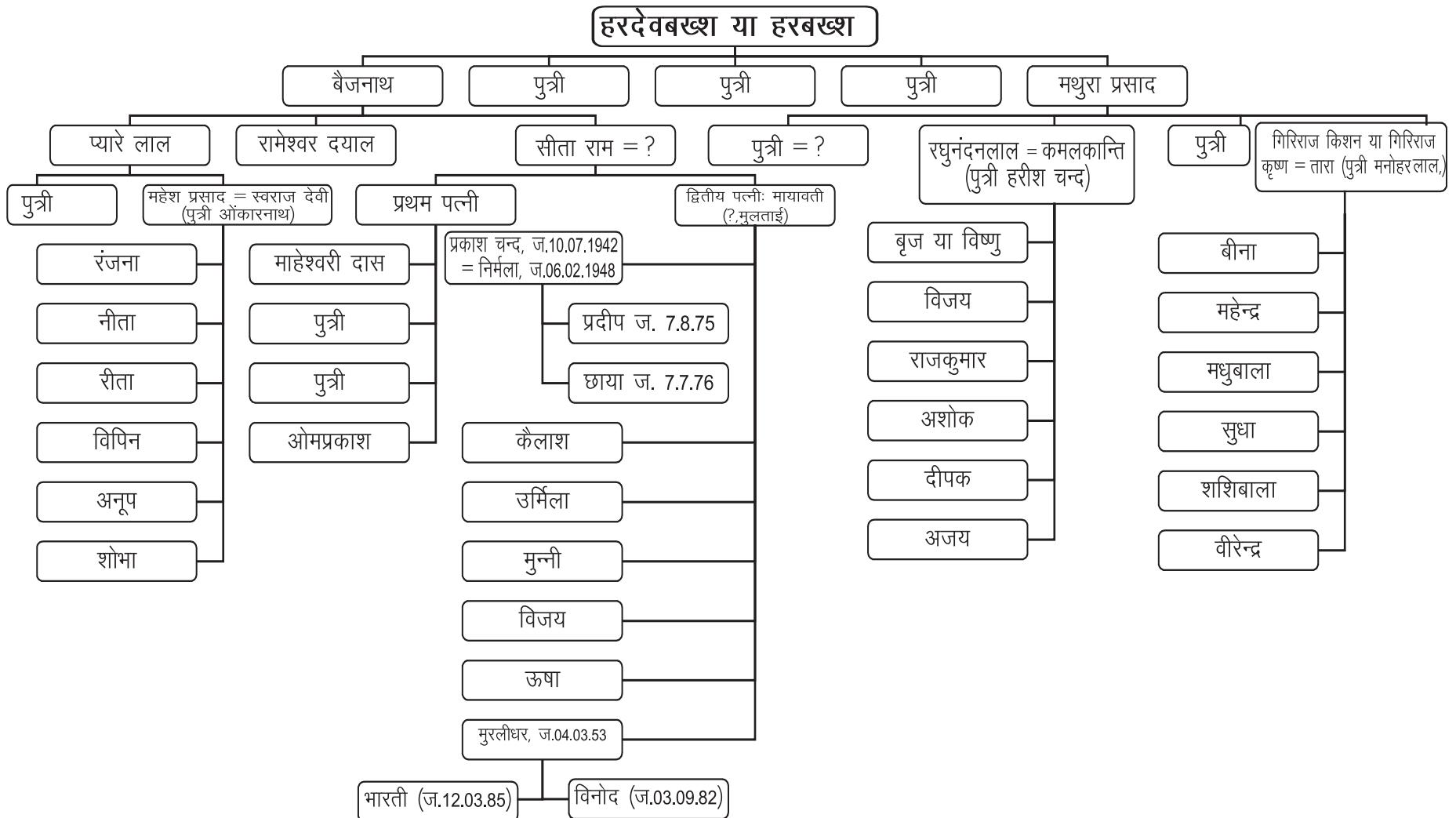


स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाष: 05442-222436 क्रमशः 4



स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाष: 05442-222436 क्रमशः 5





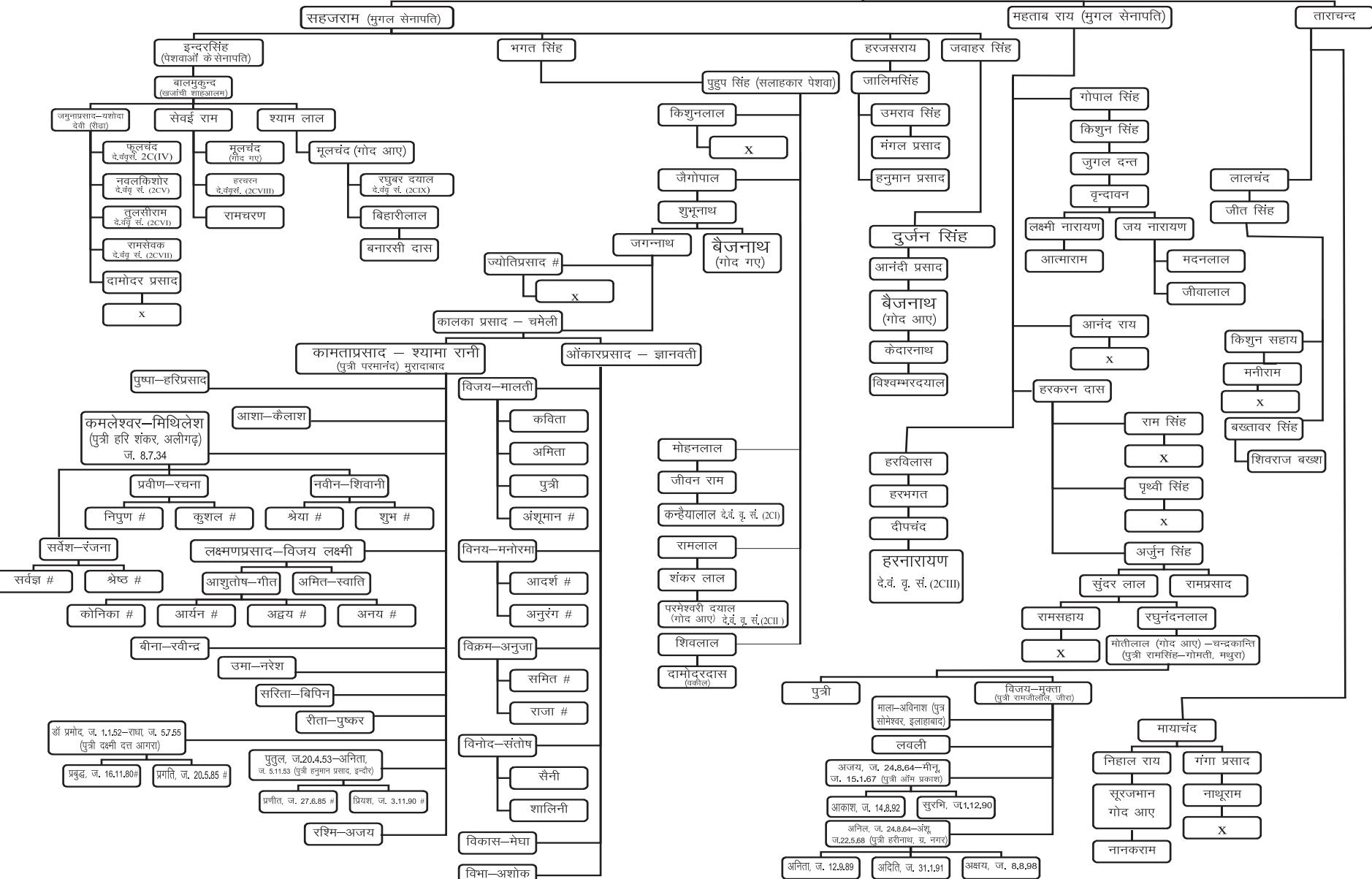
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाष: 05442-222436 क्रमशः 7

वंश वृक्ष स. 2सी

गोत्रः काश्यपि

कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)

सौँवल दास (मुगल सेनापति)

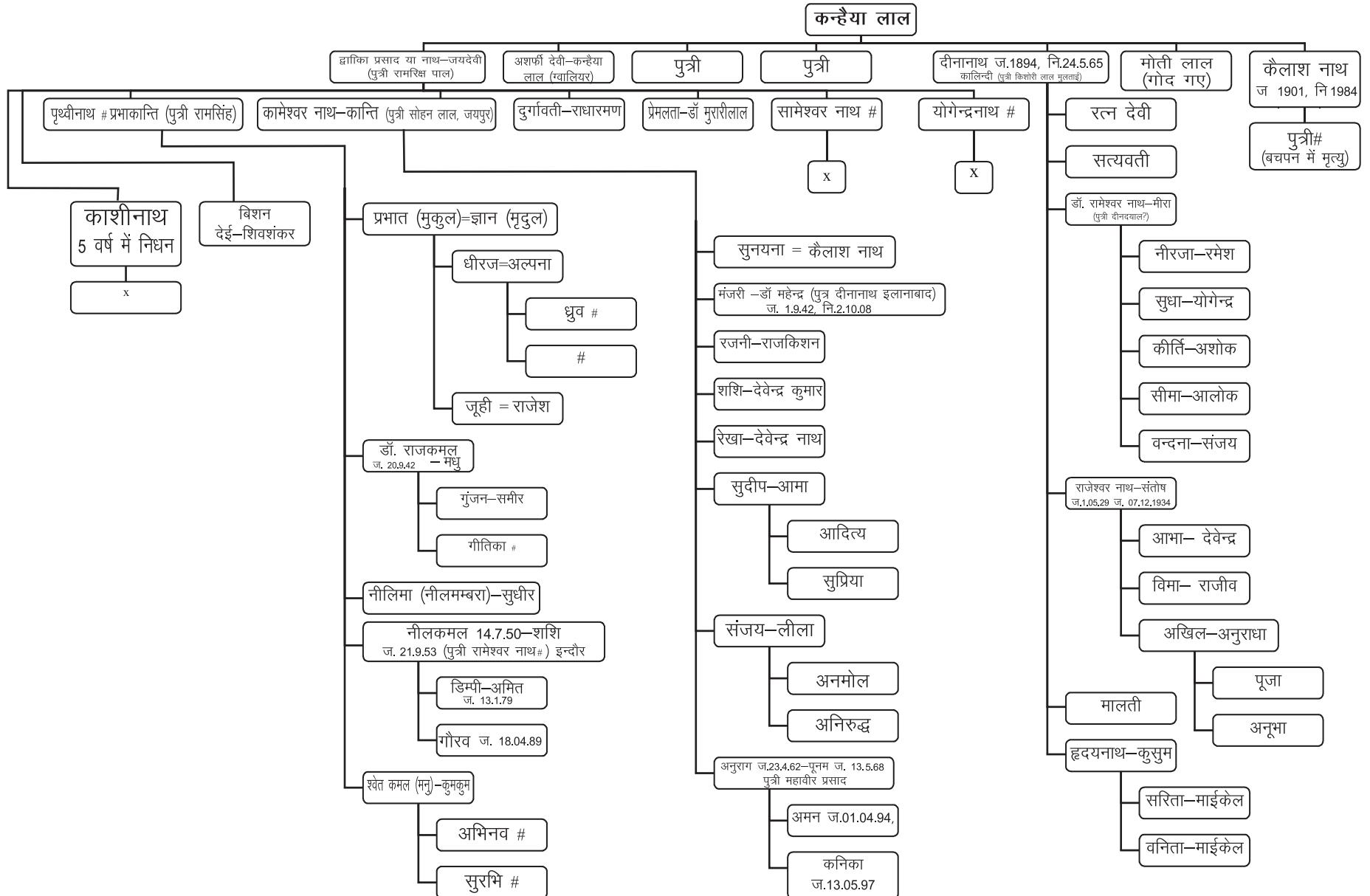


स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमशः 8

वंश वृक्ष स. 2सी (i)

गोत्र: काश्यपि

कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)



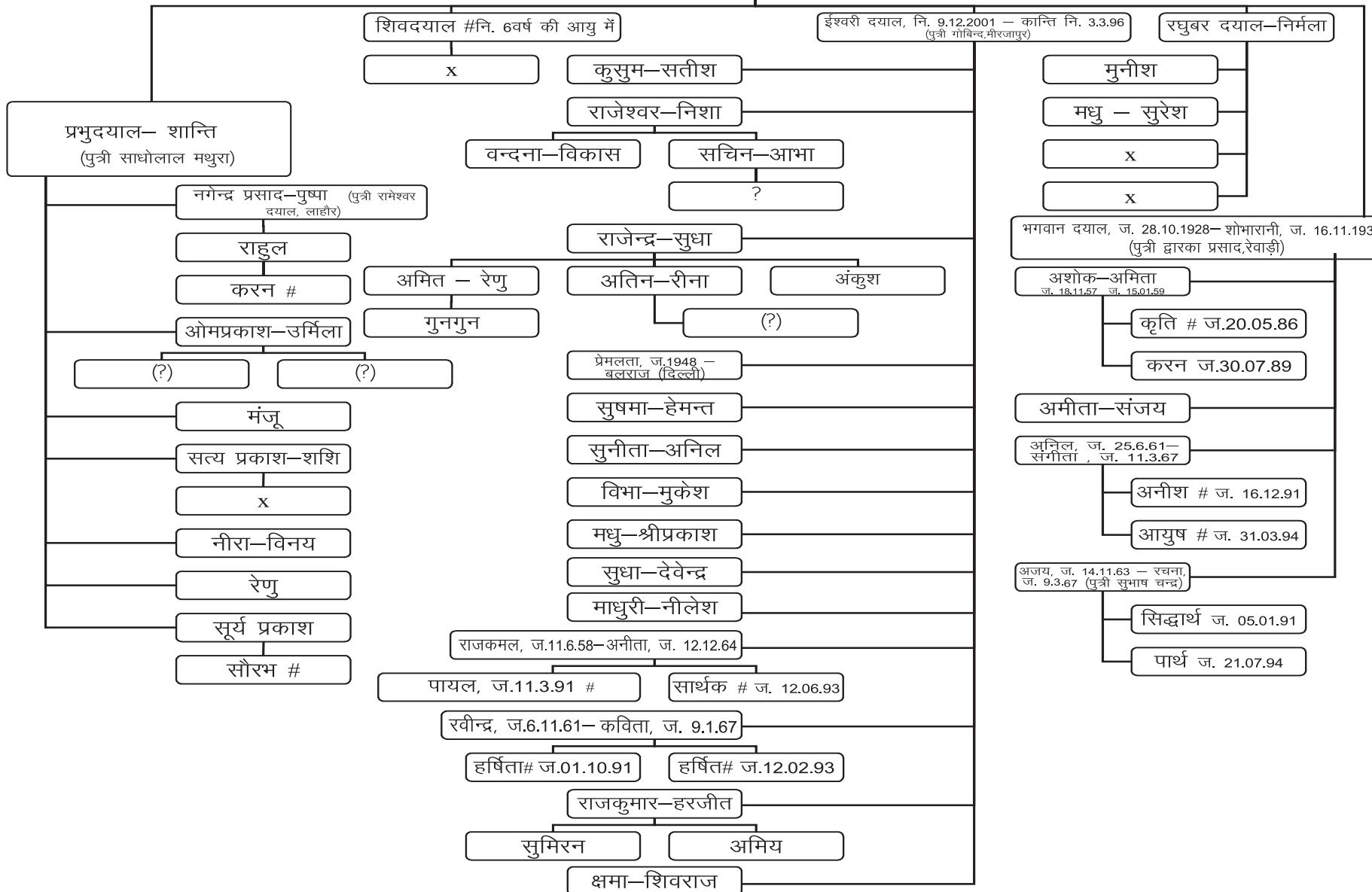
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमशः 9

वंश वृक्ष स. 2सी (ii)

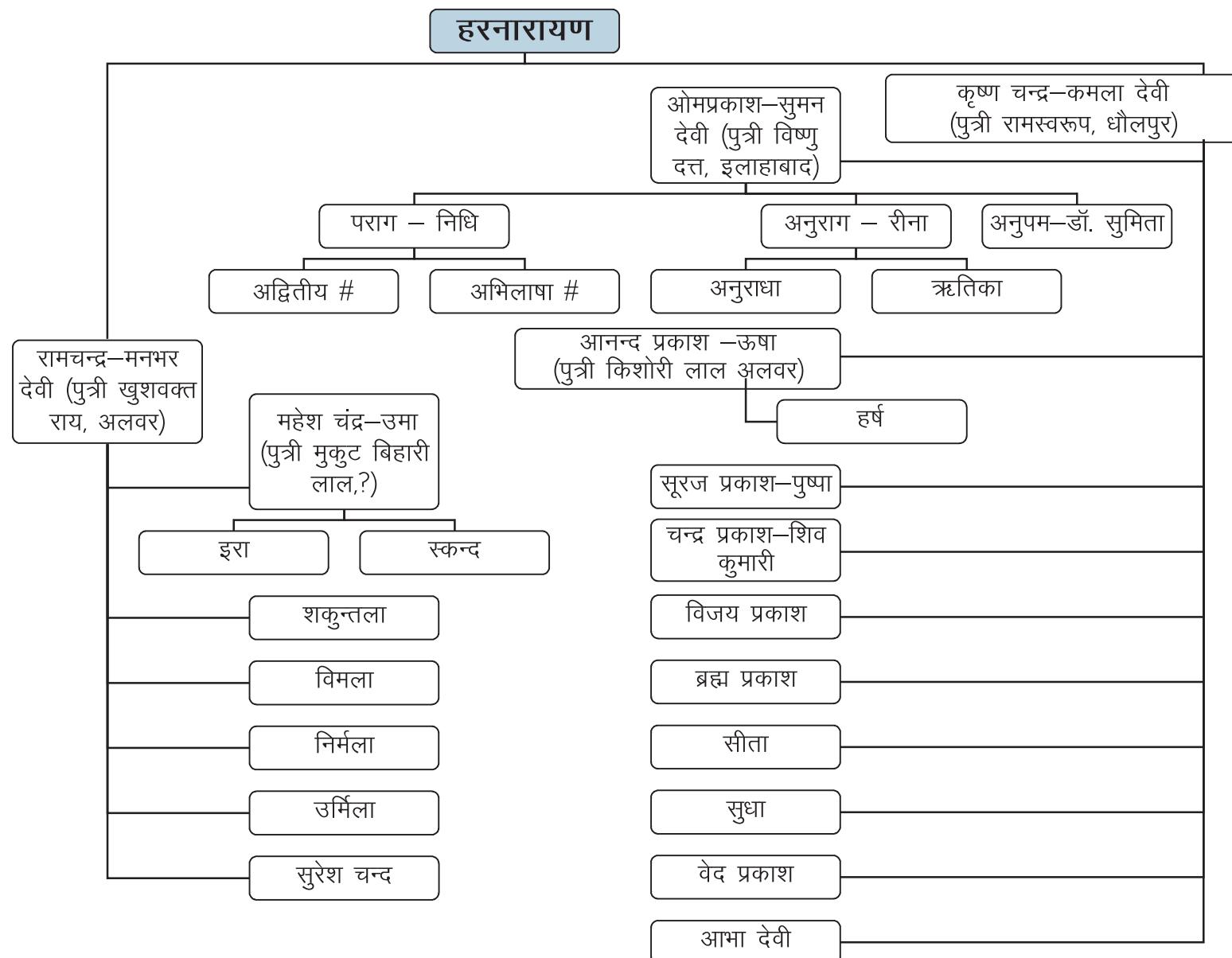
गोत्र: काश्यपि

कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)

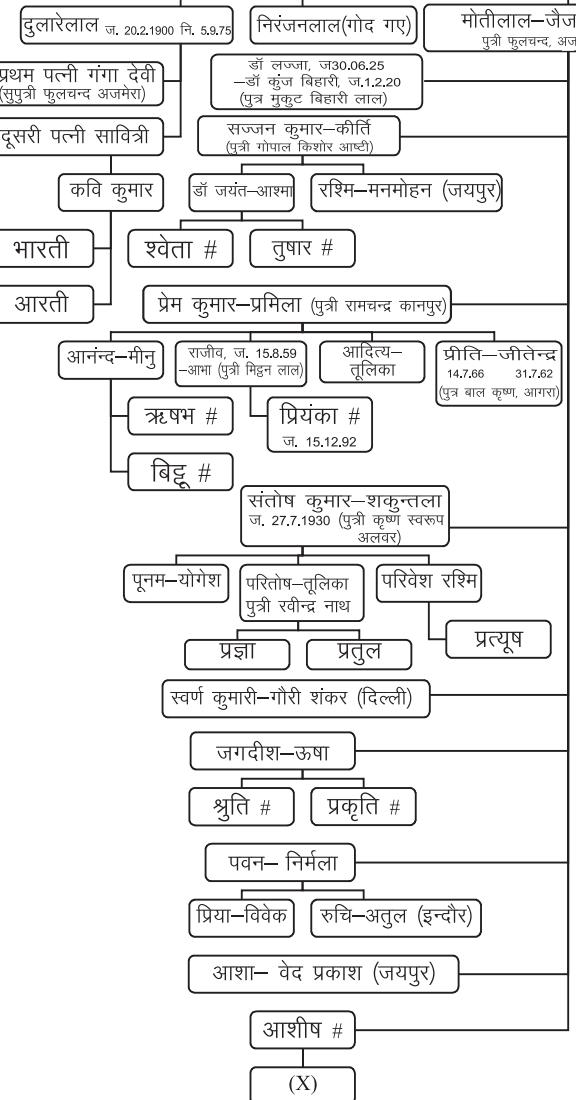
परमेश्वरी दयाल (नाना बावल के यहां से गोद आए)



स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमश: 10

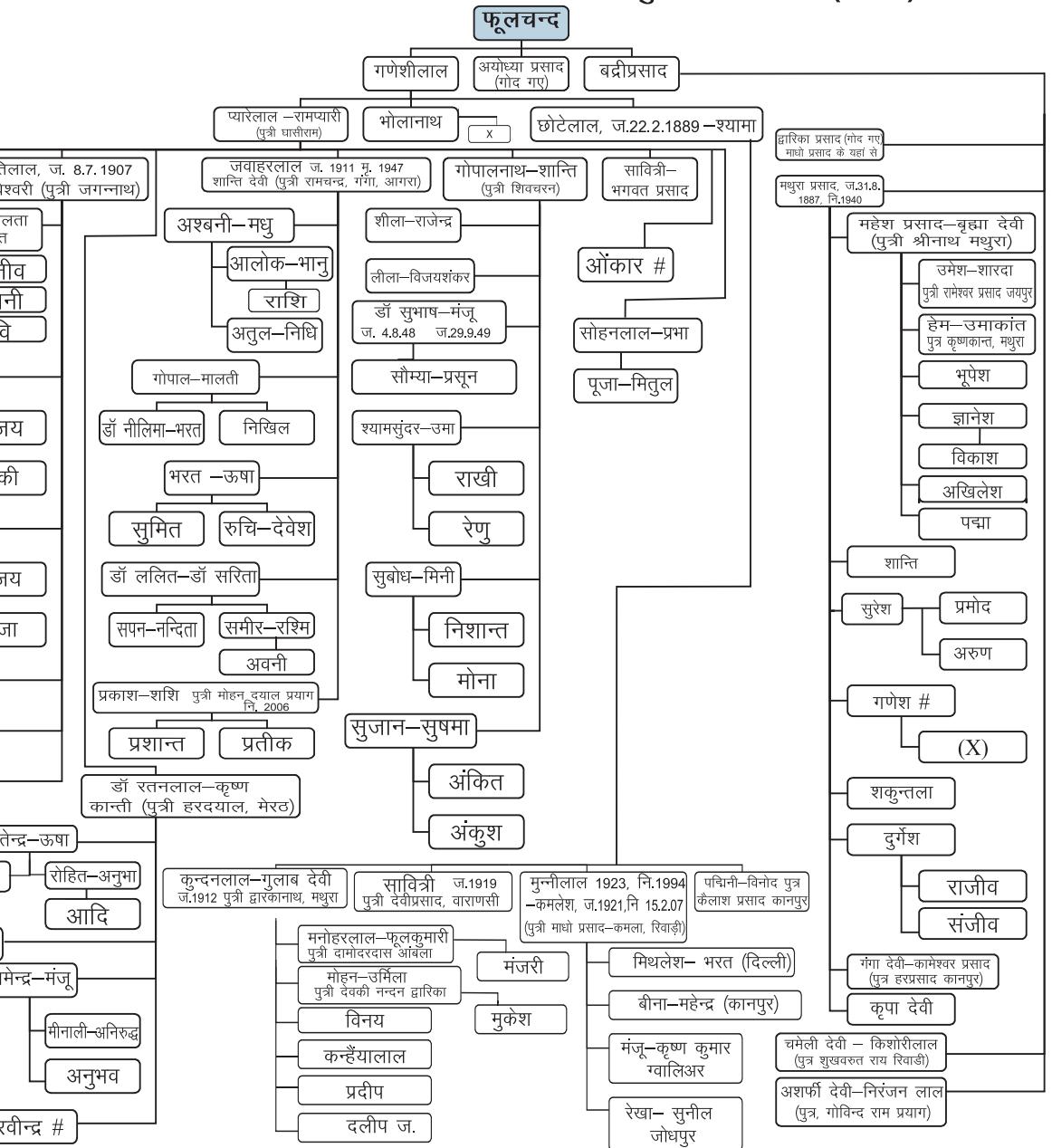


वंश वृक्ष स. 2सी (iv)



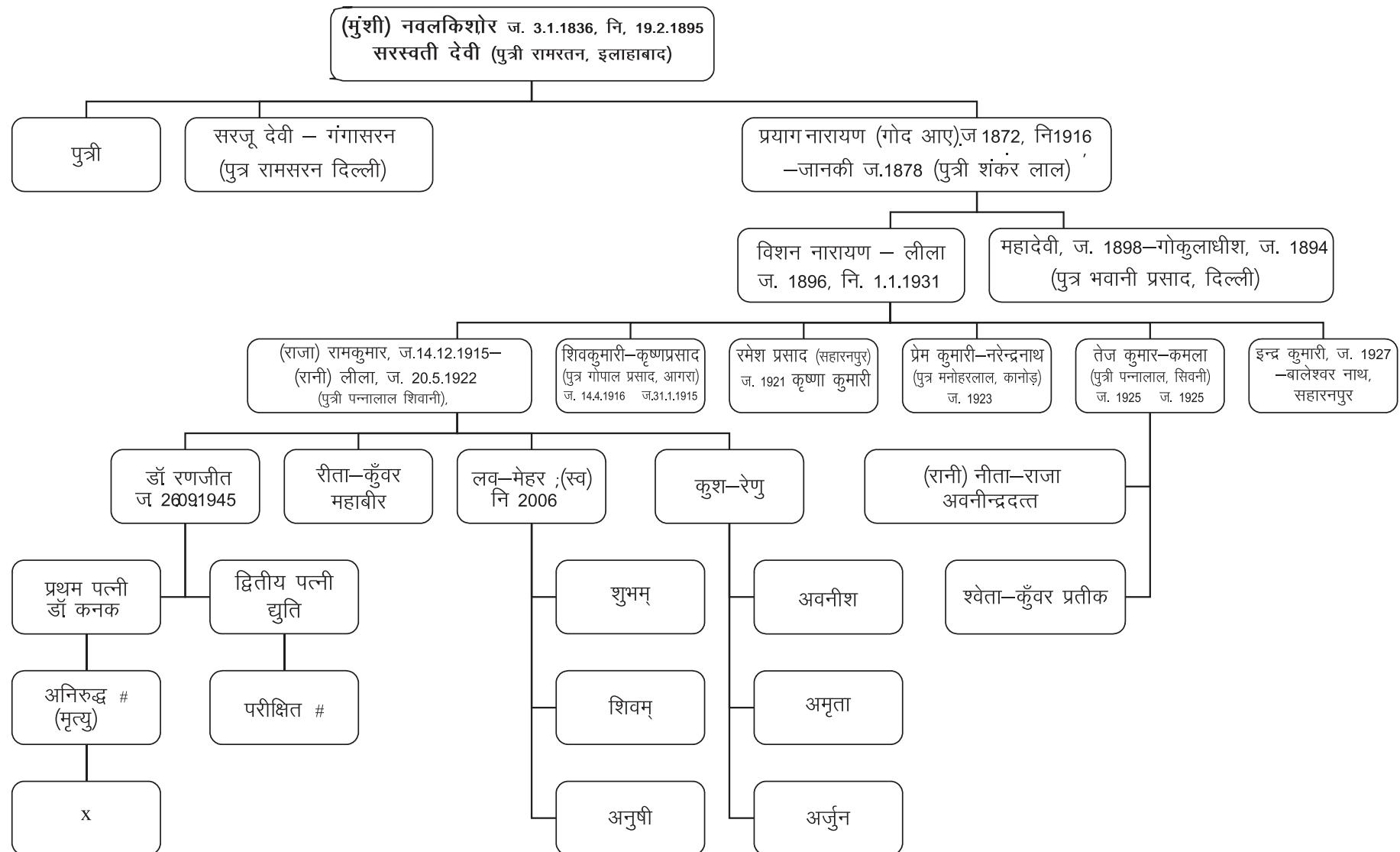
गोत्रः काश्यपि

कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)



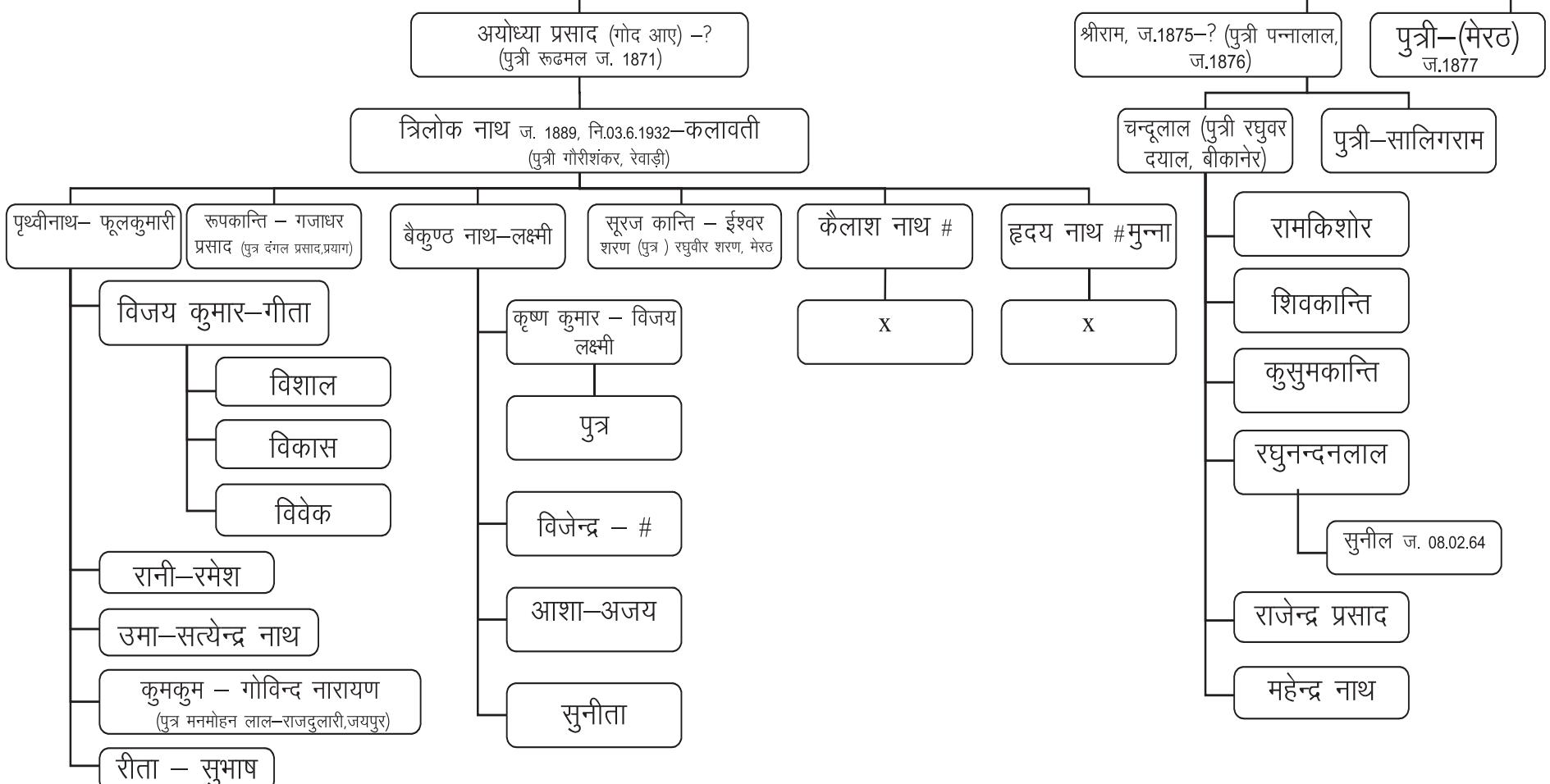
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436

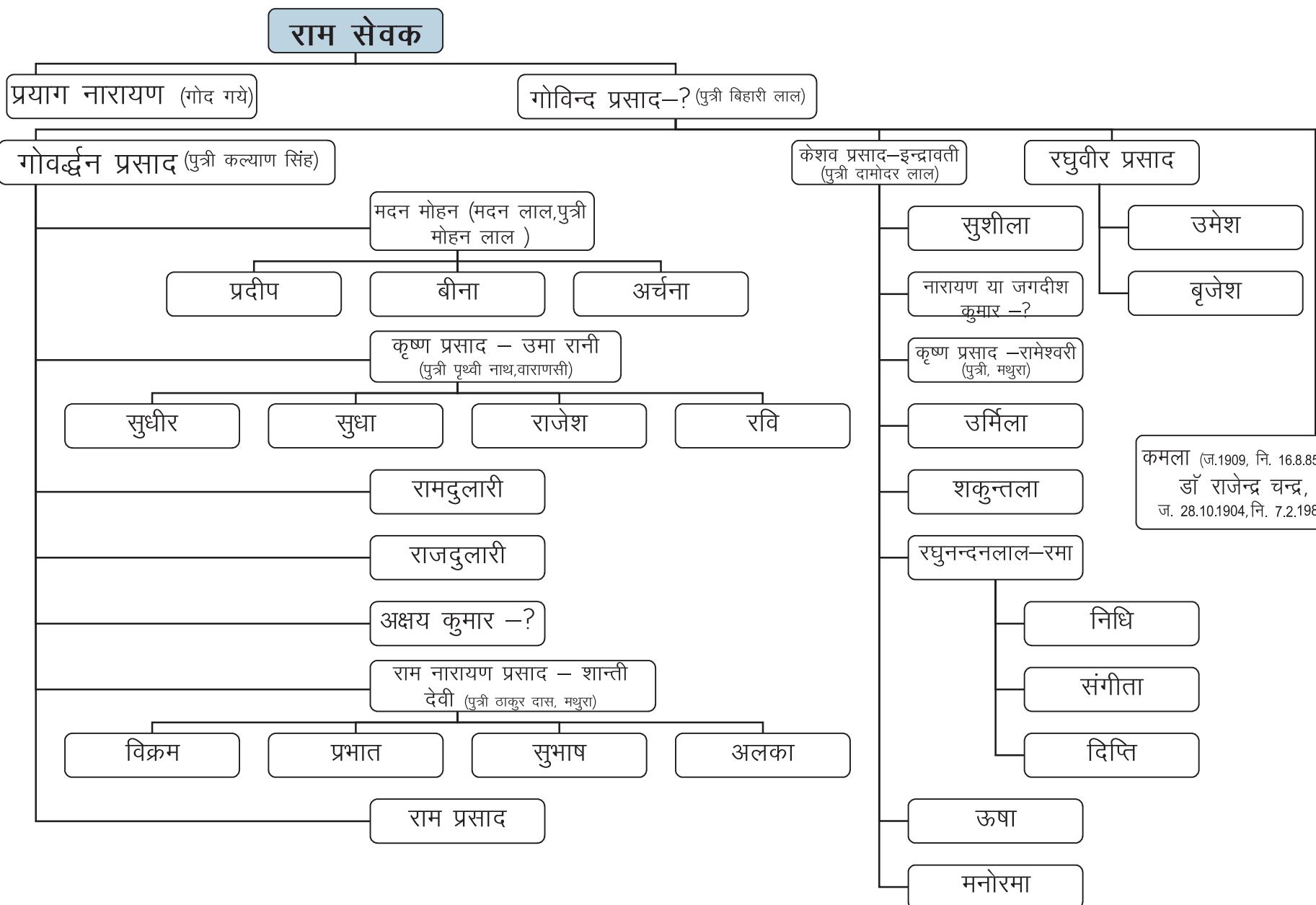
क्रमसं: 12



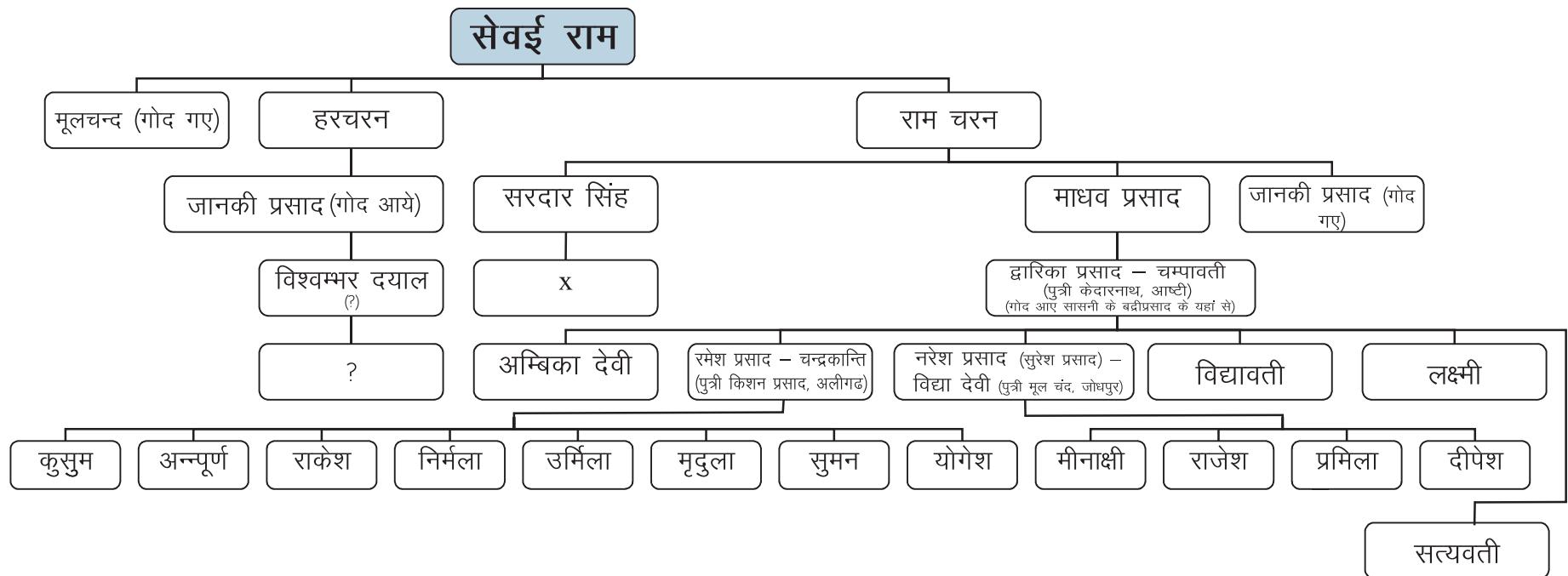
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर–231001, दूरभाष: 05442–222436 क्रमश: 13

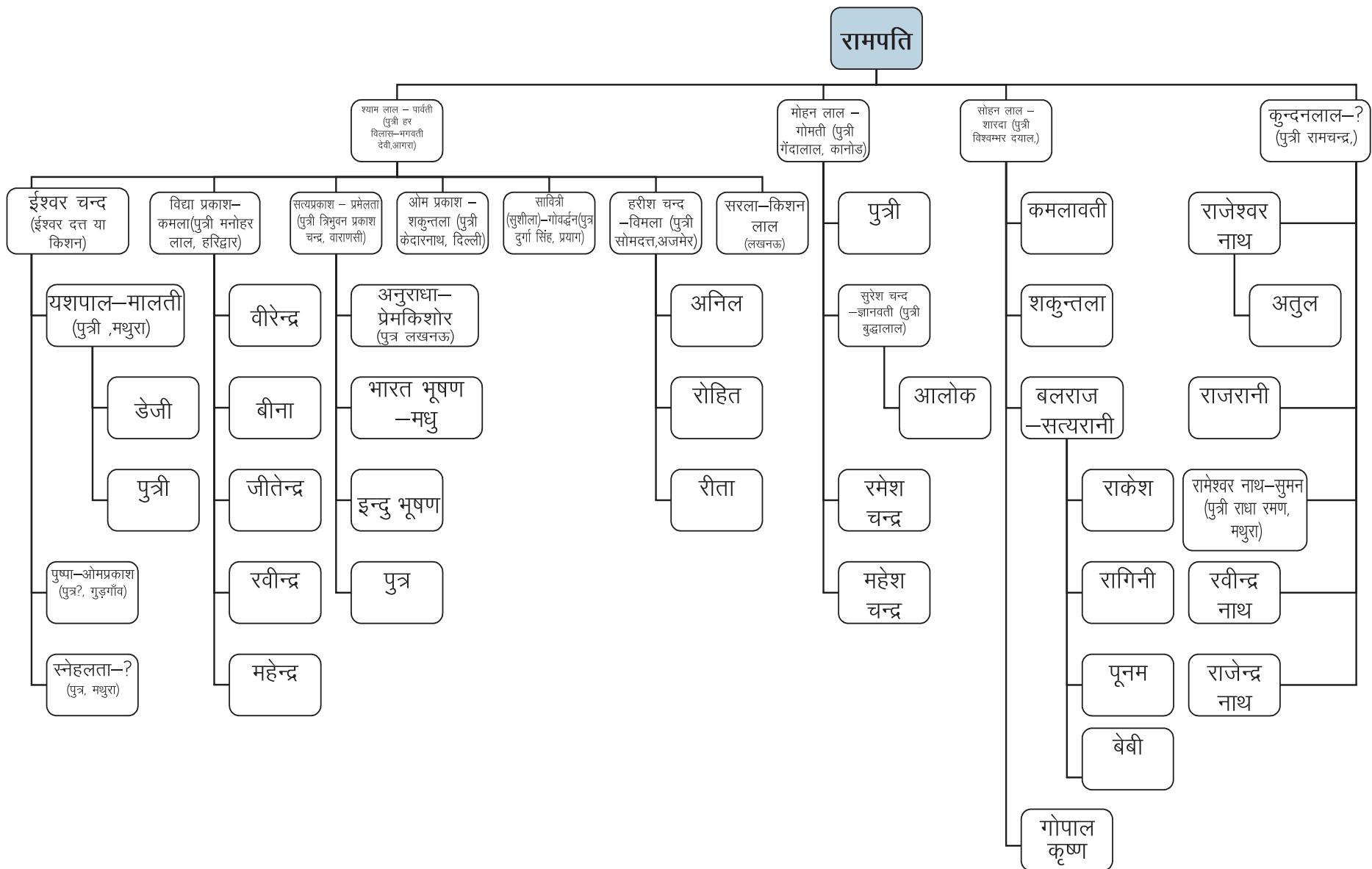
तुलसीराम



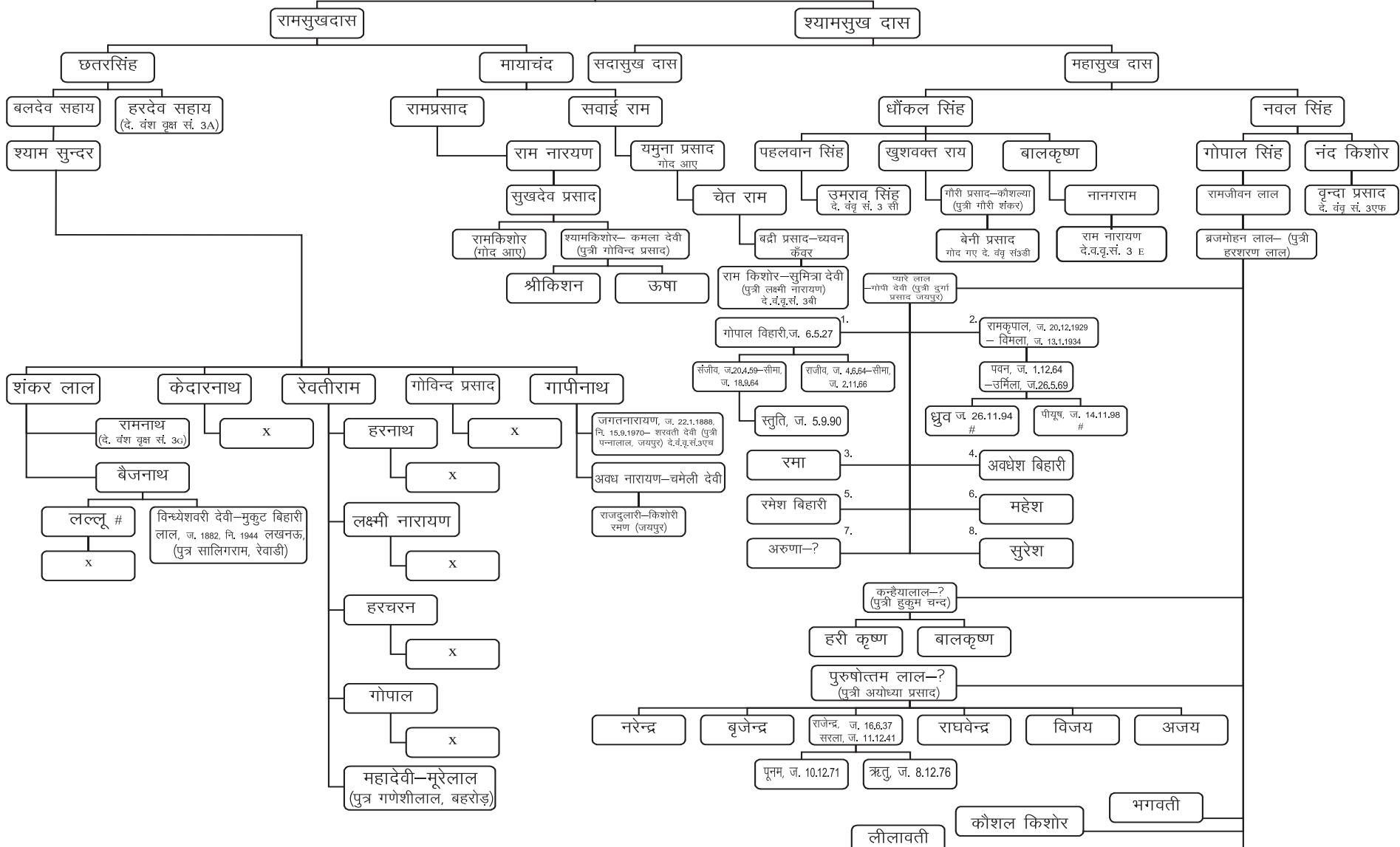


स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाषः 05442—222436 क्रमशः 15





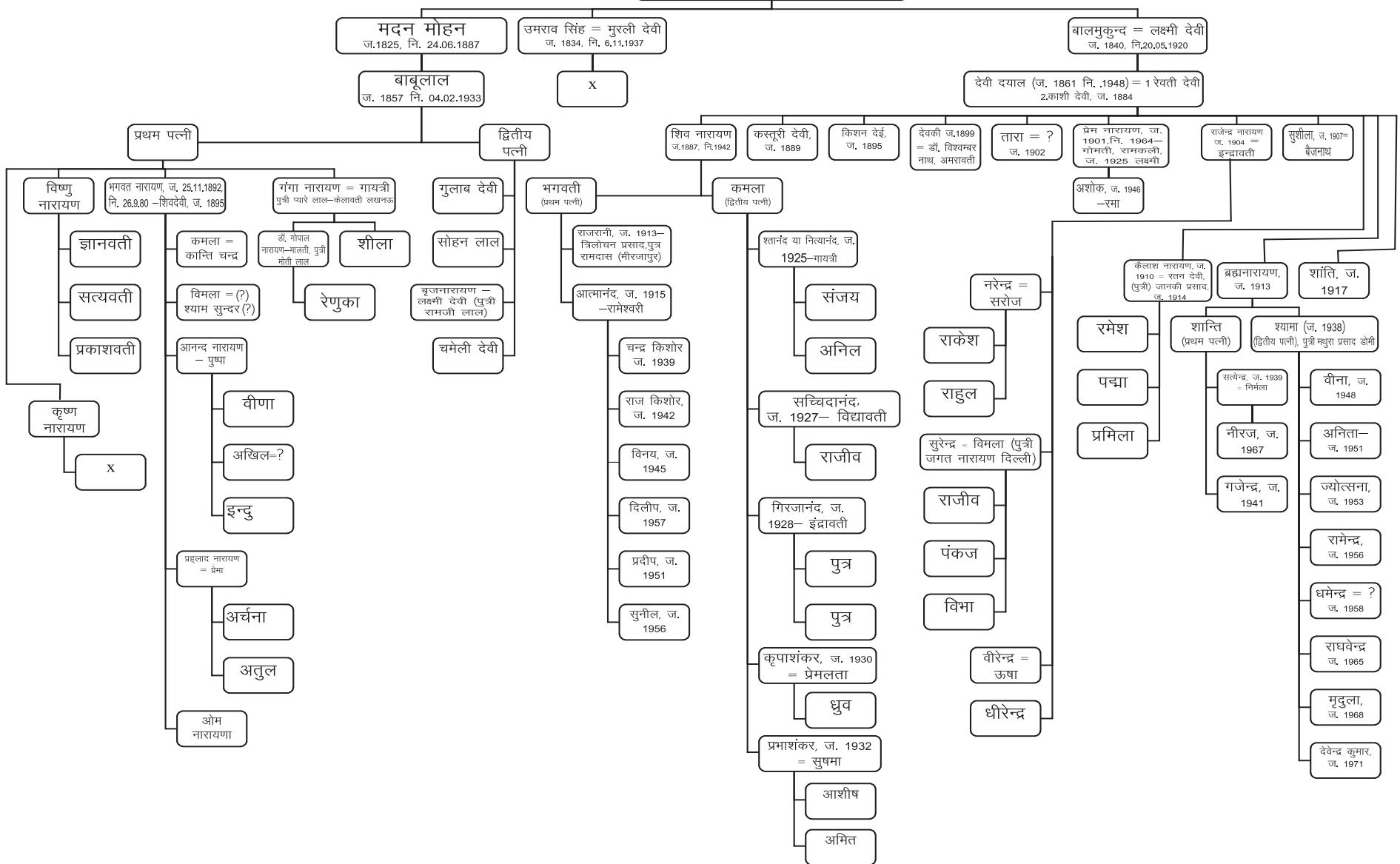
दीवान खुशहालचंद



स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436

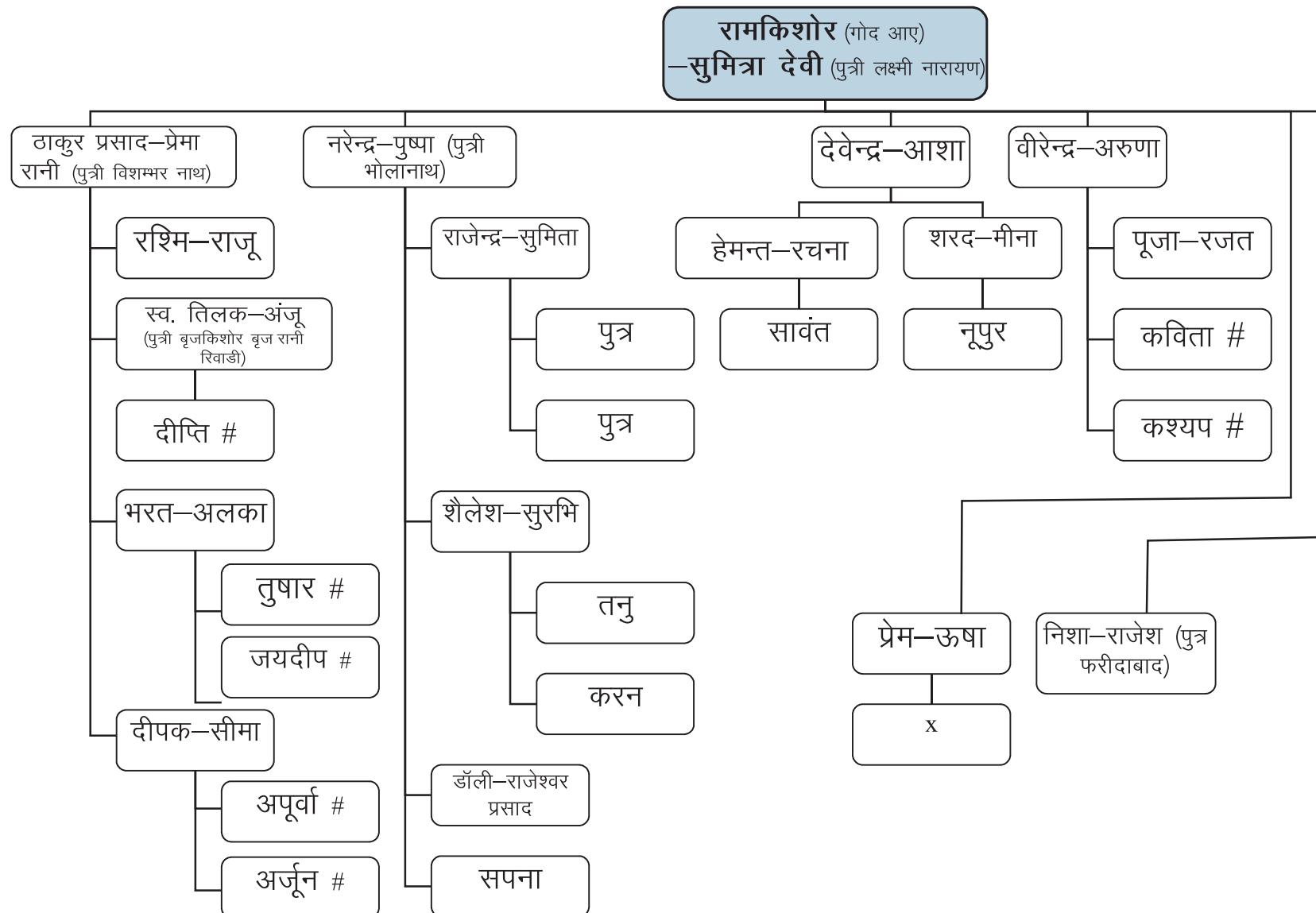
क्रमशः 18

हरदेव सहाय—यमुना देवी



स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाषः 05442-222436

क्रमशः 19



वंश वृक्ष स. 3सी

उमराव सिंह

राम नारायण—
(पुत्री देवी सहाय, ज. 1877)

गोत्रः काश्यपि

महादेव प्रसाद—भगवती देवी
गोद आए (पुत्री बाबूलाल)
ज. 1903 आगरा

कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)

रामेश्वर प्रसाद—शकुन्तला
ज. 1923 ज. 1931

प्रकाशवती—अविनाश
चन्द्र (मेरठ)

राजेश्वर प्रसाद—माधुरी
(पुत्री मदनलाल)
ज. 21.01.1930 ज. 20.09.1936

गणेश प्रसाद—पुष्पा
(पुत्री जगन दयाल)
ज. 10.05.1940 ज. 15.8.43

मदनमोहन—शकुन्तला
ज. 1943 ज. 11.09.1946

नगेन्द्र—मंजू
ज. 03.09.45 ज. 13.11.50

प्राची—मुकेश
जयपुर

प्रज्ञा—सचिन
कलकत्ता

कृष्ण—प्रेमचंद (पुत्र हरीश
चन्द्र, कोटकासिम)

धीरेन्द्र—बीना (पुत्री गौरी शंकर,
कानपुर)
ज. 29.12.51 ज. 27.10.53

अनिल—मंजू
ज. 7.1.54

प्रभा ज. 1955 —
अशोक (मथुरा)

दीपक ज. 2.9.57—निशा
ज. 11.10.60

अखिल ज. 18.4.87

योगेन्द्र—राखी
ज. 16.04.74 ज. 27.08.77

साक्षी #
ज. 26.11.03

तरुणा—अरुण
(सांभर)

ऋतु—संजय
(पुत्र शिवशंकर—इन्द्रा, जयपुर)

शैलेन्द्र—मनीषा
ज. 23.5.73 ज. 20.7.81

काव्या
ज. 14.04.2005

अनुराग—आरती
ज. 2.9.75 ज. 01.09.81

शालिनी—अरुण
(नागपुर)

विमला—अशोक
ज. 1945 (अलीगढ़)

खुशवन्त

तनु #

वंश वृक्ष स. 3डी

बेनी प्रसाद—विद्यावती
(गोद आए) (पुत्री जगतनंदन)

ज्योति प्रसाद

लक्ष्मण प्रसाद

हरि प्रसाद

विजय चन्द्र

सतीश चन्द्र

राजुल

स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमशः 21

वंश वृक्ष स. 3ई

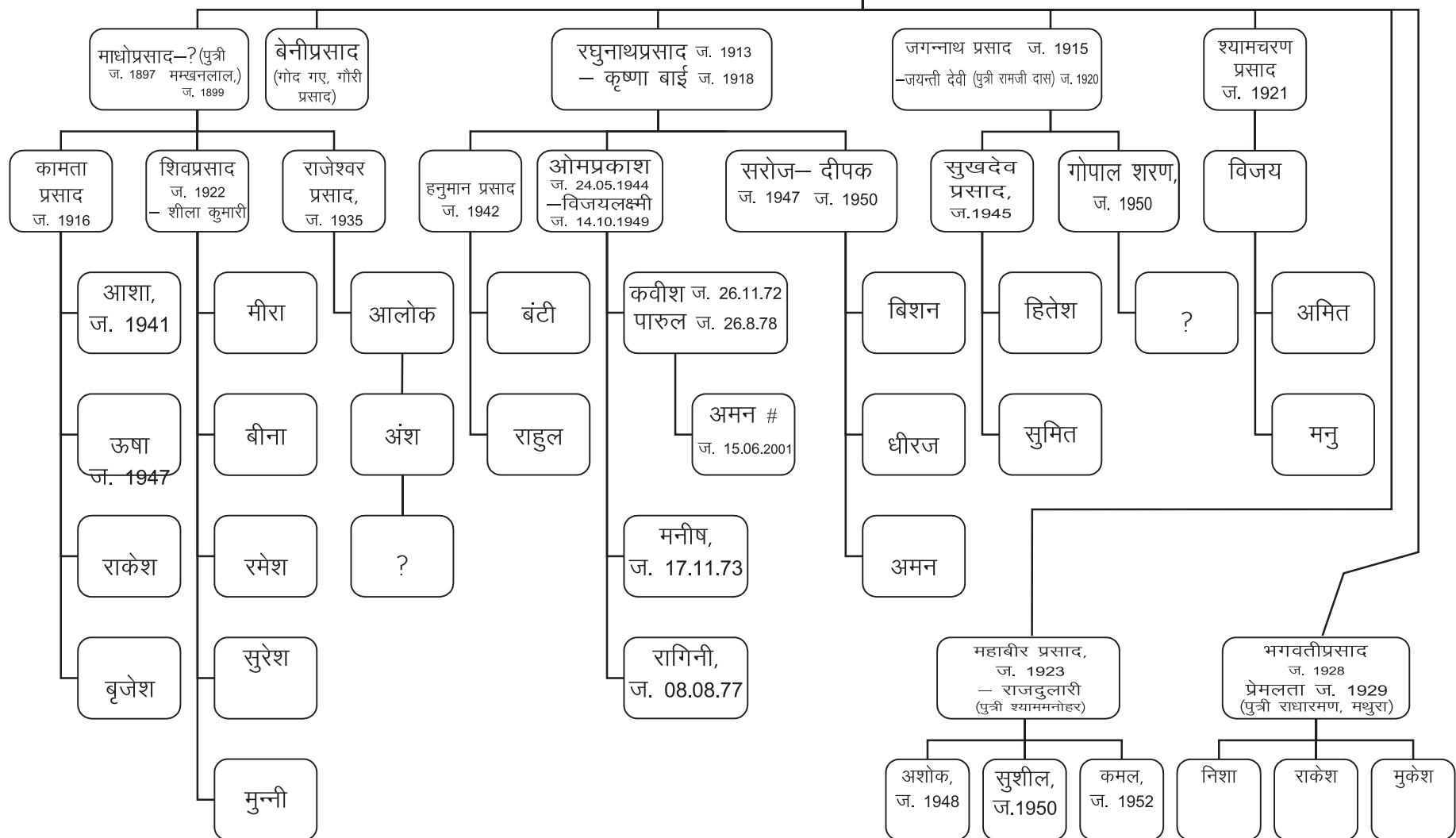
गोत्र: काश्यपि

कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)

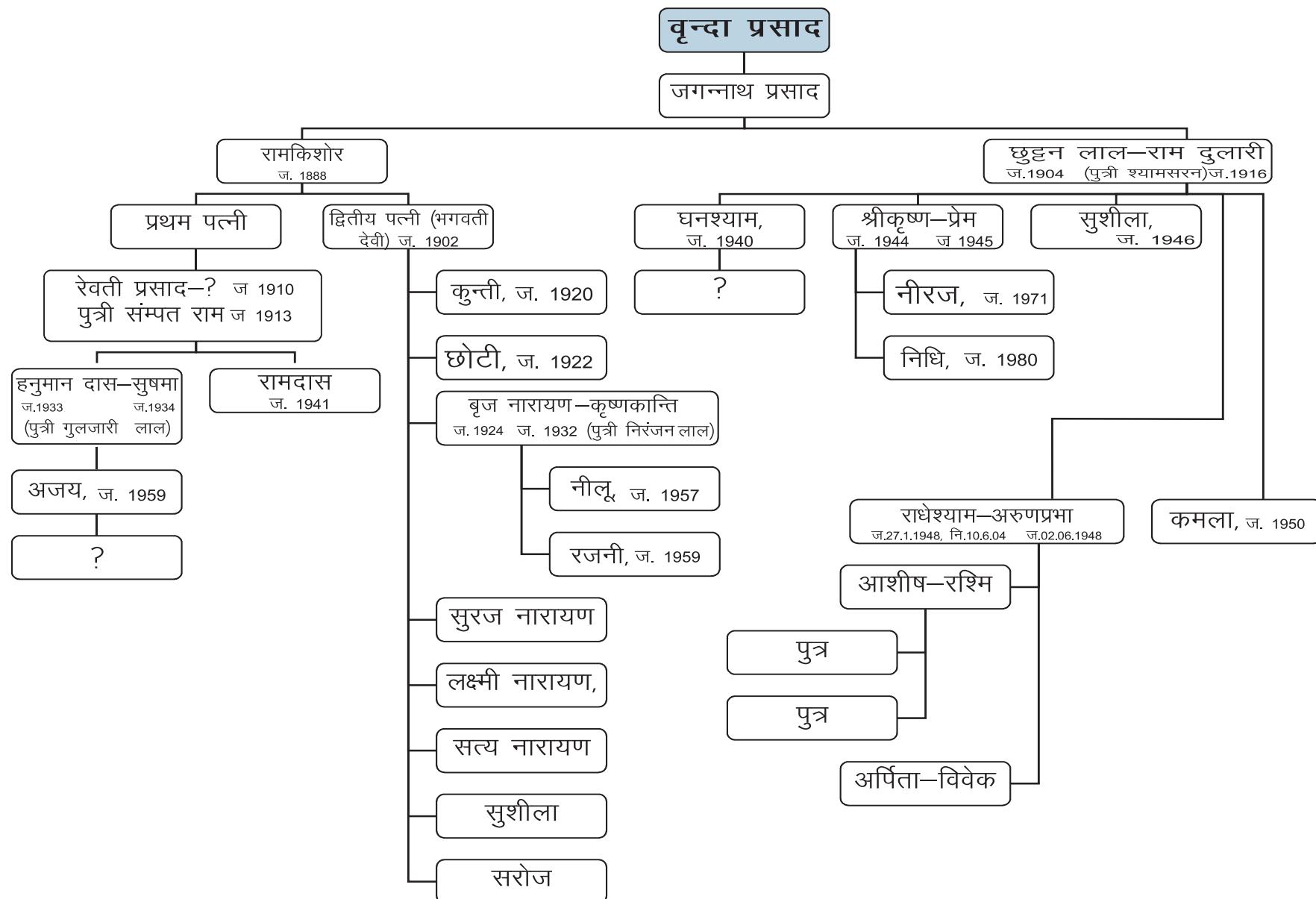
राम नारायण— लीला देवी

ज. 1870 नि. 1950

ज. 1878



स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाष: 05442-222436 क्रमशः 22



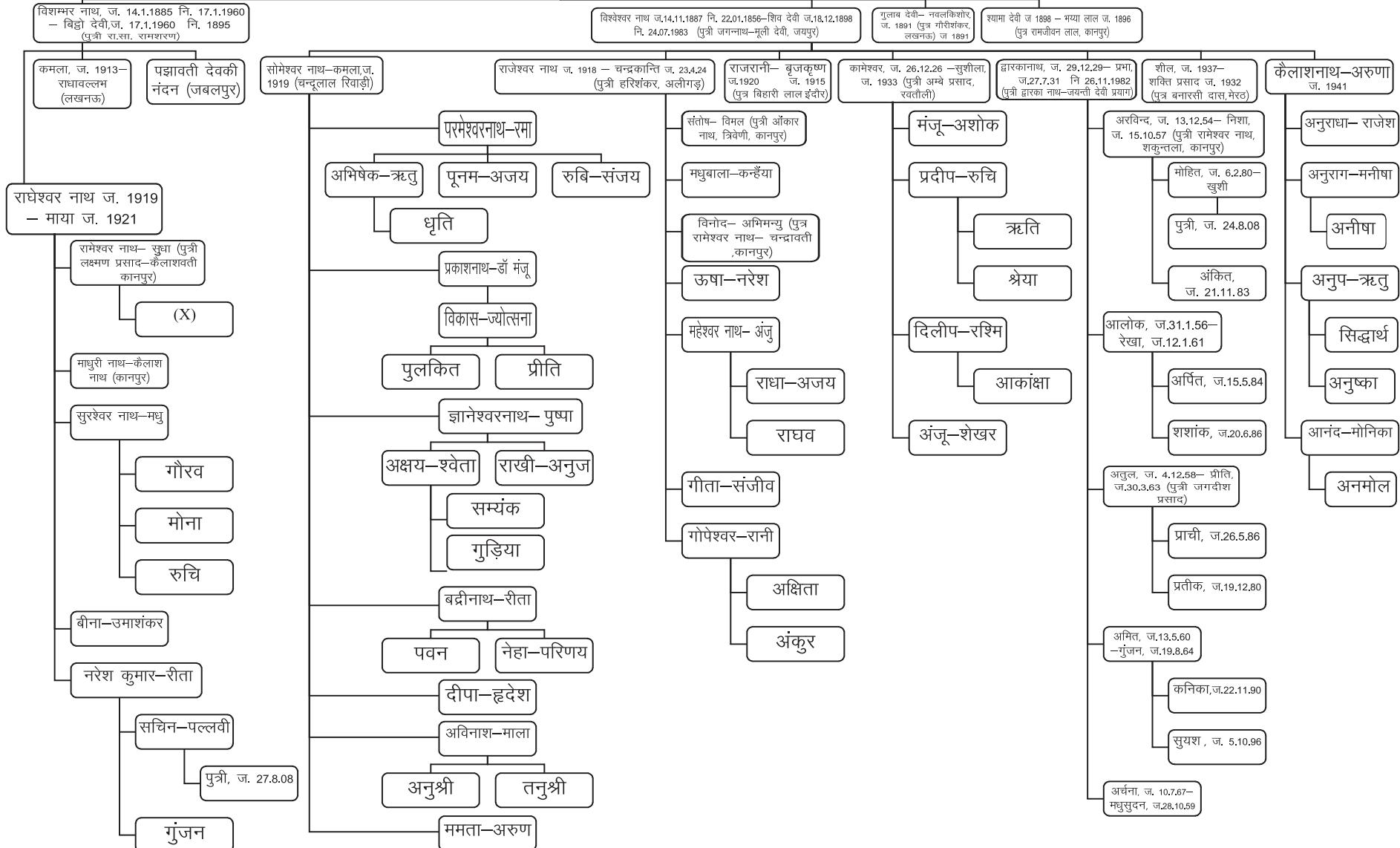
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाष: 05442-222436 क्रमशः 23

वंश वृक्ष स. 3जी

गोत्रः काशयपि

कुलदेवी : अर्चट (अर्चना)

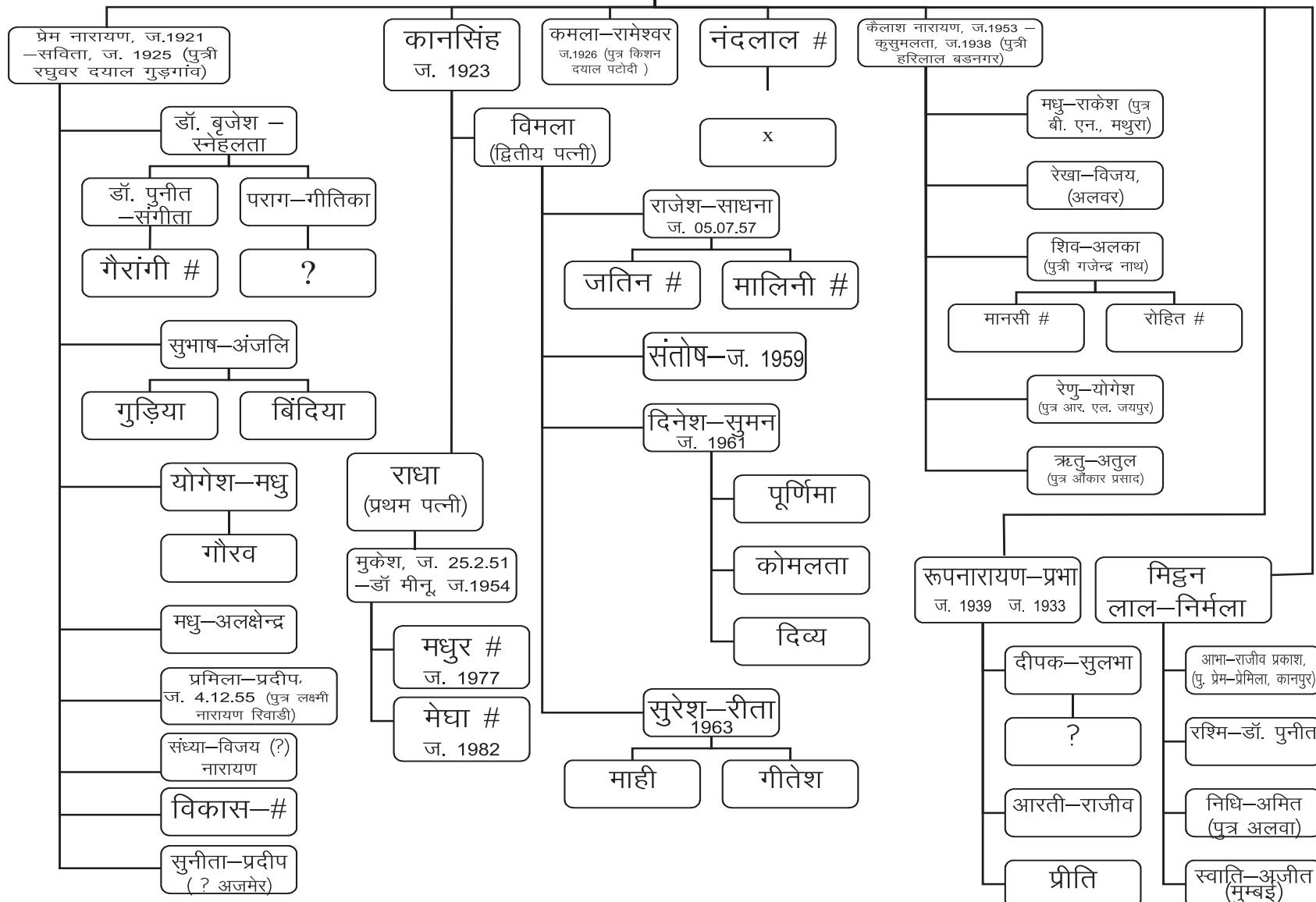
रामनाथ, ज. 1868, नि. 1912—
पार्वती देवी (पुत्री हकीम गोपाल
सहाय, मथुरा)



स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर-231001, दूरभाष: 05442-222436

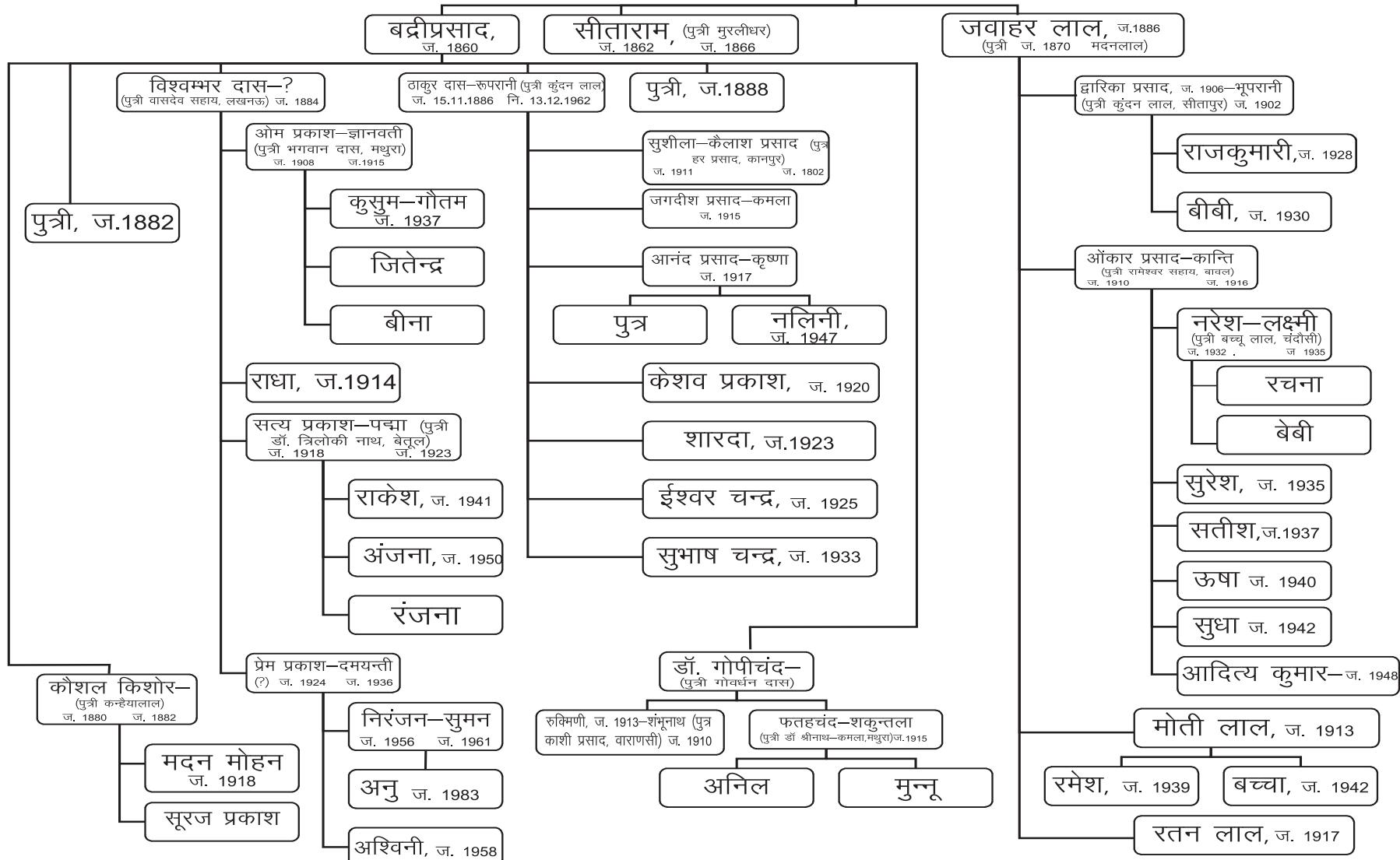
क्रमशः 24

जगत नारायण — शरवती देवी (पुत्री पन्ना लाल, जयपुर)
ज. 22.01.1888 नि. 15.09.1970 ज. 1900 नि. 06.03.1968



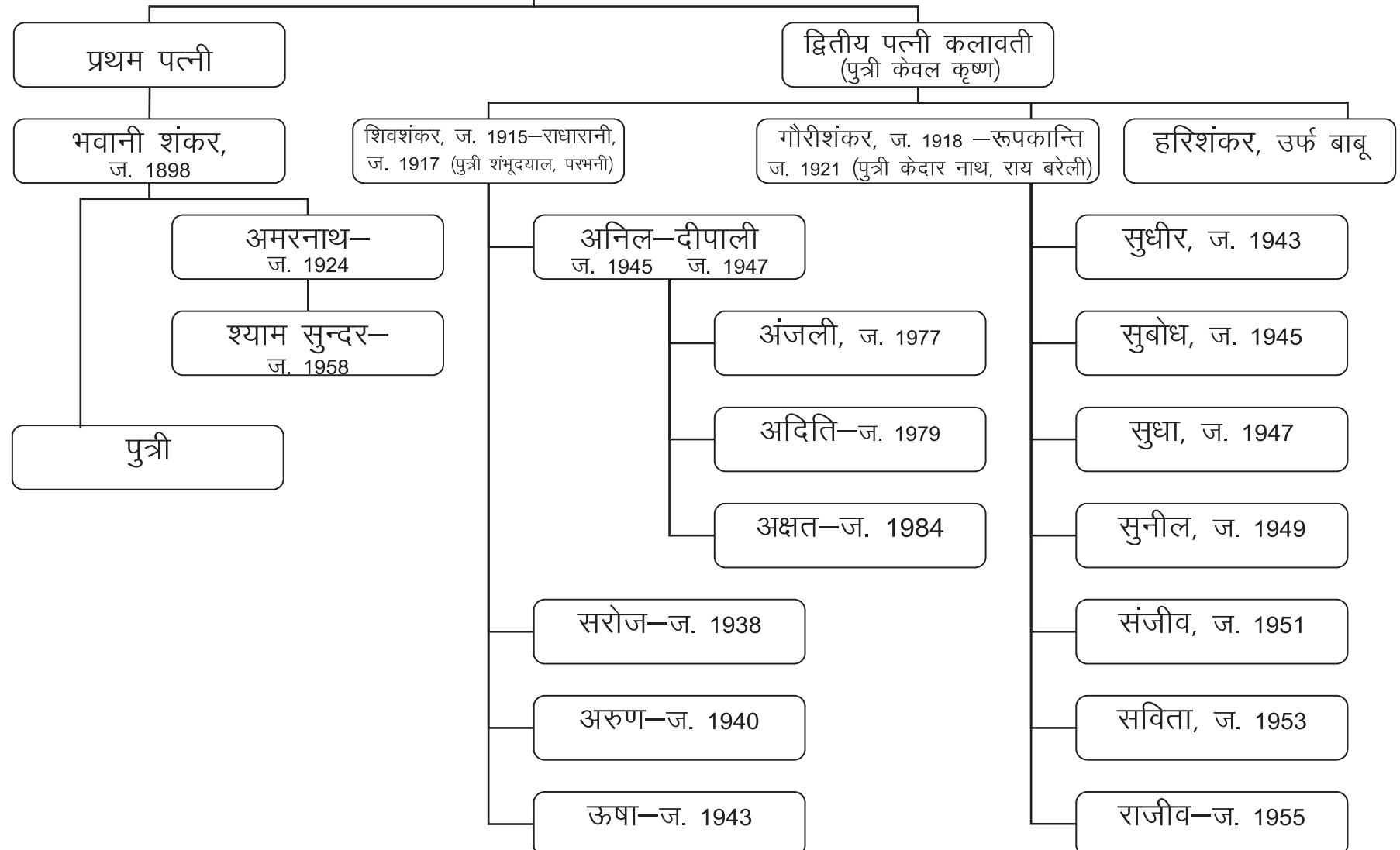
स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमशः 25

कहेयालाल



स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमशः 26

गणेशीलाल ज. 1865

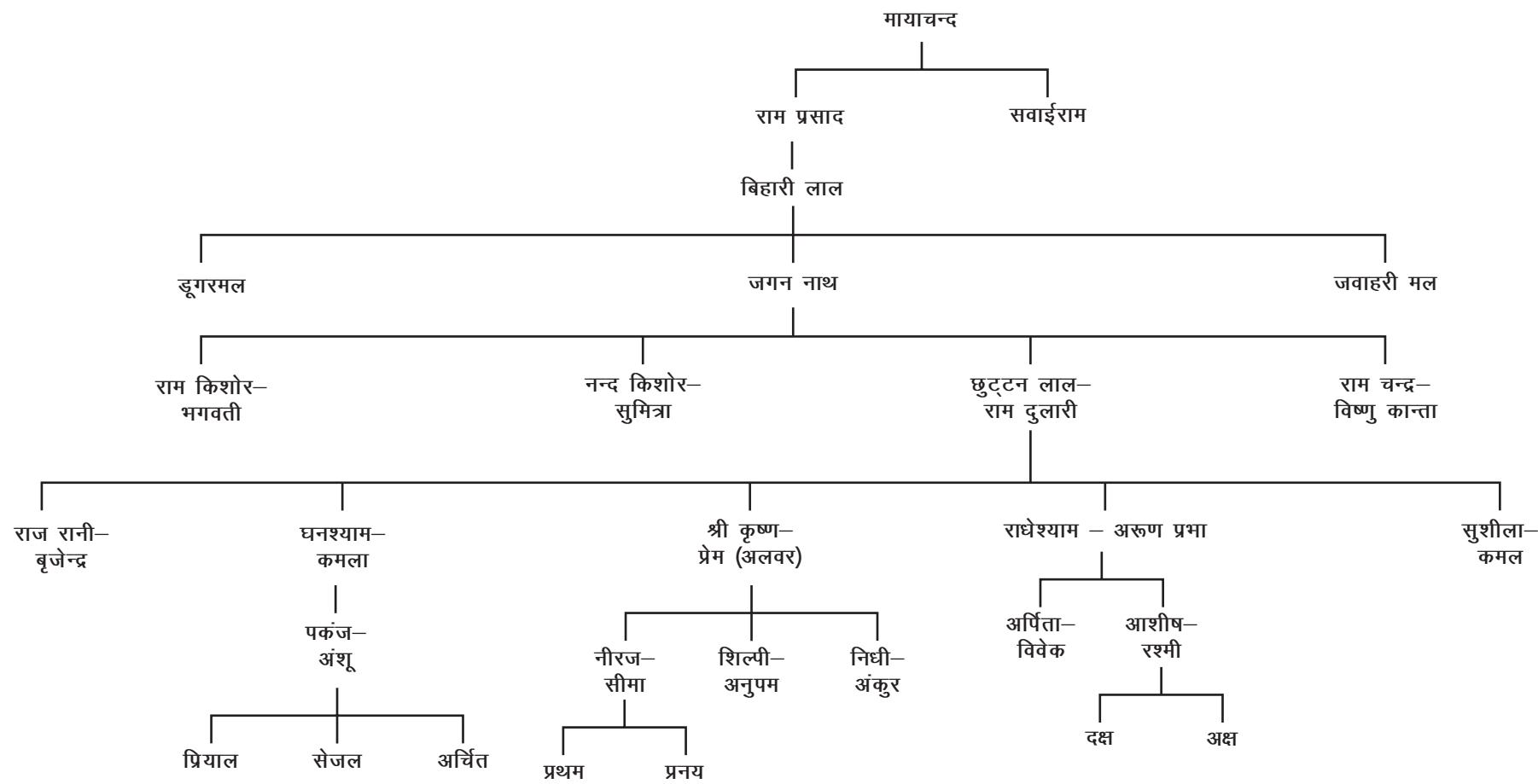


स्रोत : (डॉ.) मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल, गुरु नानक इन्टर कालेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर—231001, दूरभाष: 05442—222436 क्रमश: 27

पूर्वजों का निवास : अजमेर

गोत्र : कश्यप

कुलदेवी : अर्चट



स्रोत : श्री कृष्ण भार्गव, 33/253, कृष्णा चौक, धोबी घाट का रास्ता, टोपदड़ा, अजमेर-305001 फोन : 0145-2620518, 9460479090

पूर्वजों का निवास :

गोत्र : कश्यप

कुलदेवी : अर्चट

प. खेमचन्द (1480)

रामदास

कपूरचन्द

धर्मदास

कृपाल दास

प्रयाग दास

हरीराम

हरजीमल

रामचन्द

खुशहाल चन्द

रामसुखदास

सदा सुखदास

महासुखदास

टोकन सिंह

नवल सिंह

गोपाल सिंह

बालकृष्ण

सदा बक्स

पहलवान सिंह

नानकराय

राम नरायण

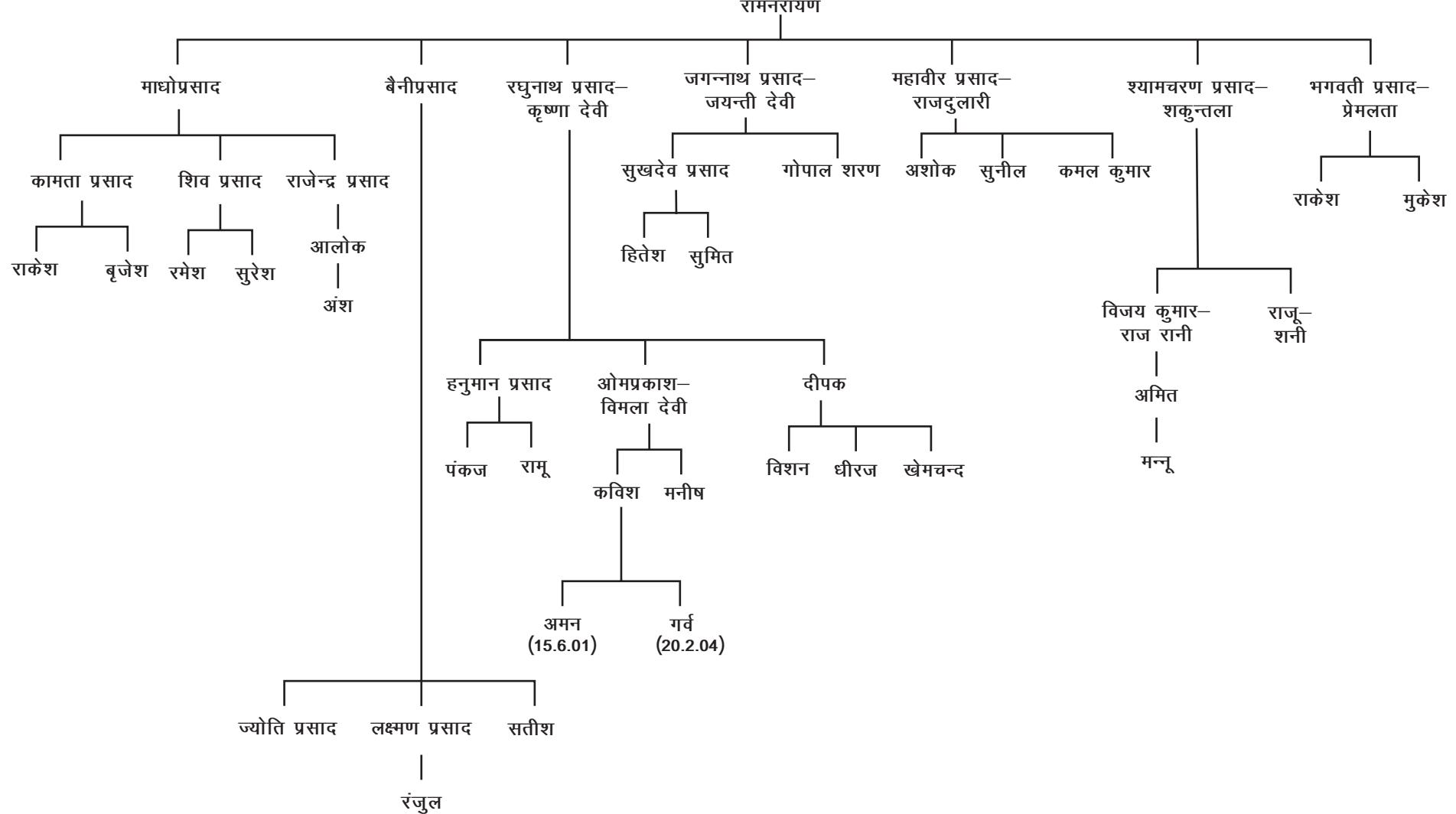
क्रमशः 2

स्रोत : श्री ओमप्रकाश भार्गव, 4घ-12 मनुमार्ग, प्रताप नगर, हाऊसिंग बोर्ड, अलवर फोन : 0144-2340484

पूर्वजों का निवास :

गोत्र : कश्यप

कुलदेवी : अर्चट

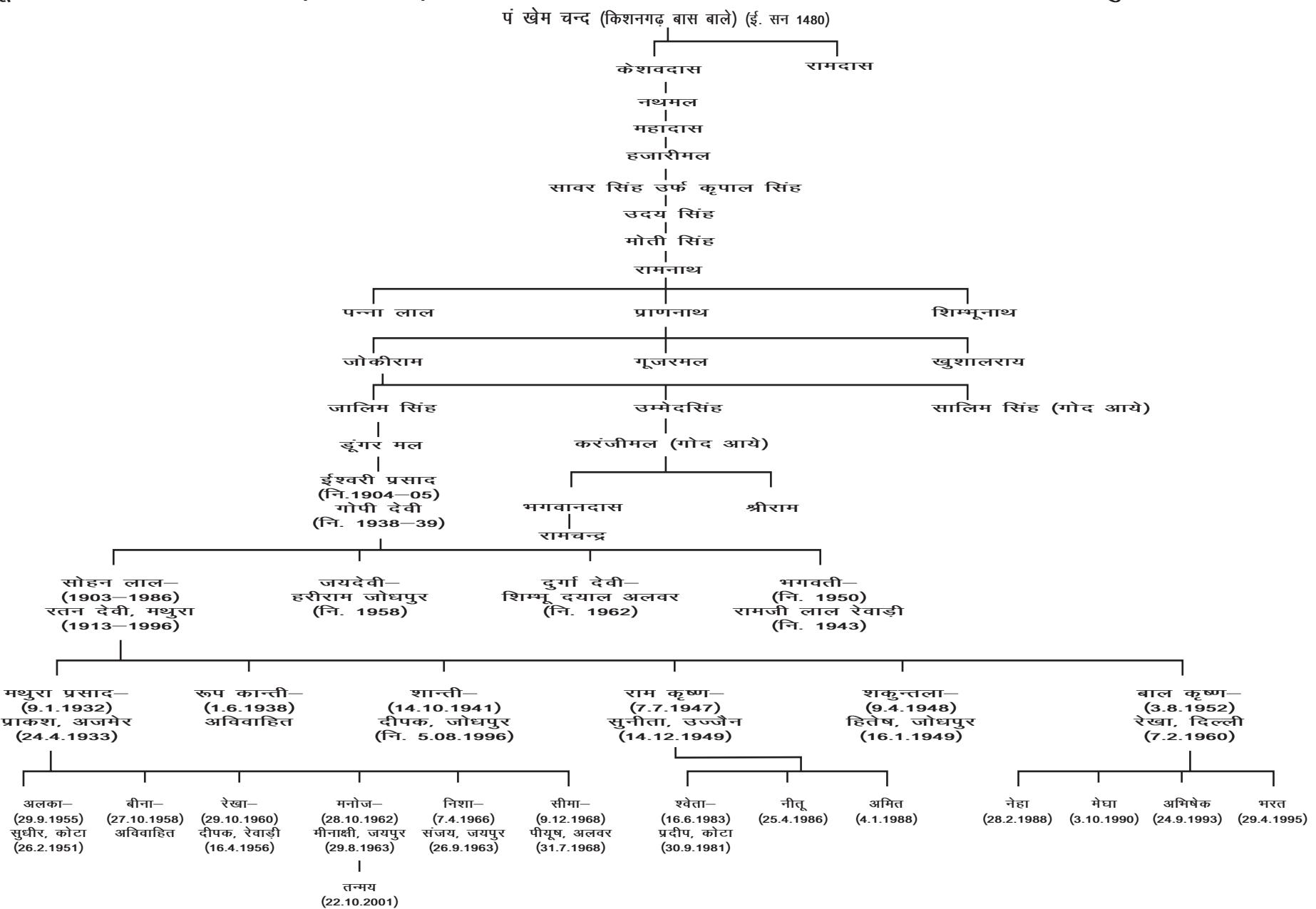


स्रोत : श्री ओमप्रकाश भार्गव, 4घ-12 मनुमार्ग, प्रताप नगर, हाऊसिंग बोर्ड, अलवर फोन : 0144-2340484

पूर्वजों का निवास : किशनगढ़ (बम्बोरा ग्राम) अलवर

गोत्र : कश्यप

कुलदेवी : अर्चट



पूर्वजों का निवास : किशनगढ़ (बम्बोरा ग्राम) अलवर

गोत्र : कश्यप

कुलदेवी : अर्चट

पं खेम चन्द (किशनगढ़ बास बाले) (ई. सन 1480)

केशवदास रामदास

नथमल

महादास

हजारीमल

सावर सिंह उर्फ कृपाल सिंह

उदय सिंह

मोती सिंह

रामनाथ

पन्ना लाल

प्राणनाथ

शिम्भूनाथ

किशन लाल

हजारी लाल

नन्द किशोर

मोहन लाल

कांजीमल
(गोद आये)

सांवरमल

गुलावराय

चुन्नीलाल
बद्रीप्रसाद
रामरत्न

प्यारे लाल
(नि. 1950)
रामा
(नि. 1948)

चम्पा (नि. 1942)
लक्ष्मीनारायण, अलवर
(नि. 14.09.1995)

चमेली
(नि. 30.1.95)
रामचन्द्र, अलवर
(नि. 21.5.1962)

कलावती
(नि. 12.2.1962)
रमेशचन्द्र, अलवर
(नि. 1984)

रघुबीर शरण
(9.9.1947)
सुरेखा दिल्ली
(10.9.1953)

दीपक
(18.5.1972)
वर्षा
(15.7.1975)

सविता
(9.12.1974)
मनीषा, दिल्ली
(3.7.1971)

सीमा
(23.11.1976)
मोहन, सिरोज
(12.11.1971)

हितेष
(12.11.1978)
रेणू
(9.2.1986)

नीरज
(13.11.1980)

रुचि
(8.10.1986)

पूर्वी
(15.10.2002)

मुस्कान
(10.11.2004)

हर्षित
(6.6.2008)

स्रोत : श्री रघुबीर शरण, मुंशी बाजार, अलवर दूरभाष : 0144-2337041

पूर्वजों का निवास : आगरा

खेमचन्द → रामदास → कपूरचन्द → धर्मदास → कृपाल दास → सांवलदास → सहजराम (मुगल सेनापति)
(1480) (मुगल सेनापति)

गोत्र – कश्यप

कुलदेवी : अर्चट

इन्द्रसिंह (पैशवाओं के सेनापति, 1767)
पोपसिंह (सलाहकार पेशवा)
शिवलाल
शंकरलाल
परमेश्वर दयाल – राधा रानी
निधन 3.10.1974 – निधन 31.10.1928
प्रभू दयाल – शान्ति देवी (सुपुत्री श्री साधो लाल, मथुरा)
जन्म 13.04.1913 जन्म —— 1916
निधन – 06.12.2001 निधन – 19.04.1983

नगेन्द्रप्रकाश – पुष्पा (सुपुत्री रामेश्वर दयाल, दिल्ली)
जन्म – 09.02.1933 जन्म – 09.02.1937

सत्यप्रकाश – शशी (सुपुत्री गोपीनाथ, जयपुर)
जन्म – 11.02.1949 जन्म – 02.01.1951

सूर्यप्रकाश – रेखा (सुपुत्री जुगल किशोर, रतलाम)
जन्म – 13.07.1958 जन्म – 15.01.1959

राहुल – नीता
जन्म – 16.06.1958 जन्म – 07.03.1960 (सुपुत्री कृष्ण कुमार, इलाहाबाद)

ओमप्रकाश – उर्मिला (कानपुर)
जन्म – 15.05.1942 जन्म – 19.05.1943

साकेत
जन्म – 24.12.1980

सोरभ
जन्म – 27.08.1986

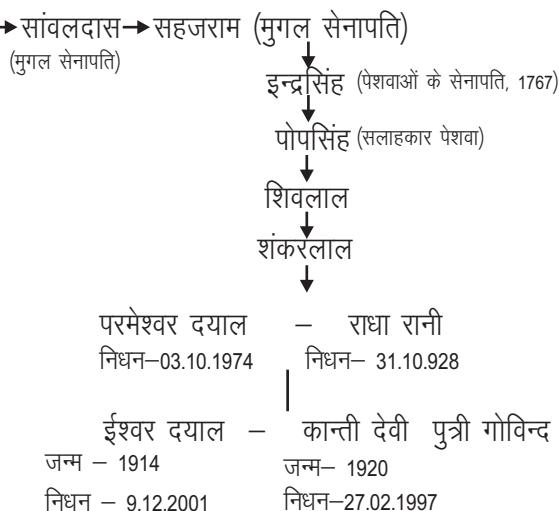
करन
जन्म – 29.12.1983

स्त्रोत : श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव, एम-128, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-110048, मो. 9810019945

पूर्वजों का निवास : आगरा

खमचन्द → रामदास → कपूरचन्द → धर्मदास → कृपाल दास → सांवलदास → सहजराम (मुगल सेनापति)
(1480)

गोत्र—कश्यप



कुलदेवी : अर्चट

राजेश्वर दयाल — निशा
12.05.1944 24.11.1946

सचिन — आभा
09.06.1979 14.07.1981
सुपुत्री गिरधारी लाल,
बालाघाट म.प्र.

राजेन्द्र दयाल — सुधा
10.05.1946 15.03.1950

सुपुत्री कैलाश नाथ,
जयपुर

राजकमल — अनिता
11.05.1959 12.12.1964

सुपुत्री लाडली प्रसाद,
अलवर
सार्थक

रविन्द्र — कविता
03.11.1961 09.01.1967

सुपुत्री संतोष कुमार,
ग्वालियर
हर्षित

राजकुमार — हिना
03.05.1963 07.05.1968

सुपुत्री अमर जीत,
अमृतसर
अभिषेक

अमित — रेनू
12.10.1975 26.03.1978
सुपुत्री विजय, मुम्बई

अतिन — रीना
08.07.1977 14.12.1977
सुपुत्री राकेश जोशी, जयपुर

अंकुश
08.06.1983

स्त्रोत : श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव, एम- 128, ग्रेटर कैलाश- 2, नई दिल्ली- 110048, मो. 9810019945

पूर्वजों का निवास : आगरा

खेमचन्द → रामदास → कपूरचन्द → धर्मदास → कृपाल दास → सांवलदास → सहजराम (मुगल सेनापति)
(1480)

गोत्र—कश्यप

इन्द्रसिंह (पेशवाओं के सेनापति, 1767)
पोपसिंह (सलाहकार पेशवा)
शिवलाल
शंकरलाल

कुलदेवी : अर्चट

परमेश्वर दयाल — राधा रानी
निधन— 03.10.1974 निधन— 31.10.1928

रघुवर दयाल — निर्मला (सुपुत्री राघव प्रसाद मथुरा)
जन्म— 1921 जन्म— 1927
निधन— 08.04.1972 निधन— 03.10.1998

मुनीष — राधा
06.10.1947 24.07.1952
सुपुत्री हरद्वारी प्रसाद
मथुरा

अनिल — उपमा
20.07.1958 15.04.1964
सुपुत्री ओ. पी. भार्गव
जयपुर

अर्पित
27.05.1988

नवीन — नेहा
20.09.1956 30.01.1965
सुपुत्री गोपाल प्रसाद
आगरा

विव्यांश
07.10..2004

स्त्रोत : श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव, एम— 128, ग्रेटर कैलाश— 2, नई दिल्ली— 110048, मो. 9810019945

पूर्वजों का निवास : आगरा

गोत्र— कश्यप

कुलदेवी : अर्चट

खेमचन्द → रामदास → कपूरचन्द → धर्मदास → कृपाल दास → सांवलदास → सहजराम (मुगल सेनापति)
(1480) (मुगल सेनापति)

इन्द्रसिंह (प्रेशवाओं के सेनापति, 1767)

पोपसिंह (सलाहकार प्रेशवा)

शिवलाल

शंकरलाल

परमेश्वर दयाल — राधा रानी
निधन— 03.10.1974 — निधन— 31.10.1928



भगवान दयाल — शोभारानी, सुपुत्री द्वारका प्रसाद, वीकानेर
जन्म— 28.10.1928 — जन्म— 06.11.1936

अशोक — अमिता
जन्म— 18.11.57 15.01.1959
सुपुत्री पृथ्वी नाथ
जयपुर
करन
30.05.1986

अनिल — संगीता
25.06.1961 11.03.1967
सुपुत्री रमेश चन्द्र
इन्दोर
अनीस 16.12.1992
आयुष 31.03.1994

अजय — रचना
14.11.1964 09.03.1967
सुपुत्री सुभाष चन्द्र
मंदसोर (म.प्र.)
सिद्धार्थ 05.01.1991
पार्थ 21.07.1994

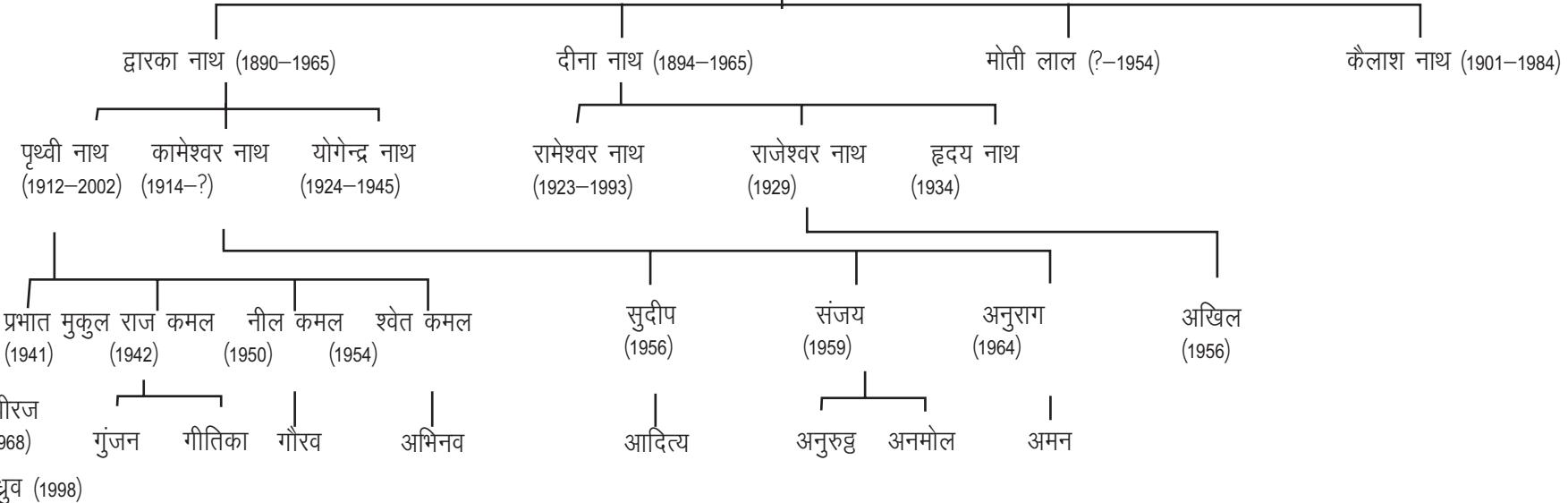
स्त्रोत : श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव, एम— 128, ग्रेटर कैलाश— 2, नई दिल्ली— 110048, मो. 9810019945

पूर्वजों का निवास : किशनगढ़ बास

गोत्र : कश्यप

पं. खेम चन्द्र (?-1480) (किशनगढ़ बास वाले, अलवर)

रामदास
कपूर चन्द्र
धर्म दास
कृपाल दास
सावल दास
सहजराम
इन्द्र सिंह (1700-1769)
पोप सिंह
मोहन लाल
जीवन लाल
कन्हैयालाल (1861-1923)



कुलदेवी : अर्चट

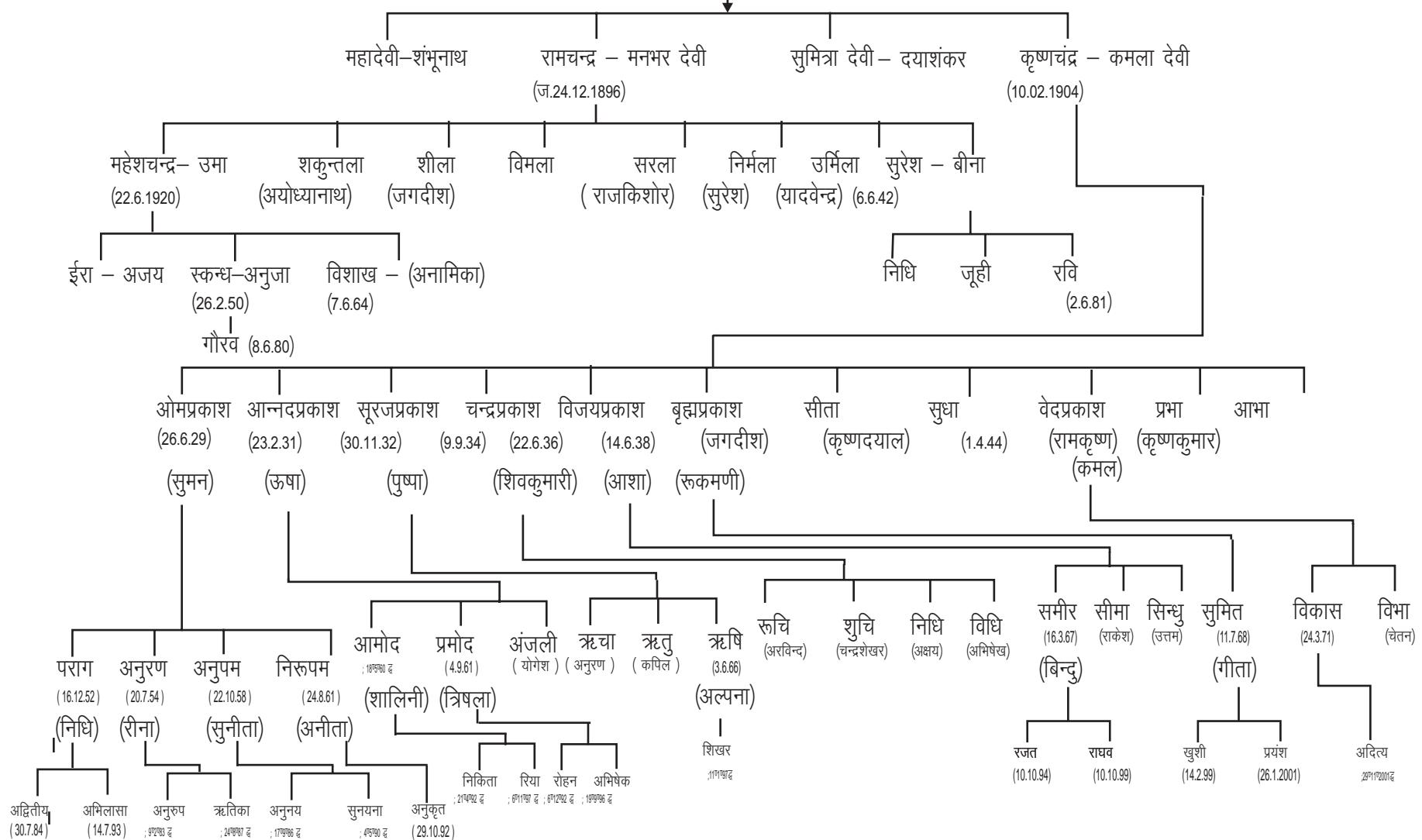
स्रोत : श्री प्रभात मुकुल भार्गव, बी- 203, त्रिमूर्ति अपार्टमेन्ट, मालवीय नगर, जयपुर-302017 (फोन नं. 0141-2751930)

पूर्वजों का निवास : बरेली

गोत्र – कश्यप

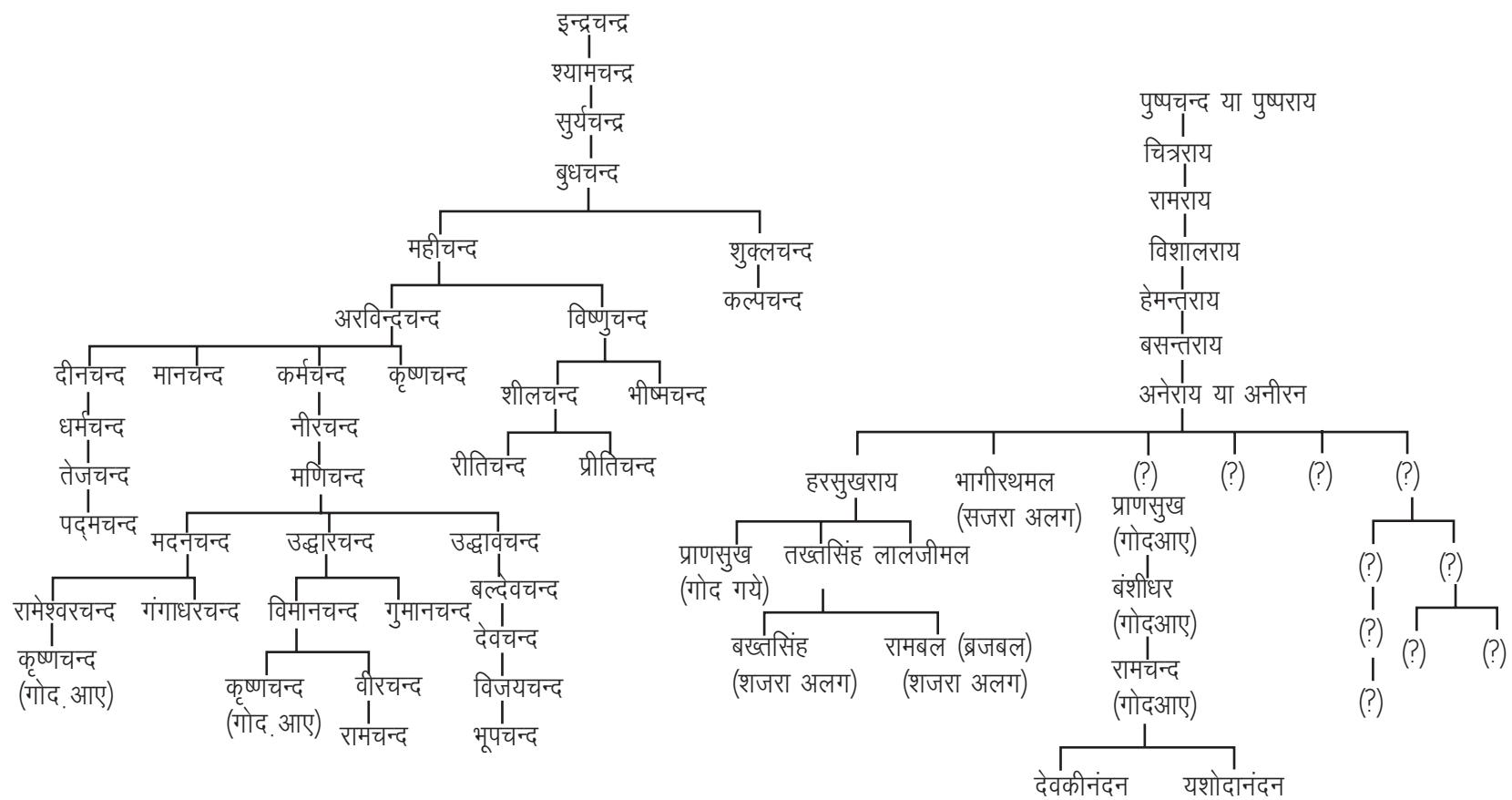
कुलदेवी : अर्चट

साहब राम → चुन्नी लाल → हरनारायण



स्त्रोत—श्री ओमप्रकाश भार्गव, 216 / ए, मेयौलिंक रोड़, अजमेर

ई. सन् 970 में काश्यपि गोत्र, जाखन (यक्षिणी) कुलदेवी पूजक एक परिवार जो सर्व प्रथम रेवाड़ी में बसा, जिसके मुखिया इन्द्रचन्द्र थे। इनकी मुख्य वृत्ति पुरोहिताई तथा खेती-बारी थी। इनके पौत्र श्रीचन्द्र बहुत विद्वान थे। दिल्ली नरेश राजा कुमरपाल ने इन्हें राज्य पुरोहित नियुक्त किया। इनका वंश वृक्ष नीचे दिया गया है।

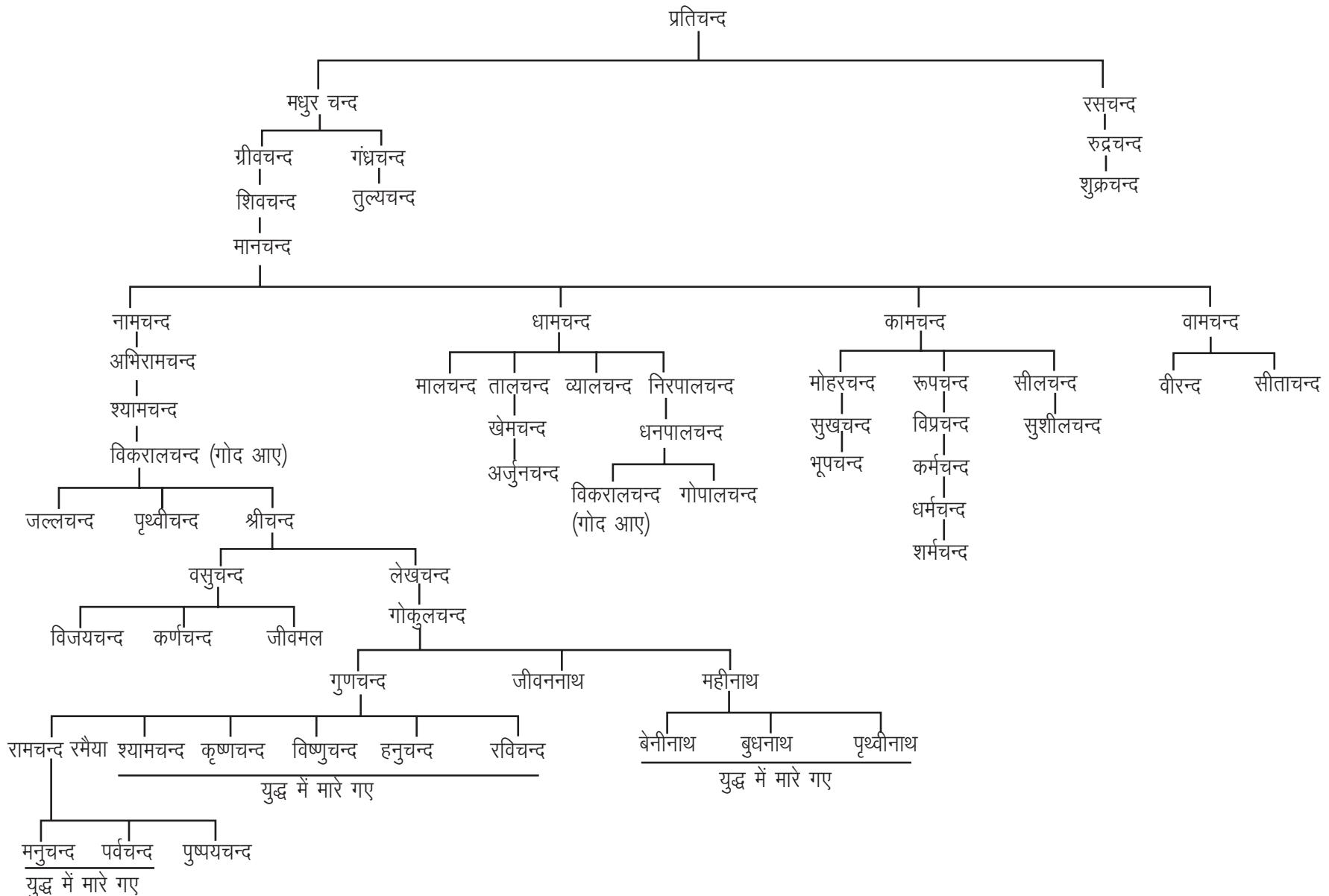


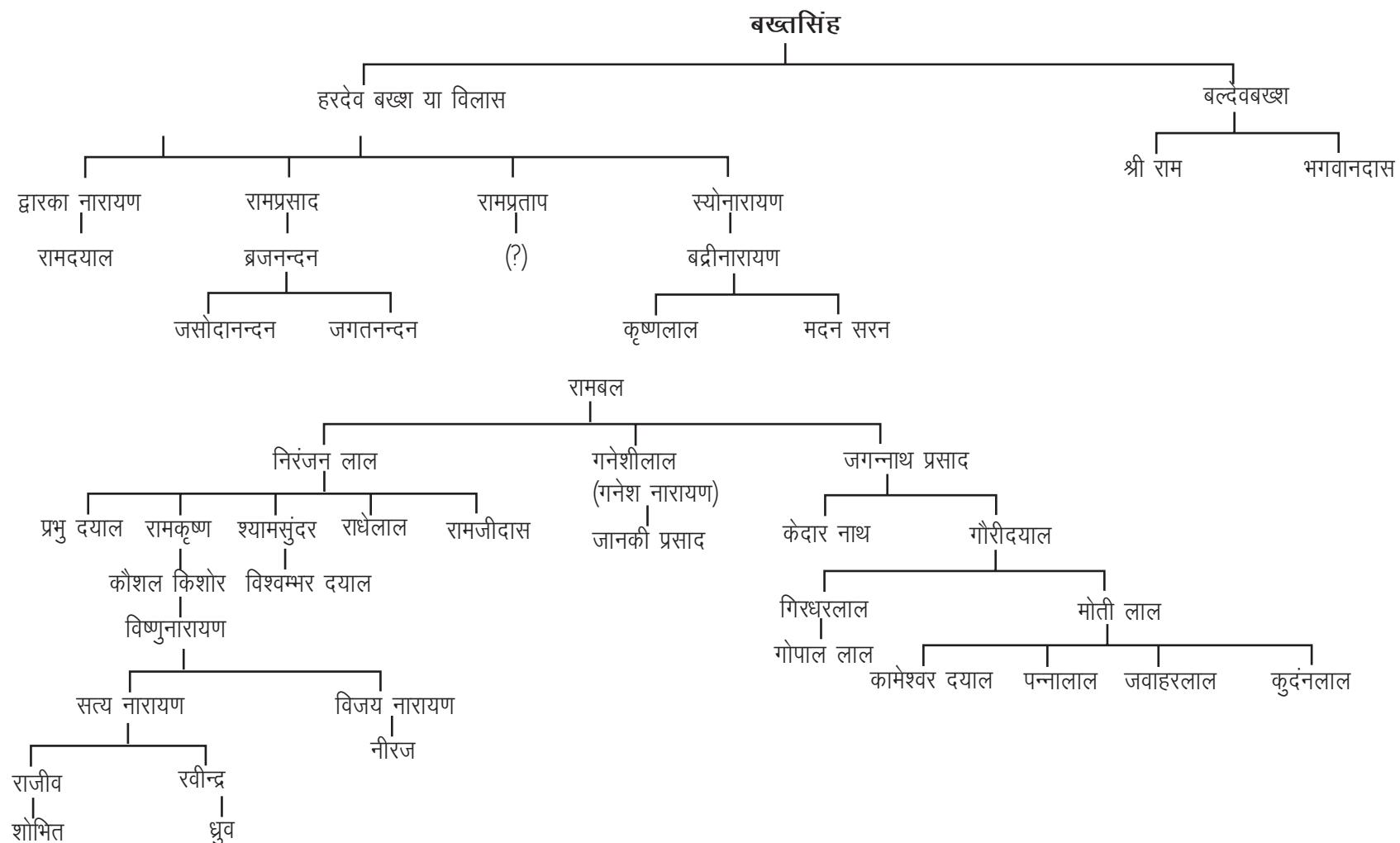
प्रश्न वाचक नाम शजरे में पढ़े नहीं जा सके

क्रमणः२

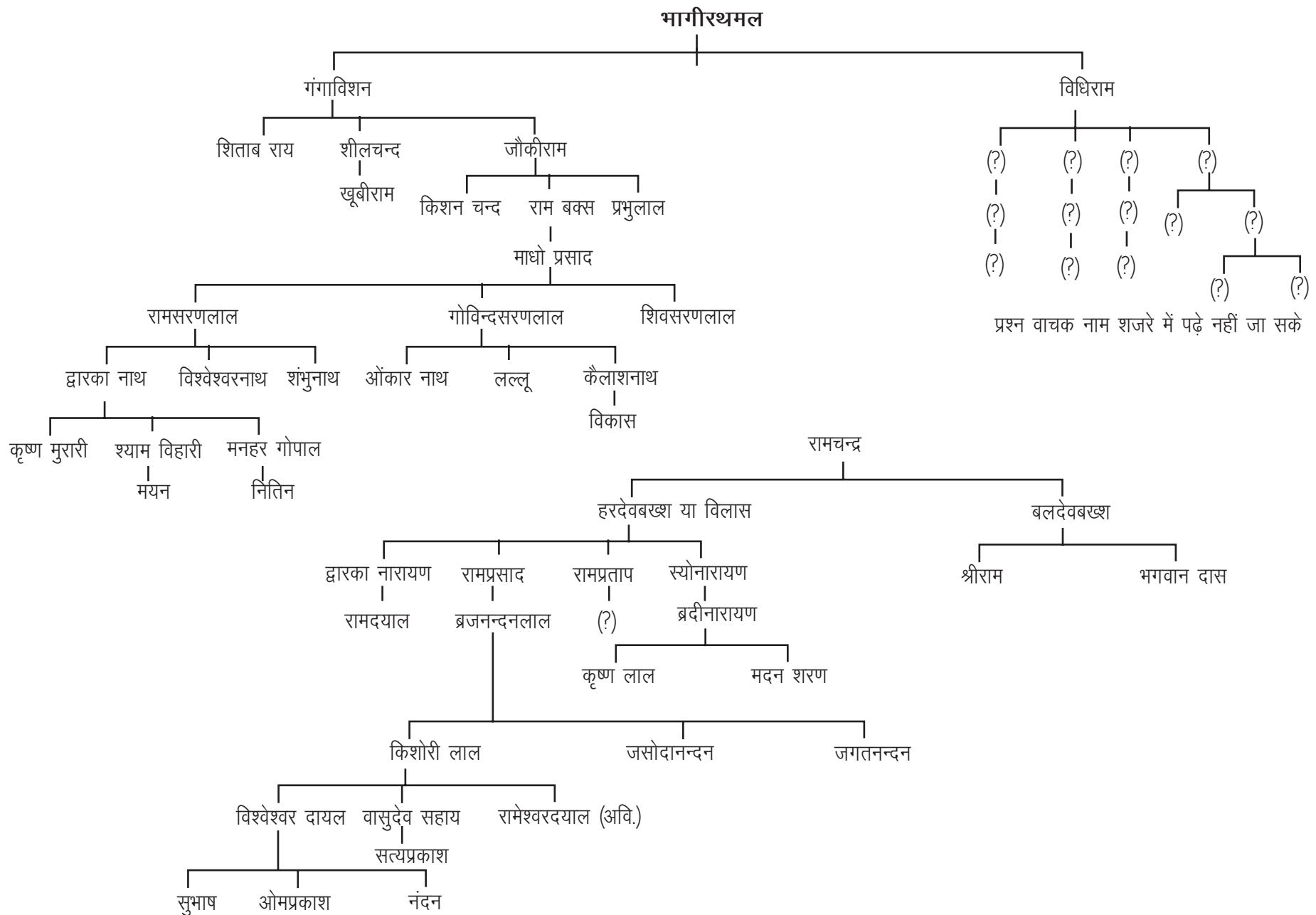
गोत्र-काश्यपि

कुलदेवी : जाखन

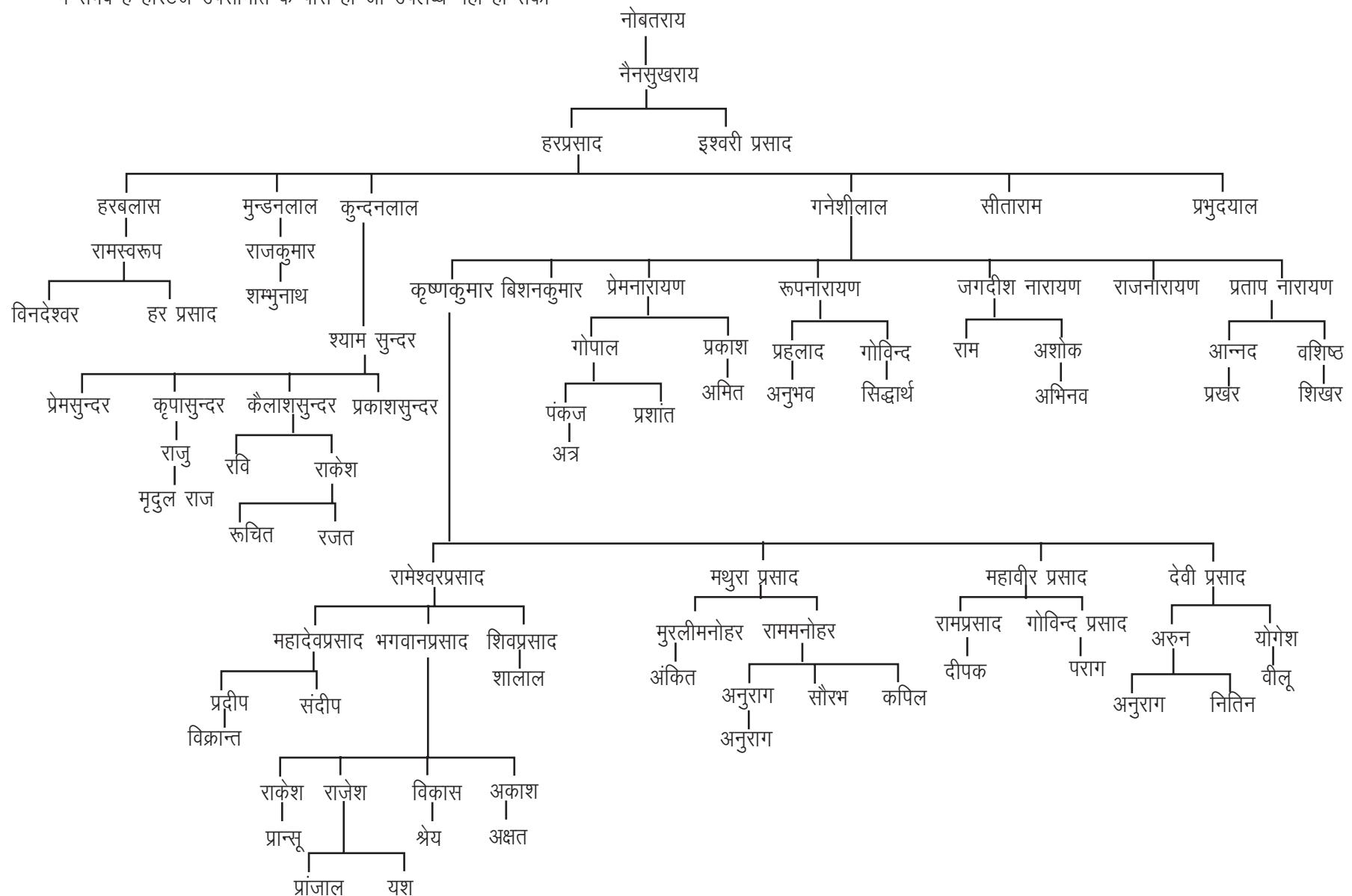




क्रमशः 4



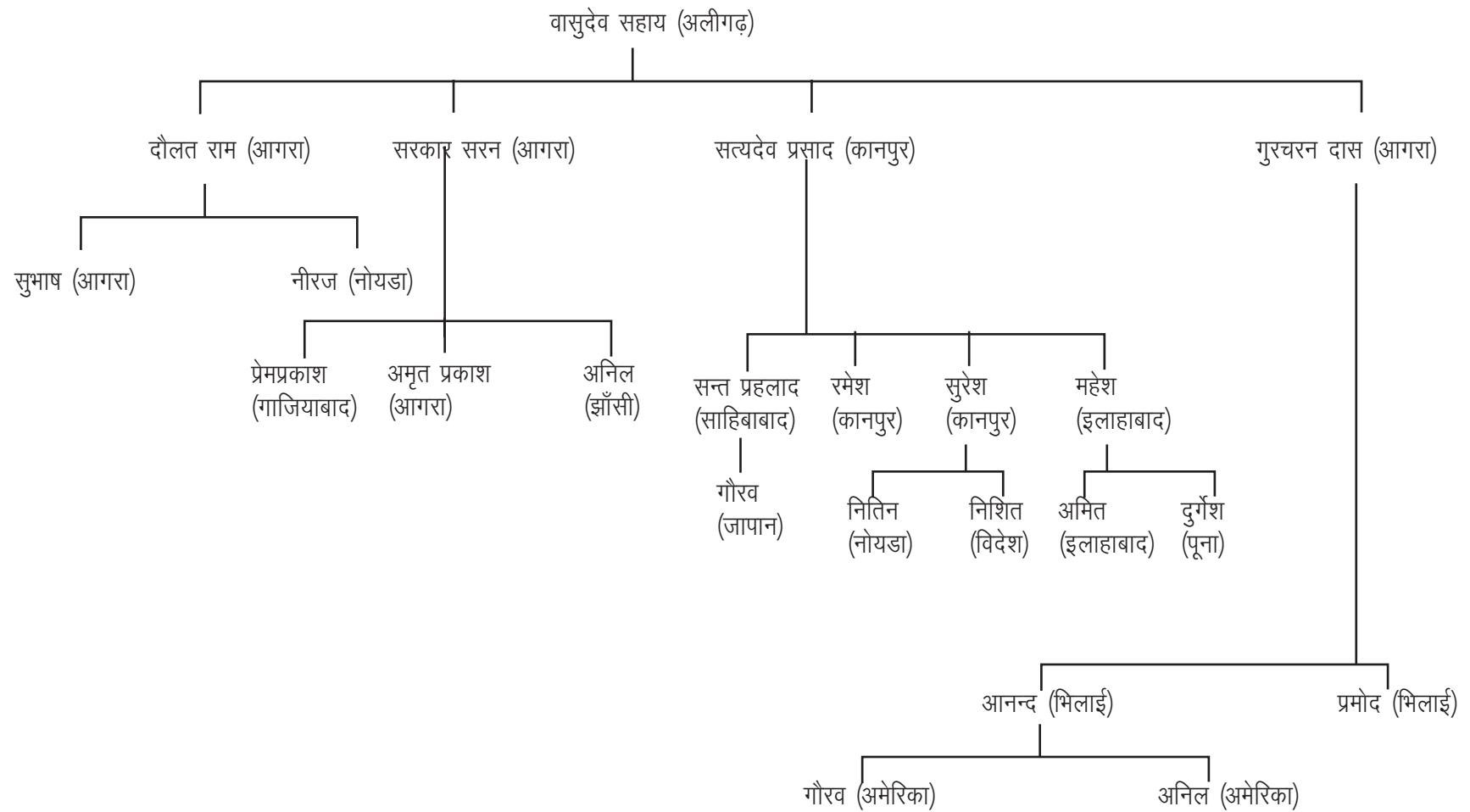
कानौड़िया भार्गव परिवार (गोत्र गोलिश कुलदेवी शकरा) वंश वृक्ष सन् 1450 से 'हेमचन्द' के परदादा राय जयपाल से प्रारम्भ हुआ है। यहां से पहले का वंश वृक्ष में संभव है हैरिटेज उपसमिति के पास हो जो उपलब्ध नहीं हो सका



पूर्वजों का निवास : अलीगढ़

गोत्र—कश्यप

कुलदेवी : जीवन

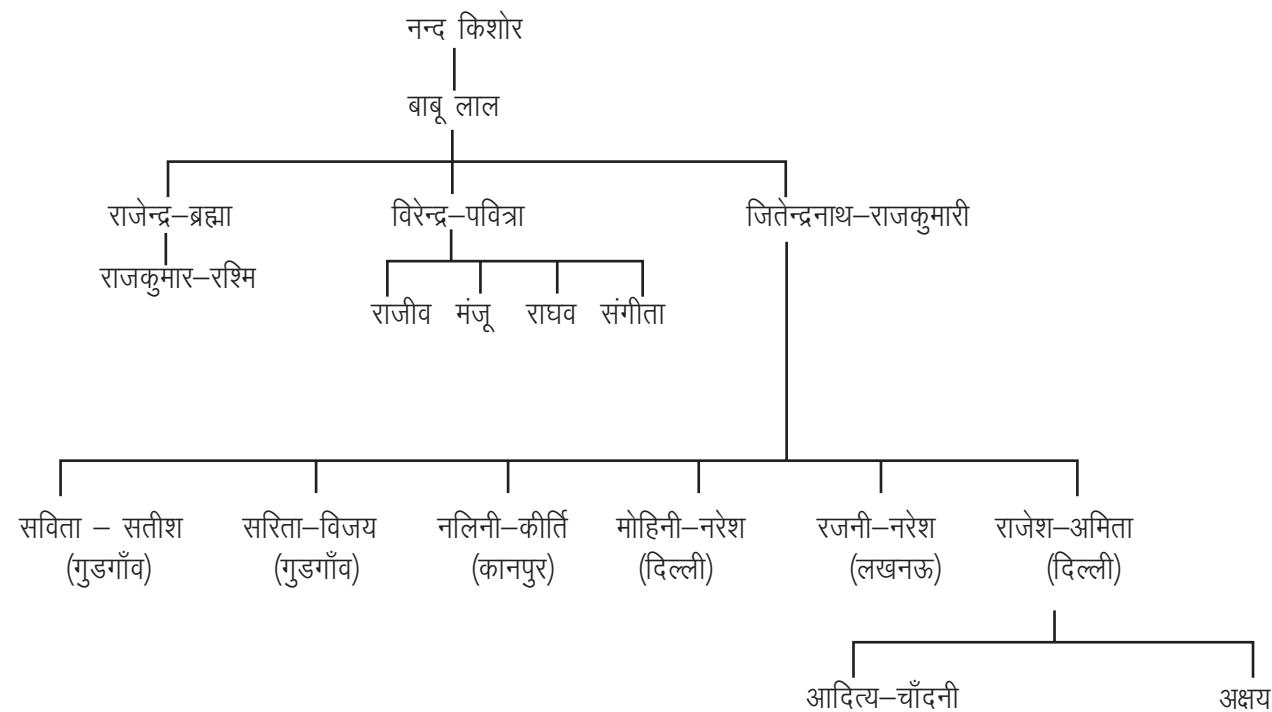


स्त्रोत : श्री महेश भार्गव, 6/10 ए/1, कच्चहरी रोड इलाहाबाद-211002 दूरभाष 0532-2266192

पूर्वजों का निवासः अजमेर

गोत्र कश्यप

कुलदेवीः जीवन

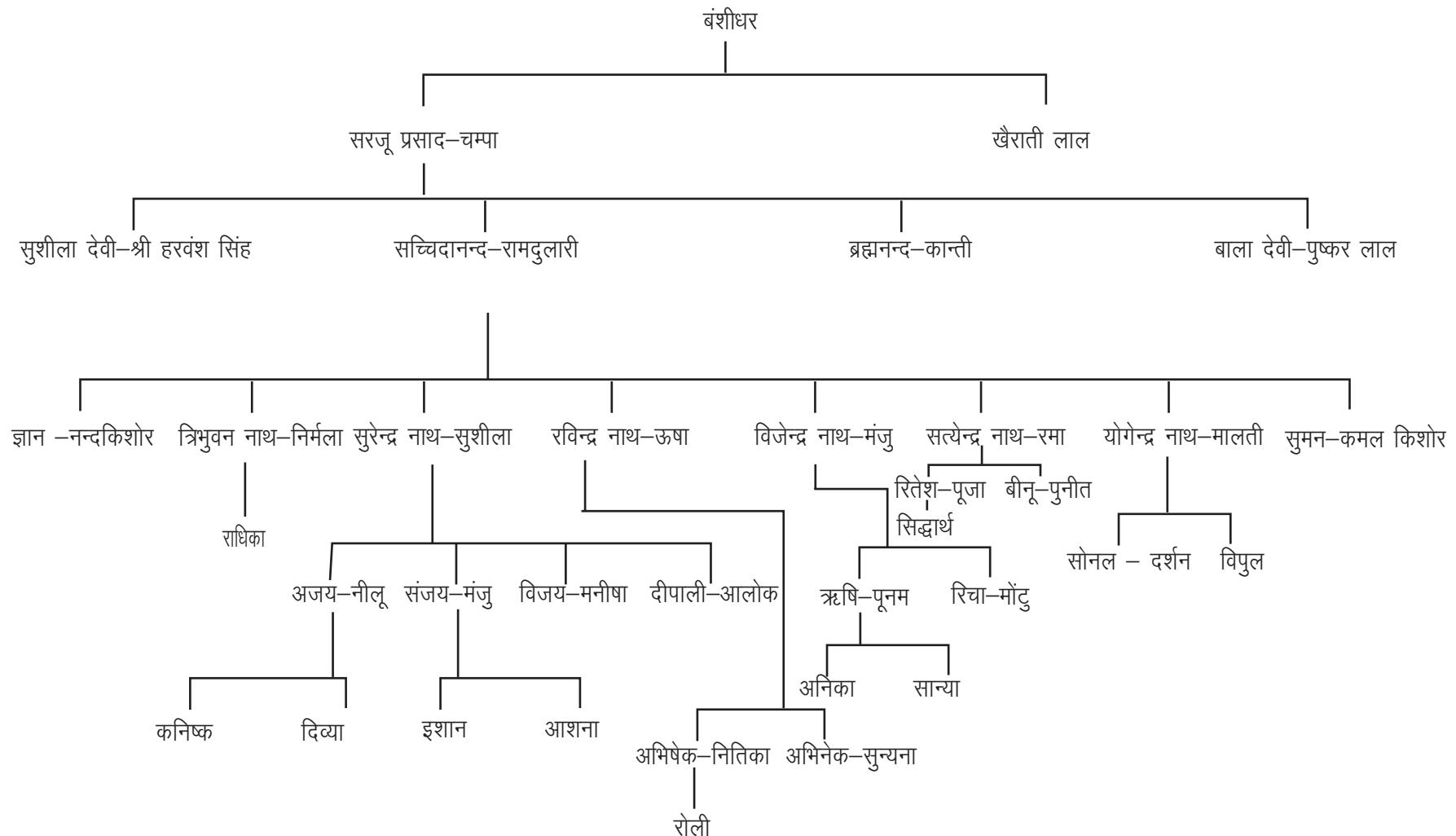


स्त्रोतः श्रीमती राजकुमारी / श्री राजेश भार्गव, 2 सहगल कॉलोनी, कोट रोड, सिविल लाईन, दिल्ली –110054 दूरभाषः 2391680

पूर्वजों का निवास : अलीगढ़

गोत्र : कश्यप

कुलदेवी : सन्मत

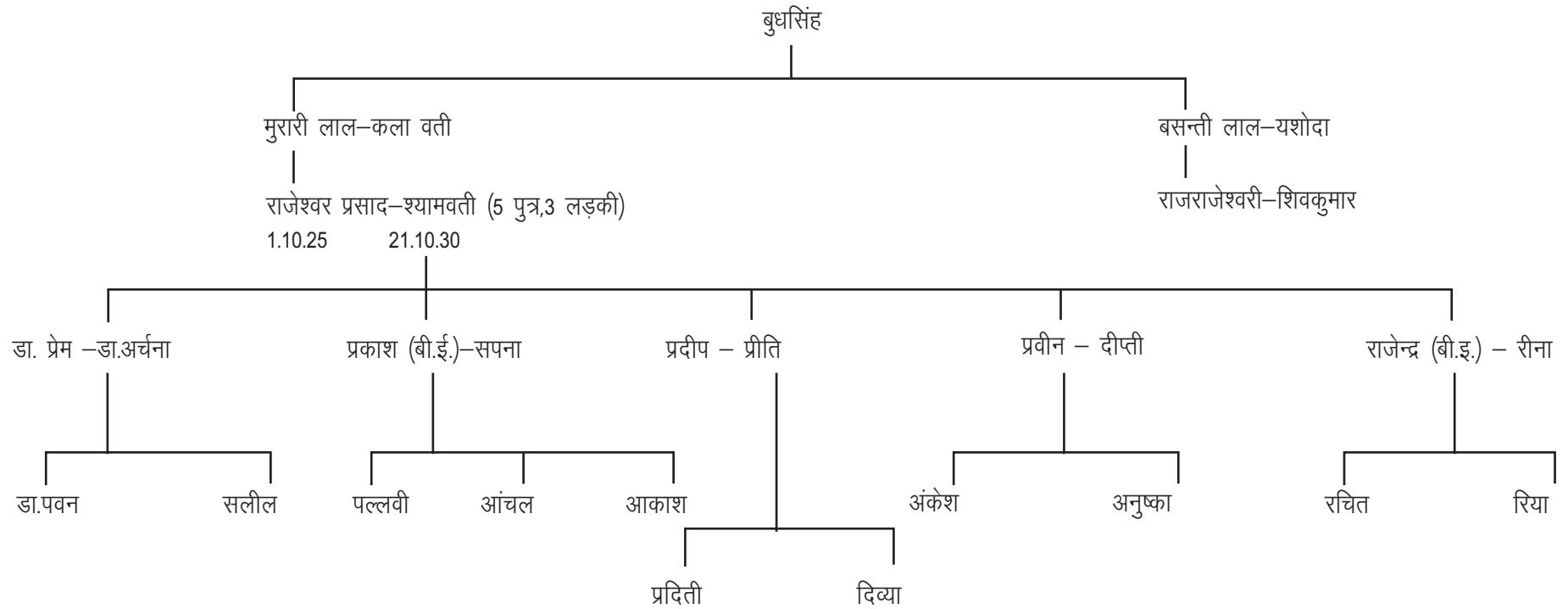


स्त्रोत : श्री बी.एन.भार्गव, स्टेट बैंक कॉलोनी, पुलिस लाइन्स, अजमेर दूरभाषः— 0145—2426278

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – कश्यप

कुलदेवी : सनमट

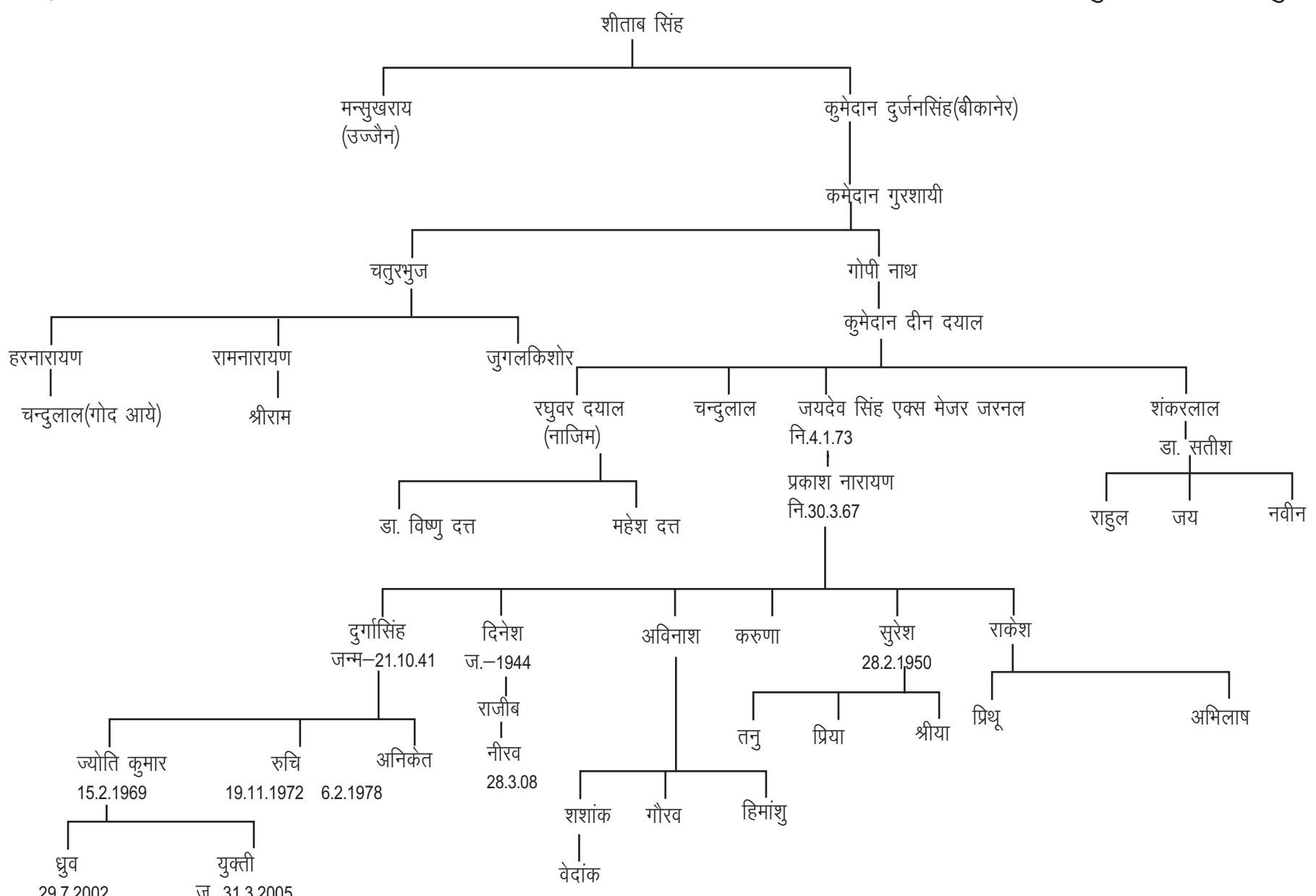


स्त्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रिंसिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

पूर्वजों का निवास : बीकानेर

गोत्र – काशिब

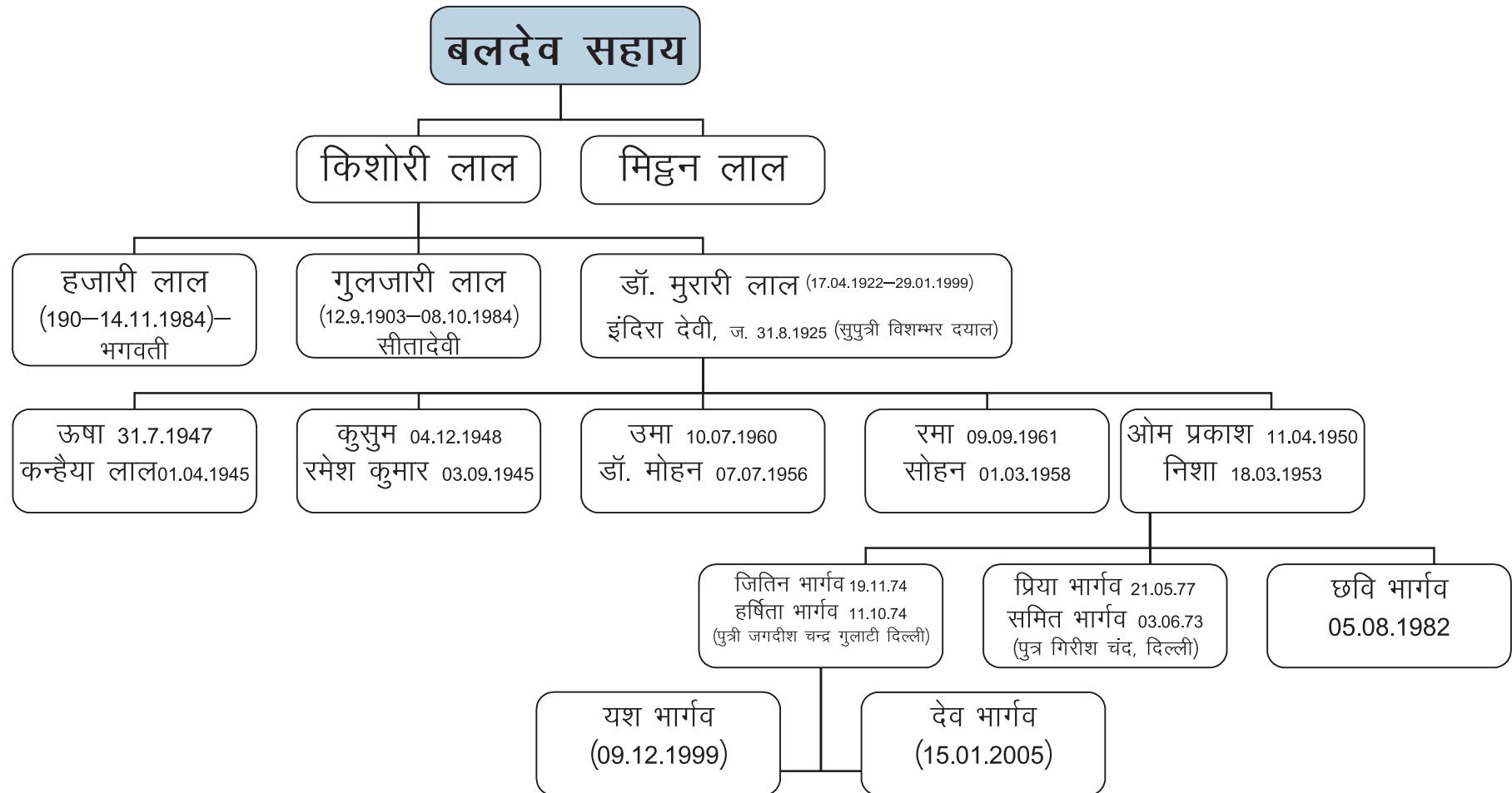
कुलदेवी : सोहनशुकला



पूर्वजों का निवास : फरीदाबाद

गोत्र : कश्यप

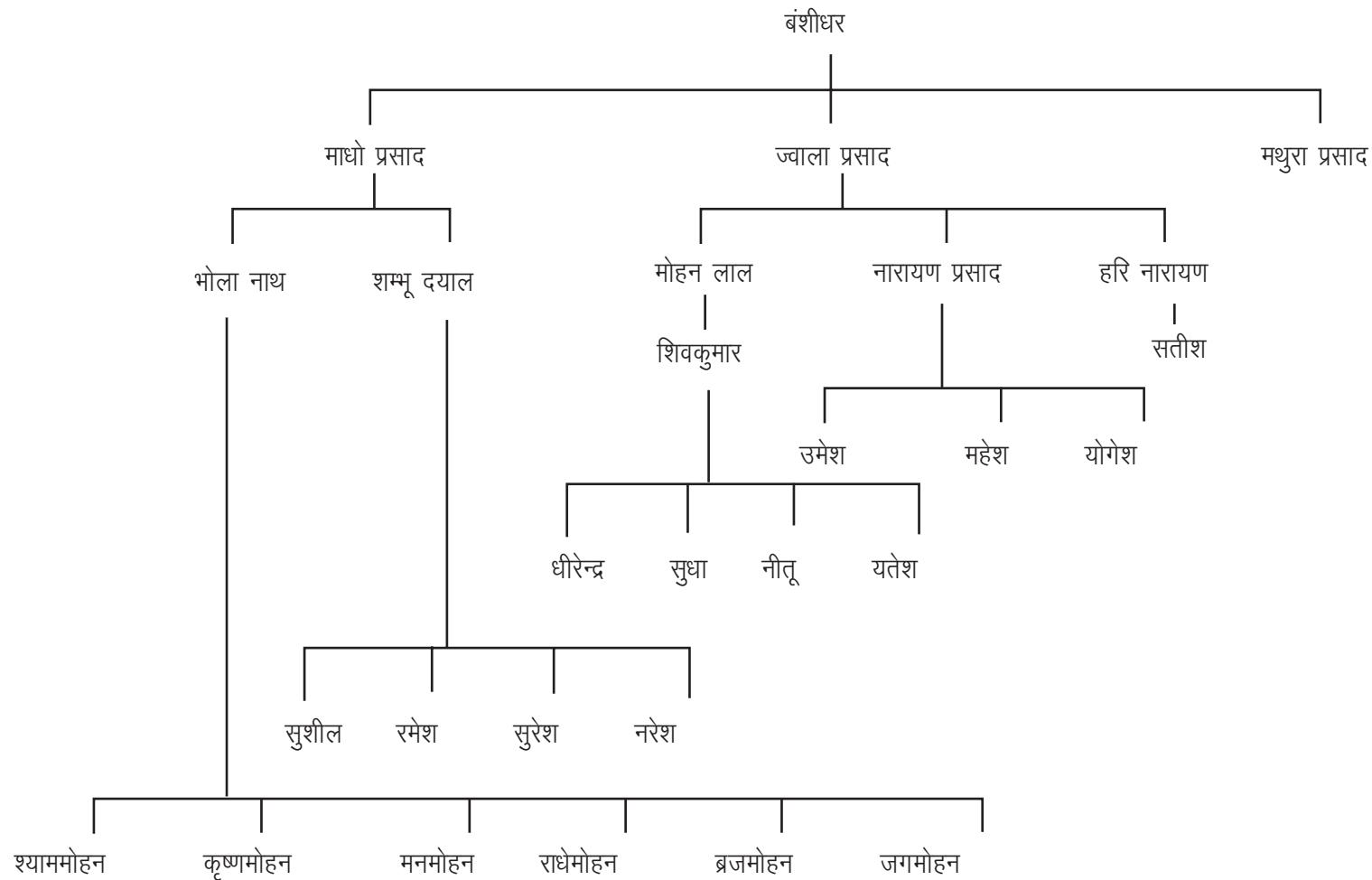
कुल देवी : सनोते



स्रोत : श्री ओम प्रकाश भार्गव, फ्लैट नं. 202, 19-राजपुर रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 मो. 9312401850

पूर्वजों का निवास : बडोदा श्योपुर कलां (म. प्र.) गोत्र – कश्यप

कुलदेवी :



स्त्रोत : श्री शिव कुमार भार्गव, एस.एफ. 57 वरदान अपार्टमेंट, अभय खण्ड –3 इन्द्रापुरम, गाजियाबाद– 201010 (दूरभाष– 0120–6459675)

खंड 2

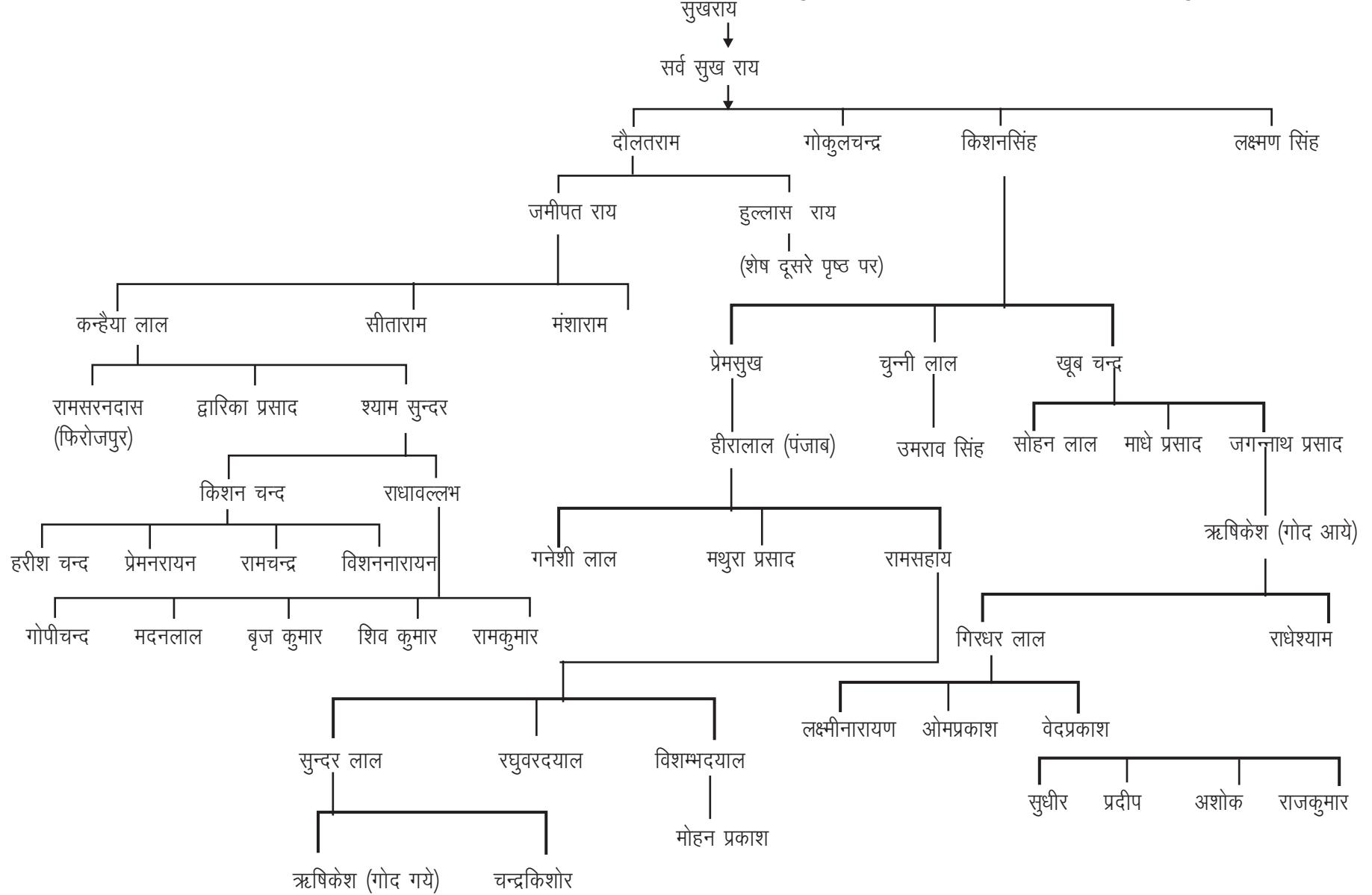
गोत्र : कोचहस्ति (कुत्स, कछलश, कुचलश, कोछलस,
कुचस आदि)

कुलदेवी : 15. कुलाहल, 16. नागन, 17. नागन फूसन,
18. भैंसाचढ़ी

पूर्वजों का निवास : गम्भीरा—उर्फ बिजयगढ़, अलीगढ़

गोत्र – कुचलश

कुलदेवी : नागन

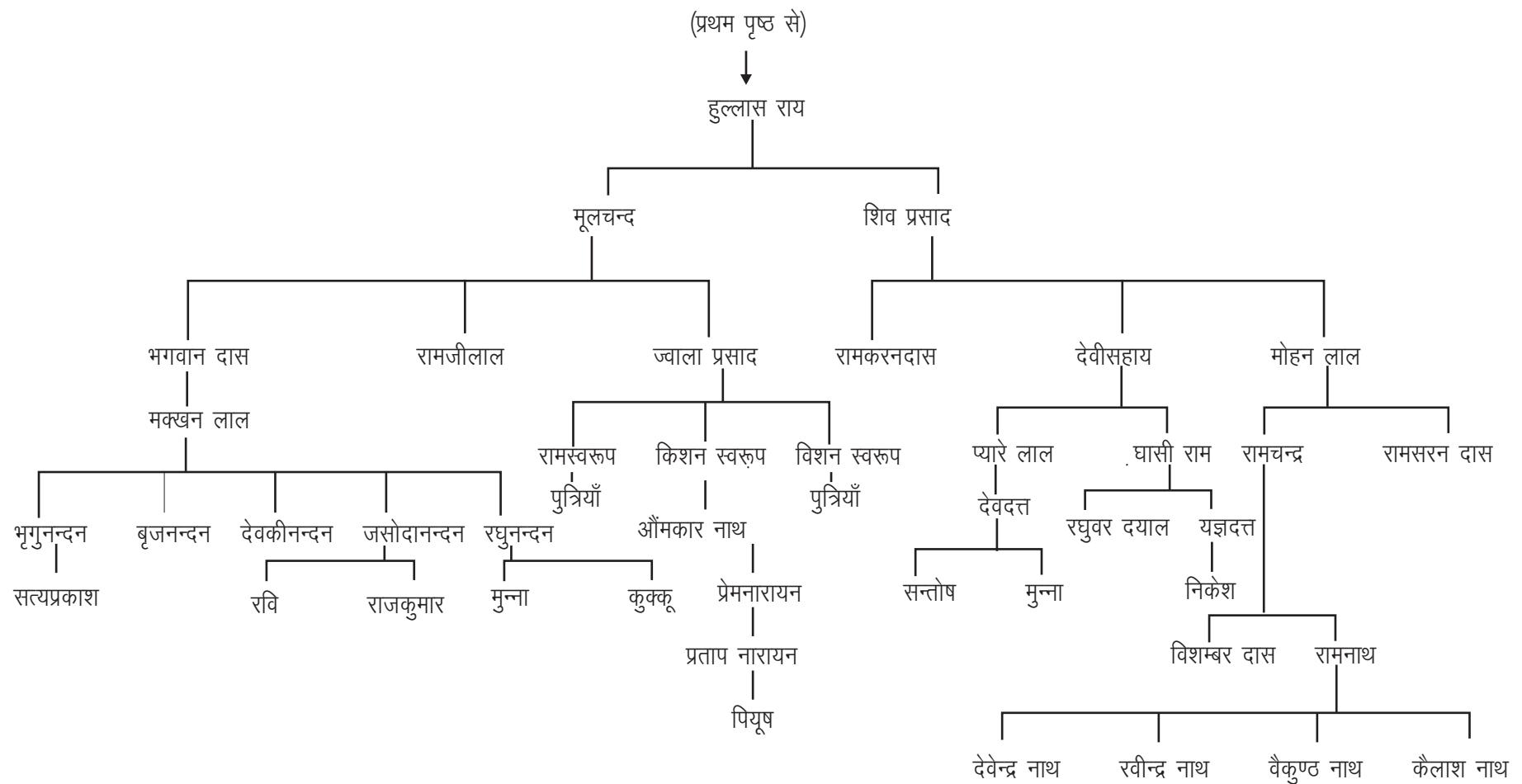


स्त्रोत : श्री प्रेम नारायण भार्गव, पुत्र श्री ओंमकार नाथ, स्थान-भार्गव मन्दिर विजय नगर,जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश पिन. 202170

क्रमशः २

पूर्वजों का निवास : गम्भीरा—उर्फ विजयगढ़, अलीगढ़, गोत्र—कुचलश

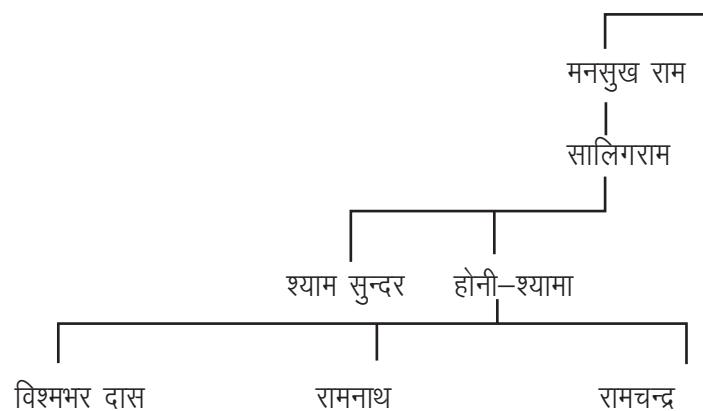
कुलदेवी : नागन



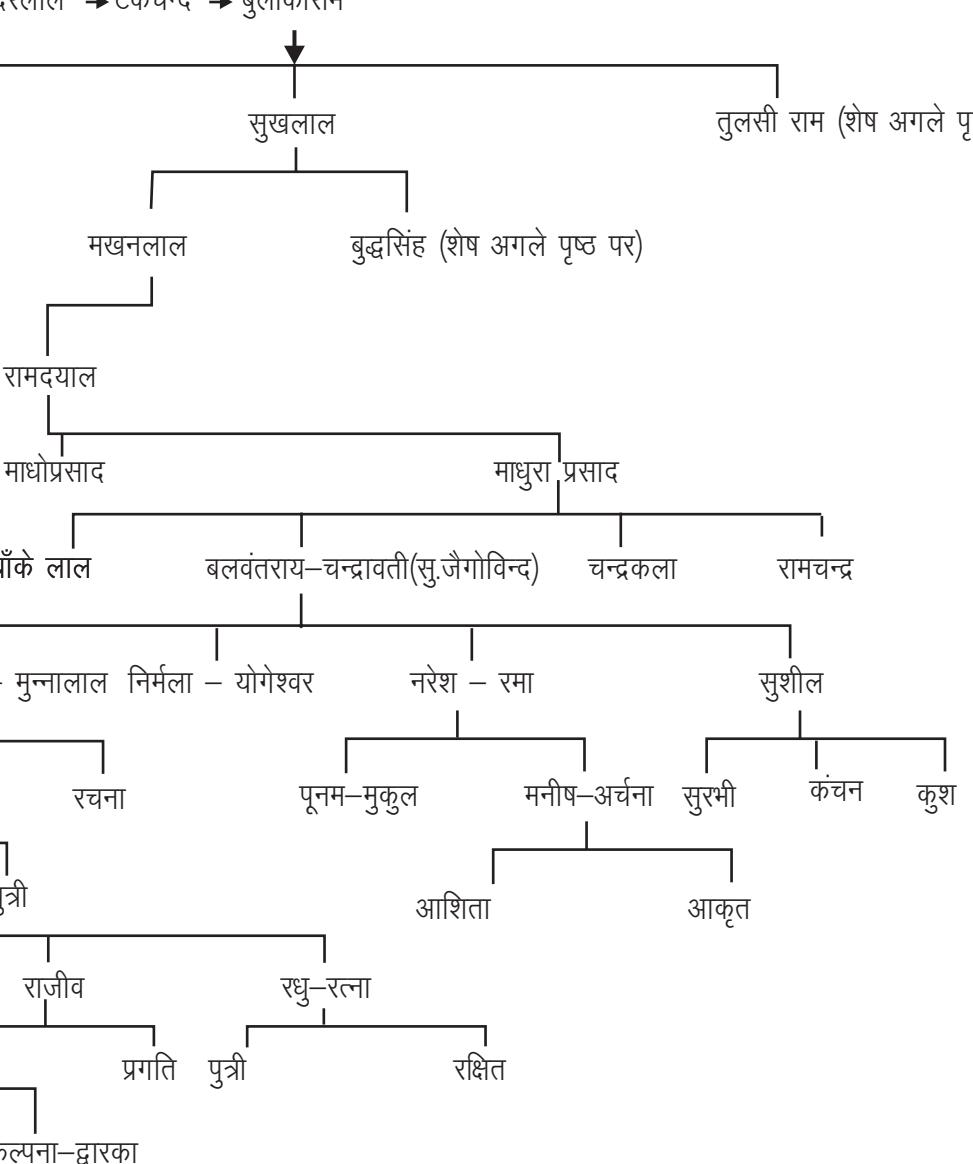
स्त्रोत : श्री प्रेम नारायण भार्गव, पुत्र श्री ओमकार नाथ, स्थान—भार्गव मन्दिर विजयगढ़, जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश पिन. 202170

पूर्वजों का निवास : आगरा

राधाकिशन → गंगाकिशन → दयाराम → सालिगराम → नंदराम → सुन्दरलाल → टेकचन्द → बुलाकीराम



गोत्र—कुचलश



कुलदेवी : नागन

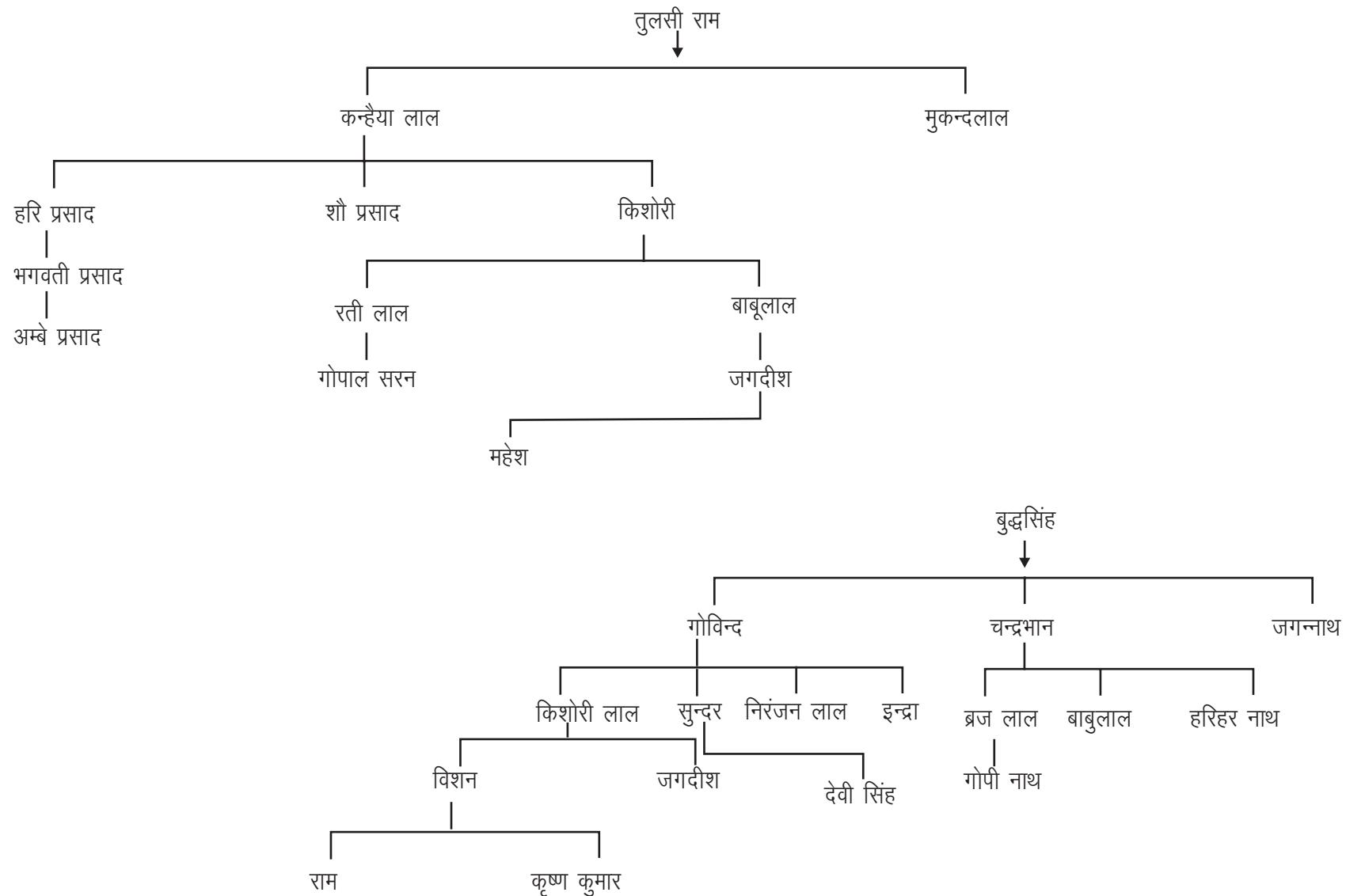
स्रोत : डा. नरेश चन्द्र भार्गव, डी-३/३४४४, बसंत कुंज नई, दिल्ली, ११००७० दूरभाष- ४१७८५१६६

क्रमसंख्या: 2

पूर्वजों का निवास : आगरा

गोत्र-कुचलश

कुलदेवी : नागन

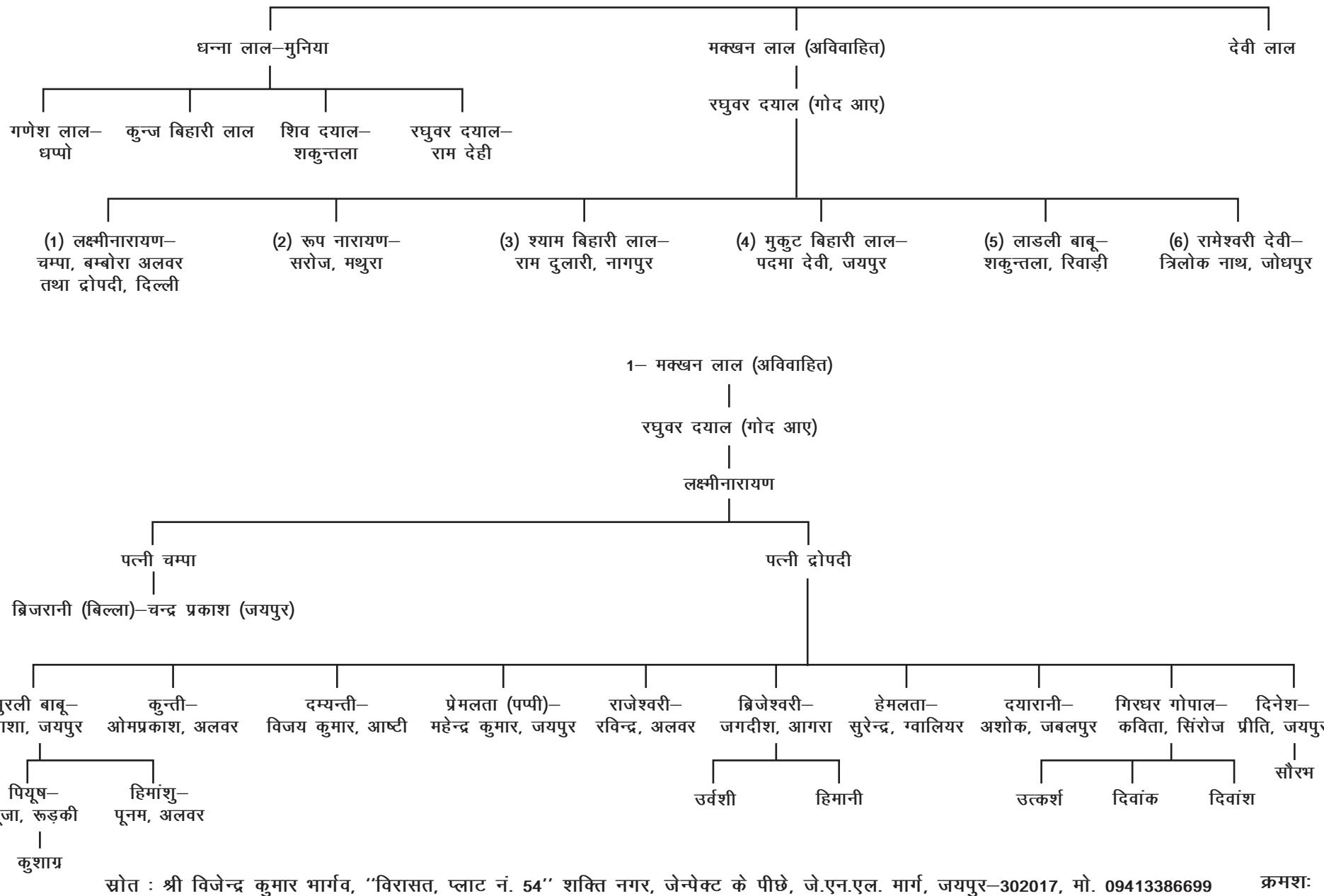


स्रोत : डा. नरेश चन्द्र भार्गव, डी-3/3444, बसंत कुंज नई, दिल्ली, 110070 (दूरभाष- 41785166)

पूर्वजों का निवास : भादरपुर, अलवर

गोत्र : कुत्स (कुचलस)

कुलदेवी : नागन

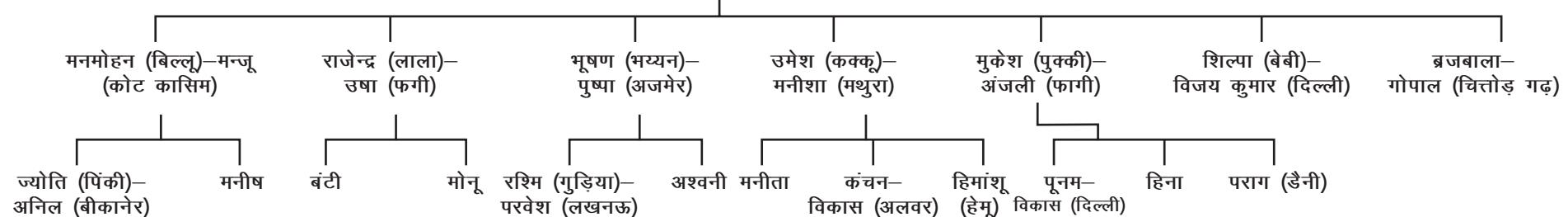


पूर्वजों का निवास : भादरपुर, अलवर

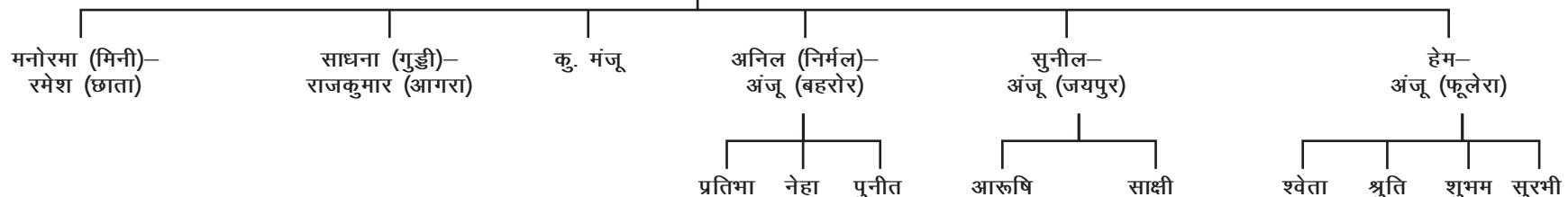
गोत्र : कुत्स (कुचलस)

कुलदेवी : नागन

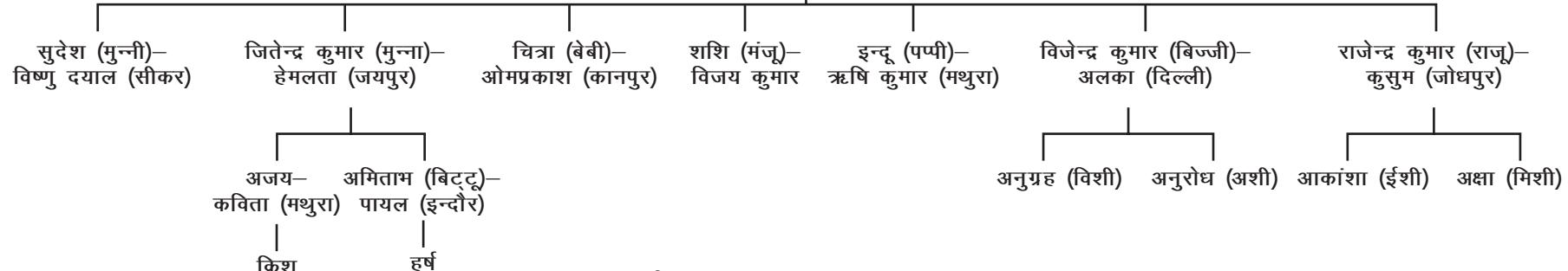
2—रूपनारायण—सरोज



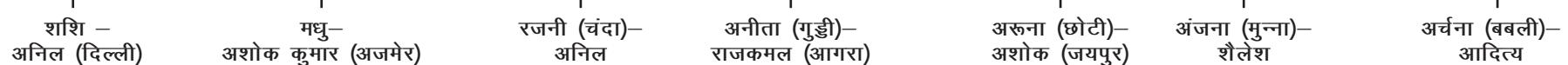
3—श्यामबिहारी—रामदुलारी



4—मुकुटबिहारी—पदमा देवी



5—लाड़ली बाबू—शकुन्तला



स्रोत : श्री विजेन्द्र कुमार भार्गव, “विरासत, प्लाट नं. 54” शक्ति नगर, जेन्येकट के पीछे, जे.एन.एल. मार्ग, जयपुर-302017, मो. 09413386699

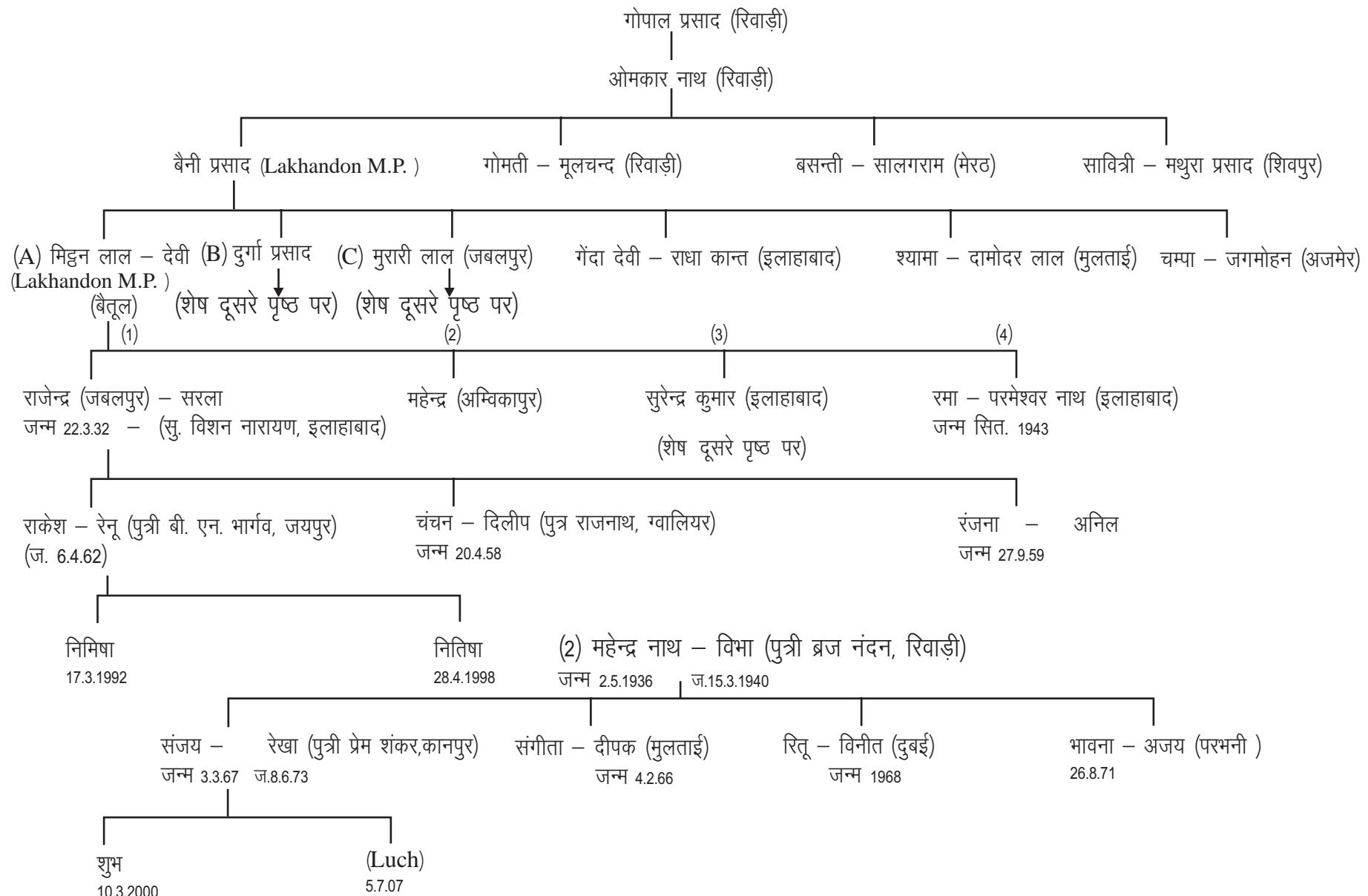
खंड 3

- गोत्र : विद (बंदलश, बिंदलस, बदलस, वैद्य, बनकस,
बद आदि)
- कुलदेवी : 19. आँचल, 20. ऊखल, 21. ककरा, 22. कूकस,
23. नागन/नागेश्वरी, 24. नागन फूसन, 25. नीमा,
26. बबूली/बम्बूली, 27. ब्राह्मणी/बामनी, 28.
मंगोठी, 29. माहुल, 30. शीतला, 31. सुरजन

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र— बंदलस

कुलदेवी : औंचल



स्त्रोत : श्री सुरेन्द्र कुमार भार्गव, भार्गव भवन, राघवेन्द्र भार्गव टिटोरियलस, 16-एम.जी. मार्ग, इलाहाबाद-211001, दूरभाष: 0532-2427684

क्रमांक: 2

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र—बंदलस
(प्रथम पृष्ठ से)

कुलदेवी : आँचल

3—सुरेन्द्र कुमार – शोभना (पुत्री ब्रह्मदत्त, इलाहाबाद)
जन्म 16.1.40 ज. 19.6.44

संदीप — छाया (पुत्री प्रकाश चन्द, अलवर)
जन्म 12.11.1972 ज. 13.11.75

रघुवेन्द्र – मीनाक्षी (पुत्री नरेश चन्द, सिवनी)
जन्म 23.12.76 ज. 7.12.79

रुद्र
(13.6.2007)

अन्नत
(5.2.2005)

B. दुर्गा प्रसाद (लाखनदना)

राजकुमार—रजनी(पुत्री नवल किशोर—
इलाहाबाद (17.1.1953) टेकरी)

प्रकाश—रंजना (पुत्री ओमप्रकाश, झांसी)
(जबलपुर)

निर्मला—कृष्ण
(लखनऊ)

शकुन्तला—जगदीश
(लखनऊ)

शारदा—मुन्नालाल
(जबलपुर)

शैल—ओमप्रकाश
(गाजियाबाद)

मंजू—एम. भार्गव
(बुलन्दशहर)

गौरव
(20.5.83)

गरिमा
(27.11.84)

अंकुर
(सित. 1989)

अर्पिता अंकित आकांशा

शान्ति—द्वारका
(बैंगलोर)

C - मुरारी लाल (जबलपुर) – कान्ति (पुत्री शिव शंकर, मेरठ)

मुकेश—कीर्ति (पुत्री परमानन्द)
(जन्म 6.2.51)

बीना—इन्दू (लखनऊ)

मीना—प्रमोद
(इन्दौर)

रेखा—सुनील (Lateri M.P.)

दिव्या
(5.4.90)

दीक्षा
(29.10.91)

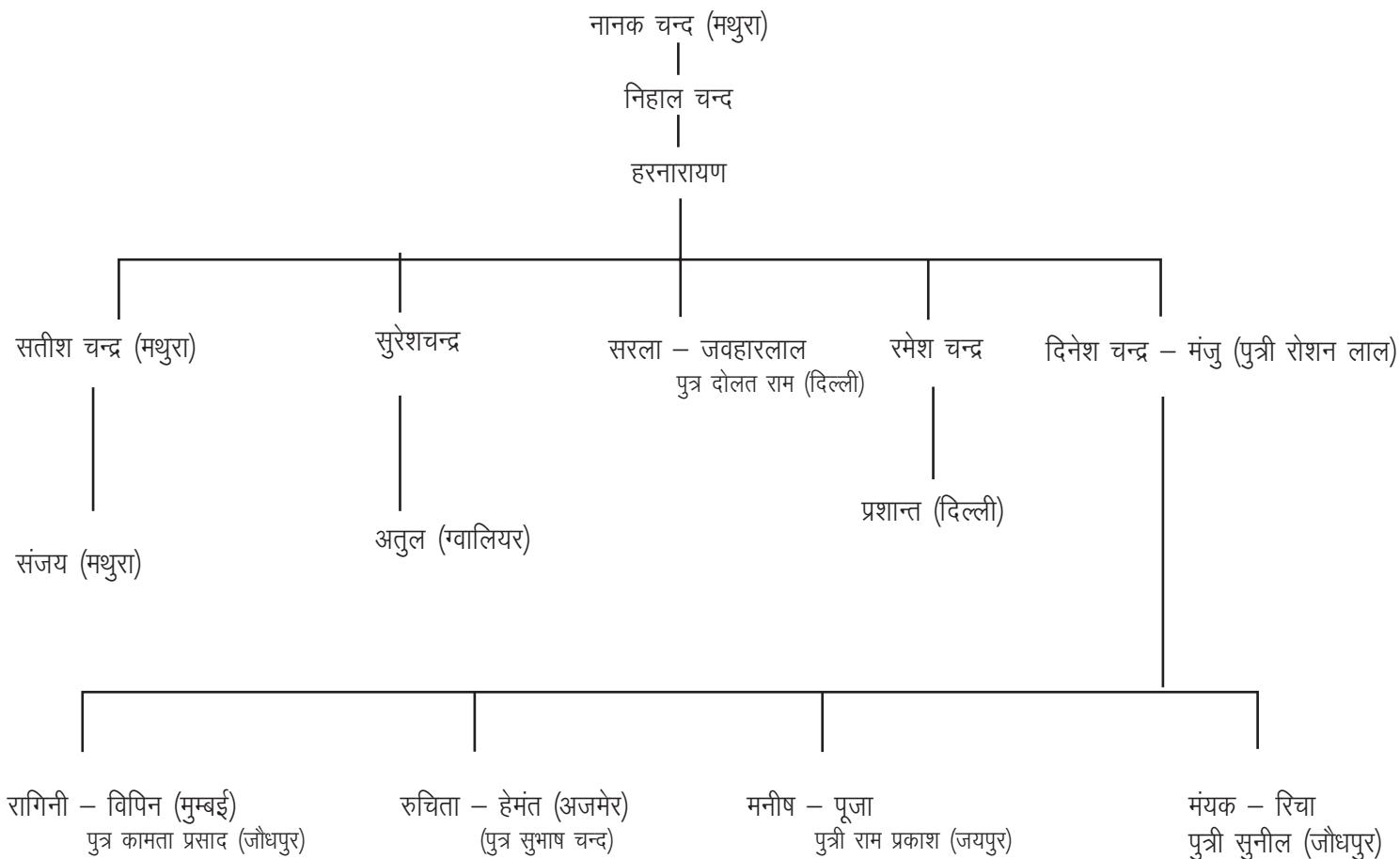
दीपांशु
(20.3.95)

स्त्रोत : श्री सुरेन्द्र कुमार भार्गव, भार्गव भवन, राधवेन्द्र भार्गव टिटोरियलस, 16—एम.जी. मार्ग, इलाहाबाद—211001, दुरभाष—2427684

पूर्वजों का निवास : भोड़ा पटोदी, (मथुरा)

गोत्र— बंदलश

कुलदेवी : आंचल



स्रोत : श्री दिनेश चन्द्र भार्गव, जी-15, माकरवाली रोड, अजमेर – 305004 मो.09414314230, 09351596838

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

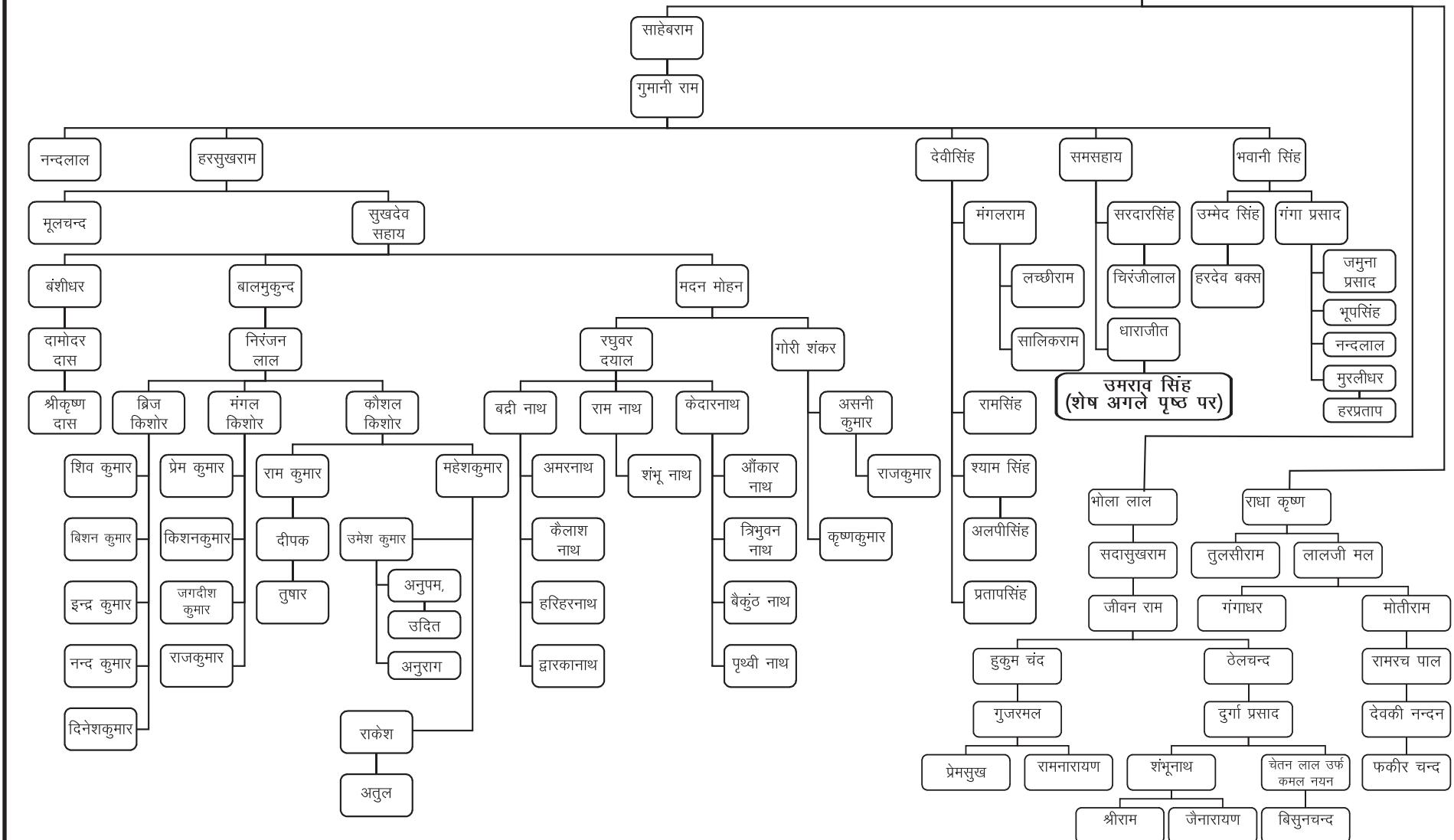
गोत्र : बंदलश

कुल देवी : आंचल

शावल दास

(24.8.1929 के दस्तावेज के आधार पर)

भिखारी दास



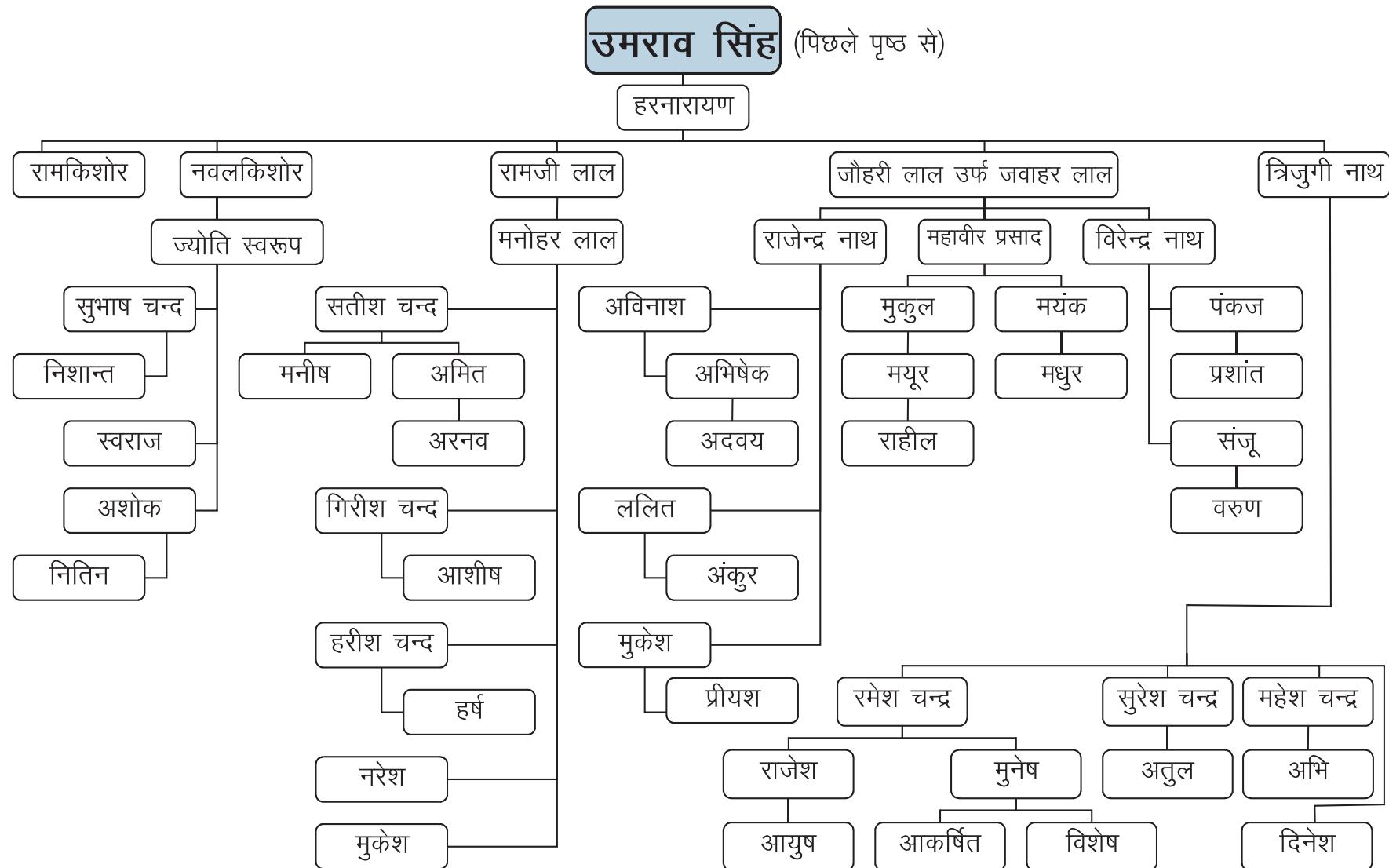
संकलन कर्ता : श्री अशोक कुमार भार्गव पुत्र ज्योति स्वरूप भार्गव, बीएफ-76 जनकपुरी नई दिल्ली-58
फोन नं.-011-32595949, 011-25590694 मोबाइल : 09868319776, 09868024857

क्रमशः 2

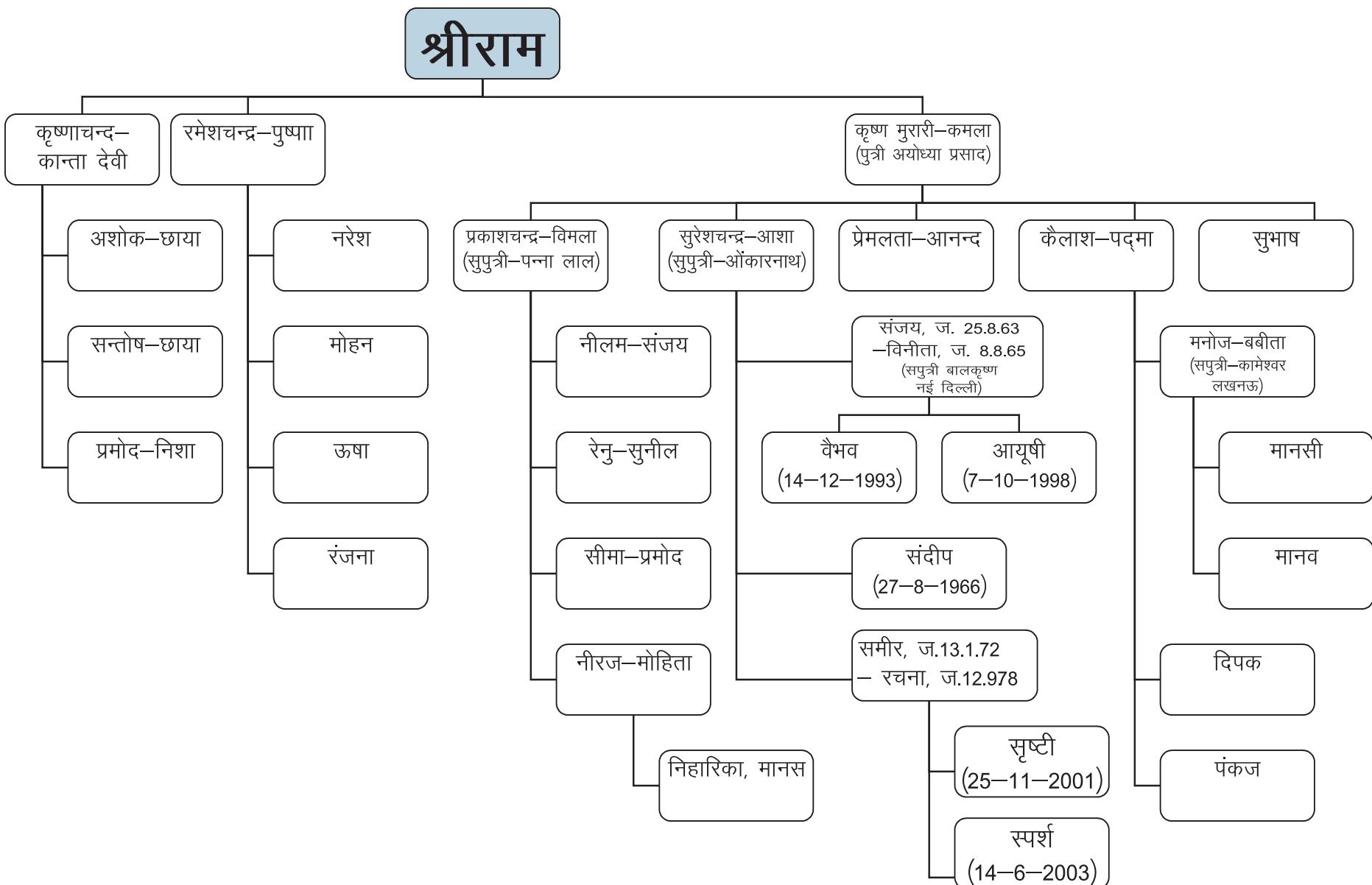
पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र : बंदलश

कुल देवी : आंचल



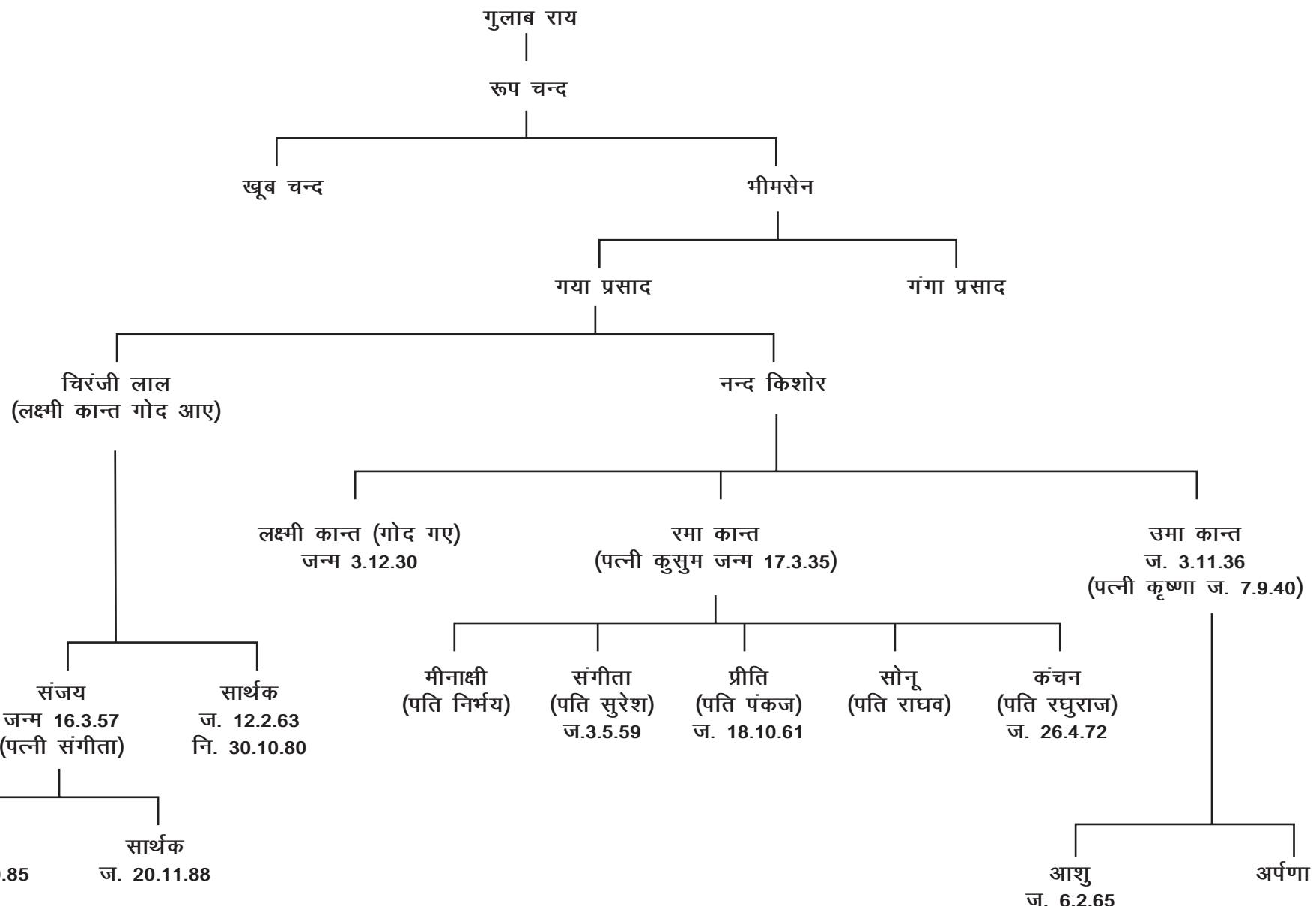
संकलन कर्ता : श्री अशोक कुमार भार्गव पुत्र ज्योति स्वरूप भार्गव, बीएफ-76 जनकपुरी नई दिल्ली-58
फोन नं.-011-32595949, 011-25590694 मोबाइल : 09868319776, 09868024857



पूर्वजों का निवास :

गोत्र : बन्दलश

कुलदेवी : नागन—फूसन



स्रोत : श्री लक्ष्मीकान्त भार्गव, एस ए 120, शास्त्री नगर, गाजियाबाद — 201002, मोबाइल : 9818184881

पूर्वजों का निवास : मथुरा

गोत्र : बन्दलशा

कुलदेवी : नागन-फूसन

मन्सुखराम

चिरौंजी लाल

रघुनन्दन लाल

देवकरन लाल

जन्म 1876 - मृत्यु 6.6.1955

गोविद प्रसाद - शारदा (पुत्री श्याम सुन्दर, धौलपुर)

(जुलाई 1901- 30.12.1970) (1903-5.1.88)

हरि कृष्ण - शकुन्तला

(1.1.29-10.7.87) (जुलाई 1933)
(पुत्री त्रिलोकीनाथ, कानपुर)

श्री कृष्ण - सरोज

(17.2.34-30.12.94.) (31.8.35)
(पुत्री उमाशंकर, लखनऊ)

बाल कृष्ण - सन्तोष

(18.3.38) (14.9.40)
(पुत्री रामजीलाल, दिल्ली)

सुशीला - कृष्ण कुमार

(12.8.31) (1929-13.9.95)
(पुत्र जमना प्रसाद, मथुरा)

अजय - सीमा

(1962-29.1.08) (22.6.65)
(पुत्री गोकुल प्रसाद, इंदौर)

शरद - डा. पूनम

(11.7.65) (21.5.71)
(पुत्री अशोक, कानपुर)

सुनीता - प्रभात

(5.8.54) (10.10.48)
(पुत्र नवलकिशोर, मुजफ्फरनगर)

अमिता - लोकेश

(6.7.58) (29.1.54)
(पुत्र हरिहरलाल, गुडगाँव)

सरिता - देवेन्द्र

(15.2.60) (30.7.54)
(पुत्र ईश्वर दयाल, दिल्ली)

स्मृति स्मिता

(2.10.90) (2.2.95)

संचित सृष्टि

(27.8.95) (30.11.98)

संजय - निशा (पुत्री भागीरथ, अलवर)

(8.8.1961) (10.10.1964)

सुजाता - राकेश (पुत्र बी.बी. लाल, इलाहाबाद)

(13.9.1960) (21.3.1956)

निकुंज संजना

(19.5.1990) (5.10.1998)

विनीता-संजय

(पुत्र सुरेश चन्द्र, लखनऊ)
(8.8.65) (25.8.63)

विनीत-अल्पना

(पुत्री धीरेन्द्र, रायबरेली)
(18.12.68) (26.2.71)

नीरज

(25.9.75)

शालिनी-लोकेश

(पुत्र देव किशोर, अजमेर)
(25.9.75) (26.9.72)

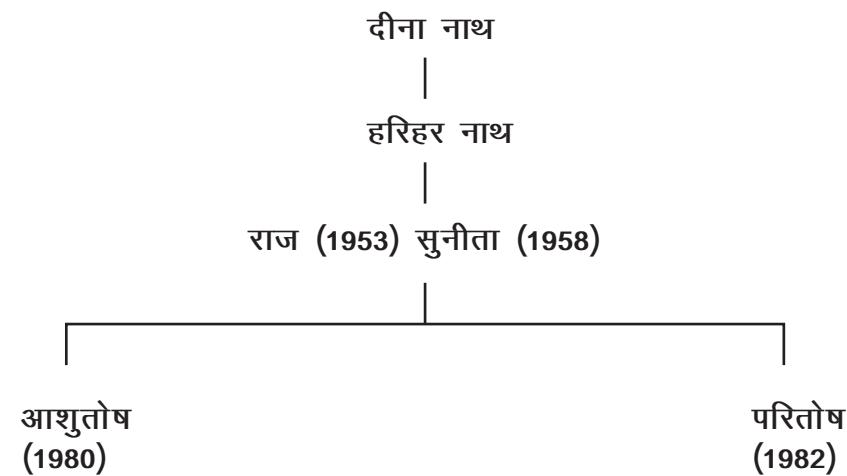
मेघना हिमानी
(14.9.98) (11.7.2002)

स्त्रोतः श्री बाल कृष्ण भार्गव, 193-डी, डी.डी.ए. फ्लेट्स (एम.आई.जी.) राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027, दूरभाष्ट 25972177, 9891910968

पूर्वजों का निवास :

गोत्र : बन्दलश

कुलदेवी : नागन—फूसन

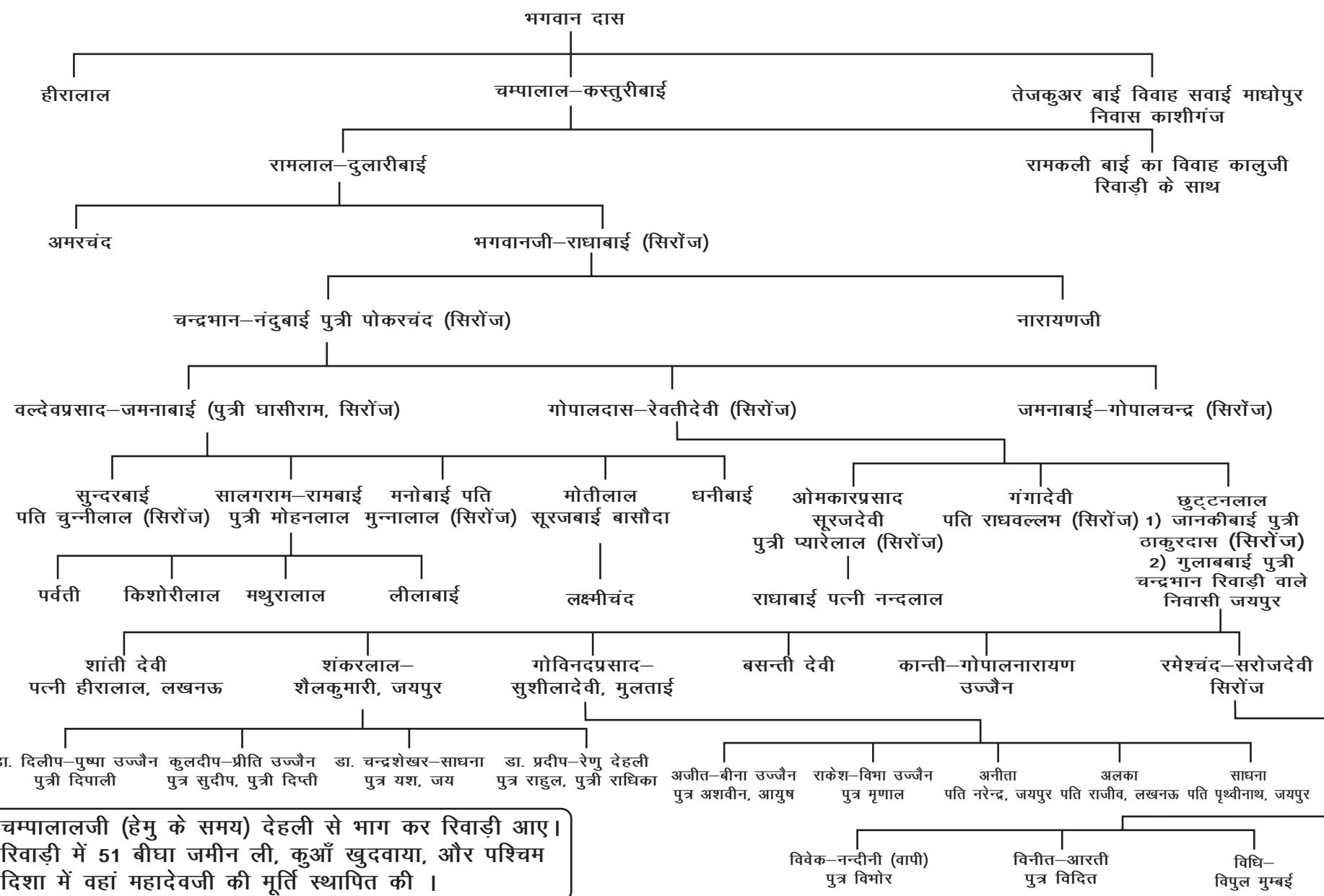


स्रोत : श्री राज भार्गव, ए-6, हरिहर सदन, महावीर उद्योग कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर-30017 दूरभाष : 2705291

पूर्वजों का निवास :

गोत्र : बन्दलश

कुलदेवी : नागन—फूसन

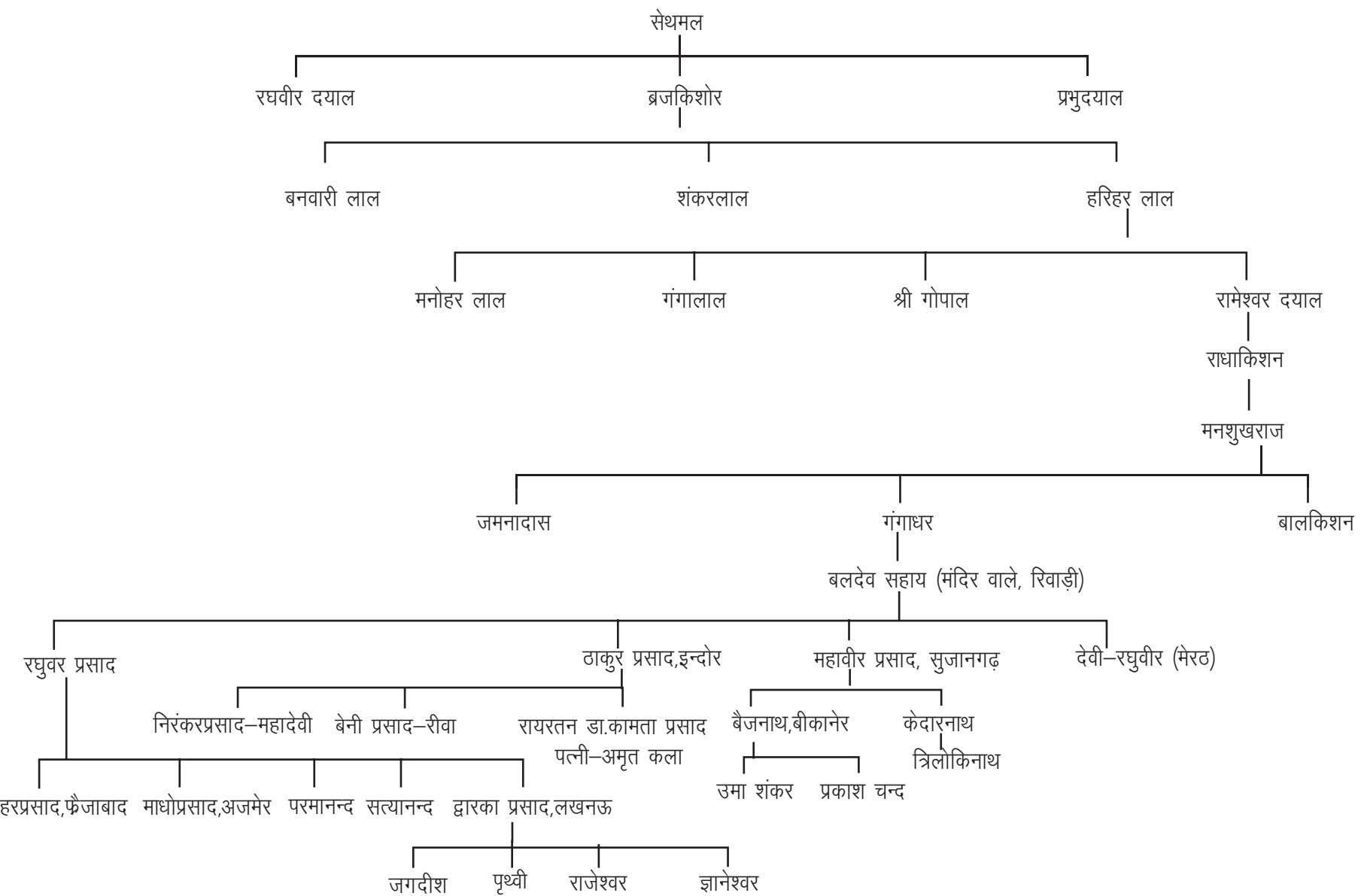


स्रोत : श्री राकेश भार्गव, 3/1, शहीद पार्क, फ्री गंज, उज्जैन (म.प्र.) मोबाईल : 09827035121, 0734—2513121

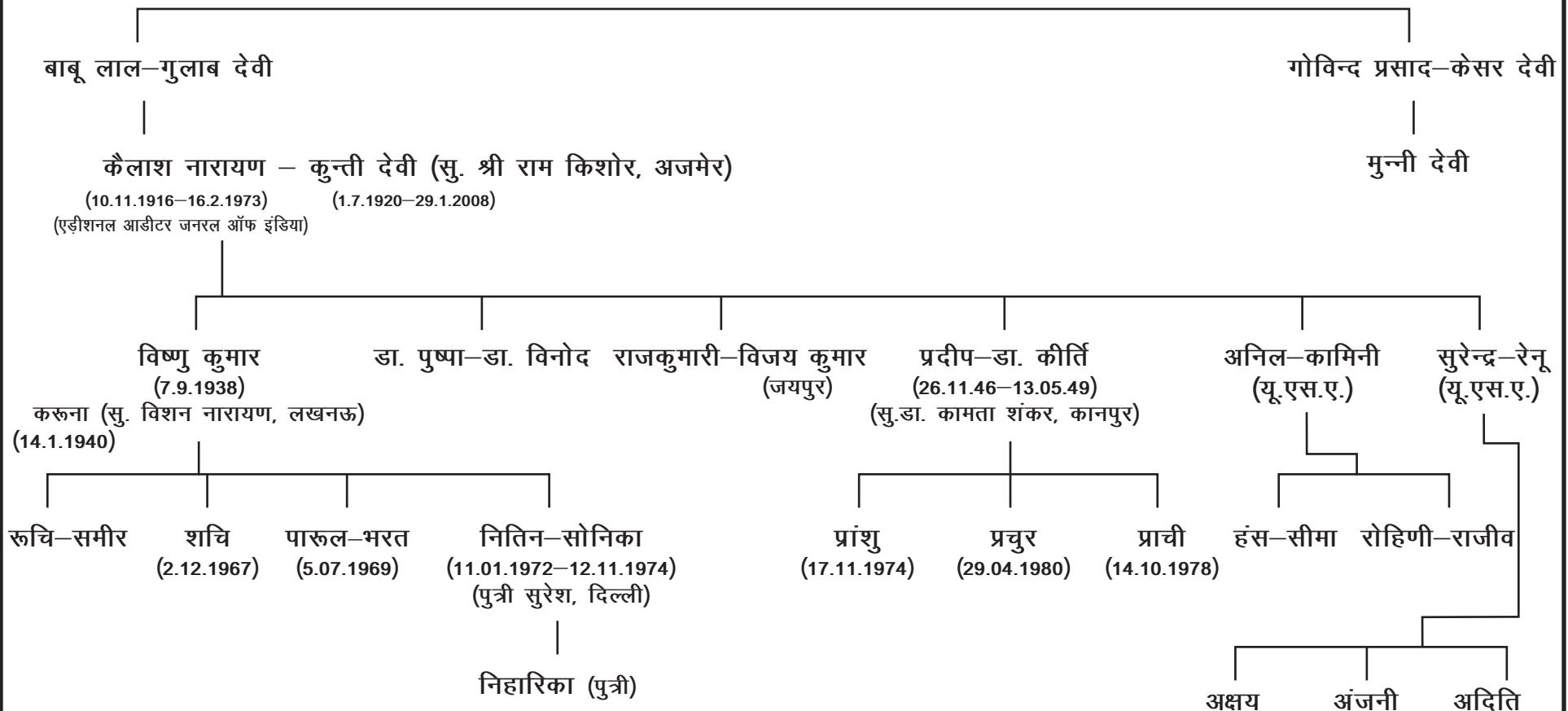
पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र— बंदलस

कुलदेवी : नीमा



स्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रन्सिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

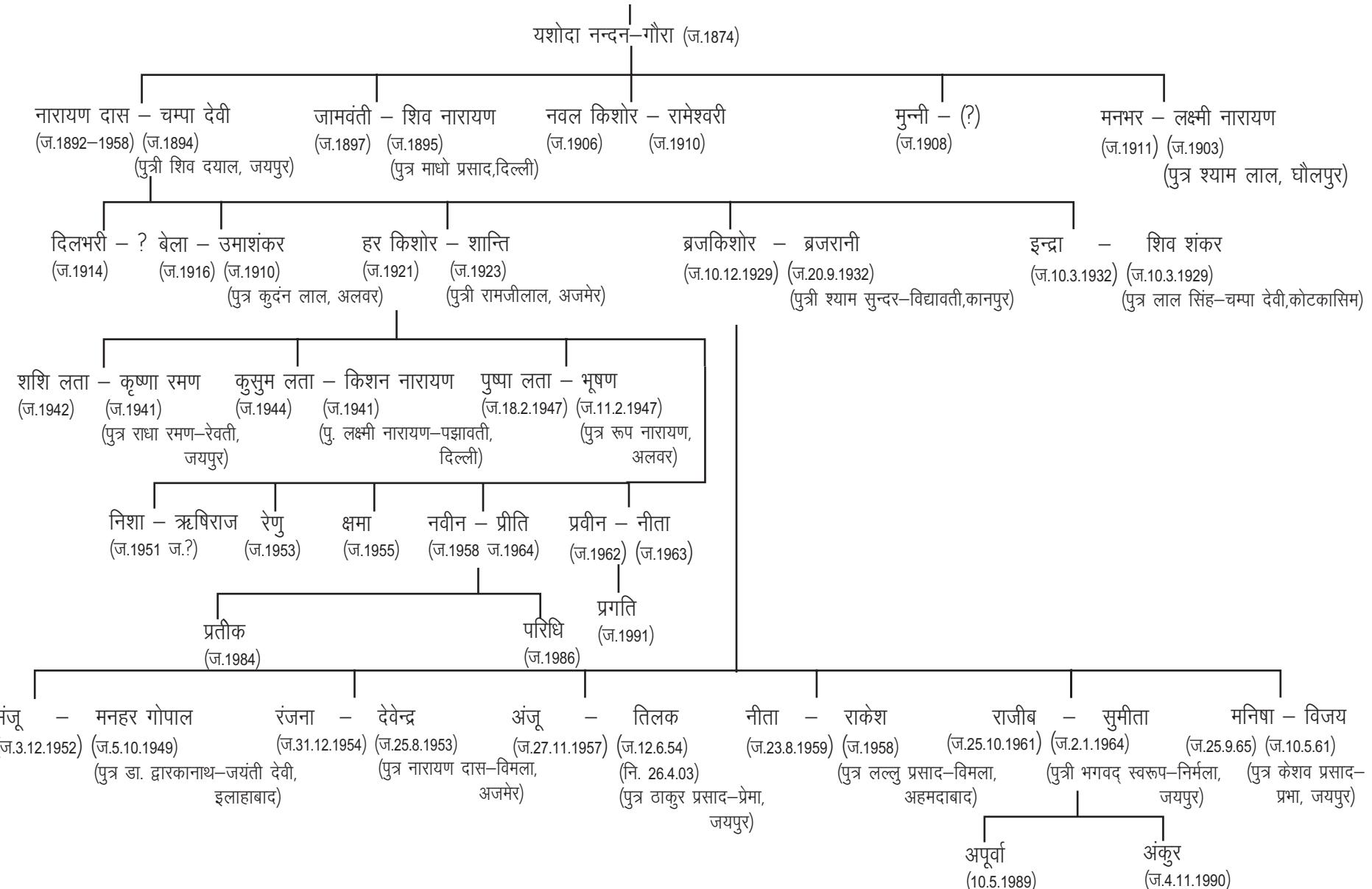


स्रोत : श्री विष्णु कुमार भार्गव, सी-231, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110046 दूरभाष : 41631439

पूर्वजों का निवास : रेवाड़ी

गोत्र – विद चिरंजी लाल

कुलदेवी : ब्राह्मणी

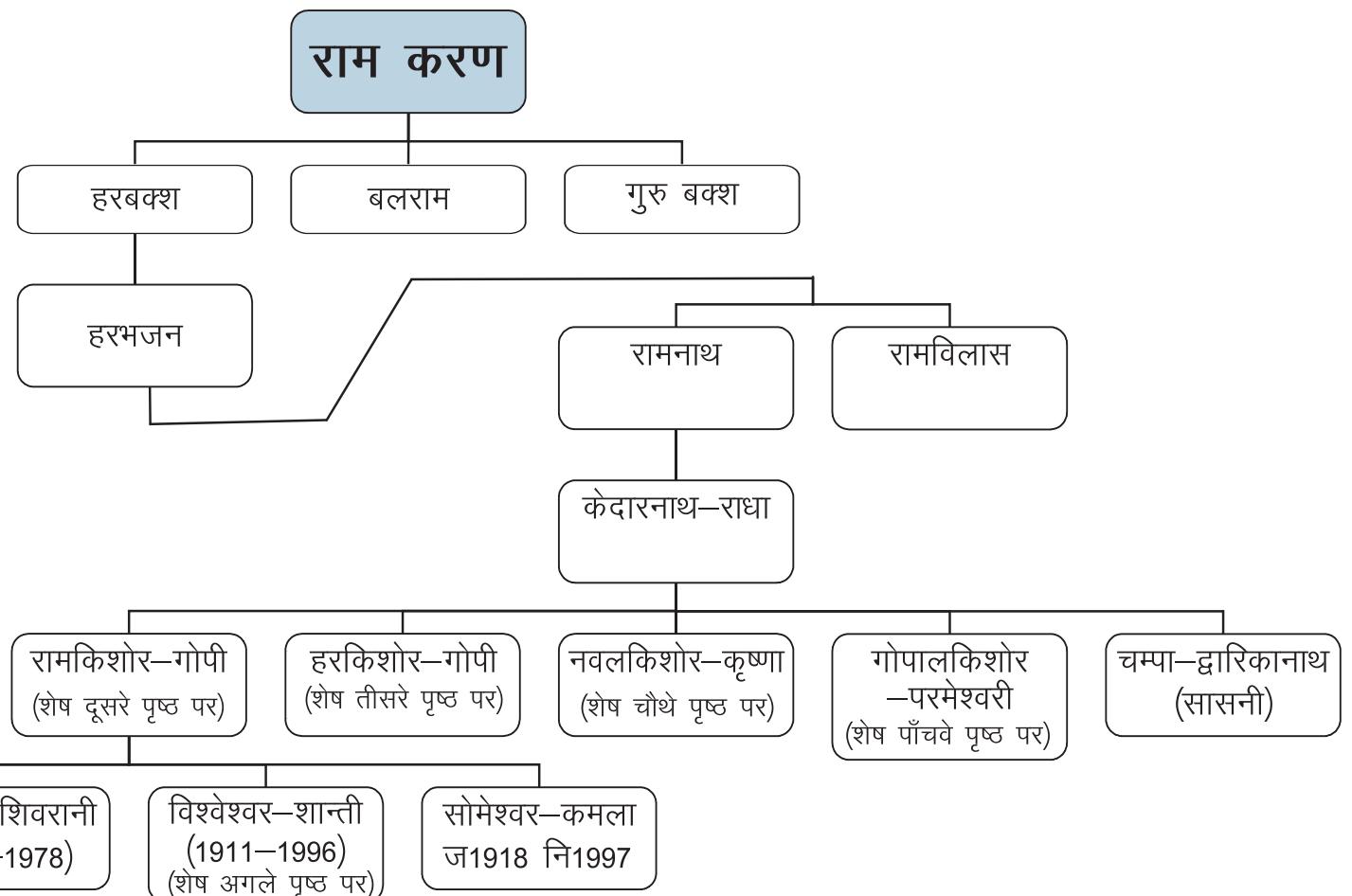


स्त्रोत : डा. मनहर गोपाल भार्गव, प्रिन्सिपल गुरु नानक इन्टर कॉलेज, आवास विकास कॉलोनी, मीरजापुर दूरभाष : 05442–329693

पूर्वजों का निवास : (रिवाडी)

गोत्र : बंदलश

कुलदेवी : ब्राह्मणी



स्त्रोत : श्रीमती नीरा – श्री जवाहर भार्गव, भार्गव ट्रेडर्स, आष्टी, वर्धा महाराष्ट्र. मो. 09860047812

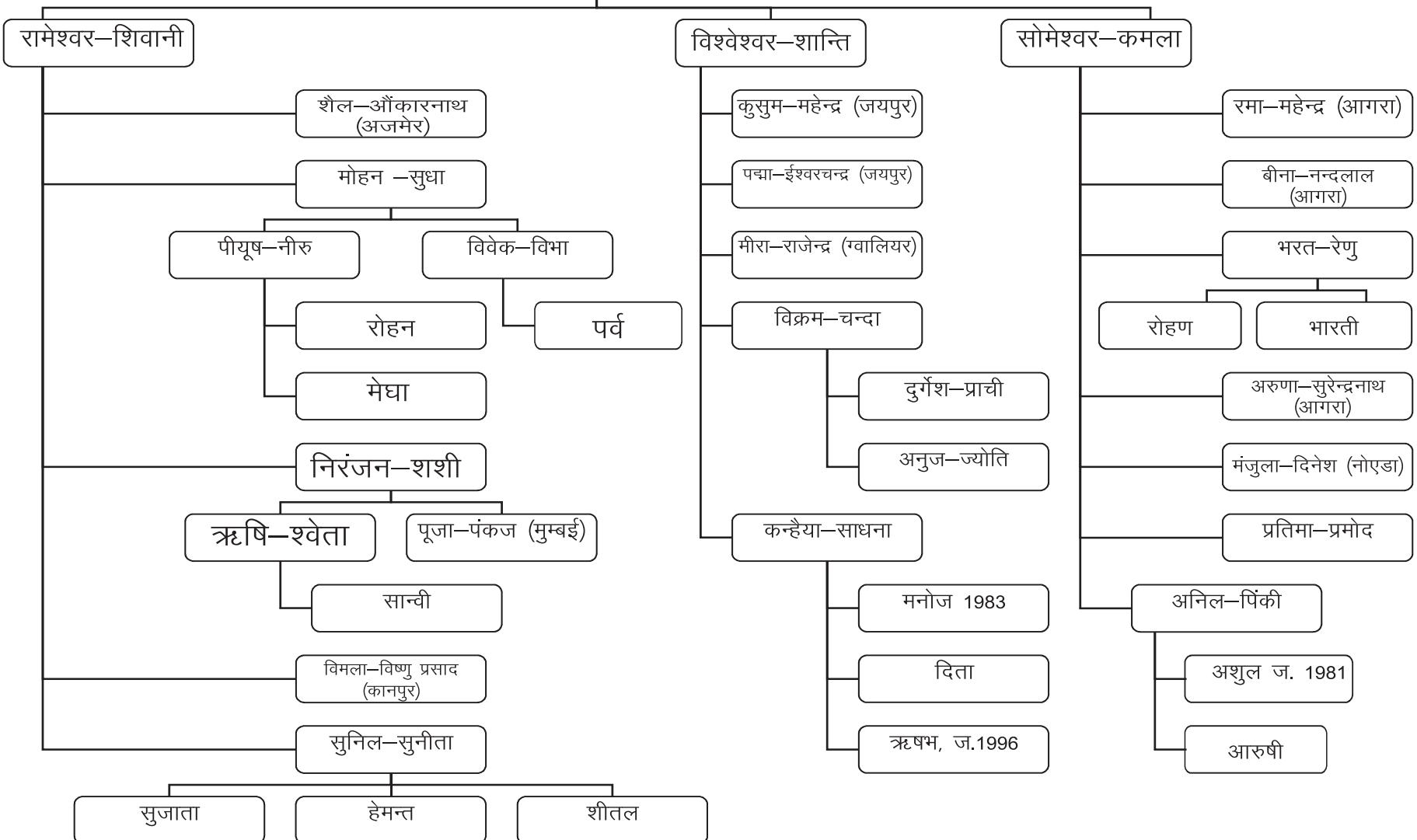
क्रमशः 2

पूर्वजों का निवास : (रिवाडी)

गोत्र : बंदलश

कुलदेवी : ब्राह्मणी

रामकिशोर—गोपी (प्रथम पृष्ठ से)



स्त्रोत : श्रीमती नीरा – श्री जवाहर भार्गव, भार्गव ट्रेडर्स, आष्टी, वर्धा महाराष्ट्र. मो. 09860047812

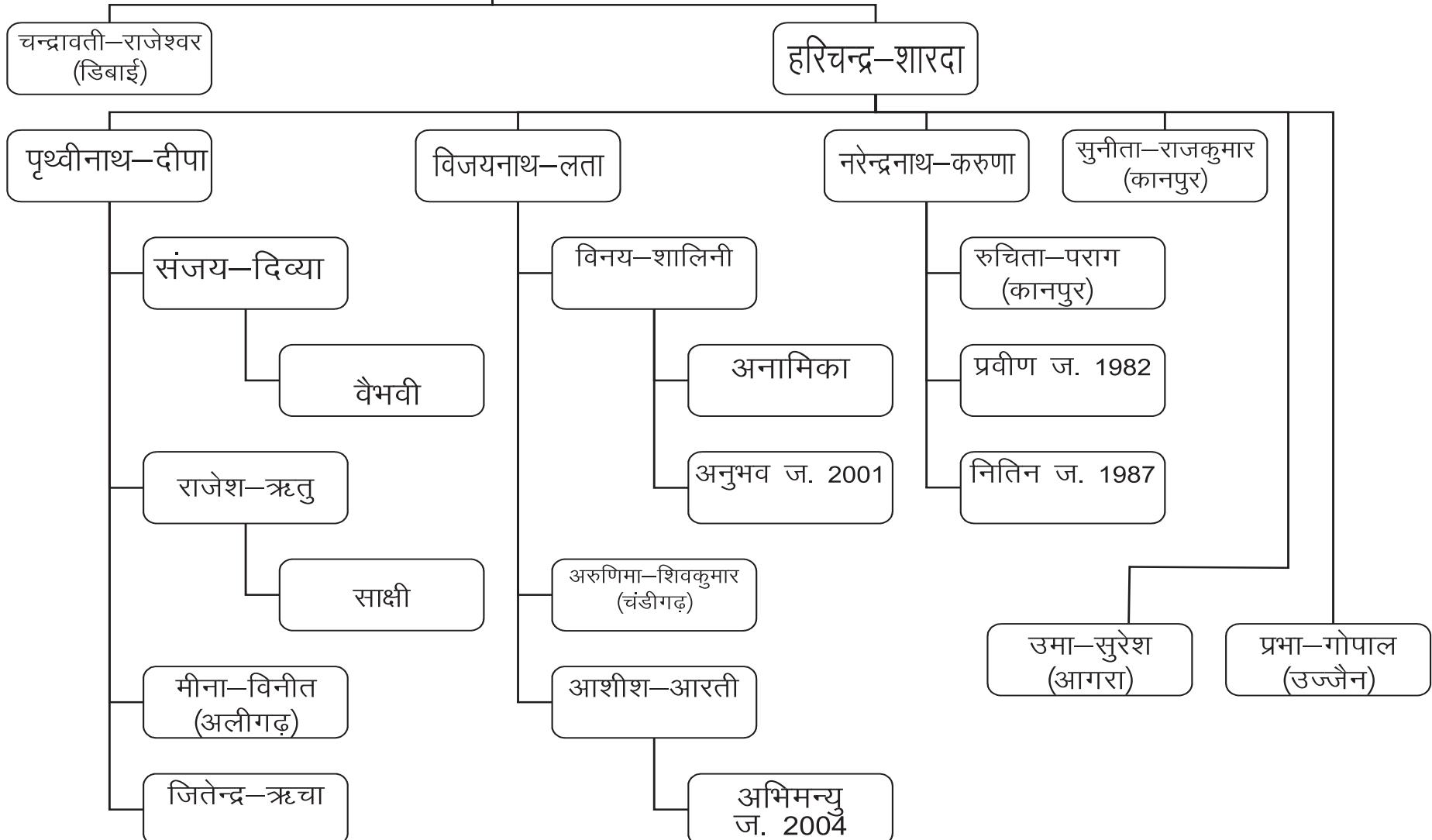
क्रमशः 3

पूर्वजों का निवास : (रिवाडी)

गोत्र : बंदलश

कुलदेवी : ब्राह्मणी

हर किशोर—गोपी (प्रथम पृष्ठ से)



स्त्रोत : श्रीमती नीरा — श्री जवाहर भार्गव, भार्गव ट्रेडर्स, आष्टी, वर्धा महाराष्ट्र. मो. 09860047812

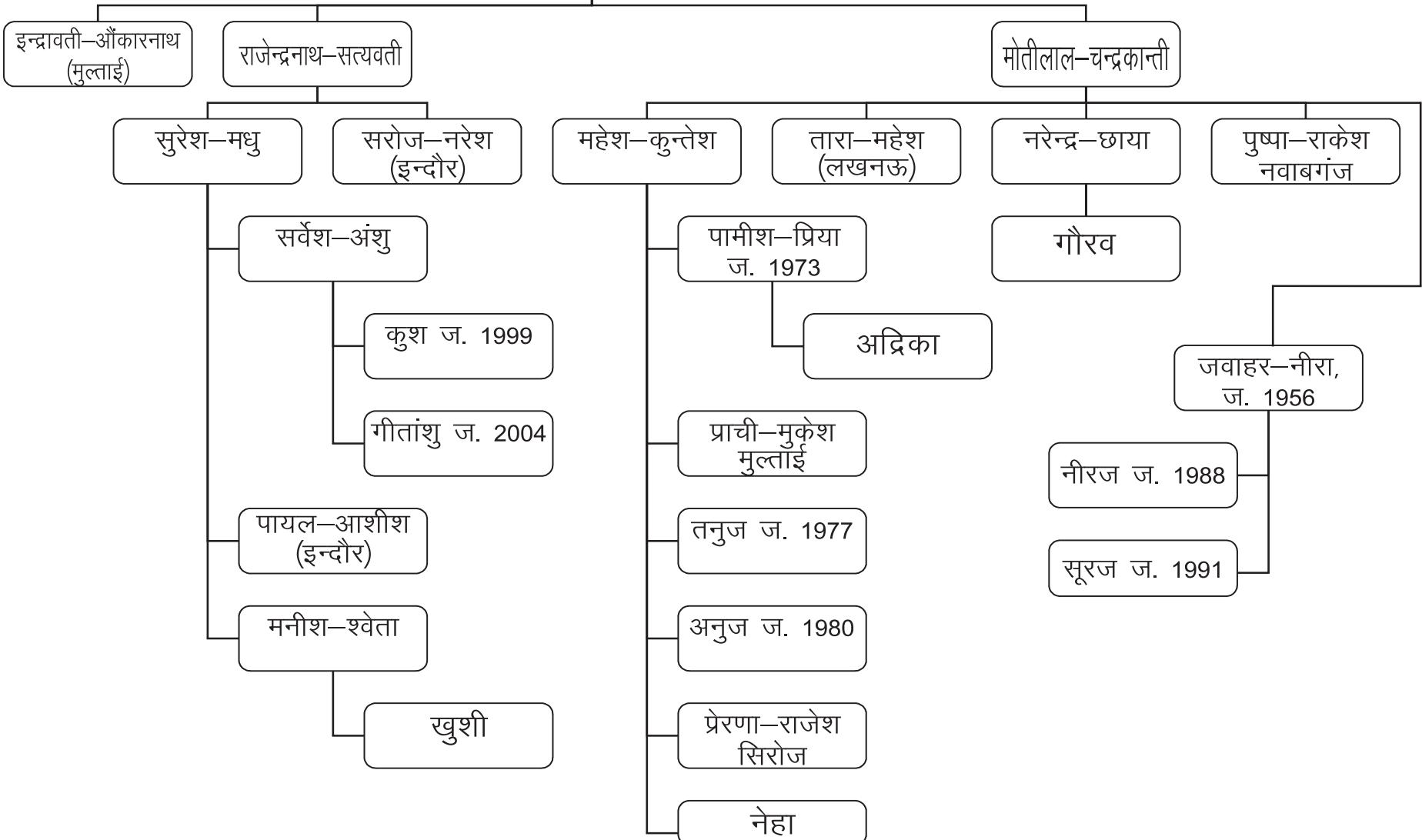
क्रमशः 4

पूर्वजों का निवास : (रिवाडी)

गोत्र : बंदलश

कुलदेवी : ब्राह्मणी

नवल किशोर-कृष्णा (प्रथम पृष्ठ से)



स्त्रोत : श्रीमती नीरा – श्री जवाहर भार्गव, भार्गव ट्रेडर्स, आष्टी, वर्धा महाराष्ट्र. मो. 09860047812

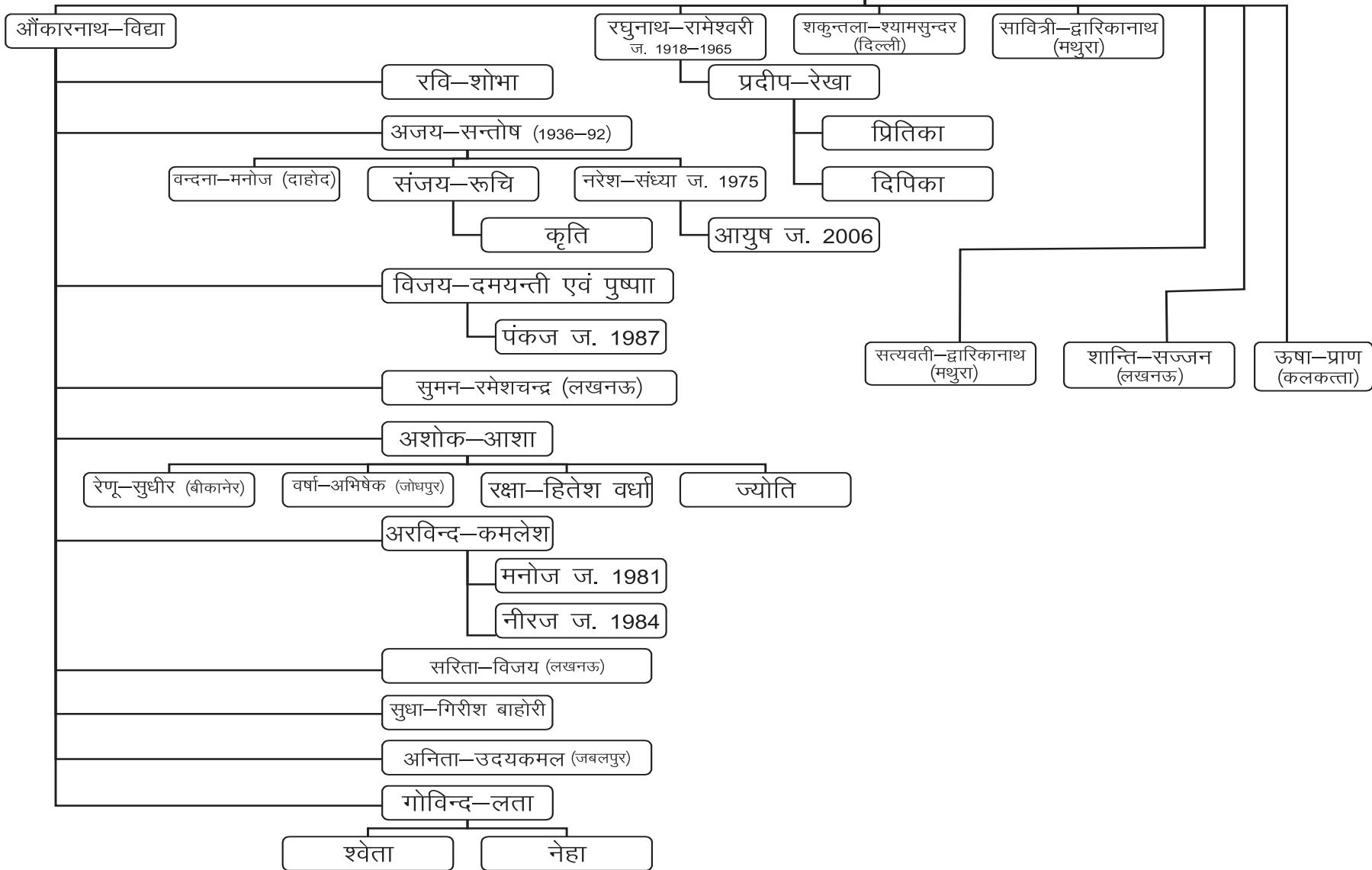
क्रमशः 5

पूर्वजों का निवास : (रिवाडी)

गोत्र : बंदलश

कुलदेवी : ब्राह्मणी

गोपाल किशोर—परमेश्वरी (प्रथम पृष्ठ से)



स्त्रोत : श्रीमती नीरा — श्री जवाहर भार्गव, भार्गव ट्रेडर्स, आष्टी, वर्धा महाराष्ट्र. मो. 09860047812

खंड 4

गोत्र : गांगेय (गागलशा, गार्य, गांगवश, गार्गश आदि)

कुलदेवी : 32. अपरा, 33. अम्बा, 34. अरचट/अर्चट,
35. ईटा, 36. चामुण्डा/चावण्ड, 37. नायन,
38. रौसा, 39. रौसा ईटा

पूर्वजों का निवास : गुड़गांव

गोत्र – गागलश

कुलदेवी : अम्बा

हिम्मत सिंह

युगल किशोर

नरसिंह दास

विनोदी लाल

वासुदेव सहाय

गौरीदयाल

सोहन लाल – कौशल्या देवी
1886-1960 (सुपुत्री चुनी लाल)

अनन्त राम – त्रिवेनी देवी
1909-1973 (सुपुत्री मक्खन लाल)
1911-1985

प्रकाश - राजेश्वर प्रसाद
(सुपुत्र रामेश्वर प्रसाद, जोधपुर)
11.11.1931

मनमोहन - निर्मल
(सुपुत्री किशोरी लाल, अलवर)
4.1.1934 17.5.1936

कुमुम - राम
(सुपुत्र श्याम सुदर, अजमेर)
31.3.1936 23.11.1933

सुमन - मुरली मनोहर
(सुपुत्र मथुरा प्रसाद, सीतापुर)
1.2.1944 19.9.1942

निहाल - मीरा
(सुपुत्री श्याम सुन्दर, चंदौसी)
10.1.1938 12.12.1947

सतीश - निशा
(सुपुत्री परमेश्वर सहाय, जयपुर)
7.1.1948 8.1.1952

संदीप - गुंजन
(सुपुत्री गोपाल कृष्ण शर्मा)
21.8.1967 24.9.1970

संजीव - अनु
(सुपुत्री टी.एस. चढ़ा)
30.12.1972 10.10.1973

अभिनव- सुमीता
(सुपुत्री चन्द्रमोहन, लखनऊ)
1.8.1974 7.12.1977

अनुज - सौम्या
(सुपुत्री राकेश, बैंगलौर)
21.6.1978 5.6.1980

हर्ष
17.1.1995 ऋत्विक
21.10.2000

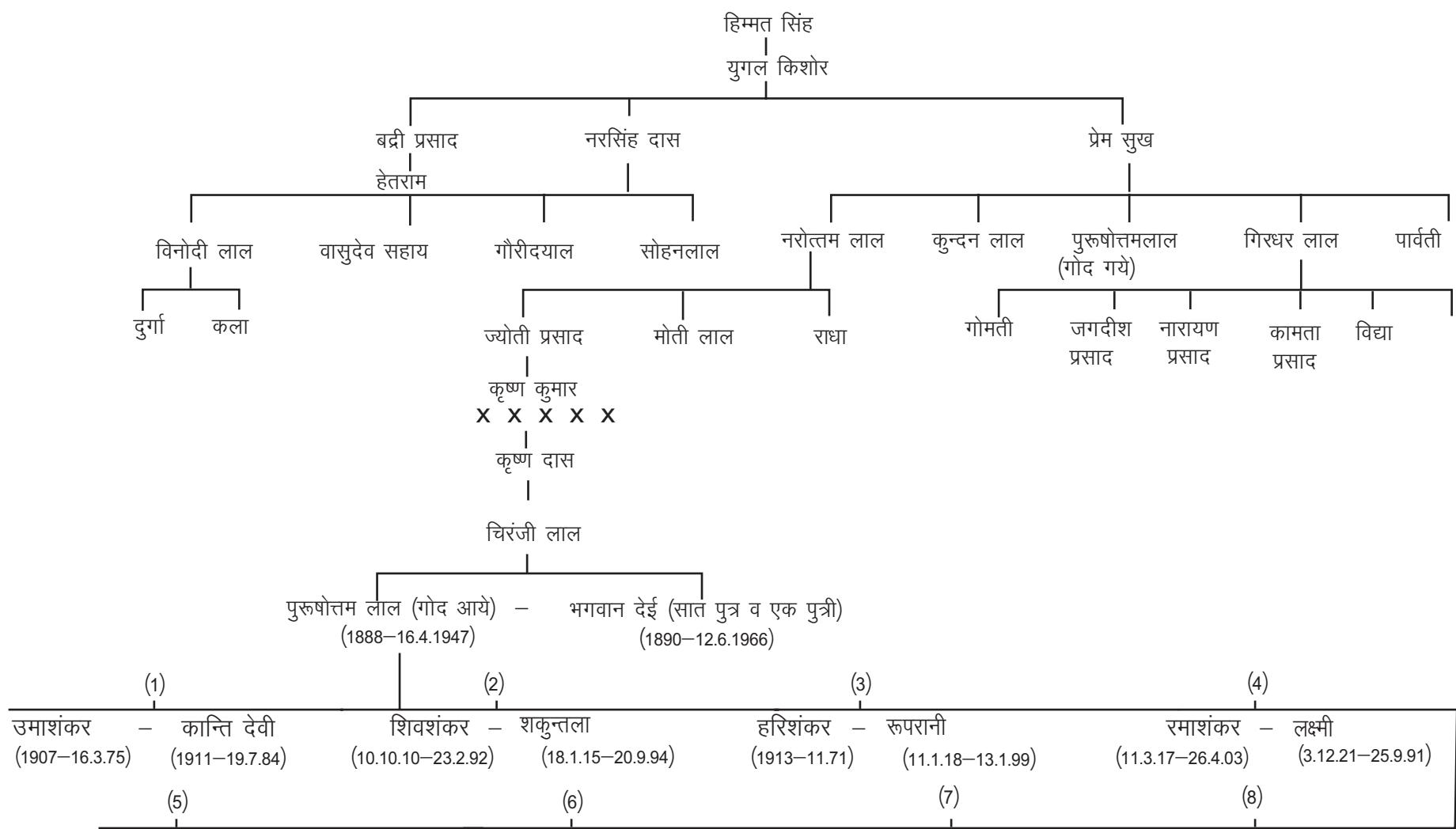
संजना
30.6.2003 अनमोल
6.6.2005

स्रोत : श्री मन मोहन कुमार भार्गव, डी-4/7, डी.एल.एफ. कुतुब एन्कलेव फेस-1, गुड़गांव-122001 मो. 09810022036

पूर्वजों का निवास :

गोत्र— गागलश

कुलदेवी : अम्बा



स्त्रोत : श्री सत्येन्द्र नाथ भार्गव, 27 हाता लक्ष्मण दास, शिवाजी मार्ग, लखनऊ-226018 फोन – (09415276382)

क्रमशः-2

पूर्वजों का निवास :

गोत्र— गागलश

(1)

उमा शंकर—कान्ति देवी

कुलदेवी : अम्बा

योगेन्द्र — शकुन्तला
(17.8.28–17.9.91) (1936–25.1.01)

सावित्री — गोपी चन्द
(30.4.30–25.11.98) (16.7.24)

महेन्द्र नाथ — सरला
(8.8.32–3.9.2000) (20.2.38)

सरोज — श्रीकृष्ण
(31.8.35) (17.2.34–29.12.94)

सत्येन्द्र — सुमन
(2.11.38) (21.7.39)

विवेक
(25.6.68)

साधना—महेन्द्र
(17.11.58 27.9.56)

अर्चना—नागेन्द्र दुबे
(31.12.61 1.10.56)

सीमा — अतुल
(11.11.71 27.12.70)

धीरज — वर्षा
(10.11.73)

विवेक — वत्सला
(25.6.68) (10.10.73)
शुभि—12.6.06

(2) शिव शंकर — शकुन्तला

सरला — रविशंकर
(2.2.34–3.3.94) (3.3.28)

सुधीर — नीलिमा
(31.5.44–16.2.05) (1.10.45)

श्रवण — शैलजा
(10.1.51) (12.11.51)

सुनन्दा — दिनेश
(31.8.52) (2.10.50)

सुबोध — तनुजा
(27.2.55) (20.12.57)

अनुभा — अनुज
(12.11.71) (4.11.66)

विभोर — मानसी
(16.10.76)

विपुल — कंचन
(12.3.81)

विदित
(5.9.83)

अनुश्री
(4.7.84)

अनन्या

(3) हरि शंकर — रूपरानी

प्रमोद — उमा
(26.6.35) (16.9.43)

शशि — कामेश्वर
(11.5.37) (2.12.33)

सर्वेस

अरुण — कनक
(26.7.39) (2.3.46)

सविता — सुधीर
(4.12.47) (6.10.45–19.6.04)

पंकज — ममता
(20.7.53) (21.8.57)

निशा — अरविन्द
(24.11.62) (23.5.58)

संजय — स्मिता
(10.12.63) (21.9.69)

राजीव — रीता
(7.1.65) (23.8.68)

ऋचा — संजय सेठी
(14.1.67) (31.8.66)

आराधना — मोहित
(14.12.79) (22.10.75)

आशीष
(23.6.81)

आदर्श — महक
(13.6.96) (18.7.01)

अर्गव
(31.8.05)

शिप्रा — प्रीतेशटाँक
(6.10.72) (8.10.72)

शिखा — आशीष
(19.11.73) (30.11.72)

शिल्पी
(27.5.77)

अंकित
(21.3.85)

स्त्रोत : श्री सत्येन्द्र नाथ भार्गव, 27 हाता लक्ष्मण दास, शिवाजी मार्ग, लखनऊ—226018 फोन — (09415276382)

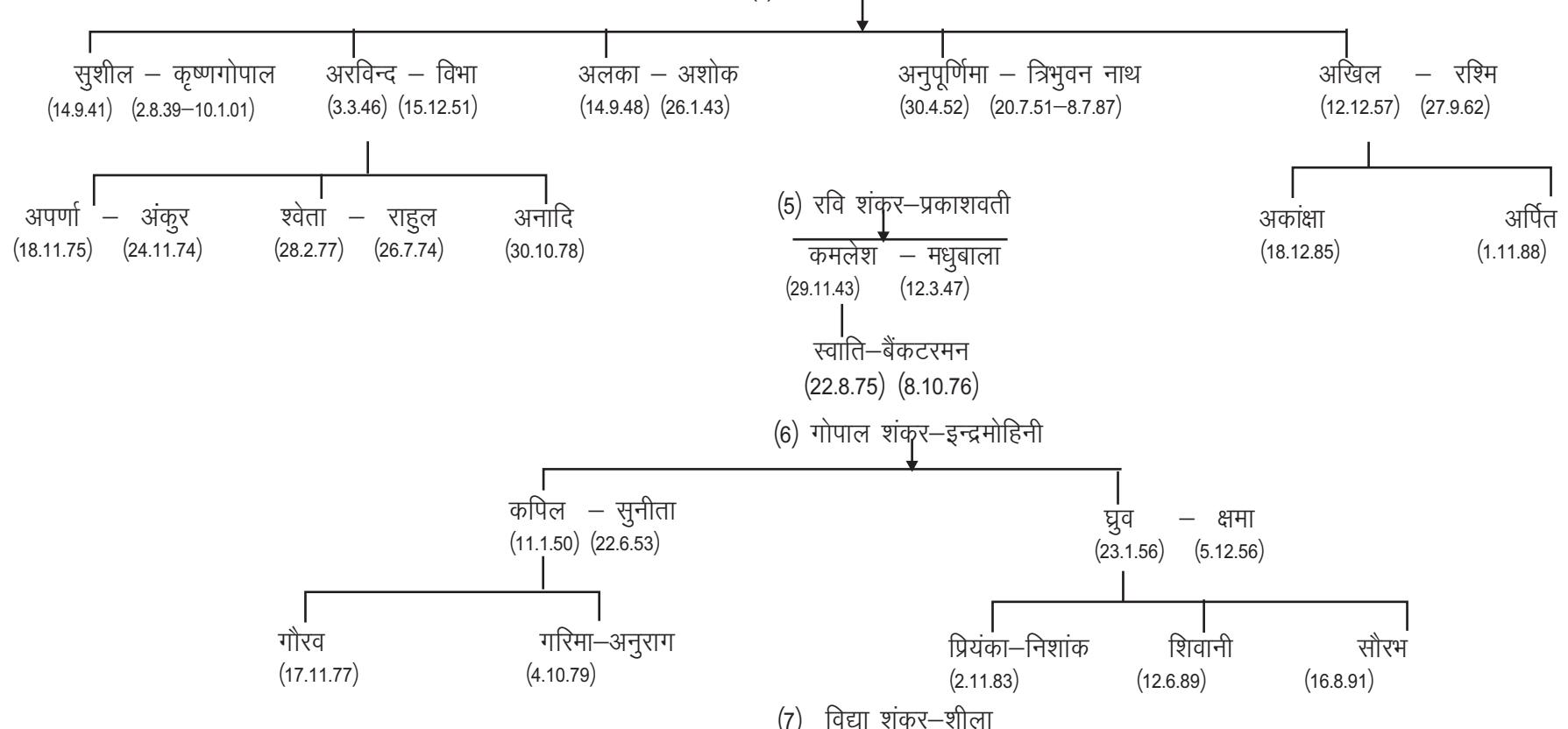
क्रमशः—3

पूर्वजों का निवास :

गोत्र— गागलश

कुलदेवी : अम्बा

(4) रमा शंकर — लक्ष्मी



चन्द्र शेखर — नीरू
(18.2.51) (7.1.53)

मेधना—अभिषेक
(23.4.78)

अंबर (20.7.80)

शुभदा — वीरेन्द्र
(20.6.53) (24.3.50–1.8.01)

शारदा — विश्व नाथ
(23.12.30) (24.9.27)

अनुप — ममता
(13.1.56) (29.10.58)

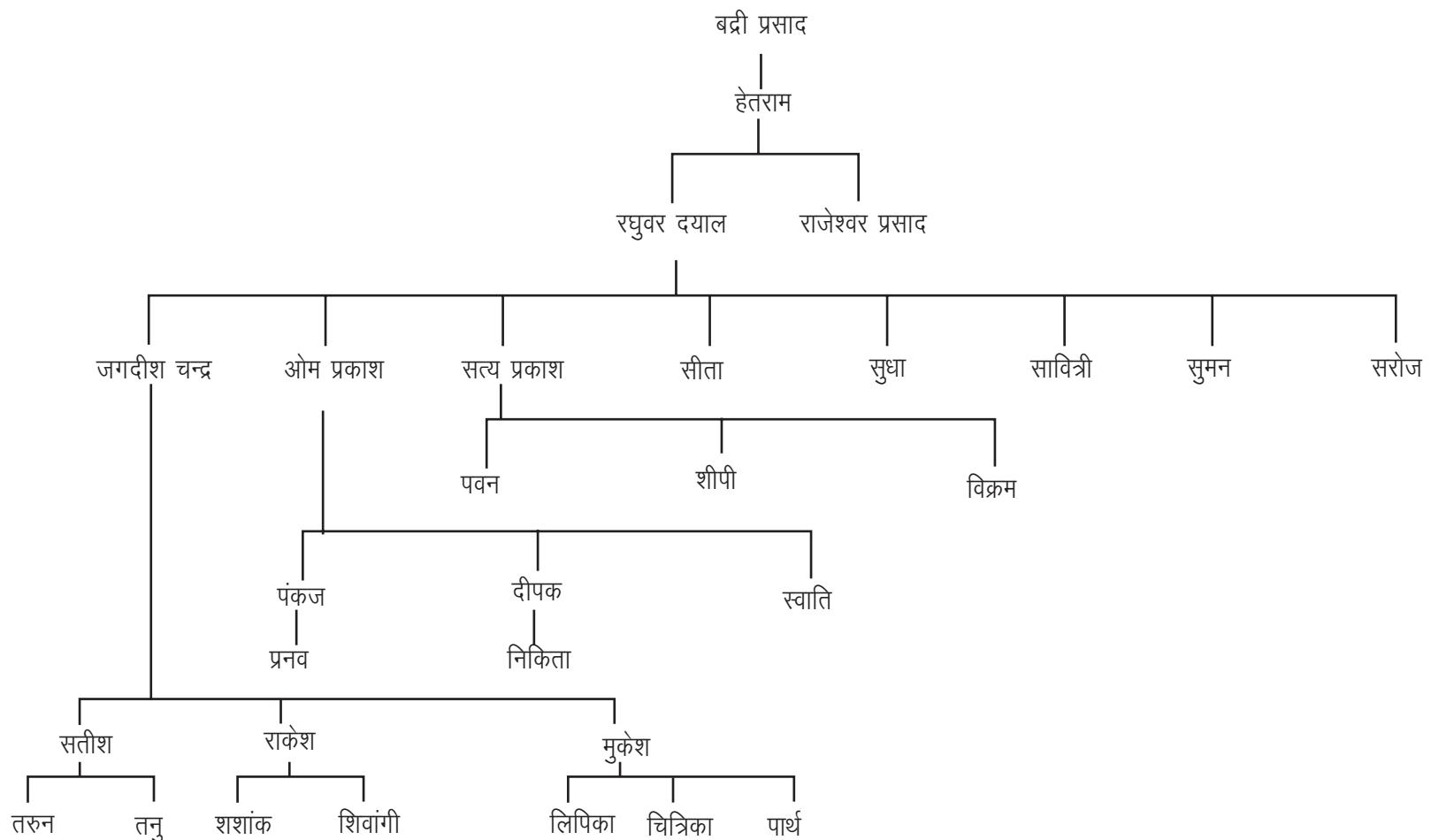
अक्षत (25.10.84)

स्त्रोत : श्री सत्येन्द्र नाथ भार्गव, 27 हाता लक्ष्मण दास, शिवाजी मार्ग, लखनऊ—226018 फोन — (09415276382)

पूर्वजों का निवासः गुड़गाँव

गोत्र— गागलश

कुलदेवीः अम्बा



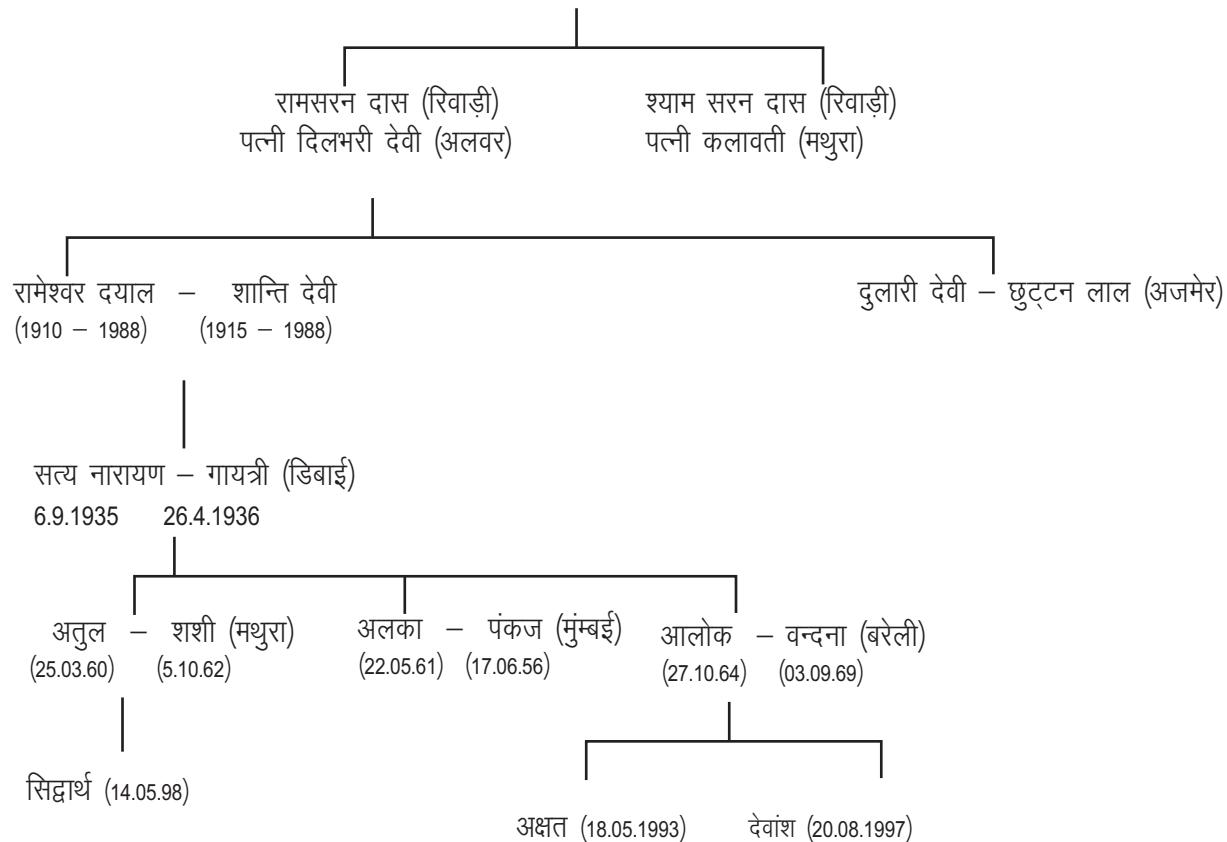
स्त्रोतः श्री जगदीश चन्द्र भार्गव, जी-277 सरिता विहार, नई दिल्ली-110076 (दूरभाष) 26974258, 9810193546

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – गागलश

कुलदेवी : अम्बा

शौ नाथ (रिवाड़ी)

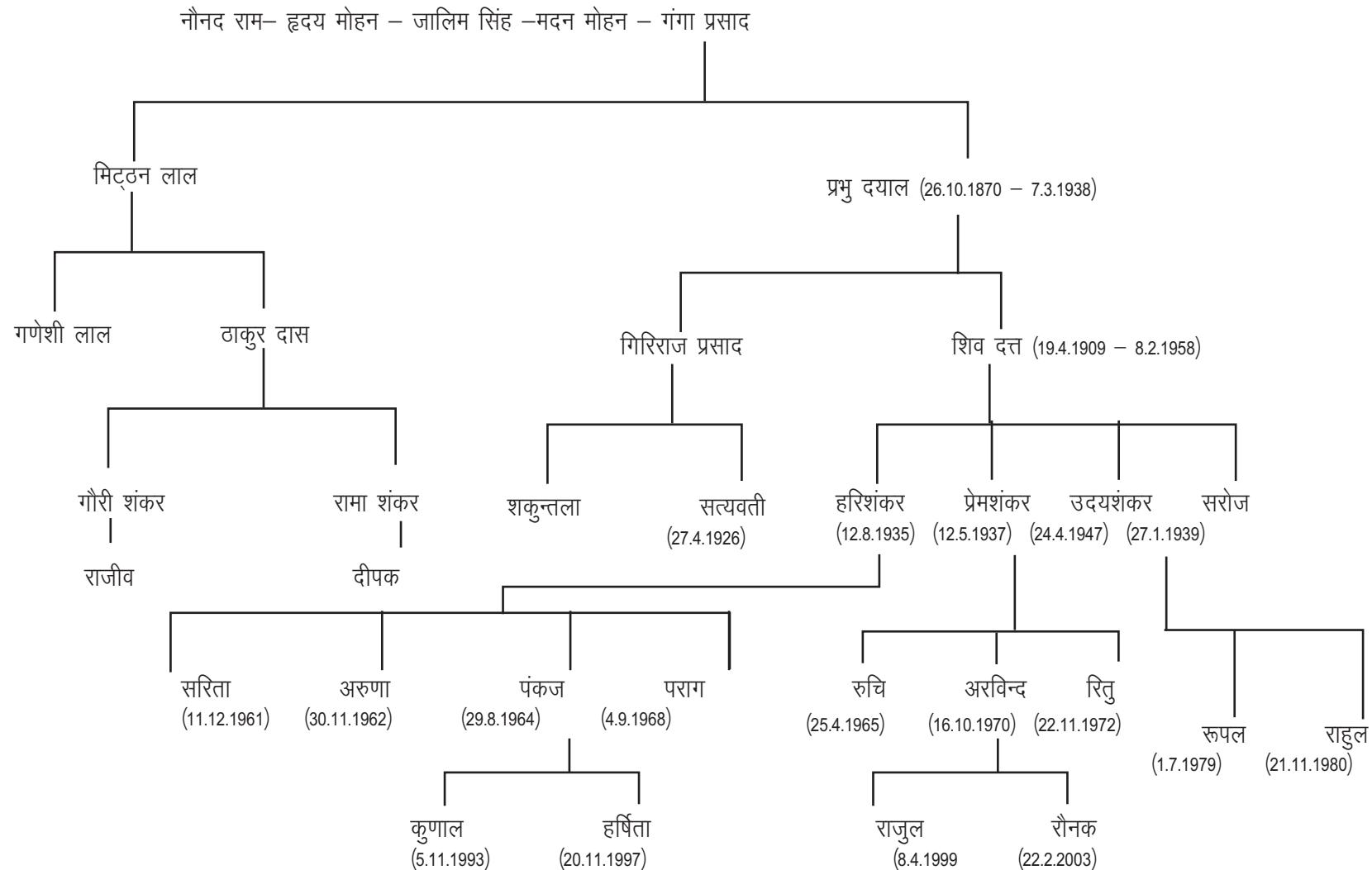


स्त्रोत : श्री सत्य नारायण भार्गव, सी – 154, सरिता विहार, नई दिल्ली – 110076. मो. 09910962055

पूर्वजों का निवास : भार्गव स्ट्रीट मथुरा

गोत्र – गागलश

कुलदेवी : अम्बा



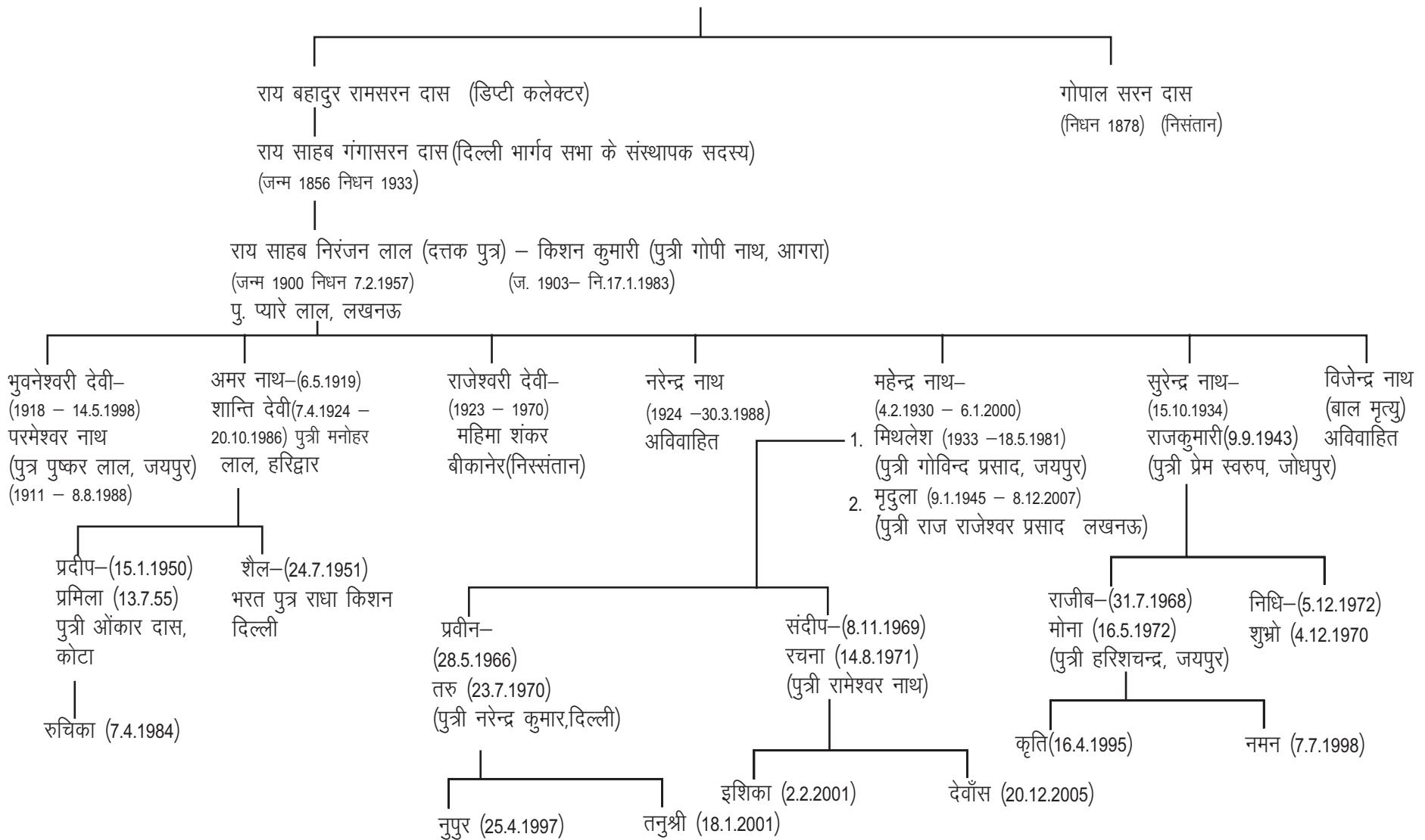
स्त्रोत : श्री प्रेम शंकर भार्गव, 101 पर्ल प्रूडेन्स, सी-124 ए, मोती मार्ग, बापू नगर, जयपुर- 302015 (दूरभाष -0141 / 2700785)

पूर्वजों का निवास : दिल्ली

गोत्र—गागलश

कुलदेवी : अम्बा

राय धौकल सिंह

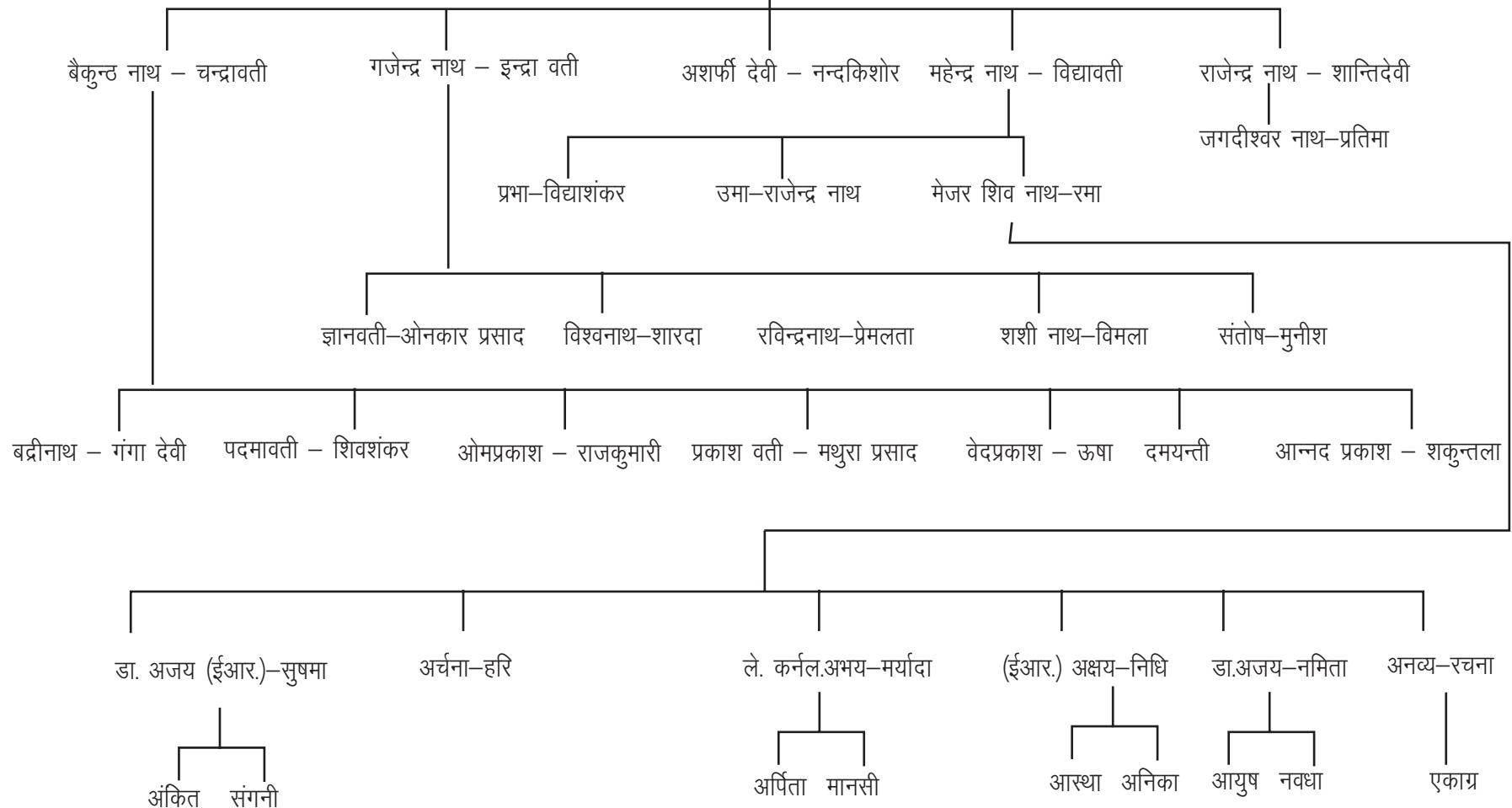


स्त्रोत : श्री सुरेन्द्र नाथ भार्गव, डी. 107 नरवाना अपार्टमैन्ट, 89 आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली –110092, मो. 09819663471

पूर्वजों का निवास : मथुरा

गोत्र – गागलश

कुलदेवी : रौसा ईटा

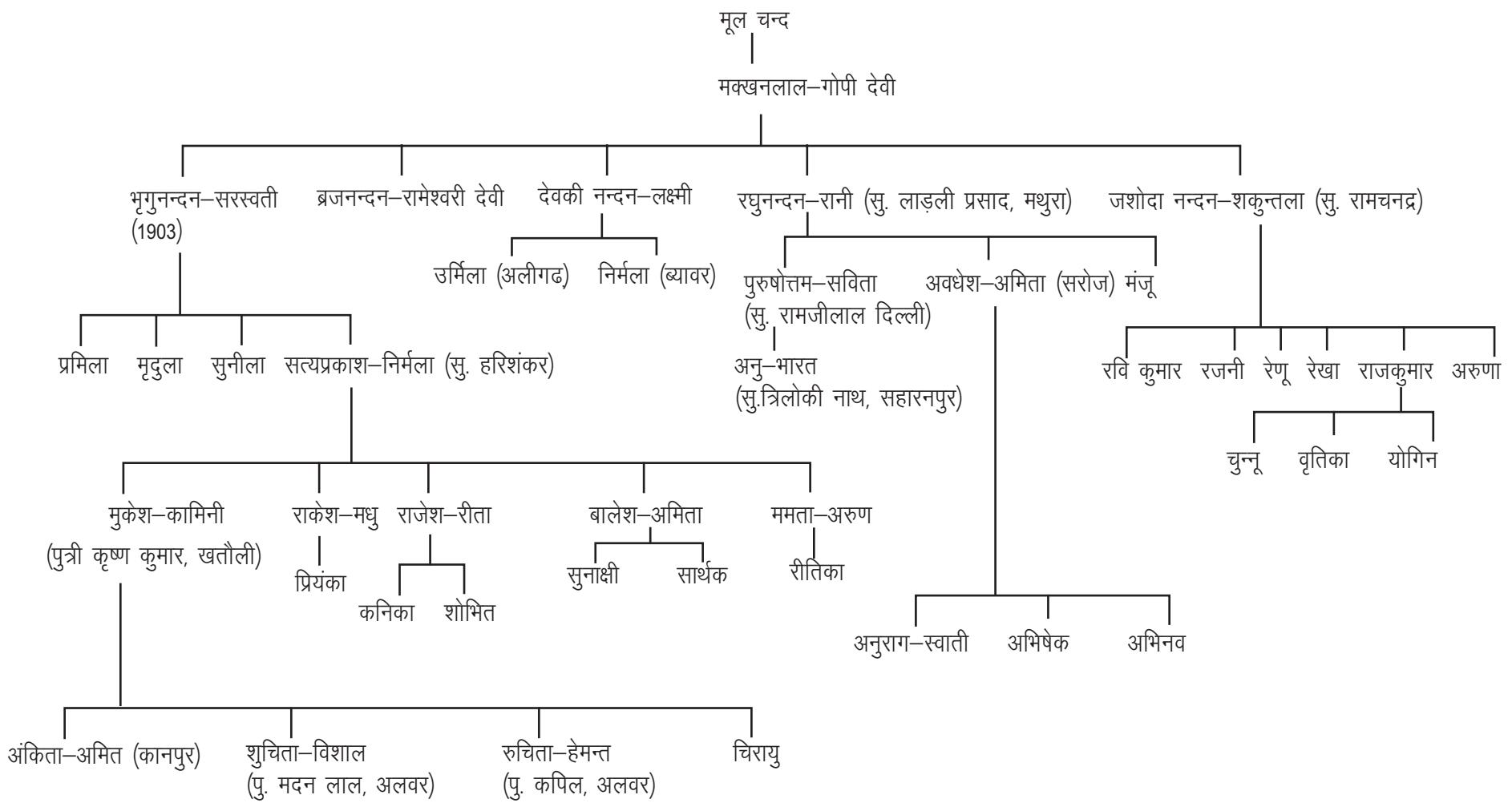


स्त्रोत: मेजर शिव नाथ भार्गव, 119 एल.आई.सी.कॉलोनी, वैशाली नगर, अजमेर-305006. मो. 09414007763

पूर्वजों का निवास : विजयगढ़

गोत्र— गागलश

कुलदेवी : रौसा ईटा



स्त्रोत : श्री अवधेश कुमार भार्गव, भार्गव लेन, देवपुरा, हरिद्वार (उत्तराखण्ड), दूरभाष:01334-226122,226330,9837474551

पूर्वजों का निवास :

भृगु नाटक के नाटककार का वंश—वृश (सन् 1874 की मूल फारसी प्रतिलिपि के आधार पर

गोत्र—गागलश

कुलदेवी : रौसा ईंटा

मूलचन्द (इन्होंने अलवर बेराज ग्राम के बाहर मूलाहेड़ी गाँव बसाया)

देवदास

माधोदास

दीपचन्द

बालचन्द

उत्तम चन्द

दयालदास

माधोदास

मनोहरलाल

मथुरादास

श्रीराम
चूहड़राम
गिरधरलाल

राजाराम
श्यामलाल
रामसहाय
छीतरमल
महासुखराय
उमराव सिंह

जोरावर सिंह
मोतीराम
सियाराम
शोजीराम
भवानी सिंह
देवी सिंह
रामकरण
जमना प्रसाद
रतिराम
गंगा प्रसाद

जबाहरलाल
चन्दूलाल

लक्ष्मीनारायण
हीरालाल
सच्चिदानन्द
जगभूषण
विपुल
मयंक

चिरञ्जीलाल
दयानन्द
धनन्त
प्रणव
आदित्य
क्षितिज
नमित

प्रभुदयाल
खुशवक्त राय

मदनलाल
वीरेन्द्र
फूलचन्द
छोटा
देवेन्द्र स्वरूप
ओम स्वरूप
लक्ष्मण स्वरूप
राम स्वरूप

दिलसुखराय
बृजमोहनलाल
प्यारेलाल
गोपाल स्वरूप
सुरेश
नरेश

स्रोत : प्रोफेसर दयानन्द भार्गव जी—1, पैराइंटर्स एपार्टमेंट, डी-148, दुर्गा मार्ग, बनी पार्क, जयपुर फोन—0141-2203255

पूर्वजों का निवास : कानोड़

गोत्र – गागलश

कुलदेवी : रौसा / ईटा

सूरजमल → लालमनदास → हिमत सिंह → मोतीराम → चन्द्रभान → बद्री प्रसाद

बंशीधर (निधन-1953) | हरप्रसाद (निधन-1941) | रामप्रसाद (निधन-1950) उज्जैन | अयोध्या प्रसाद (नि.1955) इंच्द्रोर | पन्नालाल (निधन-1968) सिवनी

शंकर प्रसाद | प्रकाशनाथ | कैलाश प्रसाद | रघुनंदन प्रसाद | लक्ष्मण प्रसाद

श्यामेश्वर प्रसाद

कमेश

महेश

रामेश्वरप्रसाद-उर्मिला

नीरा पति नसीब सिंह | मीना पति हरजीत नागपाल

नीरज पत्नी चन्द्रा

अभिमन्यु

शीला शकुंतला – रामेश्वर प्रसाद | राजेश्वर प्रसाद – प्रभा

लीला – रामकुमार | कमला – तेजकुमार | विमला – लाडलीप्रसाद | उर्मिला – त्रिलोकप्रसाद

निर्मल –

कृष्णदत्त

सुनील – बीना

प्रदीप – सुजाता

संजीव – गीता

विनीत – परिधि

रजत – स्मृति

दिव्या – विकास

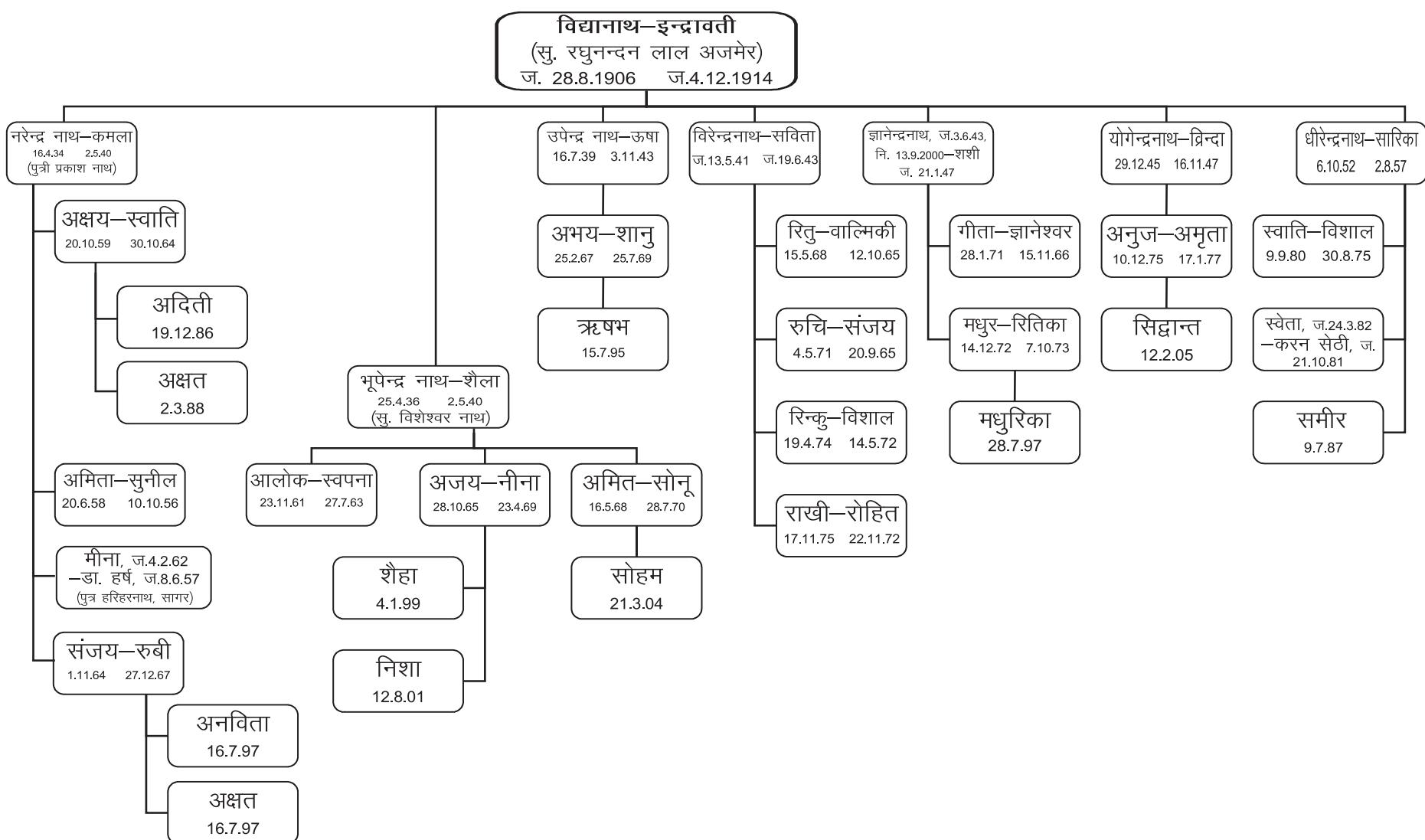
सिद्धार्थ

पर्व

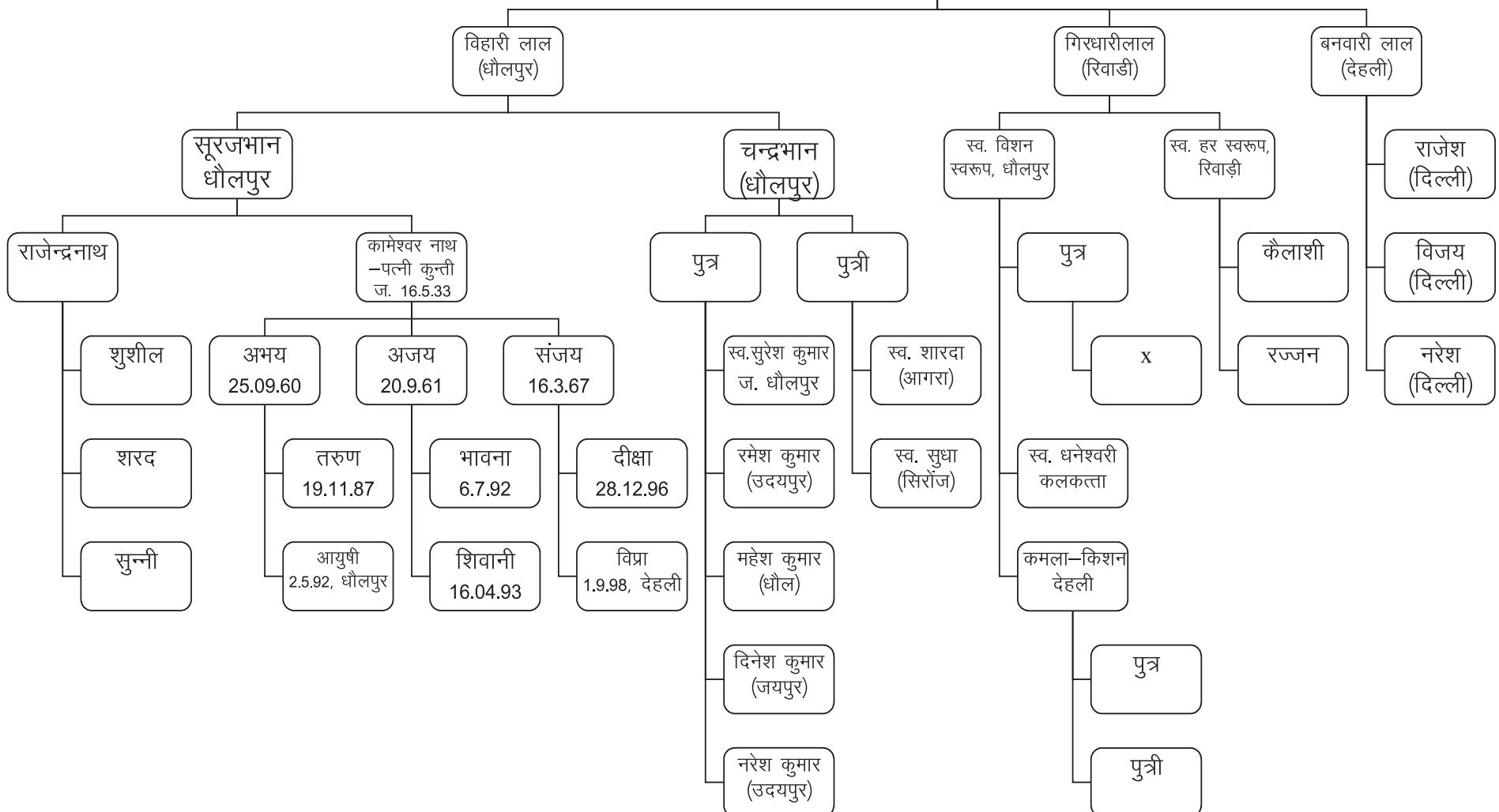
यशराज

इशिता

स्रोत : श्री रामेश्वर प्रसाद भार्गव, एम.-6, फारच्यून ग्लोरी, ई-8 एक्सटेनशन, अरेरा कॉलोनी, भोपाल- 462039 मो. 0755 / 2427741



तीन बाबा



स्रोत : श्री कामेश्वर नाथ भार्गव, निहाल गंज, कोठी, धौलपुर (राज.)

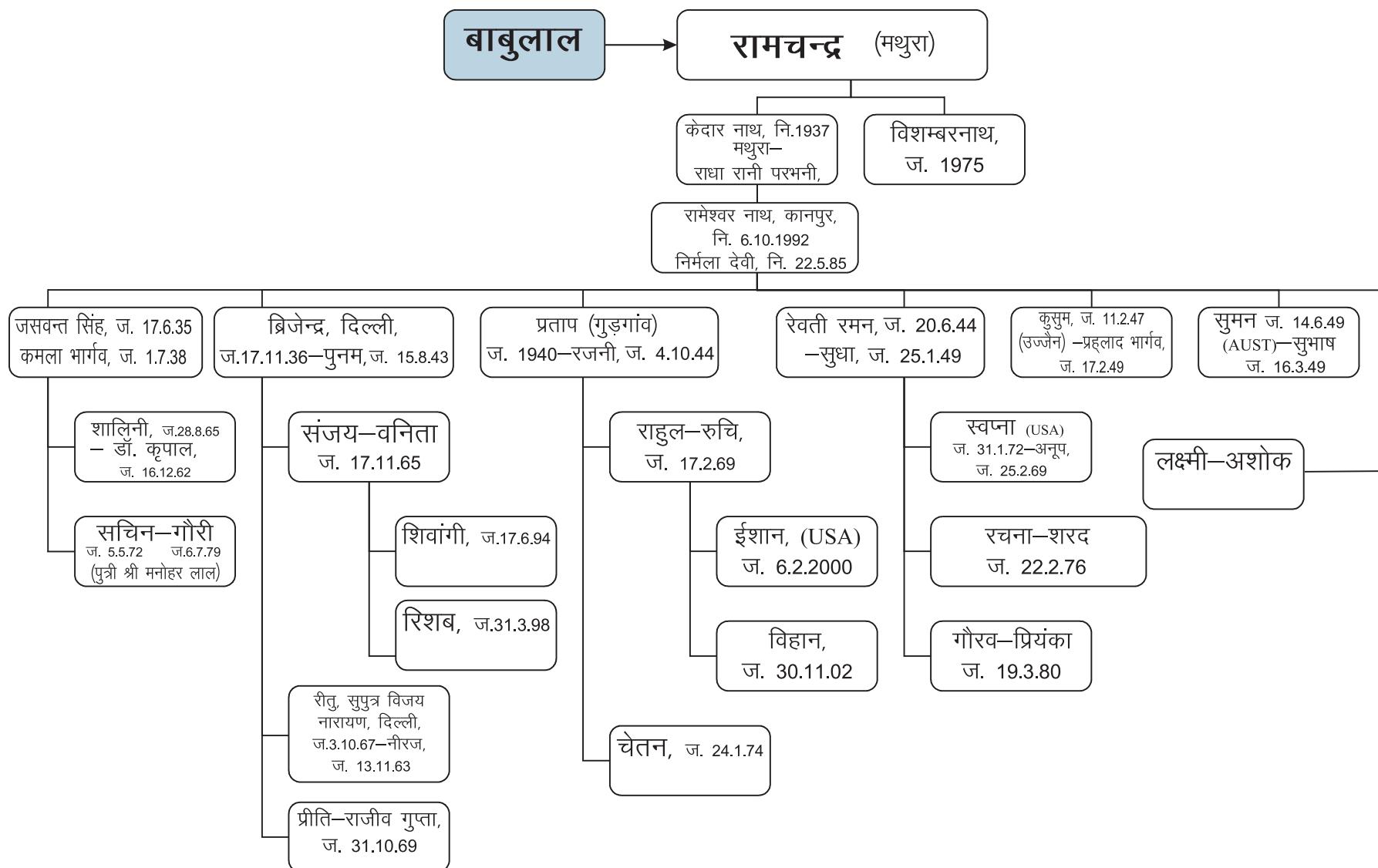
ਖੱਡੁ 5

- ਗੋਤ्र : ਗਾਲਵ (ਗੋਲਸ਼, ਗੋਲਵ, ਗੋਚਲਸ, ਗਾਲਵਸ ਆਦਿ)
- ਕੁਲਦੇਵੀ : 40. ਸ਼ਕ੍ਰਾ/ਸ਼ਾਕਮ੍ਬਰੀ, 41. ਨਾਗਨ, 42. ਰੌਸਾ,
43. ਰੌਸਾ ਈਂਟਾ

पूर्वजों का निवास :

गोत्र : गोलश

कुलदेवी : शकरा

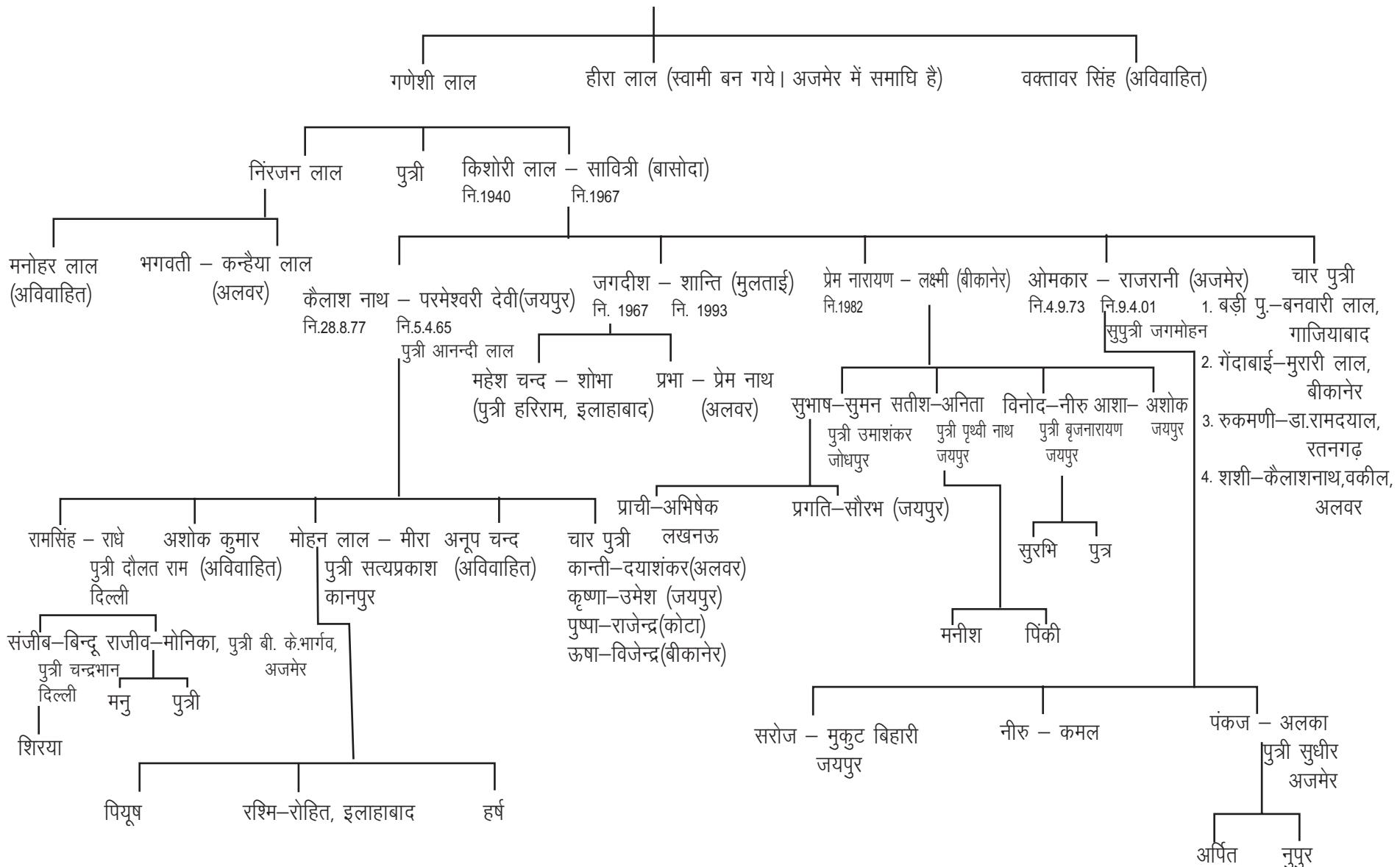


स्रोत : डॉ. जसवंत सिंह भार्गव, कन्सल्टेंट जनरल एवं वास्कुलर सर्जन, 24ए/डी1बी जनकपुरी, नई दिल्ली,
फोन: 2852 5195, ईमेल: jaswantsinghbhargava@yahoo.co.in

पूर्वजों का निवास : महेन्द्र गढ़

गोत्र-गोलश

कुलदेवी : शकरा

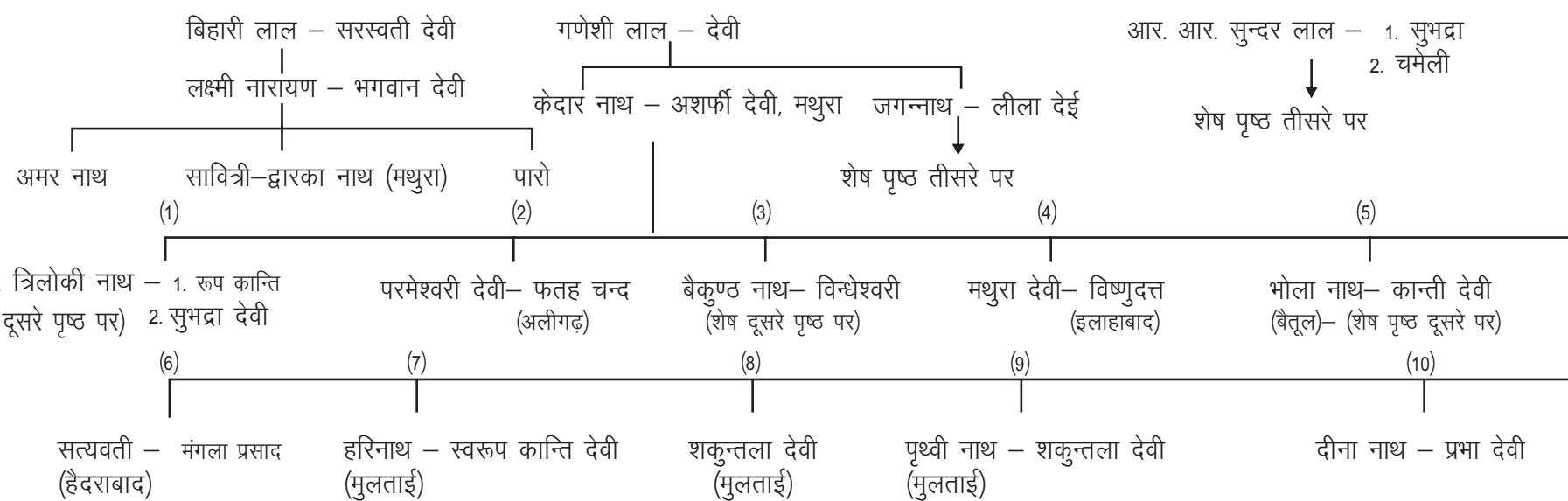


स्त्रोत : श्री मोहन लाल भार्गव, के-68 रिंजव बैंक अधिकारी आवास, सिविल लाइन्स कानपुर दूरभाष : 0512-230680

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – गोलश
 कल्यान चन्द्र
 ↓
 रतन चन्द्र
 ↓
 जयसिंह – जेकौर
 ↓
 जालमसिंह – माया कौर
 ↓
 विशनसिंह
 ↓
 गिरधारी लाल – सरस्वती
 ↓
 देवकी नन्दन – मोहनी देवी

कुलदेवी : शकरा



(1) डा. त्रिलोकी नाथ के 11 बच्चे (3) बैकुण्ठ नाथ के 5 बच्चे (5) भोला नाथ के 7 बच्चे + 3 पोते-पोती (7) हरि नाथ के 7 बच्चे (9) पृथ्वी नाथ के 4 बच्चे (10) दीना नाथ के 4 बच्चे + 1 पोता + 6 नाती, नातिन

क्रमशः 2

स्त्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रनिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – गोलश

(प्रथम पृष्ठ से)

कुलदेवी : शकरा

(1) डा. त्रिलोक नाथ–रूपकान्ती देवी (पहली) सुभद्रा (दूसरी)

विद्यावती–विद्याचरण शीलू देवी–कृष्ण सहाय पदमावती देवी–सत्यप्रकाश प्रेम देवी–रघुनन्दन उर्मिला–महाराज कृष्ण निर्मलादेवी आनन्द–मीरा देवी बीबो देवी

रामजी–अनू देवी

बीना देवी(गाजियाबाद) नीतू देवी (विलासपुर)

2. परमेश्वरी देवी–फतह चन्द (अलीगढ़)

3. बैकुन्ठ नाथ–विन्ध्येश्वरी

ओंकार नाथ–सत्यवती

सूरज कान्ती देवी–अमर नाथ

(दिल्ली)

कामता नाथ–कमला देवी

रामेश्वर नाथ–बीना देवी

भूपेन्द्र–(चार पत्नियाँ)

4. मथुरा देवी–विष्णु दत्ता (इलाहाबाद)

5. भोलानाथ–कान्ती देवी

पुषा देवी–कृष्ण कान्त

रविन्द्रानाथ–चन्दा देवी

सुरेन्द्र–हंसा

विजय (USA)–सविता देवी

नरेन्द्र (UAE)–सुजाता

रजनी देवी–ललीत (रिवाड़ी)

शैलेन्द्र–अलका देवी

विशाल

दिशान्त

चेतना

संगीता

6. सत्यवती देवी–मंगल प्रसाद (हैदराबाद)

7. हरिनाथ (मुलताई)–स्वरूप कान्ती देवी)

सूरज कान्ती देवी–अमरनाथ (दिल्ली)

रुकमणी देवी–गोविन्द (बाला घाट)

कैलाश

मनोरमा देवी–विनोद (भोपाल)

उपेन्द्र(जयपुर) –सावित्री देवी

राजू

पंकज

रेखा–राकेश (बुलन्दशहर)

8. शकुन्तला देवी

9. पृथ्वी नाथ, मुलताई–शकुन्तला देवी

देवेन्द्र नाथ–आभा देवी

कल्पना देवी–मुकेश (आगरा)

10. दीना नाथ–प्रभा देवी

अल्पना देवी (मुलताई)

अनुराग–नीता

मधुपूर्णिमा देवी– संजय जैन (मेरठ)
(जर्मनी)

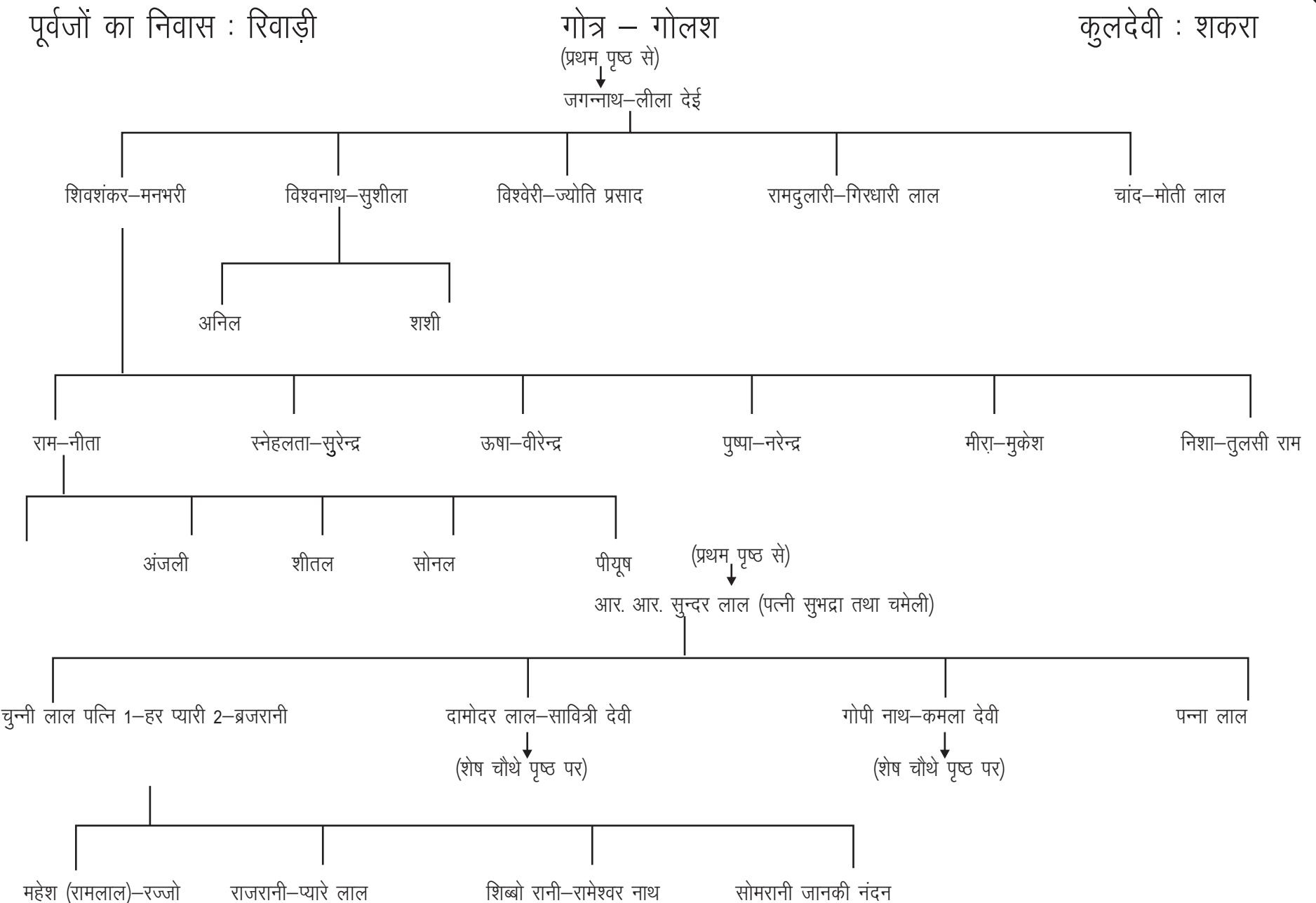
देविना

अरुनिमा देवी–दिलीप सिंह
(देहरादून)

सौमित्रा (सुम्मी) – सापेक्षी / बेवी (पति)

स्त्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रन्सिस लेन्डमार्क, तलाम कोठी कम्पाऊड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी



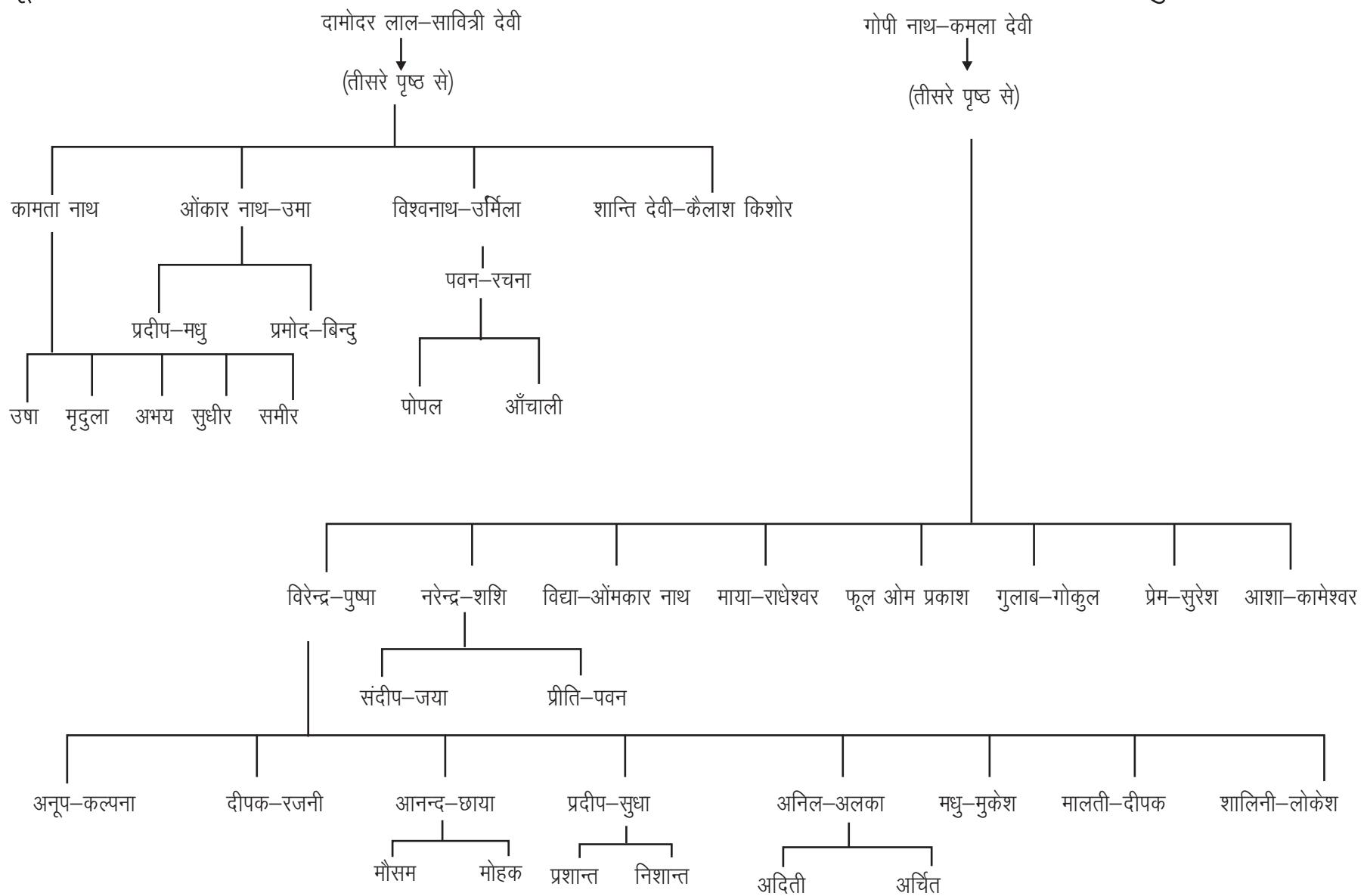
स्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रन्सिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

क्रमशः 4

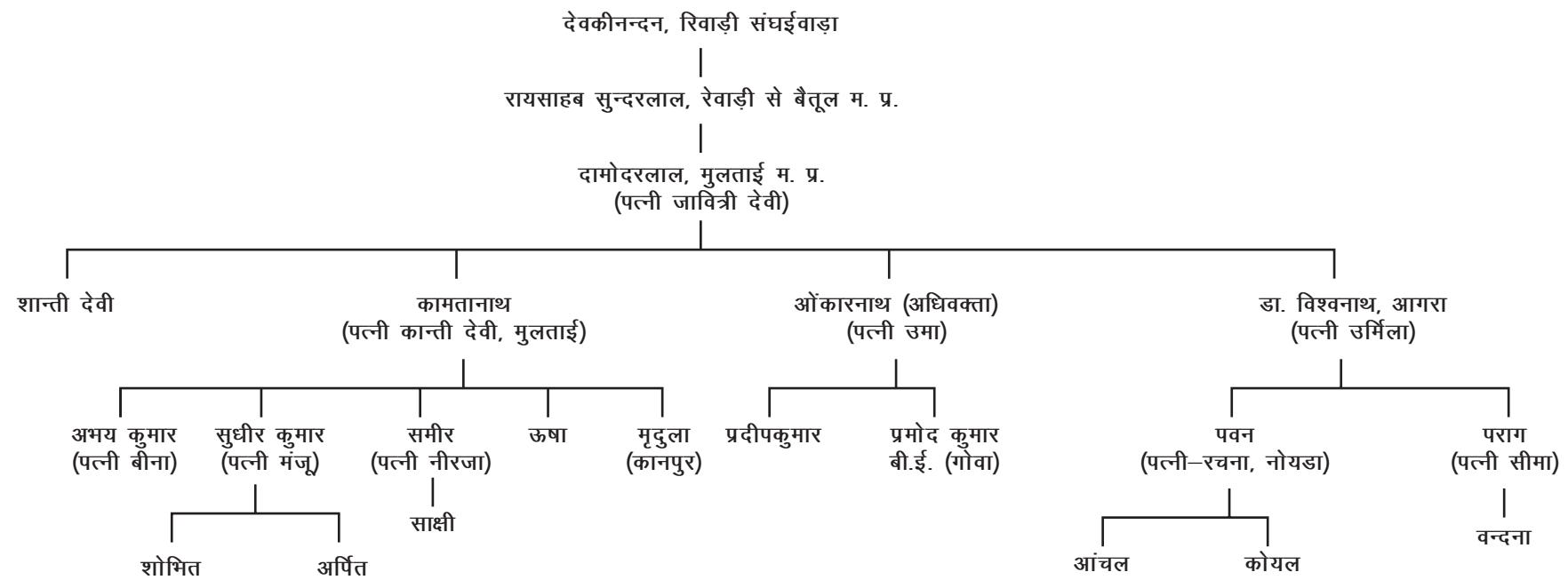
पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – गोलश

कुलदेवी : शकरा



स्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रिन्सिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

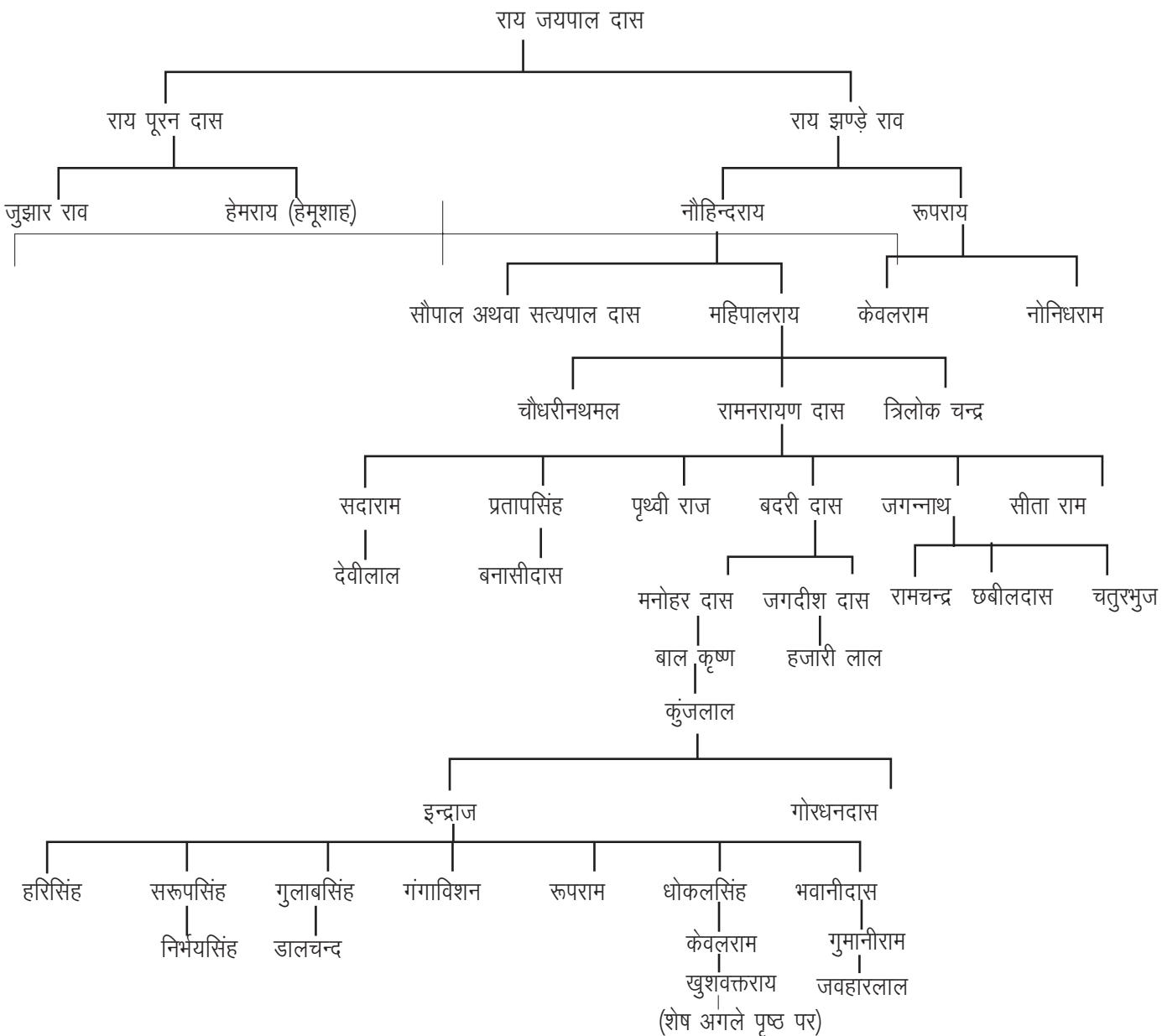


स्रोत : श्री ओमकार नाथ भार्गव, मुलताई दूरभाष : 224049

पूर्वजों का निवास : रेवाड़ी

गोत्र-गोलिश

कुलदेवी : शकरा



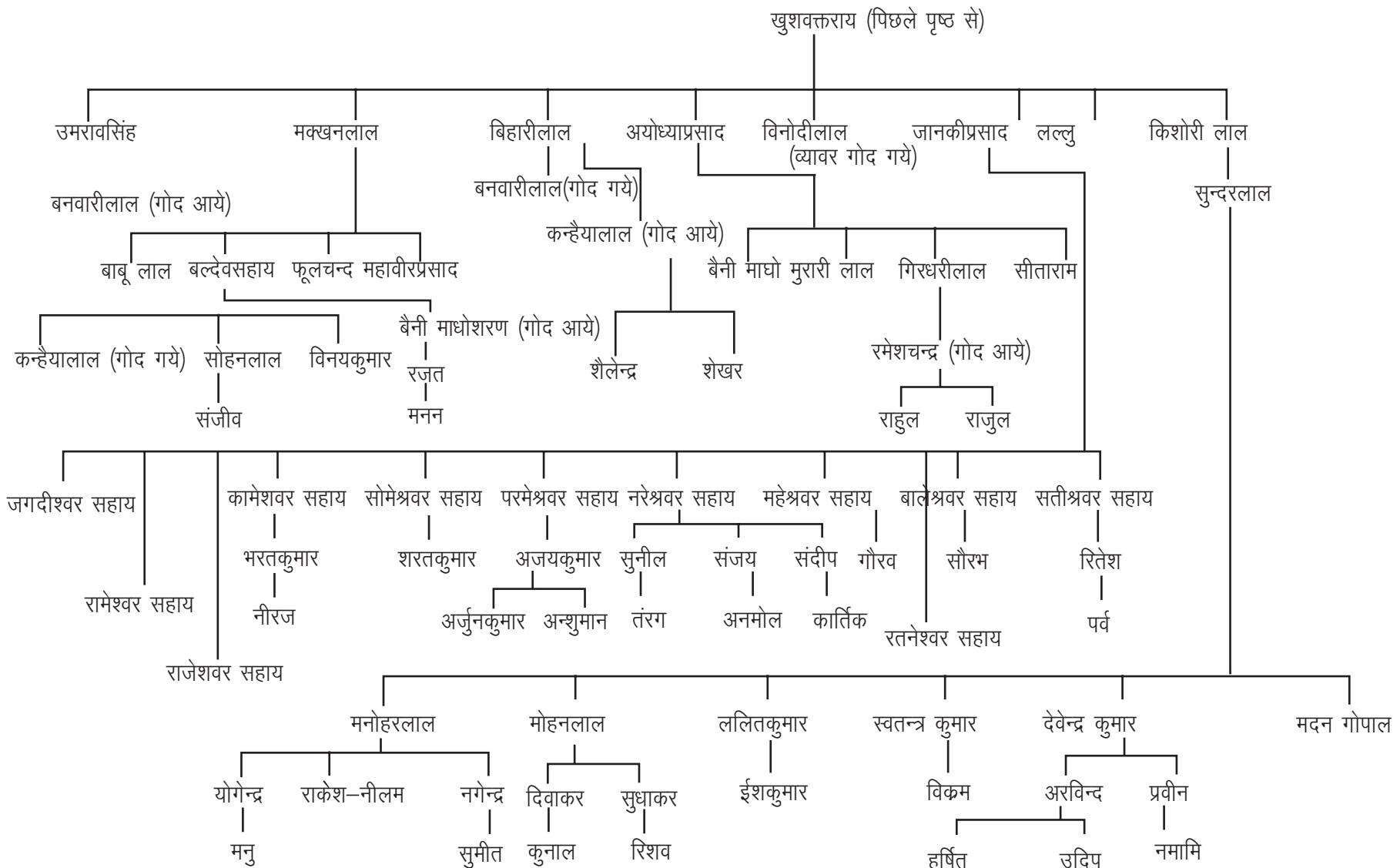
स्रोत : श्री नरेश्वर सहाय भार्गव, सराय बलभद्र, रिवाड़ी -123401 (दूरभाष: 09312666522) तथा श्री देवेन्द्र भार्गव, 73 चावड़ी बाजार, दिल्ली मो. 09312973134

कमश: 2

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र-गोलिश

कुलदेवी : शकरा

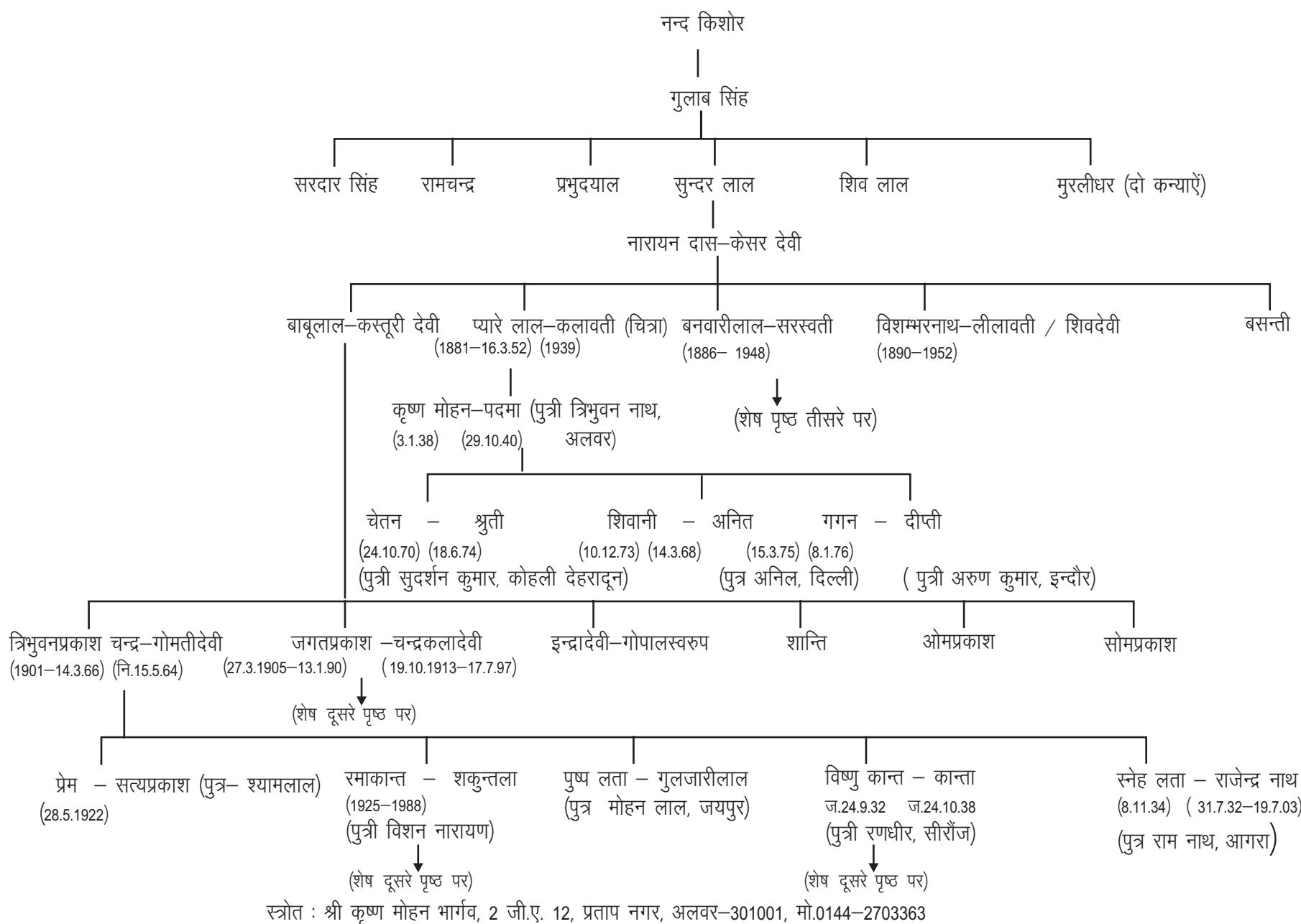


स्त्रोत : श्री नरेश्वर सहाय भार्गव, सराय बलभद्र, रिवाड़ी –123401 (दूरभाष: 09312666522) तथा श्री देवेन्द्र भार्गव, 73 चावड़ी बाजार, दिल्ली मो. 09312973134

पूर्वजों का निवास : महेन्द्र गढ़

गोत्र— गालव (गोलश)

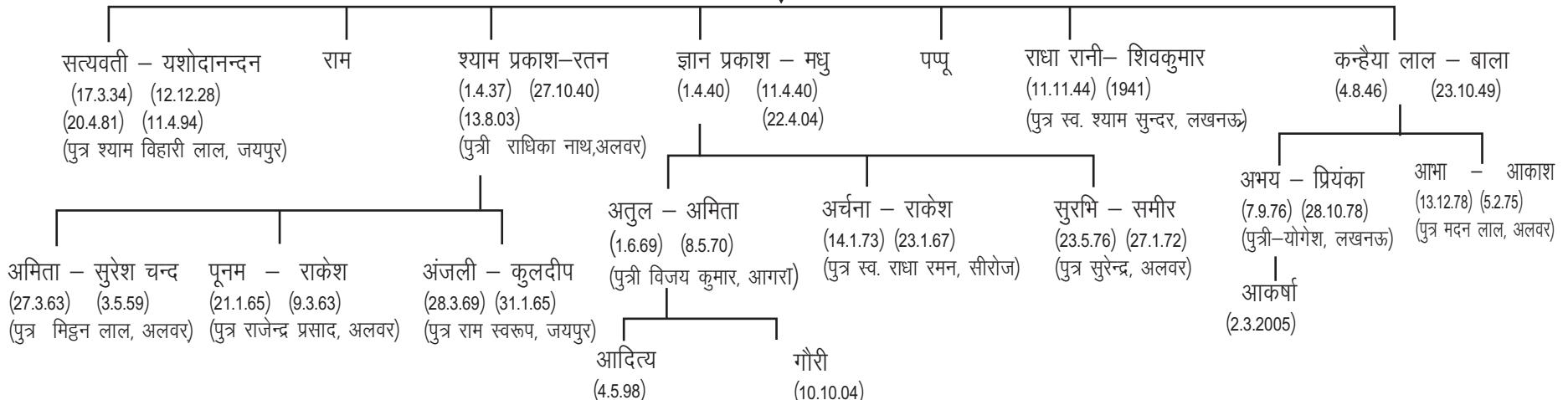
कुलदेवी : शकरा



पूर्वजों का निवास : महेन्द्र गढ़

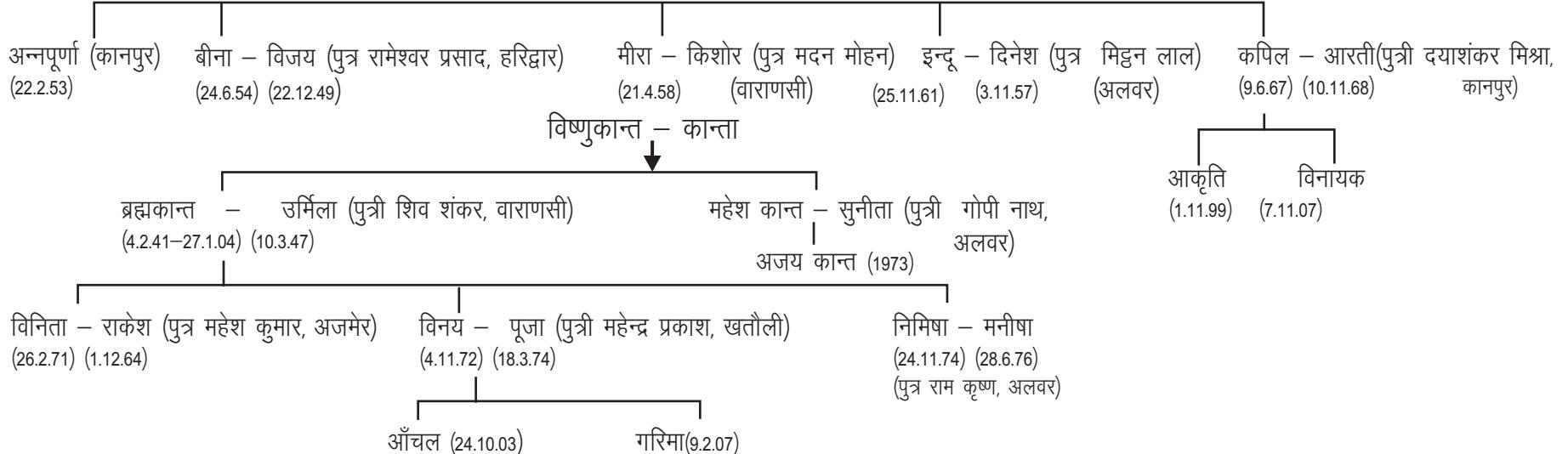
गोत्र—गालव (गोलश)

जगत् प्रकाश—चून्दकला देवी
(प्रथम पृष्ठ से)



कुलदेवी : शकरा

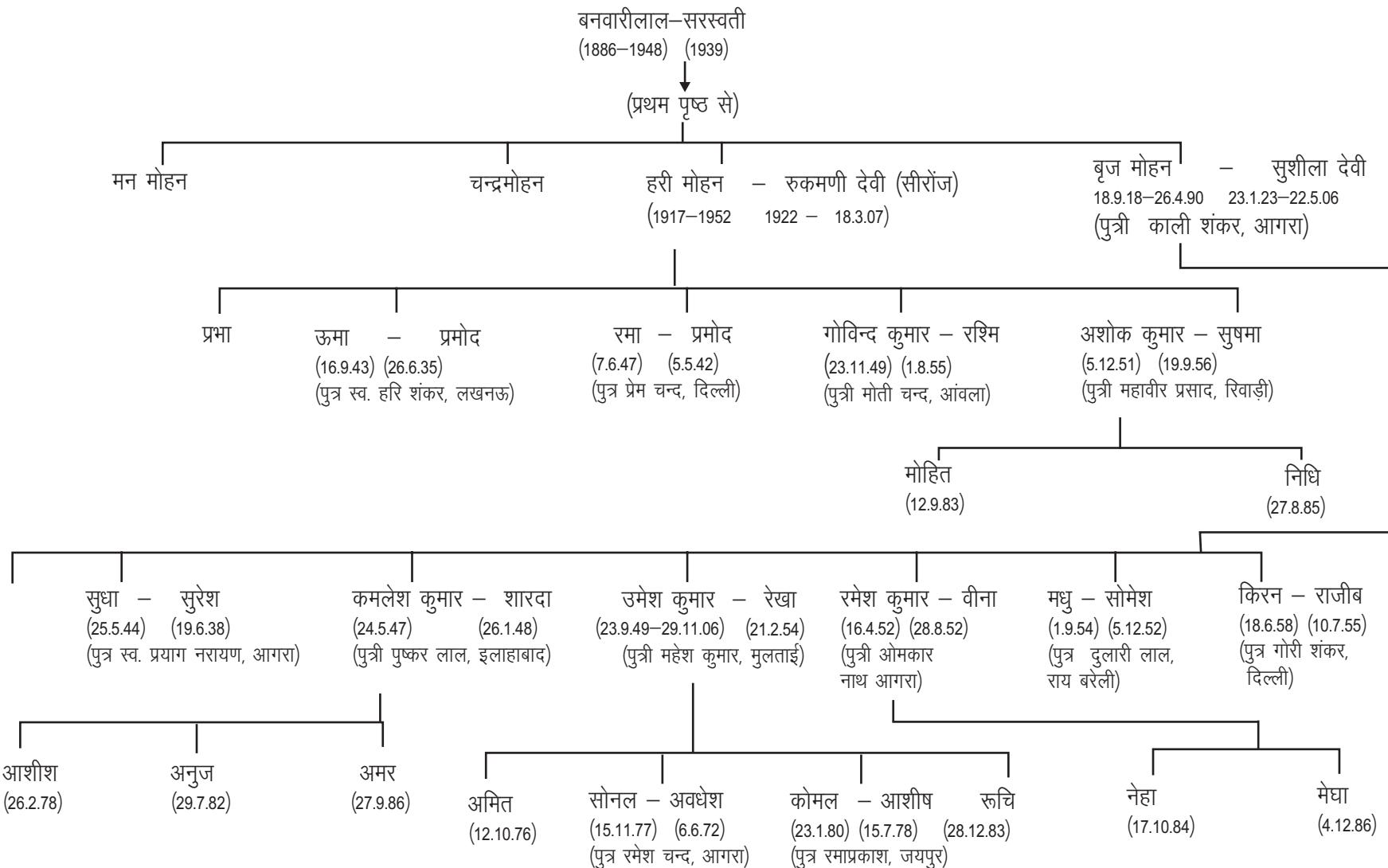
रामाकान्त—शकुन्तल(प्रथम पृष्ठ से)



पूर्वजों का निवास : महेन्द्र गढ़

गोत्र— गालव (गोलश)

कुलदेवी : शकरा

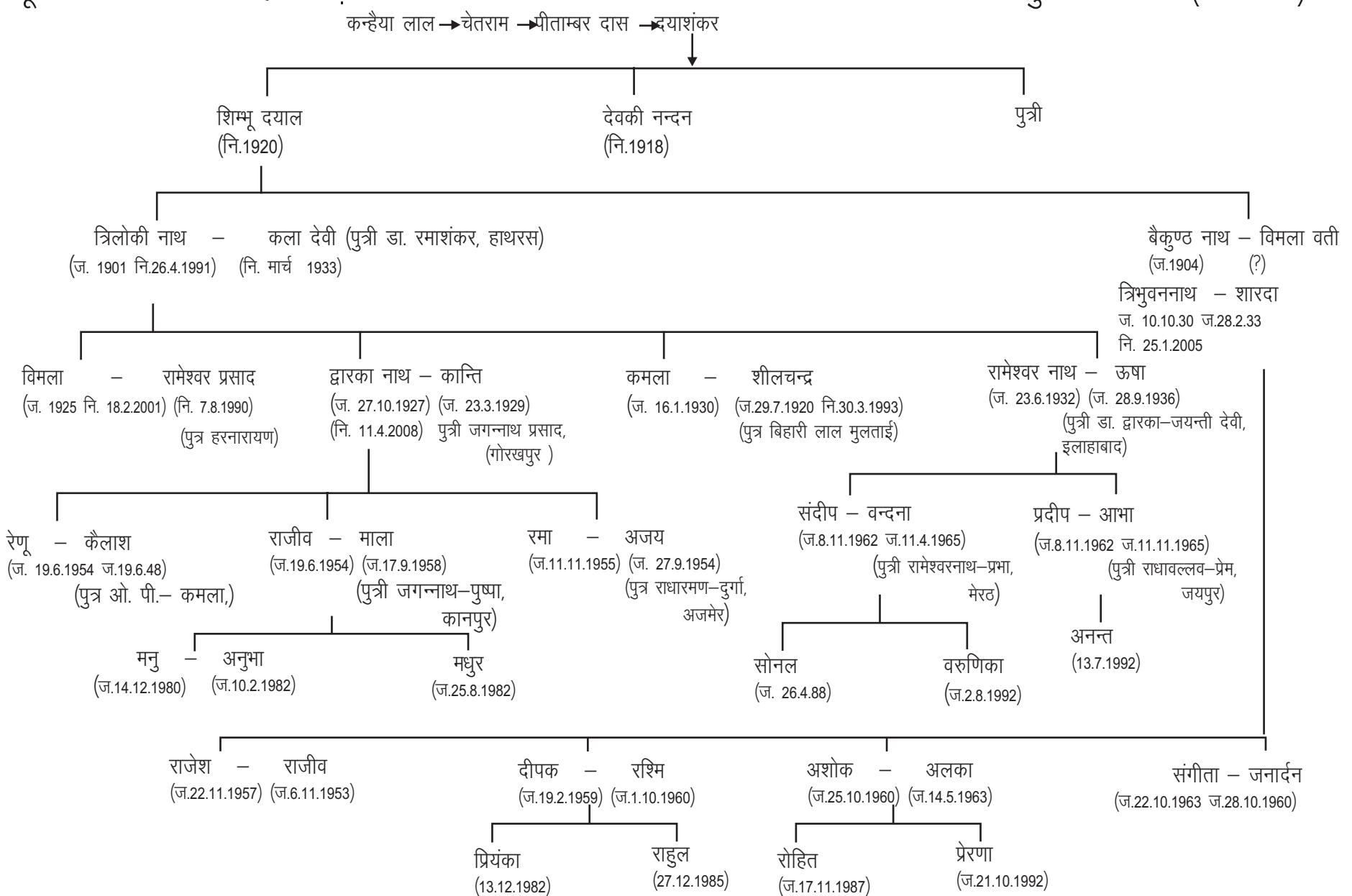


स्त्रोत : श्री कृष्ण मोहन भार्गव, 2 जी.ए. 12, प्रताप नगर, अलवर-301001, दूरभाष: 0144-2703363

पूर्वजों का निवास : महेन्द्र गढ़

गोत्र— गालव

कुलदेवी : शक्रा(शाकम्भरी)

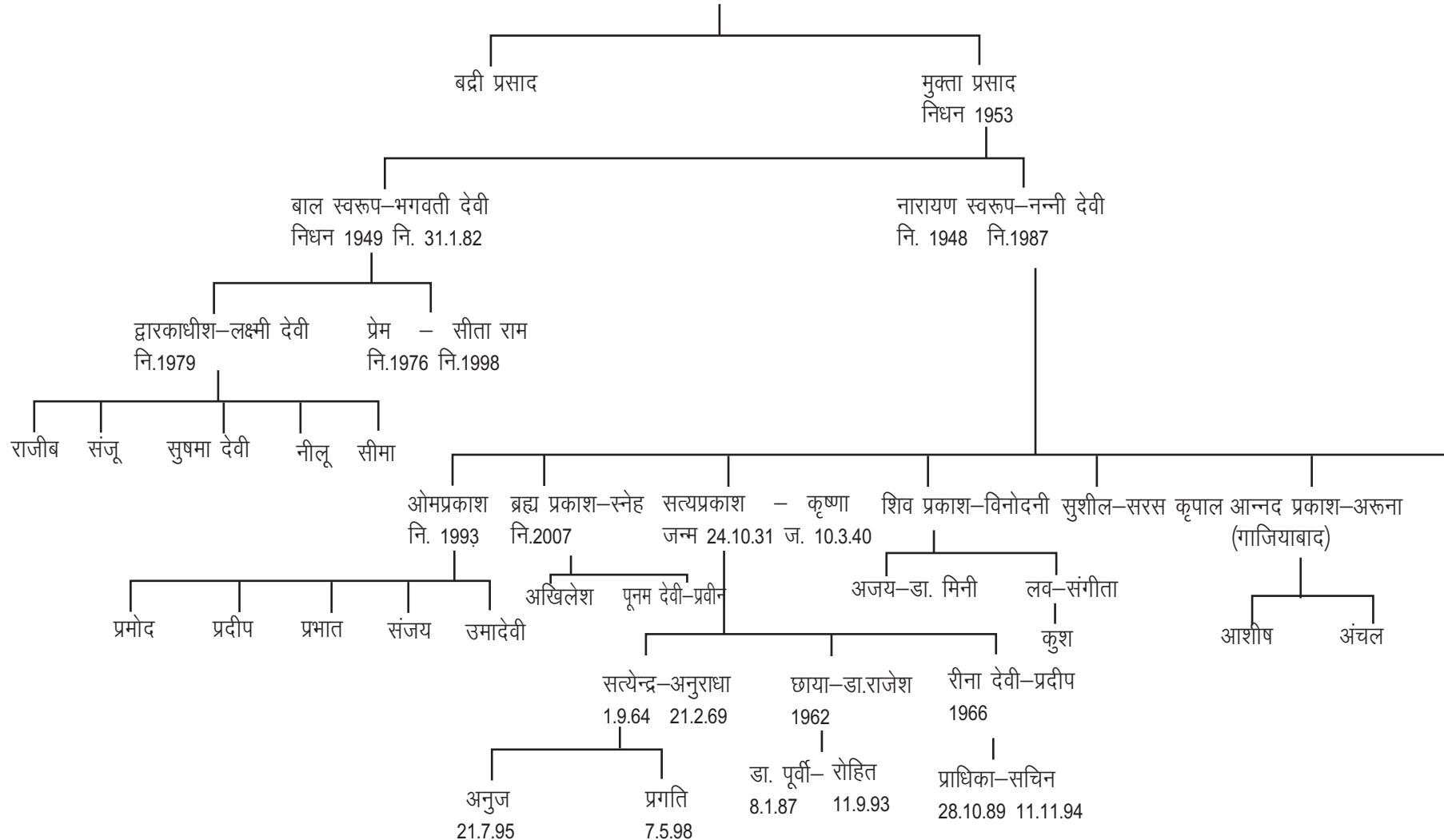


पूर्वजों का निवास : धौलपुर

गोत्र— गोलश

कुलदेवी : शकरा

राम जीवन लाल



स्रोत : श्री सत्य प्रकाश भार्गव, चिमना जी का बाड़ा, कोठी, धौलपुर दूरभाष 05642-221338

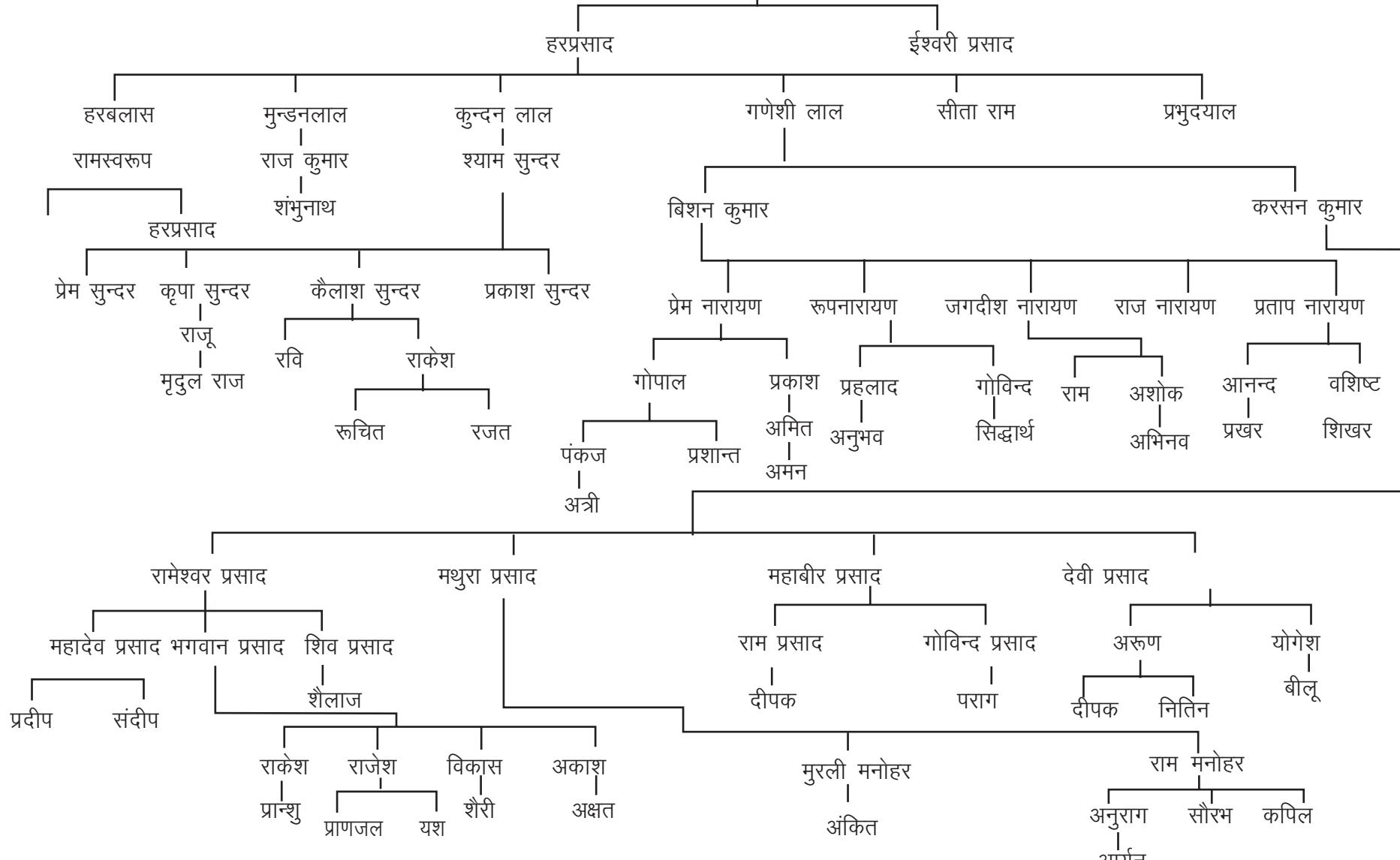
पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र— गोलिश

नोबत राय(कनौड़िया परिवार)

नैनसुख राय

कुलदेवी : शकरा

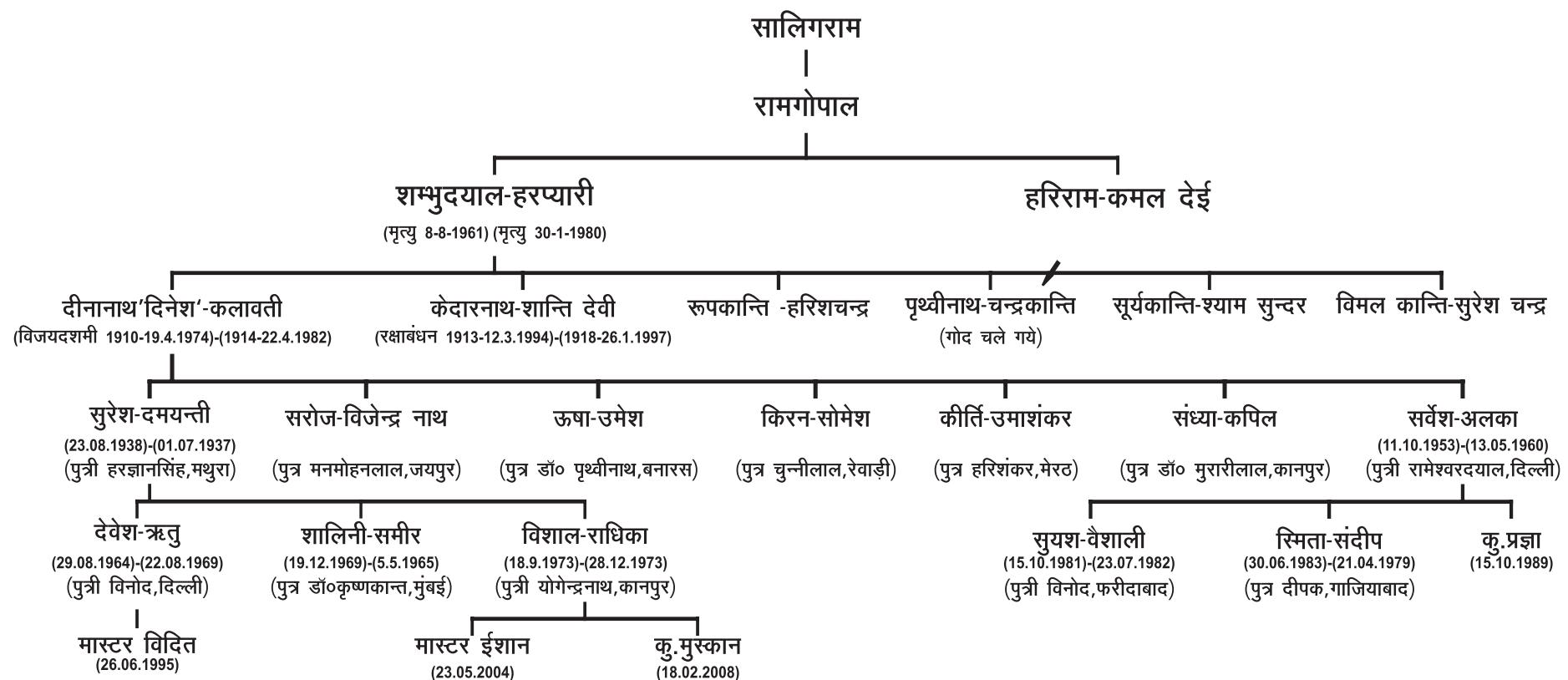


स्त्रोत : श्री प्रकाश नारायण भार्गव, प्रकाश पैकेजिंग, 257 गोला गंज, लखनऊ, मो. 09415110636

पूर्वजों का निवास :

गोत्र – गोलश

कुलदेवी : शकरा

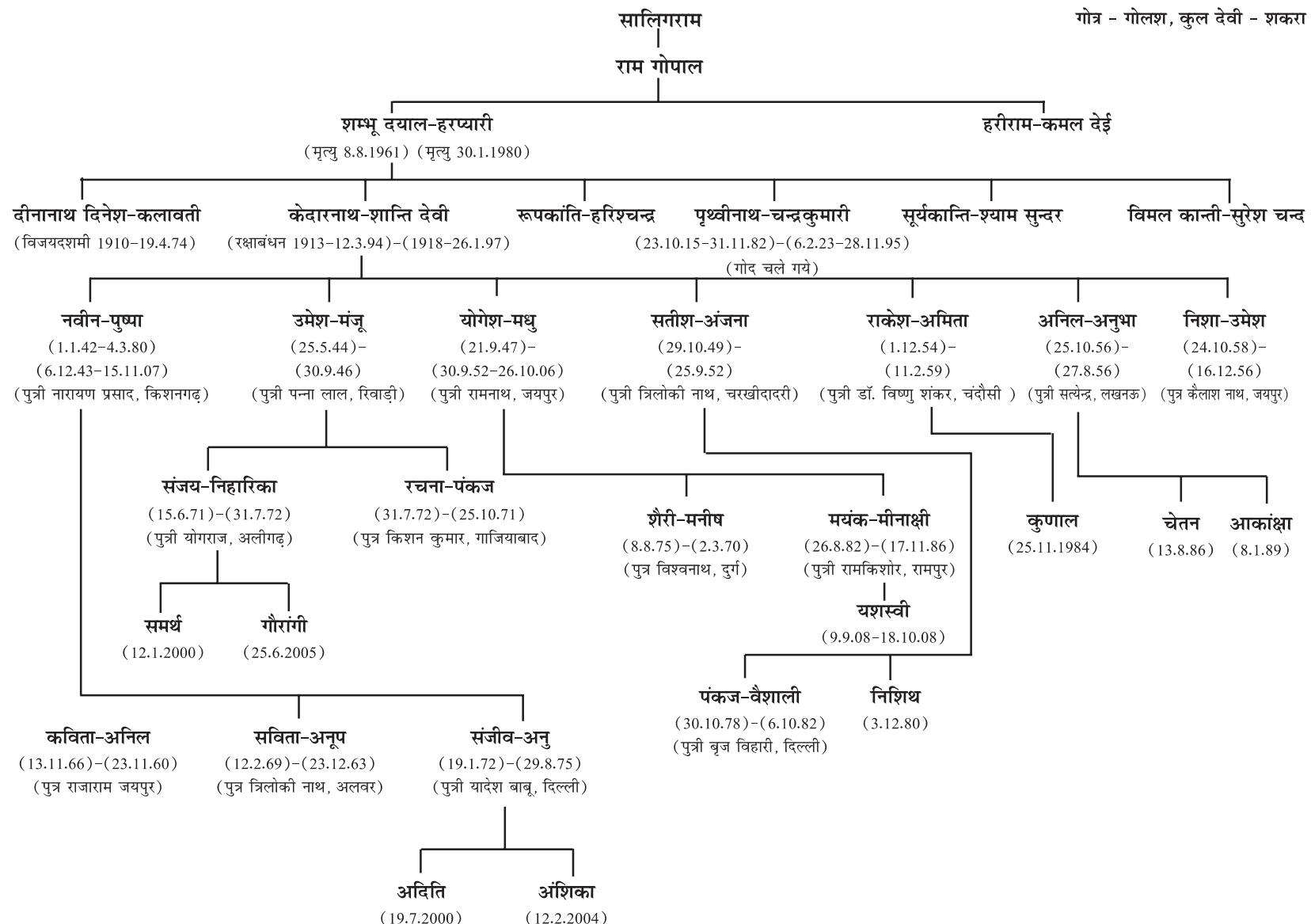


स्रोत : श्री योगेश भार्गव, बी-182/3, अरविन्द नगर, घौड़ा, दिल्ली-110053 मोबाइल: 9312243182

पूर्वजों का निवास :

गोत्र – गोलश

कुलदेवी : शकरा

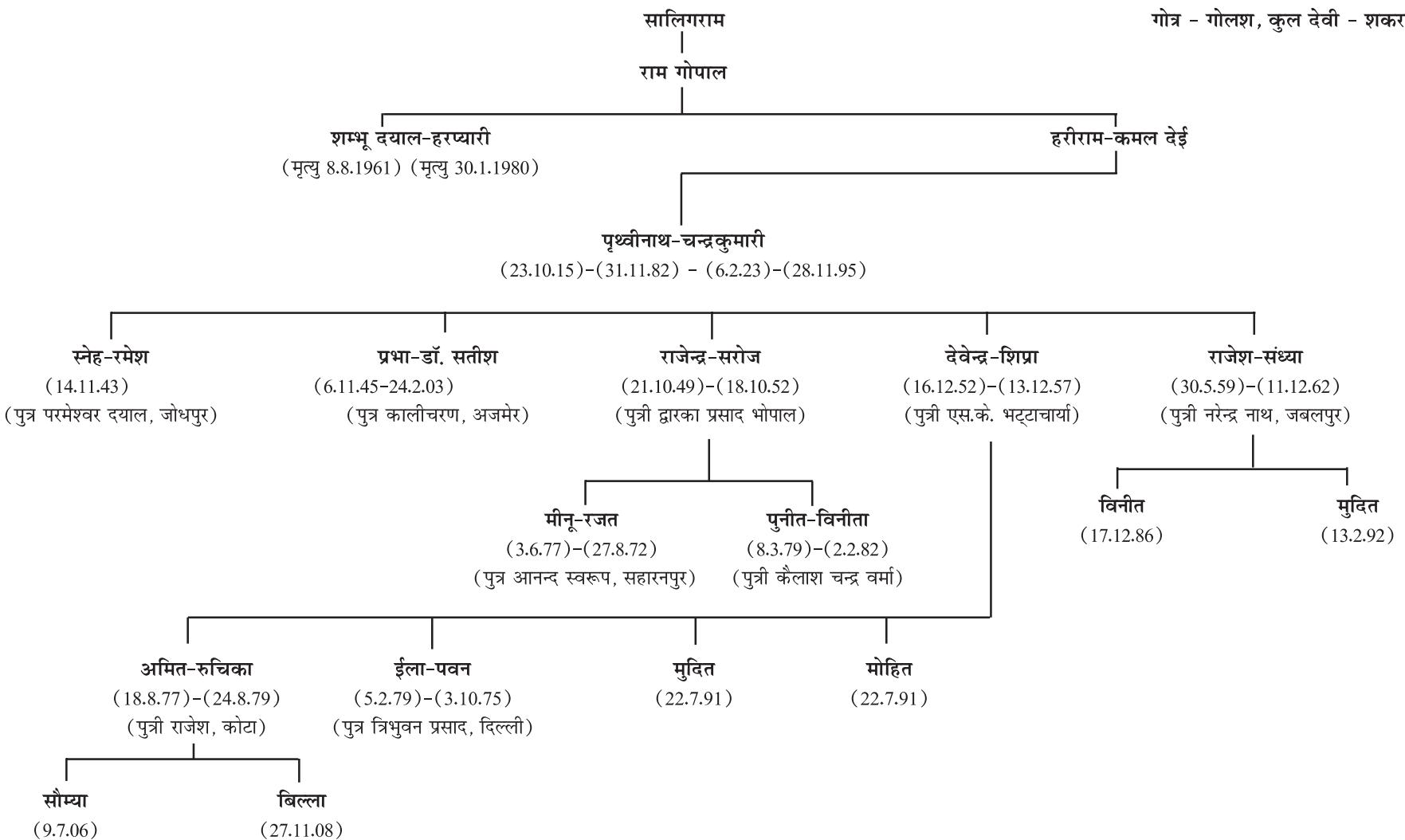


स्रोत : श्री योगेश भार्गव, बी-182/3, अरविन्द नगर, घौड़ा, दिल्ली-110053 मोबाइल: 9312243182

पूर्वजों का निवास :

गोत्र – गोलश

कुलदेवी : शकरा

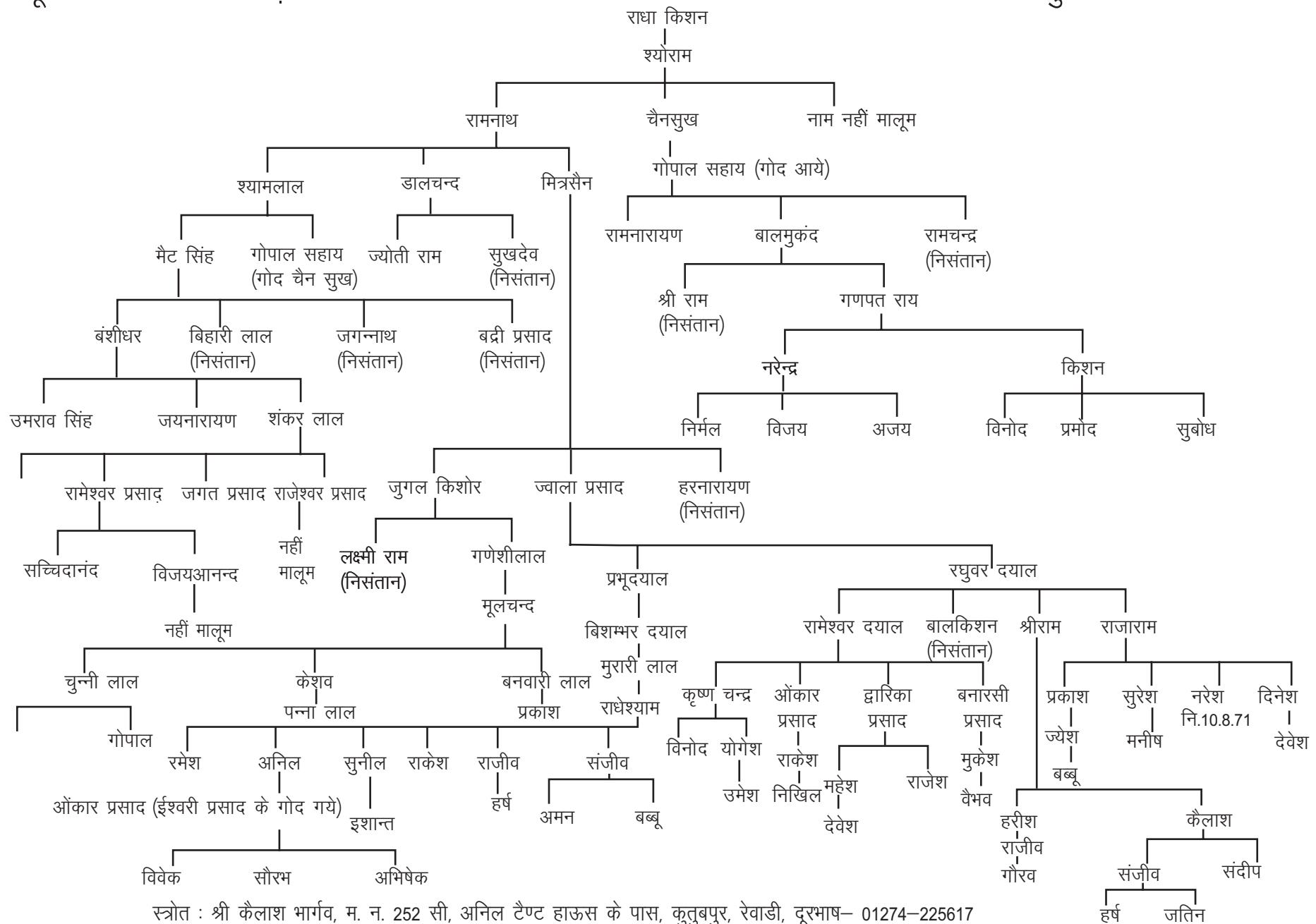


स्रोत : श्री योगेश भार्गव, बी-182/3, अरविन्द नगर, घोंडा, दिल्ली-110053 मोबाइल: 9312243182

पूर्वजों का निवास : भाड़ावासी

गोत्र – गोलश

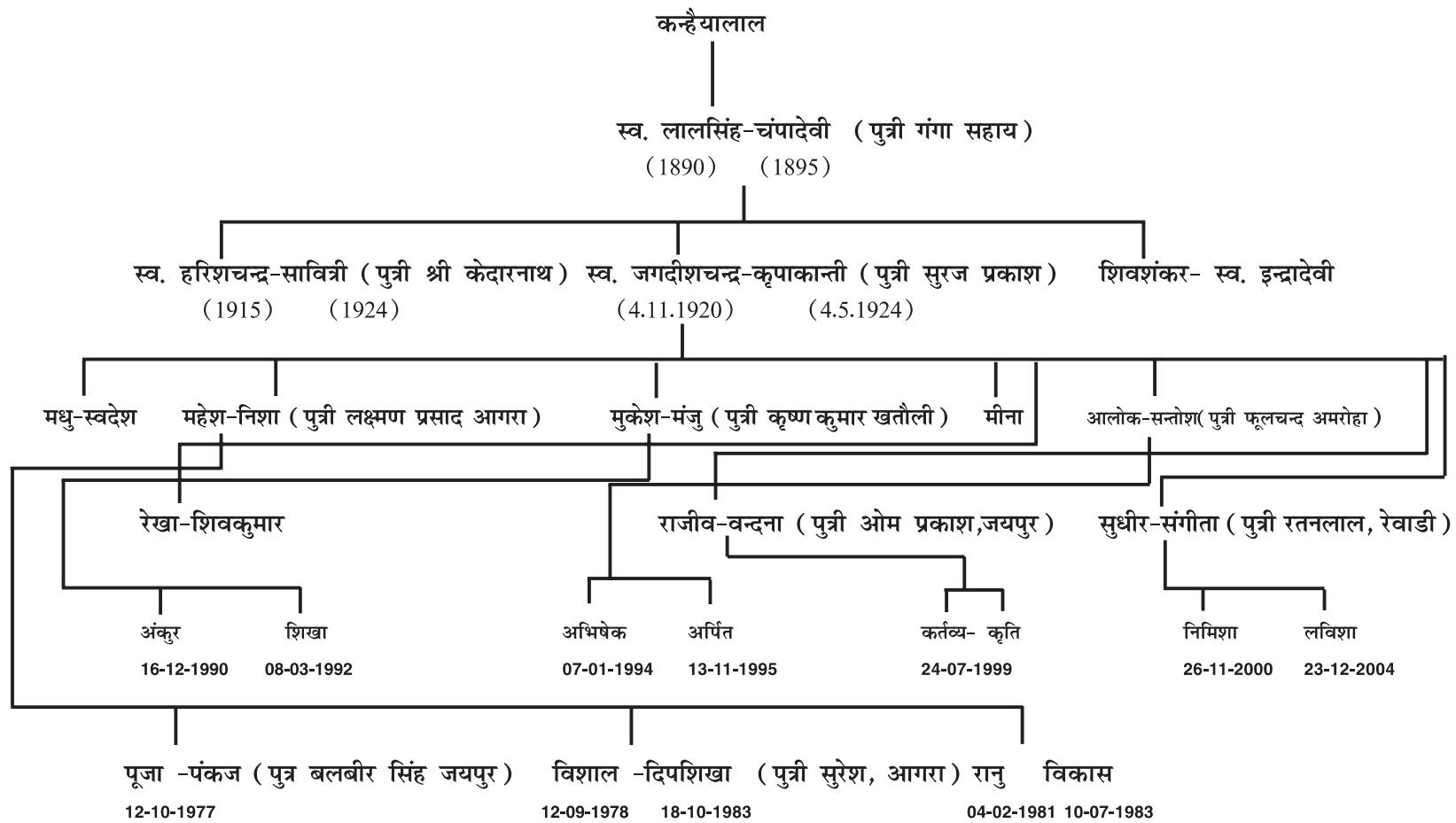
कुलदेवी :



पूर्वजों का निवास : कोटकासिम

गोत्र : गोलस

कुलदेवी : नागन



स्त्रोत: श्रीअंकुर भार्गव, ए. एस. प्रिन्टर्स मेहताब सिंह का नोहरा, अलवर- 301001 मो० 9829247375
Email- ankur161290@gmail.com

खंड 6

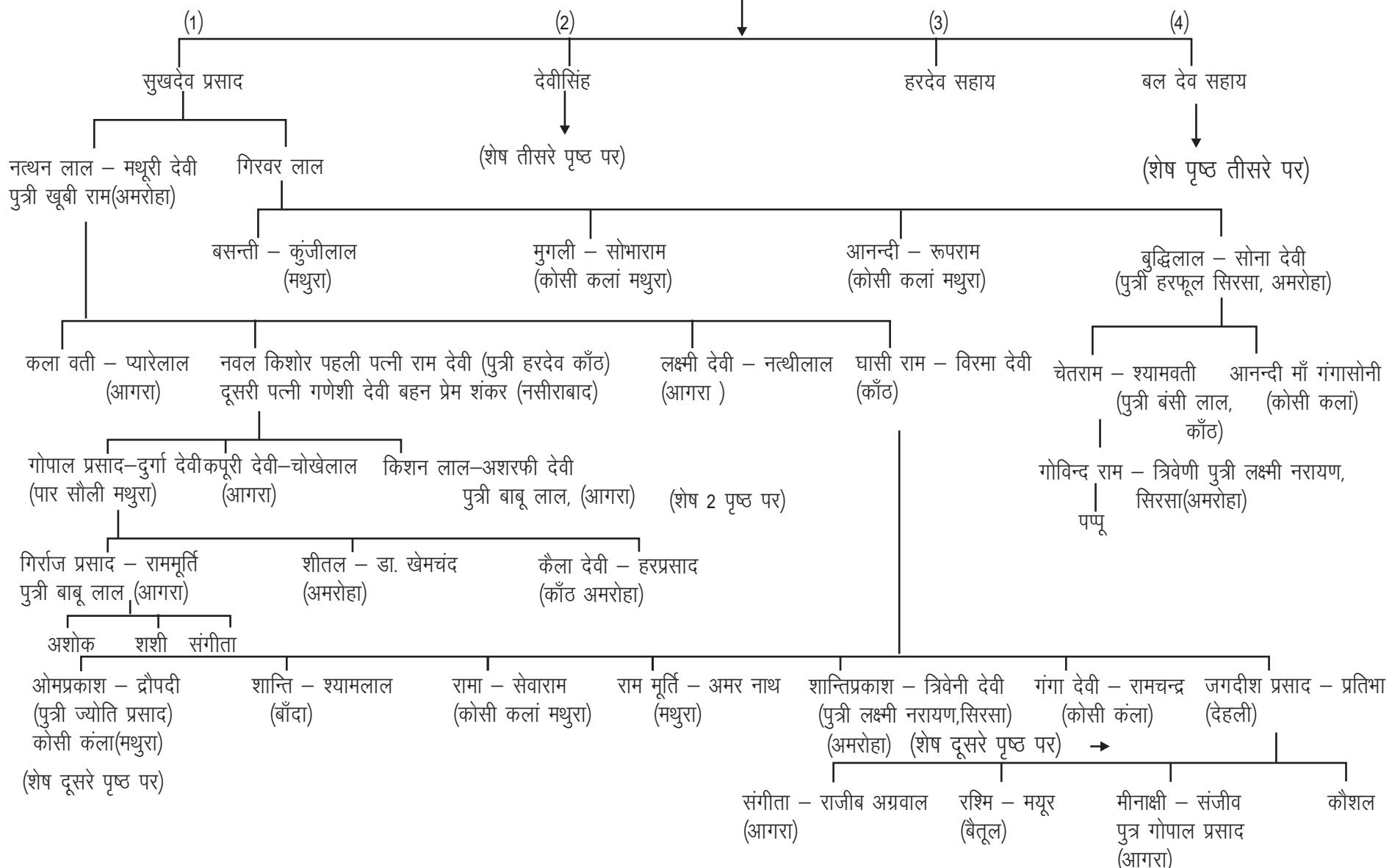
- गोत्र** : वत्स (बछलस, बचलस, वात्स, बच्छस, बंगलश आदि)
- कुलदेवी** : 44. औँचल, 45. ईटा, 46. ऊखल, 47. ककरा, 48. कनकस/कनक्स, 49. चाकमुंडेरी/जाखमुंडेरी, 50. चावण्ड/चामुण्डा, 51. तामा/तांबा, 52. नागन, 53. नागन फूसन, 54. नागन स्याह, 55. नायन, 56. नीमा, 57. बामन/ब्राह्मणी/बावनी

पूर्वजों का निवास : सहार/लाडपुर जलेसर वाले, मथुरा

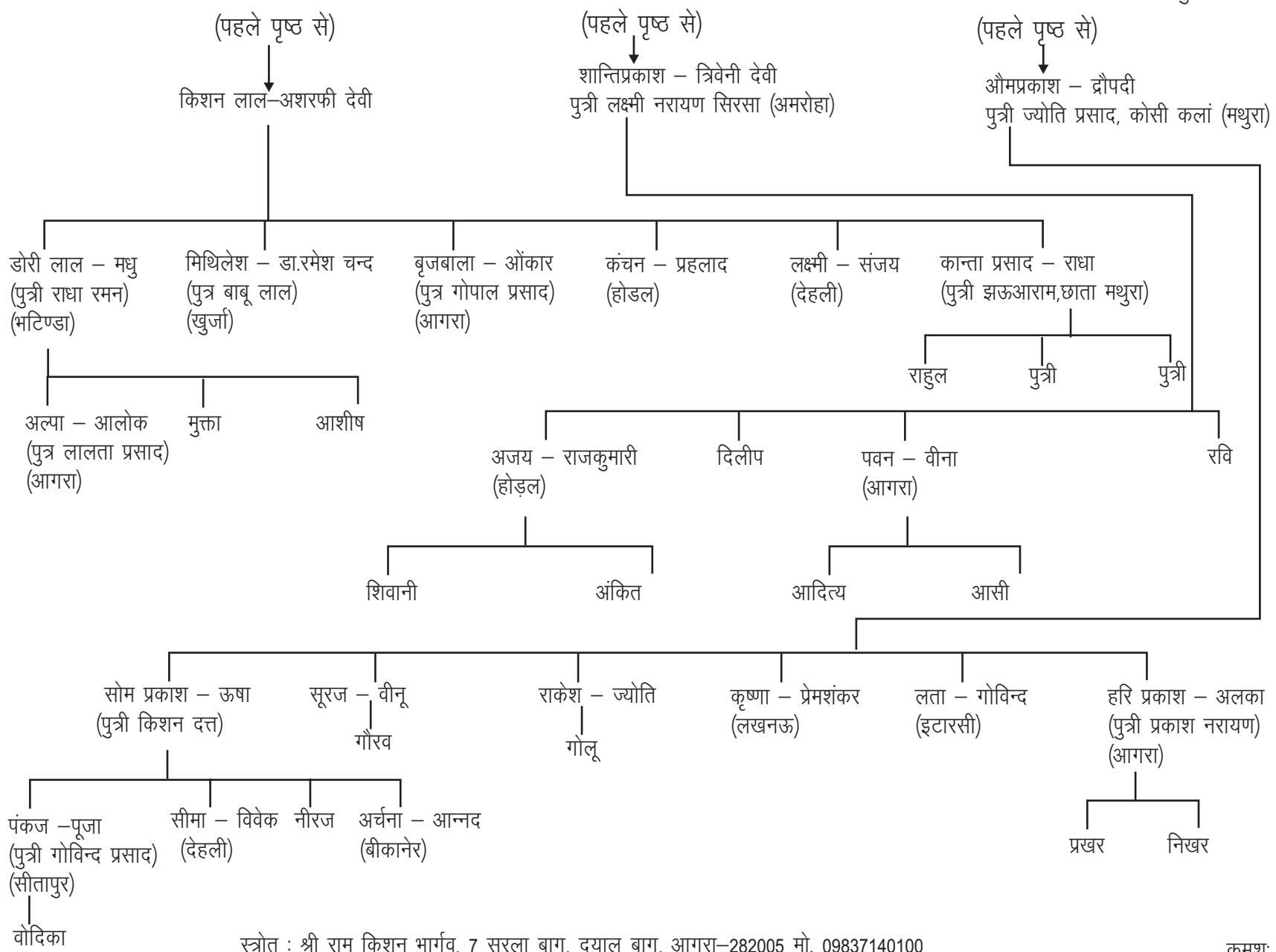
गोत्र— वत्स

कुलदेवी : तामा

हरिओम शरण



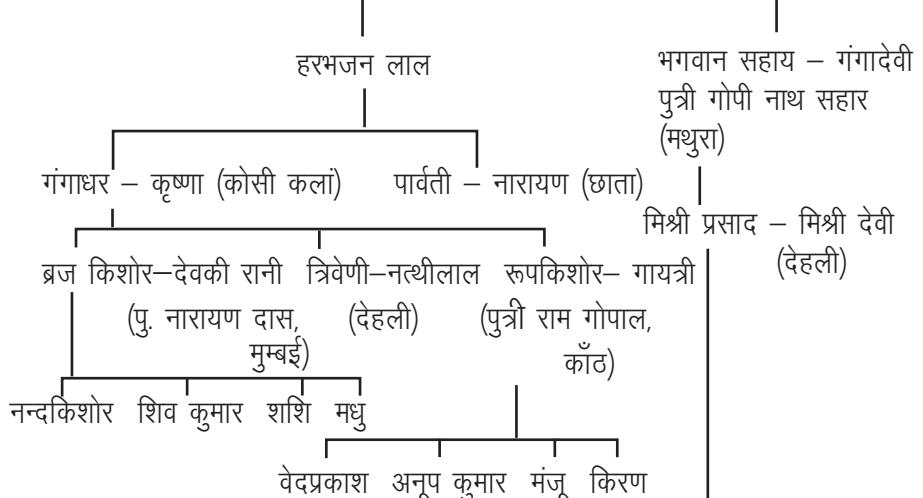
पूर्वजों का निवास : सहार / लाडपुर जलेसर वाले, मथुरा



पूर्वजों का निवास : पूर्वजों का निवास : सहार/लाडपुर जलेसर वाले, मथुरा

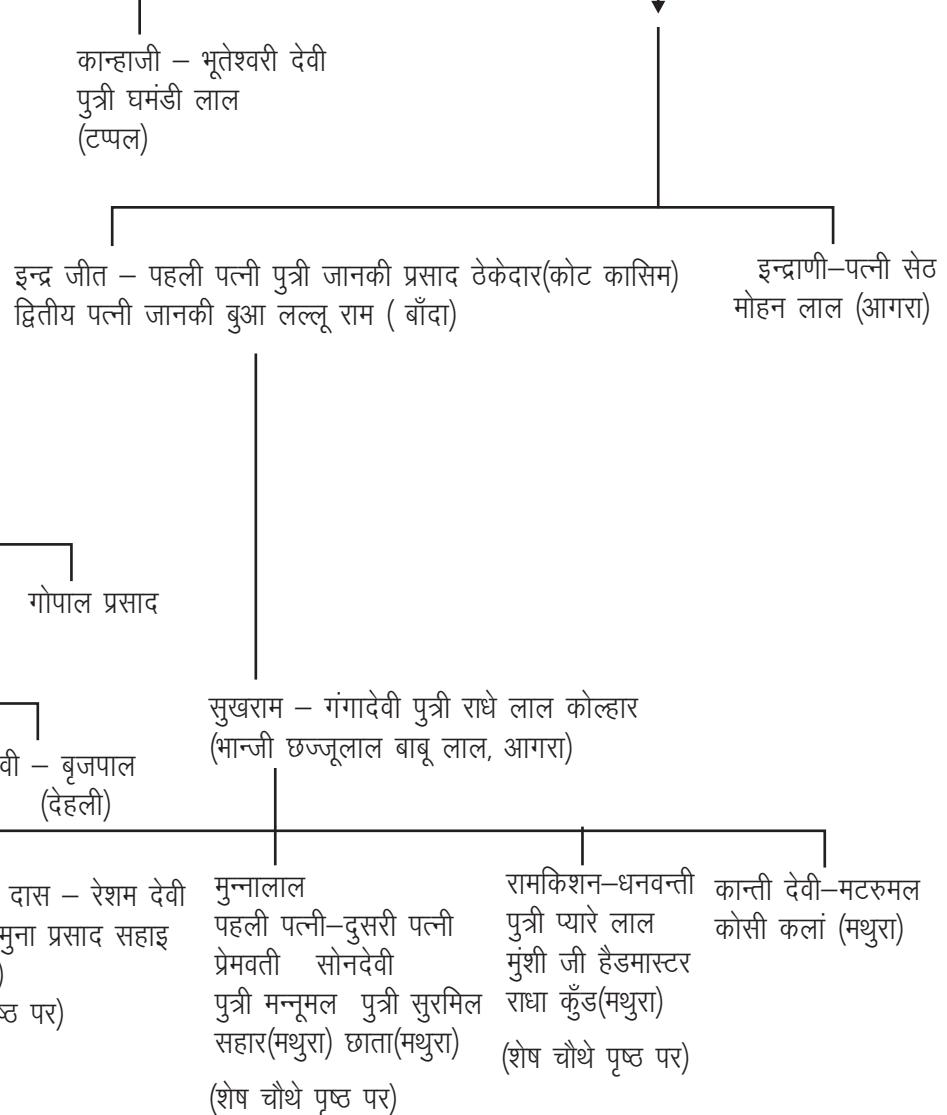
गोत्र— वत्स

(2) देवीसिंह (पहले पृष्ठ से)



कुलदेवी : तामा

(4) बलदेव सहाय
(पहले पृष्ठ से)



स्त्रोत : श्री राम किशन भार्गव, 7 सरला बाग, दयाल बाग, आगरा-282005 मो. 09837140100

क्रमशः 4

पूर्वजों का निवास : सहार / लाडपुर जिला—मथुरा

(तीसरे पृष्ठ स)

भगवान दास — रेशम देवी
पुत्री जमना प्रसाद सहार
(आगरा)

(तीसरे पृष्ठ स)

मुनालाल
पहली पत्नी—दुसरी पत्नी
प्रेमवती पुत्री सोनदेवी
मन्नूमल पुत्री सुरमिल
सहार(मथुरा) छाता(मथुरा)

गोत्र— वत्स

(तीसरे पृष्ठ से)

रामकिशन—धनवन्ती
मुशी जी हैडमास्टर
राधा कुँड(मथुरा)

अवनिका

अनिरुद्ध

राजुल—मंजू भारती—नरेश नीरु — शक्ति (नागपुर) नीलिमा — संजय संजीव
पुत्री राधेश्याम पुत्र राजा राम पुत्र प्रहलाद कृष्ण पुत्र विष्णु कुमार
(सिरोंज) (जयपुर) (अजमेर) (जयपुर)

कुलदेवी : तामा

तारा देवी — बैज नारायण जगदीश प्रसाद — रचना द्वारिका प्रसाद — कल्पना अरविन्द — आशा गोविन्द प्रसाद — प्रतिमा उमेश चन्द — डा. नीलम
पुत्र चन्दुलाल पटौदी पुत्री परमेश्वरी दयाल पुत्री रमेश चन्द (दिल्ली) पुत्री कैलाश नारायण पुत्री जगदीश प्रसाद पुत्री सूरज भान
(गुडगाँव) (लखनऊ) (दिल्ली) (आगरा) (लखनऊ) (देहली)

वर्षा — सुधांशु
पुत्र हरिचन्द्र
(बीकानेर)

कु. चारू

शिल्पी — धगेन्द्र कुमार भावना — शिशिर अस्थाना अनन्त^{शिवम्}
पुत्र प्रमोद कुमार शर्मा (पी. सी. एस., आगरा) पुत्र गोपाल बिहारी (आगरा)

नयन तारा अनीशा

पारखी प्रखर

रामेश्वर दयाल — उर्मिला
पुत्री गोपी नाथ (देहली)
राहुल रश्मि

राजेश्वर दयाल — गीता पुत्री विशेश्वर दयाल
(देहली निवास)

अर्पित अंकित

लक्ष्मी देवी—सुरेन्द्रनाथ (इलाहाबाद) सुरेन्द्र— काजल (कोलकाता) नरेन्द्र — सुनीता (मथुरा)
चारू गोपाल प्राजी छाटू

स्त्रोत : श्री राम किशन भार्गव, 7 सरला बाग, दयाल बाग, आगरा—282005 मो. 09837140100

पूर्वजों का निवास : आगरा

गोत्र—बचलस

कुलदेवी : नागन

दुर्गा प्रसाद



बाबू लाल (आगरा) – चमेली देवी



महेश प्रसाद (ग्वालिअर) – रामेश्वरी देवी (सुपुत्री मथुरा प्रसाद)



बैकुण्ठ नाथ
(आगरा)

अमर नाथ
(ग्वालिअर)

प्रेम नाथ
(आगरा)

कृष्ण कुमार
(यू.एस.ए.)

चरण दास – सुमन (सुपुत्री रत्न लाल)
(आगरा) (इलाहाबाद)

निर्मला – श्याम किशोर
(सीकर)

कविता – पंकज (कनाड़ा)
(जन्म–15.09.67)

संगीता – अनुराग (चंदोसी)
(जन्म– 04.10.70)

भावना – व्रगेंडियर नितिन
(जन्म–17.11.74)

वानी – विवेक (मुम्बई)
(जन्म– 17.11.75)

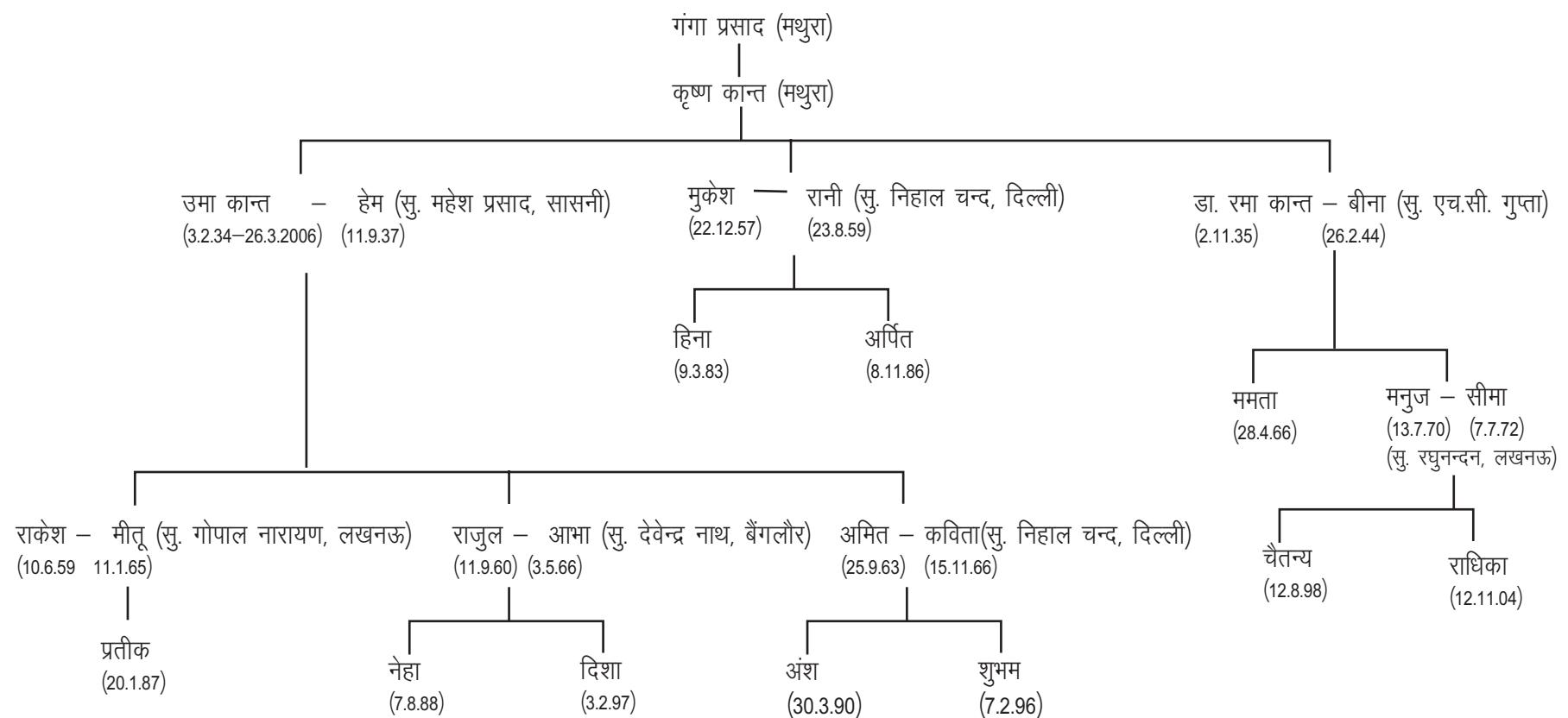
गरिमा – आशीष
(जन्म– 26.2.80) (चिकागो)

स्त्रोत : श्री चरण दास भार्गव, डी.– 47 कमला नगर, आगरा– 282005 मो. 09837041218

पूर्वजों का निवास : मथुरा

गोत्र— बचलस

कुलदेवी : नागन

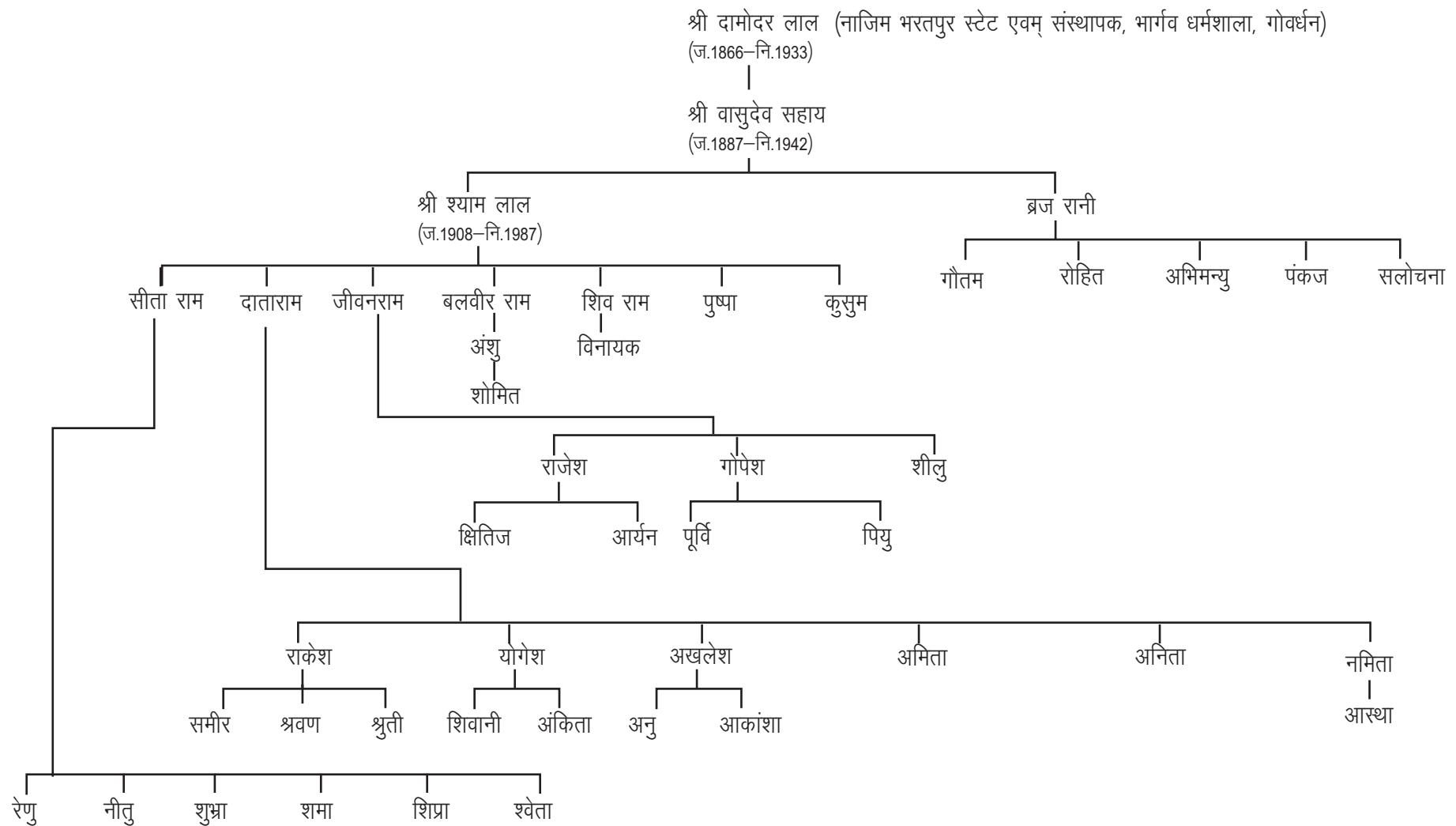


स्त्रोत : श्रीमती हेम भार्गव, 2/22 ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली – 110026, दूरभाष : 25195502

पूर्वजों का निवास : भरतपुर

गोत्र— वत्स

कुलदेवी : नागन



स्त्रोत : श्री बी.आर. भार्गव, पुराना धाऊ पासा, बासन गेट भरतपुर, राजस्थान-321001 मो.09414354985

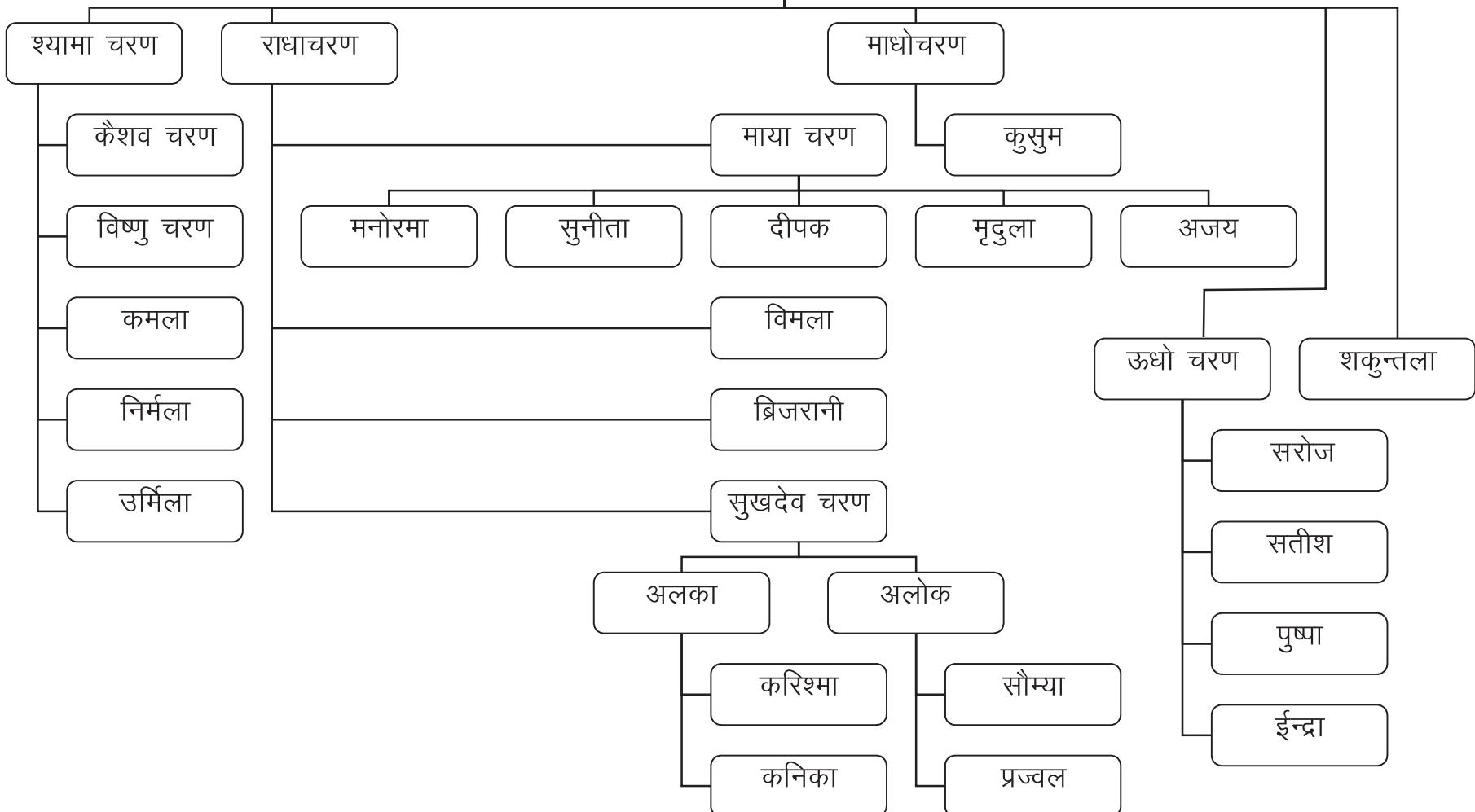
पूर्वजों का निवास : ऊर्ध्व वासी

गोत्र : बचलस

कुलदेवी : नागन

लक्ष्मन प्रसाद (पड़बाबा)

प्यारेलाल (बाबा)

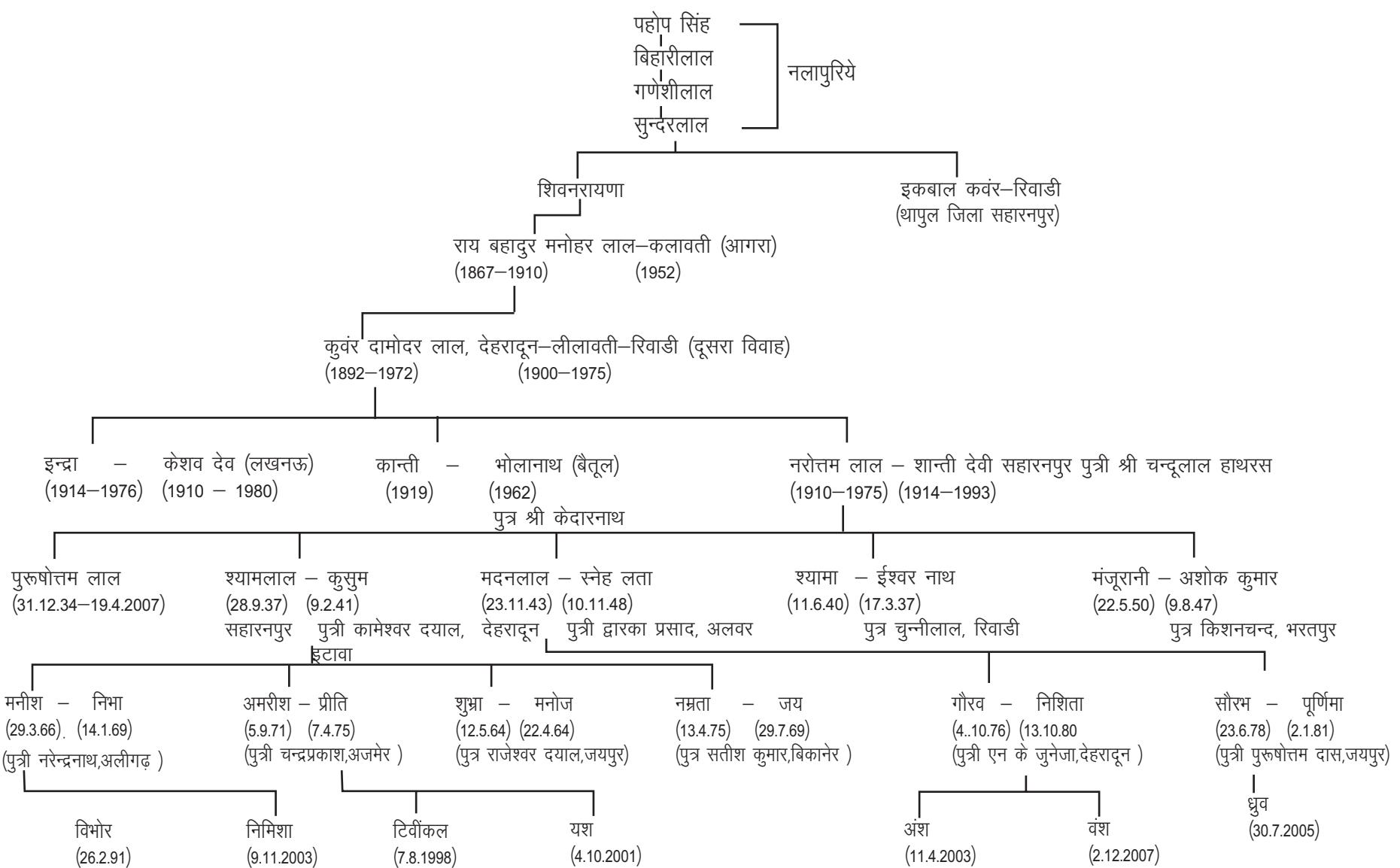


स्रोत : श्री सुखदेव चरण भार्गव, 7392 ए, राम गली, रिवाडी फोन : 01274—645501

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र-वत्स

कुलदेवी : नागन-फूसन

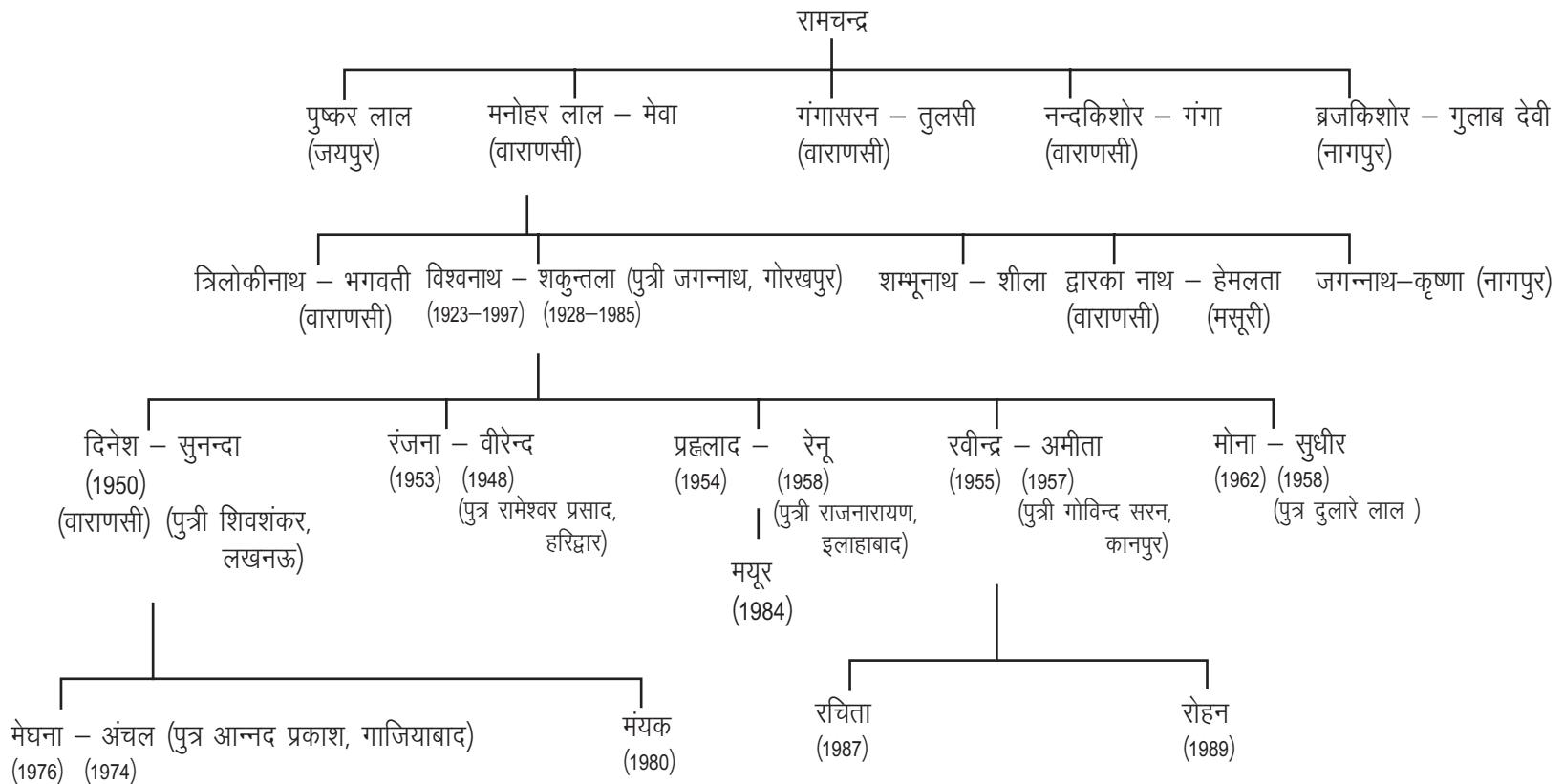


स्त्रोत : श्री श्याम लाल भार्गव, थापुल हाउस, भार्गव लेन, भगत सिंह मार्ग, सहारनपुर, दूरभाष : 0132-2647404 एवं श्री मदन लाल भार्गव, 63, अंसारी रोड, देहरादून (मो. : 09997232584)

पूर्वजों का निवास : जयपुर

गोत्र— बचलस

कुलदेवी : नागन फूसन



स्त्रोत : श्रीमती सुनन्दा—दिनेश भार्गव, के—14 / 5 जतनबर, वाराणसी दूरभाषः 0542-2437197, 09935343236

पूर्वजों का निवास : बहादुरपुर

गोत्र : बचलस

कुलदेवी : नागन फूसन

नवल राम

मगनी राम

फतह राम

बलदेव सहाय

नन्द राम (शेष दूसरे पृष्ठ पर)

रामनारायण (दुर्गा)

गोकुलचंद (राम प्यारी)

विश्वभर दयाल
(कलावती)

बालमुकुंद (अश्रफी देवी)

मनोहर लाल-चंदा

रामेश्वर
दयाल-प्रकाशवती

राधे श्याम-पुष्पा

विष्णु दयाल (सुदेश)

मनभर दयाल (आशा)

राजेन्द्र नाथ-मीरा

सुरेन्द्र नाथ-प्रतिभा

कैलाश-सरोज

स्व. प्रदीप

लोकेश-

शालिनी

आलोक-

अनिशा

गौरव-

शुभा

स्व.

सौरभ

वैभव

सुरेश-वनिता

राहुल

दिनेश-रेखा

अमन

स्व. हरीश

सुभाष-साधना

अभिषेक

महेश-संगीता

आयुष

योगेश

अर्पित

जोगेश्वर दयाल
(कृष्णा)

ईशान

मेहुल

वैभव

अजय-ईना

अभिजीत

अनिरुद्ध

विजय-रेखा

शुभम्

तरुण-ठीना

कार्तिक

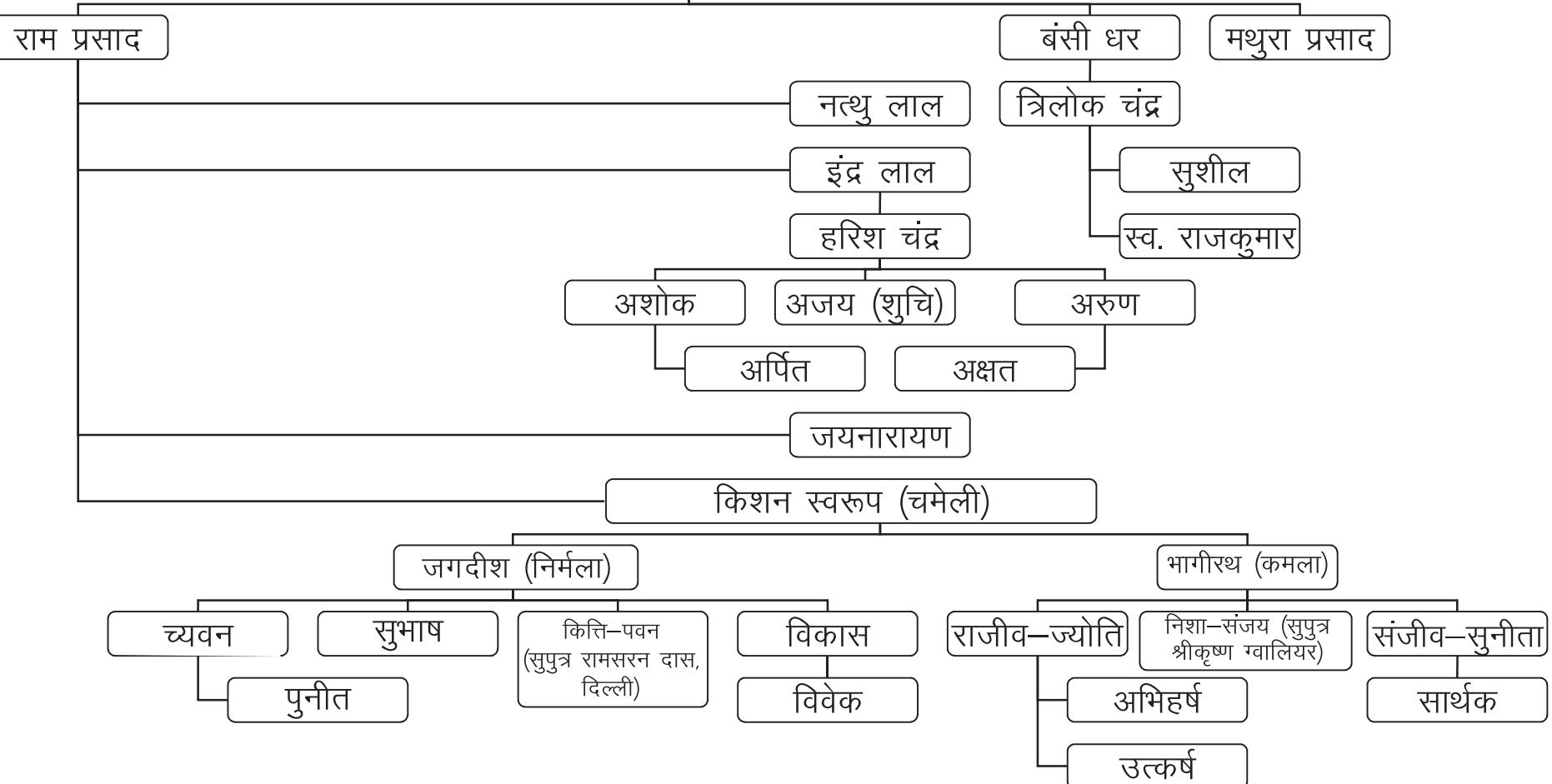
सुदर लाल

पूर्वजों का निवास : बहादुरपुर

गोत्र : बचलस

कुलदेवी : नागन फूसन

नन्द राम प्रथम पृष्ठ से



स्रोत : श्री राजेन्द्र नाथ भार्गव "कर्म योग" 5/407, एस. एफ. एस. अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-20 मो. 094143-23423

पूर्वजों का निवास : अलीगढ़

गोत्र : वत्स

कुलदेवी : नीमा

प. उमरावसिंह (अलीगढ़)

रामसरन

मलूक चन्द्र-गंगा देवी

कल्याण सिंह

प. फतेह चन्द्र
(पत्नी परमेश्वरी देवी)

ब्रह्मावती-आर.एन. भार्गव

बसन्तलाल-विजयलक्ष्मी

सुधा-प्रेमशंकर

कन्हैयालाल-शैल

अरुणीमा-
विष्णु, जयपुर

पूर्णिमा-
ध्रुव, बनारस

कपिल-
अर्चना

मिथ्लेश-
किरन

अनिल-
मनीषा

नीलिमा-
अशोक, जयपुर

रमा-
राजेश, कटक

संजय-
रश्मि

अजय-
निधि

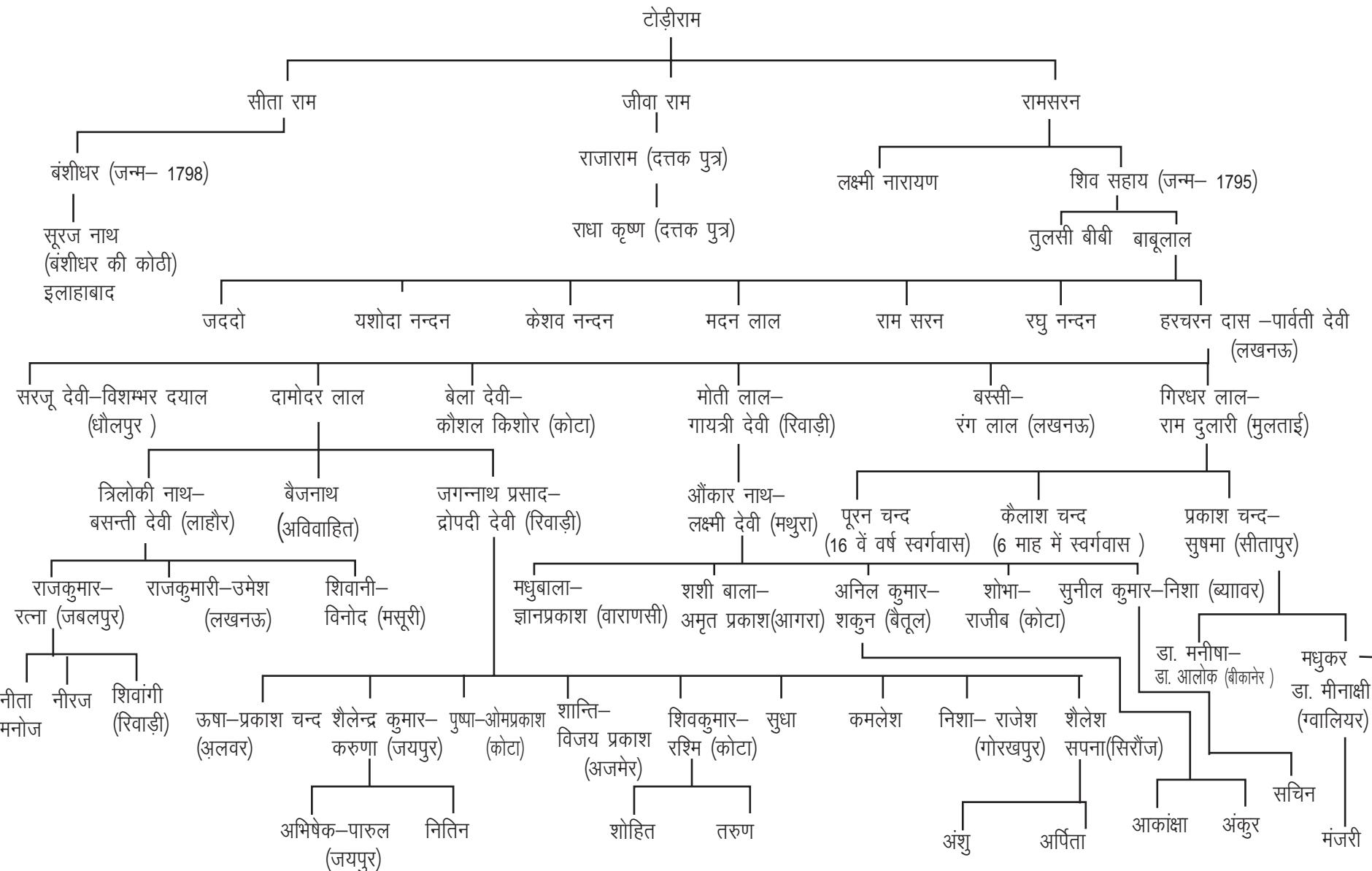
अतुल

स्रोत: श्रीमती निधि - अजय, भार्गव, भार्गव इंजीनियरिंग वर्क्स, सराय रहमान, जी. टी. रोड, अलीगढ़ मोबाइल : 09319078456

पूर्वजों का निवास : इलाहाबाद

गोत्र – बचलश

कुलदेवी : नीमा

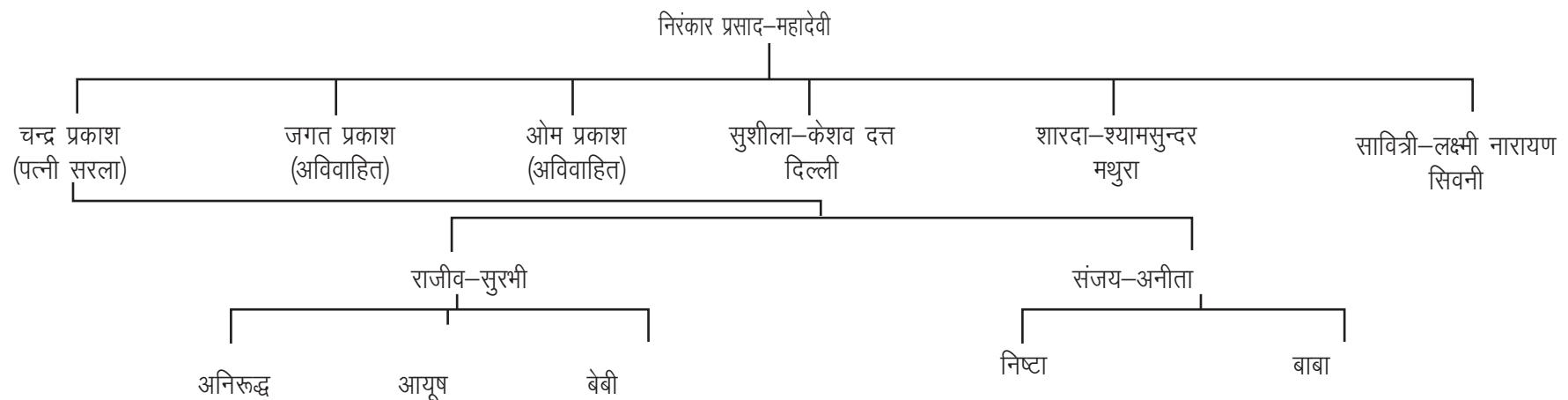


स्रोत : श्री प्रकाश चन्द भार्गव, 412, चौथी मेन एच आर बी आर 2 ब्लॉक, कल्याण नगर, बैंगलोर – 560043 मो. 09845323926

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – वत्स

कुलदेवी : नीमा

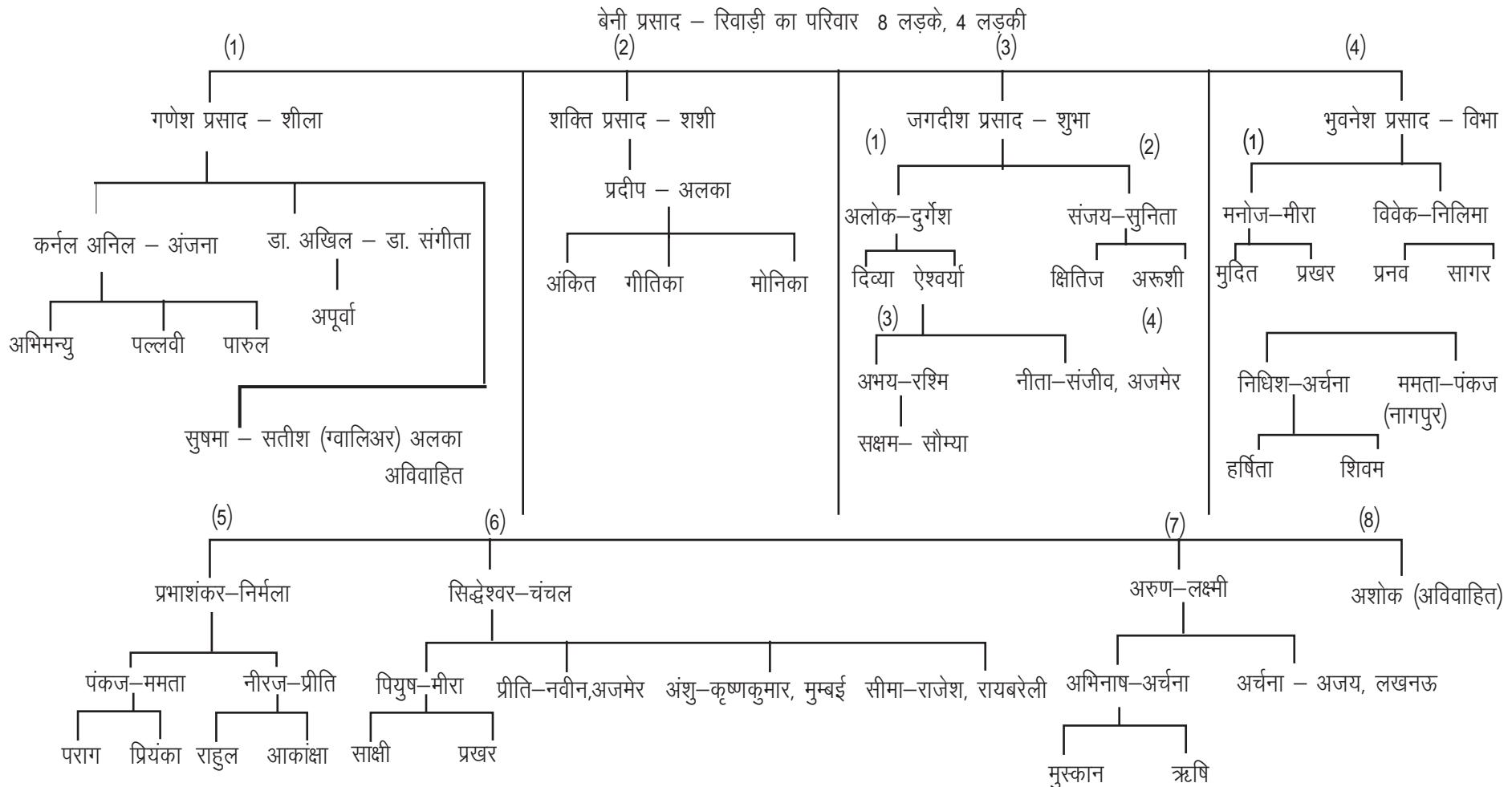


स्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रनिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊँड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – वत्स

कुलदेवी : नीमा



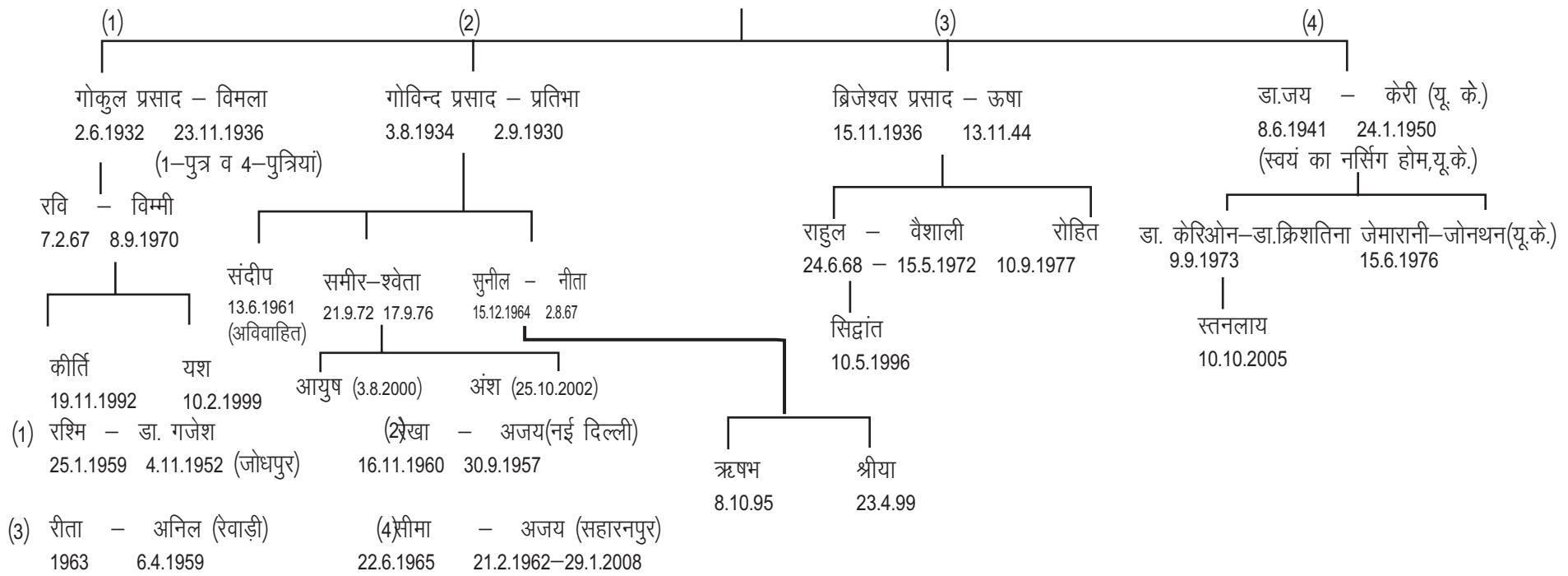
स्त्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रॅन्सिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊँड, इन्दौर – 452001 दूरभाष: 0731 – 2522243

पूर्वजों का निवास : रिवाड़ी

गोत्र – वत्स

कुलदेवी : नीमा

राय रतन डा.कामता प्रसाद – (1904)–अमरित कला (1910) सात पुत्र तथा तीन पुत्रियां



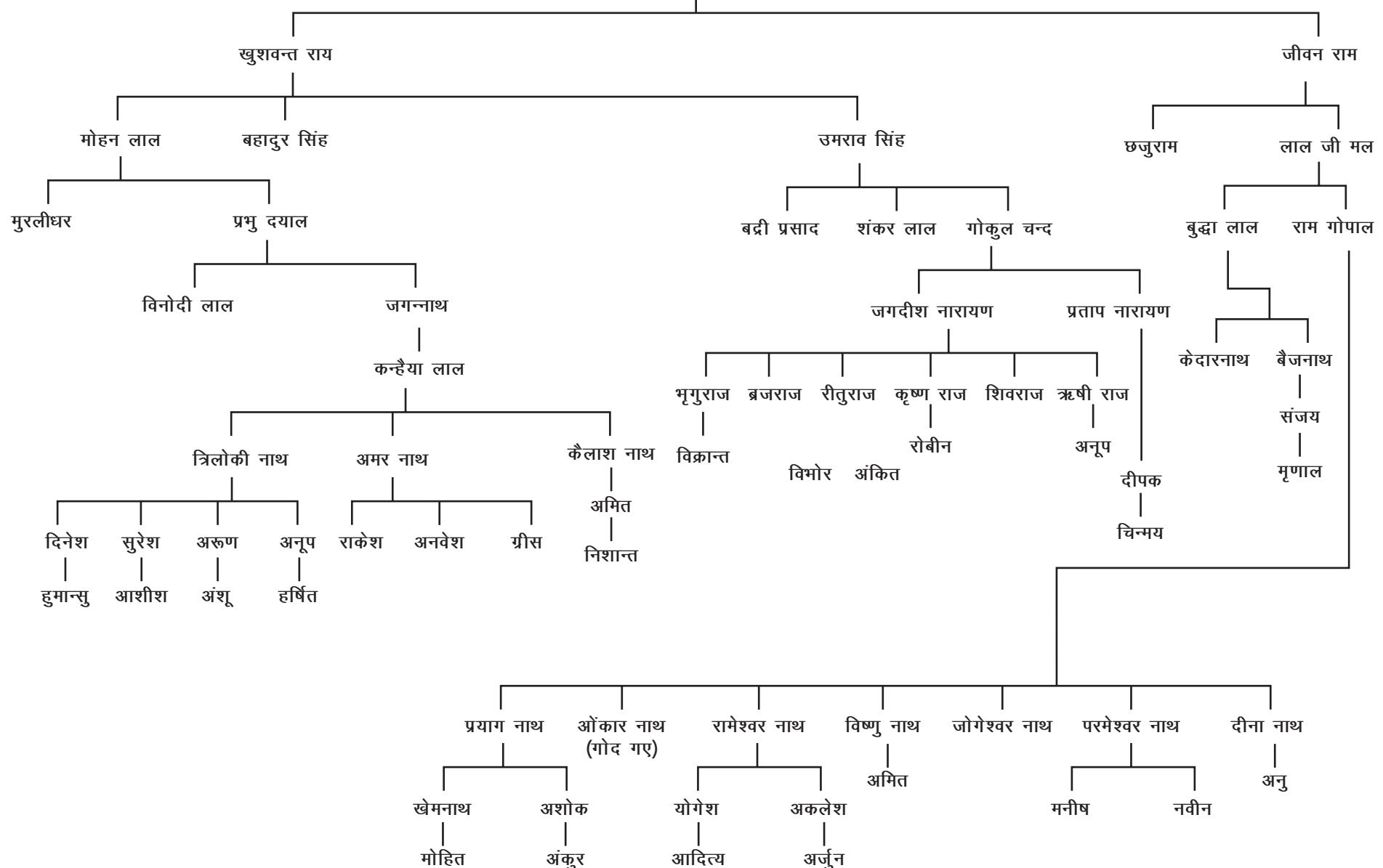
स्त्रोत : द्वारा श्री गोकुल प्रसाद भार्गव, 201 प्रन्तिस लेन्डमार्क, रतलाम कोठी कम्पाऊड, इन्दौर-45201 दूरभाष: 0731-2522243

पूर्वजों का निवास :

गोत्र : बचलस

कुलदेवी : नायन

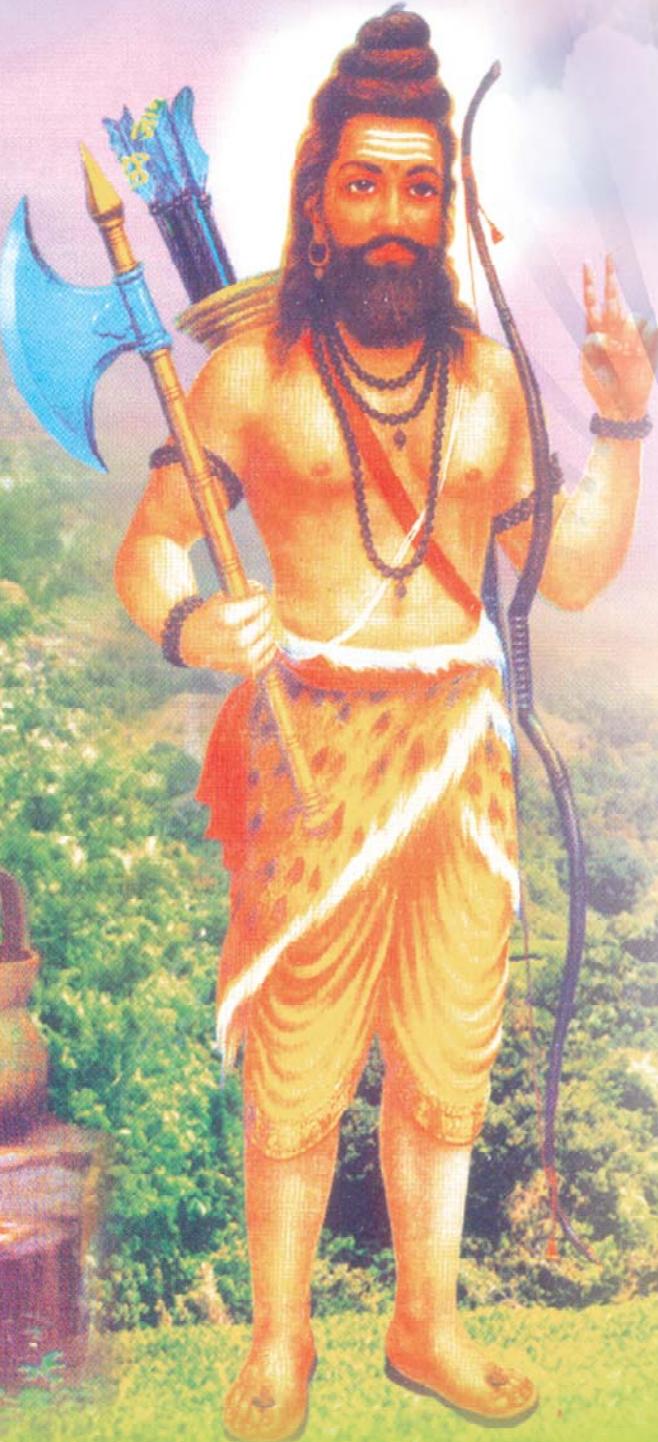
सेवक राम



स्रोत : कैप्टन केदार नाथ भार्गव, 69 / 13, गुलाब बाड़ी, अजमेर, राजस्थान, दूरभाष : 0145-2662448



रिवाड़ी स्थित भार्गव सभा के
छीतरमल कौशल किशोर मन्दिर
शिवजी महाराज का एक विहंगम
एवं आकर्षक दृश्य



संत चरणदास



सुश्री सहजो बाई



सन्त हेमचन्द्र विक्रमादित्य